वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT LUCKNOW

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT LUCKNOW

विषय सूची

संस्थान	04
शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)	06
अध्यक्ष की ओर से	08
निदेशक का अवलोकन	10
शैक्षणिक परिषद	14
रैंकिंग और वैश्विक मान्यता	15
शैक्षणिक कार्यक्रम	16
शोध एवं परामर्श	48
उत्कृष्टता केन्द्र	66
उद्योग संवर्धन केन्द्र	80
अंतरराष्ट्रीय साझेदारी	90
कार्यकारी शिक्षा	94
सहायता एवं सुविधाएँ	97
छात्र एवं पूर्वछात्र गतिविधियाँ	102
सामुदायिक मामले	139
एनईपी के तहत नवीन पहल	147
अन्य पहल	149
संलग्नक	153

संस्थान

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ भारत सरकार द्वारा स्थापित बीस कार्यात्मक राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थानों में से एक है।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की दृष्टि

प्रबंधन में ज्ञान सृजन करना और प्रदान करना तथा सामाजिक रूप से जागरूक होने के साथ ही, विश्व स्तर पर प्रासंगिक विचारशील नेतृत्व प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता का एक केंद्र बनना।

हमारे लोग

अकादमिक रूप से प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करके व्यवसायों, सरकार और बड़े पैमाने पर समाज के समग्र लाभ के लिए मानवीय आंतरिक क्षमता की अभिव्यक्ति में सहयोग प्रदान करते हैं।

पेशकश

मूल्य-आधारित युवा नेतृत्वकर्ताओं का पोषण करना जो एक नैतिक, न्यायपूर्ण और स्थायी समाज बनाने की दिशा में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने में सक्षम हो सके।

दृष्टिकोण

अभिनव और टिकाऊ व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को हल करने में सक्षम उद्यमशील भावना और कार्यों वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित और विकसित करना।

मूल्य

एक ऐसा कार्यस्थल विकसित करना जो वैश्विक लोकाचार को बढ़ावा देता है और रचनात्मकता, साहस, अखंडता, सम्मान और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

उद्देश्य

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का उद्देश्य प्रबंधन शिक्षा, अनुसंधान, परामर्श और क्षमता निर्माण में उत्कृष्टता की तलाश के माध्यम से व्यापार, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं के संबंध में प्रबंधन प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद करना है।

शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)

श्री एन चंद्रशेकरन
अध्यक्ष, बीओजी, आईआईएम लखनऊ और
अध्यक्ष, टाटा संस
बॉम्बे हाउस
24, होमी मोदी स्ट्रीट
मुंबई 400 001

श्री पी के बनर्जी, आईएसएस
संयुक्त सचिव (प्रबंधन, एमसी और छात्रवृत्ति)
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110 001

श्री नरेंद्र भूषण, आईएएस
प्रमुख सचिव, यूपी सरकार
तकनीकी शिक्षा विभाग
यूपी सचिवालय
लखनऊ - 226 001

श्रीमती रूपा सतीश
प्राथमिक सलाहकार- मार्केट्स साउथ एशिया
क्लाइमेट बॉन्ड्स इनिशिएटिव
मुंबई - 400 022

श्री संदीप श्रीवास्तव
सीईओ और सह-संस्थापक पीपलफ्यूजन
C-603, रोज़वुड अपार्टमेंट्स, मयूर विहार फेज-1
नई दिल्ली - 110 091

श्री जयदीप देवधर
संस्थापक - सिमुलेटिक्स सर्विसेज
फ्लैट 301, अवनीश बिल्डिंग, 16
शांतिशीला कॉलोनी
लॉ कॉलेज रोड, फिल्म के पास संस्थान
पुणे - 411 004

श्रीमती नित्या ईश्वरन
प्रबन्ध निदेशक
मल्टीपल्स अल्टरनेट एसेट मैनेजमेंट
701, पूनम चैंबर्स, बी विंग,
डॉ एनी बेसेंट रोड, वर्ली,
मुंबई – 400018

प्रो. पदम कांत
पूर्व अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग और
पूर्व निदेशक, एचआरडीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय
8/345, विकास नगर
लखनऊ

श्रीमती माया एस सिन्हा, आईआरएस (सेवानिवृत्त)
संस्थापक निदेशक
क्लियर मेज़ कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और
सीएमसी स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड
11, विपुल बिल्डिंग
28, बी जी खेर मार्ग
मालाबार हिल
मुंबई 400006

श्रीमती शिखा शर्मा
पूर्व सीईओ, एक्सिस बैंक लिमिटेड
4704, 360 वेस्ट बाय ओबेरॉय रियलिटी
सेंचुरी बाजार के पास
डॉ एनी बेसेंट रोड,
वर्ली
मुंबई 400 025

प्रो. अर्चना शुक्ला
निदेशक
भारतीय प्रबन्धन संस्थान
प्रबन्ध नगर, आईआईएम रोड
लखनऊ - 226 013

प्रो. अजय के गर्ग
डीन (संकाय)
भारतीय प्रबन्धन संस्थान
प्रबन्ध नगर, आईआईएम रोड
लखनऊ - 226 013

प्रो. विकास श्रीवास्तव
डीन (कार्यक्रम)
भारतीय प्रबन्धन संस्थान
प्रबन्ध नगर, आईआईएम रोड
लखनऊ - 226 013

अध्यक्ष की ओर से

मैं प्रसन्नता के साथ भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का 2024–25 वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ।

पिछले पाँच वर्षों में हमने एक पीढ़ी में एक बार आने वाली वैश्विक महामारी, यूरोप और मध्य पूर्व में सैन्य संघर्ष तथा वैश्वीकरण की मंदी का अनुभव किया है। इसी बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदलना प्रारम्भ किया है। ऊर्जा संक्रमण और विश्व के कार्यबल में बड़े बदलाव भी इसी क्रम में हो रहे हैं। आज के प्रबन्धकों को हाल के किसी भी समय की तुलना में अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

इस अनिश्चित परिवेश में सफल होने के लिए व्यवसायों को अपनी कार्यनीतियों में चुस्ती और क्रियान्वयन की गति पर ध्यान केन्द्रित करना आवश्यक है।

व्यवसायों को बदलते परिवेश के अनुरूप अनुकूल होने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर संचालन तंत्र और आपूर्ति श्रृंखलाओं का त्वरित पुनर्गठन करने की लचीलापन रखना चाहिए। साथ ही उन्हें एआई और स्वचालन के अवसरों को भुनाना चाहिए तथा अपने मानव कार्यबल के प्रति भी संवेदनशील रहना चाहिए। उन्हें उपभोक्ताओं की नई पीढ़ी की बदलती आवश्यकताओं और मूल्यों पर ध्यान देना होगा। किन्तु सबसे अधिक आवश्यक है कि वे परिवर्तन के सामने लचीले और दृढ़ बने रहें।

व्यवसाय प्रबन्धकों को कार्यक्रमों और परियोजनाओं को तीव्रता से क्रियान्वित करना होगा ताकि उनके व्यवसाय प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहें। प्रबन्धकों को अपने तकनीकी कौशल के साथ-साथ अपने मानवीय गुणों का भी उपयोग करना होगा। प्रभावशाली नेतृत्वकर्ताओं को अपरिचित समस्याओं के लिए नए समाधान खोजने में नवाचारशील होना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर दिशा बदलने के लिए अनुकूल और उदार मस्तिष्क रखना चाहिए।

हम भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के अपने कार्यक्रमों में इन सभी गुणों को विकसित करने का प्रयास करते हैं।

वर्ष 2024–25 हमारे लिए नई ऊर्जा और गति का रहा है। संस्थान ने व्यवसाय जगत की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्नातकों को तैयार करने की प्रक्रिया जारी रखी। इस वर्ष हमने अपने कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाया है और साथ ही सुदृढ़ शैक्षणिक मानकों को बनाए रखा है। यह विस्तार निम्नलिखित कार्यक्रमों में हुआ है — I. प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) II. कृषि व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) III. सतत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एसएम) IV. कार्यरत अधिकारियों हेतु प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी डब्ल्यूई) V. अधिकारियों हेतु अन्तरराष्ट्रीय प्रबन्धन कार्यक्रम (आईपीएमएक्स) VI. प्रबन्धन में फैलोशिप कार्यक्रम (एफपीएम) VII. प्रबन्धन में कार्यकारी फैलोशिप कार्यक्रम (ईएफपीएम) प्रत्येक कार्यक्रम का पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है। इसमें प्रबन्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सततता, डिजिटल रूपान्तरण, स्वास्थ्य प्रबन्धन तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन जैसे नए क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

गत वर्ष संस्थान ने कुल 811 डिग्रियां प्रदान कीं। इसने अपना वैश्विक विस्तार भी मज़बूत किया और एसकेईएमए बिजनेस स्कूल (फ्रांस), ईएम नोर्मांडे बिजनेस स्कूल (फ्रांस) तथा एक्स-मार्से विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय (फ्रांस) के साथ नए सहयोग स्थापित किए। ये सहयोग पहले से ही 40+ प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय साझेदार संस्थानों के नेटवर्क को और सशक्त करते हैं। यह नेटवर्क छात्र विनिमय के अवसर उपलब्ध कराता है और एमलियोन बिजनेस स्कूल व ईडीएचइसी बिजनेस स्कूल (फ्रांस) के साथ संयुक्त डिग्री जैसे गहरे कार्यनीतिक संपर्क में पूरक का काम करता है। आईआईटी कानपुर के साथ सहयोग चिकित्सा प्रौद्योगिकी और प्रबन्धन दक्षता को जोड़कर स्वास्थ्य क्षेत्र की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास है।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का उद्योग संवर्धन केन्द्र, जिसे भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार तथा स्टार्टअप इंडिया का सहयोग प्राप्त है, हाल ही में 200+ स्टार्टअप्स की मेजबानी कर चुका है। इनका संयुक्त मूल्यांकन 3,500 करोड़ रुपये से अधिक है, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में इसके योगदान को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के सुशासन केन्द्र (सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस) के साथ समझौता ज्ञापन शोध सहयोग और शैक्षणिक आदान-प्रदान को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संकाय की शोध उपलब्धियों में वर्ष 2024–25 के दौरान 145 प्रकाशन सम्मिलित रहे। इनमें से 35% शोधपत्र ए* और ए श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए, जिनमें दो प्रतिष्ठित एफटी50 पत्रिकाओं में भी शामिल थे। संकाय और डॉक्टोरल शोधार्थियों ने विश्वभर में 100 से अधिक सम्मेलनों में सहभागिता की। यह वर्ष हमारे पूर्णकालिक डॉक्टोरल कार्यक्रम के लिए विशेष रहा, जिसने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई और अपने दायरे का विस्तार कर व्यवसाय सततता में पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किया।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखी है। यह विभिन्न वैश्विक रैंकिंग में स्पष्ट है। संस्थान को एएमबीए (एसोसिएशन ऑफ एमबीए, लन्दन) और एएसीएसबी (एसोसिएशन टू एडवांस कोलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस, टैम्पा, फ्लोरिडा, अमेरिका) दोनों से दोहरी मान्यता प्राप्त है।

वर्ष 2025 की राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग (एनआईआरएफ) में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ को प्रबन्धन संस्थानों में 5वां स्थान मिला है। इसके अतिरिक्त, फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2025 में यह 57वें स्थान पर रहा। क्यूएस विश्व रैंकिंग 2025 में संस्थान का पीजीपी कार्यक्रम 111–120 श्रेणी में स्थानित हुआ।

संस्थान ने प्रबन्धन शिक्षा के सभी आयामों में निरन्तर प्रगति की है और यह शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा नेतृत्व विकास के लिए व्यापक रूप से सम्मानित है।

मैं अपने बोर्ड के सहयोगियों, संकाय सदस्यों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों और सभी विद्यार्थियों का उनके समर्पण और सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

एन. चन्द्रशेकरन
अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

निदेशक का अवलोकन

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के निदेशक के रूप में दायित्व संभालना मेरे लिए सम्मान और विनम्रता से भरा अनुभव है। जैसे ही मैंने परिसर में प्रवेश किया, इसकी समृद्ध परम्परा का भार अनुभव किया—यह वह स्थान है जिसने चार दशकों से भी अधिक समय तक नेतृत्वकर्ताओं, विचारों और संस्थानों का निर्माण किया है। इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए ऐसा है जैसे किसी सजीव और विकसित हो रही धारा में सम्मिलित होना, जहां मैं नई सम्भावनाओं में योगदान दे सकूं और अपने पूर्ववर्तियों द्वारा रखी गई नींव को और सुदृढ़ कर सकूं। मेरे लिए यह परिवर्तन केवल एक संस्थान का नेतृत्व करना नहीं, बल्कि एक सामूहिक मिशन का अंग बनना है—ऐसे नैतिक, दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण करना, जो व्यवसाय और समाज के भविष्य को आकार दें। कृतज्ञता, उत्साह और उत्तरदायित्व की भावना के साथ मैं भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में यह नया अध्याय आरम्भ कर रहा हूं।

गर्व की सघन अनुभूति के साथ मैं शैक्षणिक वर्ष 2024–25 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूं, जो हमारी टीम की निष्ठा और कठिन परिश्रम का प्रतिबिम्ब है।

मैं सबसे पहले, हमारे अध्यक्ष श्री एन. चन्द्रशेकरन को बधाई देता हूं, जिन्हें यूनाइटेड किंगडम सरकार द्वारा मानद नाइटहुड—'मोस्ट एक्सेलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर'—से सम्मानित किया गया है। यह विशिष्ट सम्मान भारत-यूके व्यावसायिक सम्बन्धों में उनके असाधारण योगदान और उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। हमारे लिए यह सौभाग्य है कि वे हमारे संस्थान का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

कार्यक्रम

यह शैक्षणिक वर्ष भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के लिए सम्मान और विशिष्टता से भरा था। कुल 91 छात्रों को आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति का लाभ मिला। कुछ उल्लेखनीय उद्योग-प्रायोजित छात्रवृत्तियों में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक छात्रवृत्ति शामिल है, जिसे ईशिका राम चौधरी, सुमन बी., बुक्या राजा, जी. नागा सुमंथ और नीलिमा साहा को प्रदान किया गया। नायक श्रावणी और तारुणी सिंघल को आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति मिली; वंदित गोयल ओपीजेम्स स्कॉलर के रूप में चयनित हुए और दीक्षा मदान तथा आदित्य गुप्ता एपीजे स्कॉलर्स घोषित हुए। अयाल पाल को 1993 बैच की छात्रवृत्ति और आकृति गुप्ता को छात्राओं हेतु अमृतकला दयाल छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। योग्य मित्तल, मानसी पारख, पोटाबट्टुला श्रीदिव्या, अर्पिता राठी और विशाल शुक्ला को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। पीएचडी शोधार्थी रवि रौशन को शिकागो में एओएम की वार्षिक बैठक में 'इविंग मैरियन कॉफमैन फाउंडेशन छात्रवृत्ति' मिली।

अनुसंधान के क्षेत्र में हमारे पीएचडी शोधार्थियों ने विभिन्न सम्मेलन में कई पुरस्कार प्राप्त किए। सार्थक अग्रवाल को 2024 में बेलफास्ट (यूके) में रॉयल इकोनॉमिक सोसाइटी की वार्षिक संगोष्ठी और मनीला (फिलिपींस) में एशियन वर्कशॉप ऑन इकोनोमेट्रिक्स एंड हेल्थ इकोनॉमिक्स में श्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ। सृष्टि बच्छवानी को भारतीय प्रबन्ध संस्थान इन्दौर में सेरे-2024 में, जितेन्द्र राणा और सोनाली सिंह को गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में इंडाम सम्मेलन 2024 में तथा अम्बिका घई को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में एआईआरसी सम्मेलन 2023 में पुरस्कार मिला।

हमारे छात्रों ने पाठयक्रम के साथ ही अन्य संबंधित गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने संघर्ष 2025—वार्षिक अन्तर-आईआईएम खेल महोत्सव—में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 16 स्वर्ण पदक जीते। हमारी टीम लखनवीज़ (अमृत सिंह, सौमिल अग्रवाल, भुवनेश मौर्य और नरेंद्र कनेरिया) ने 'रिलायंस टीयूपी 10.0 - द अल्टिमेट पिच सीज़न एक्स' प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। विराज संचेती, श्रुति एल. और उत्कर्ष दीप ने ईवाई-पार्थेनन क्वेस्ट राष्ट्रीय स्तरीय केस प्रतियोगिता में शीर्ष प्रबन्धन संस्थानों को पछाड़कर विजय प्राप्त की। गंतव्य और सोनाली बोर (आईपीएमएक्स) ने मैगीस्पीक की पांचवीं आवृत्ति—फादर मैक्ग्राथ मेमोरियल वाद-विवाद प्रतियोगिता—जीती। जपजीत सिंह अरोड़ा (पीजीपीडब्ल्यूई) को ग्रेट मैनेजर इंस्टीट्यूट और इकनॉमिक टाइम्स द्वारा भारत के शीर्ष 100 श्रेष्ठ प्रबन्धकों में शामिल किया गया। शंकर एन. और अमृत चिनप्पा (पीजीपीएसएम) को ईडीएफ क्लाइमेट कॉर्प्स फैलोशिप (भारत खण्ड) के अन्तर्गत अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रोजेक्ट्स हेतु 2024 क्लाइमेट कॉर्प्स वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। डॉक्टोरल शोधार्थी प्रशान्त और विभव ने एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। उद्यमशीलता के क्षेत्र में पीजीपी छात्रा भानु रेखा लंकीपल्ली सज्जाला ने तान्वरा सिल्क्स नामक नया उद्यम प्रारम्भ किया, जिसका उद्देश्य रेशमी साड़ी बाजार में पहुंच और वहनीयता की प्रमुख चुनौती का समाधान करना है।

शैक्षणिक उपलब्धियों के अतिरिक्त, छात्रों ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी की। भविष्य क्लब—सामाजिक पहल समिति—ने एक धन-संग्रहण क्रिकेट प्रतियोगिता हार्मोनी कप आयोजित की, जिसके माध्यम से सफाईकर्मियों के बच्चों को साइकिलें वितरित की गईं ताकि वे अपने घर से दूर स्थित विद्यालयों तक सुगमता से पहुँच सकें। वर्ष भर में विभिन्न रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। अन्तरराष्ट्रीय रक्तदान दिवस के अवसर पर नियमित रक्तदान शिविरों में महत्त्वपूर्ण योगदान हेतु किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ द्वारा भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ को 'रक्तदान को सम्मान' कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

संस्थान ने व्याख्यानों, वार्ताओं और पैनल चर्चाओं के माध्यम से उद्योग-जगत के विशिष्ट व्यक्तियों की मेज़बानी की। इन उल्लेखनीय वक्ताओं में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी. वाई. चन्द्रचूड़, श्री गुरप्रीत छटवाल—मुख्य परिचालन अधिकारी, क्रिसिल, श्री प्रवीण शुक्ला—प्रबन्धक (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सततता), जेके पेपर लिमिटेड, श्री मनप्रीत सिंह—साझेदार, पीडब्ल्यूसी तथा श्री अंकित मेहरोत्रा—सहायक निदेशक, ईवाई जीडीएस सम्मिलित रहे, जिन्होंने अपने व्यावहारिक अनुभव और दृष्टिकोण छात्रों के साथ साझा किए ताकि वे व्यवसाय-जगत के लिए तैयार हो सकें।

संस्थान ने अपनी कार्यनीतिक साझेदारियों को सुदृढ़ करते हुए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर तीन नए प्रतिष्ठित प्रबन्धन विद्यालयों के साथ शैक्षणिक सहयोग एवं गहन छात्र अनुभव कार्यक्रमों हेतु साझेदारी की। इस वर्ष कुल 120 छात्रों ने छात्र विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें 93 छात्र भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ से हमारे साझेदार संस्थानों में गए और 27 विदेशी छात्र भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ आए।

नियोजन (प्लेसमेंट) के क्षेत्र में भी, वैश्विक मंदी के बावजूद, हमें 583 छात्रों के लिए 604 अवसर प्राप्त हुए। 200 से अधिक पुराने और नए नियोजकों ने विभिन्न क्षेत्रों में विविध प्रोफाइल प्रदान कीं।

कार्यकारी शिक्षा

इस वर्ष भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की संख्या में सभी श्रेणियों—सामान्य, अनुकूलित एवं प्रायोजित तथा मिश्रित ऑनलाइन एमडीपी—में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कॉरपोरेट और निवेश बैंकिंग के क्षेत्र के कार्यपालकों को लक्षित करने के लिए एक नया कार्यक्रम पोर्टफोलियो में जोड़ा गया। इन सभी कार्यक्रमों को सम्मिलित करते हुए संस्थान ने वर्षभर में 6200 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से हमने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ओएनजीसी, बीपीसीएल और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसी फॉर्च्यून 500 कंपनियों के साथ-साथ डेल टेक्नोलॉजीज, रोश और क्यूबोटा जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग किया। इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, डीआरडीओ और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी राष्ट्र-निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्थाओं के लिए भी नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में योगदान दिया।

प्रत्यायन एवं रैंकिंग

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने प्रबन्धन शिक्षा के अग्रणी संस्थानों में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ किया है, जो राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय रैंकिंग में उसकी सशक्त उपस्थिति से परिलक्षित होता है। संस्थान को उसकी सुदृढ़ शैक्षणिक पेशकशों, प्रभावशाली अनुसंधान और उद्योग के साथ गहरे जुड़ाव के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

यह वर्ष हम सबके लिए असाधारण रहा क्योंकि हमारे प्रमुख पीजीपी कार्यक्रम ने 13 स्थानों की छलांग लगाते हुए 55वां स्थान प्राप्त किया, और आईपीएमएक्स ने 14 स्थानों की प्रगति कर 2024–25 एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में 71वां स्थान प्राप्त किया। विश्व क्यूएस रैंकिंग में पीजीपी 111–120 श्रेणी में रहा। एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ को 7वां स्थान प्राप्त हुआ, जबकि नवीनतम एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में संस्थान दो स्थान ऊपर उठकर 5वें स्थान पर पहुंच गया।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ एएमबीए और एएसीएसबी दोनों से मान्यता प्राप्त 'डबल क्राउन' संस्थान है। इस वर्ष हमें आगामी पांच वर्षों के लिए एएसीएसबी द्वारा पुनः प्रत्यायन प्रदान किया गया। 2023 में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने ईएफएमडी द्वारा सकारात्मक पात्रता निर्णय प्राप्त किया और अब 2025 के मध्य में ईक्विस प्रत्यायन समीक्षा की प्रतीक्षा कर रहा है।

संकाय अनुसंधान एवं परामर्श

इस वर्ष राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय उच्च प्रभाव वाली शोध पत्रिकाओं में कुल 145 प्रकाशन हुए, जिनमें से 35 प्रतिशत से अधिक प्रकाशन ए एवं ए* श्रेणी में और 02 (दो) प्रकाशन एफटी 50 श्रेणी की पत्रिकाओं में हुए।

राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों पर भी विशेष बल दिया गया, जहां संकाय सदस्य और पीएचडी शोधार्थियों ने राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर 100 से अधिक सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिनमें अकैडमी ऑफ मैनेजमेंट, इंडियन अकैडमी ऑफ मैनेजमेंट और अन्य प्रमुख मंच सम्मिलित रहे।

हमारे संकाय सदस्यों में प्रो. समीर के. श्रीवास्तव, प्रो. चन्दन शर्मा और प्रो. सुरेश के. जाखड़ को स्टैनफोर्ड अध्ययन (जो एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित हुआ) के अनुसार सभी विषयों में विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान प्राप्त हुआ।

प्रो. अंजलि बंसल को राधाकृष्णन गोपालन यंग फैकल्टी रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

हमारा पूर्णकालिक डॉक्टोरल कार्यक्रम इस वर्ष रजत जयंती पर पहुंचा और इसमें व्यावसायिक सततता क्षेत्र में भी पीएचडी को सम्मिलित किया गया।

हमने 4वां वार्षिक अन्तरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें विश्वभर से 100 से अधिक प्रस्तुतकर्ताओं ने भाग लिया तथा छह प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इस सम्मेलन ने शोधकर्ताओं को अपने विचार साझा करने तथा प्रबन्धन अनुसंधान में सहयोग और नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने का मंच प्रदान किया।

शैक्षणिक वर्ष के दौरान हमारे अनेक संकाय सदस्य द्वारा विभिन्न परामर्श परियोजनाएं पूरी की गईं उदाहरण स्वरूप—

प्रो. समीर श्रीवास्तव और प्रो. अमित अग्रहरि ने आरसीआई (डीआरडीओ) के लिए भावी उत्पाद विकास हेतु क्रय प्रक्रिया का अध्ययन किया। प्रो. कुशांकुर दे ने नाबार्ड के लिए बुन्देलखण्ड क्षेत्र (उत्तर प्रदेश) के झांसी ज़िले की दो प्रमुख फ़सलों पर जलवायु जोखिम से प्रभावित सम्भावित ऋण योजना का विश्लेषण किया। उन्होंने टेस्को बेंगलुरु प्राइवेट लिमिटेड को एग्री-नेक्स्ट—एक अध्ययन और सहायक दस्तावेज़—के प्रलेखन पर दृष्टिकोण प्रदान किया। प्रो. कार्तिक यादव और प्रो.

क्षितिज अवस्थी ने एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली (उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली) द्वारा संचालित परियोजना में भावी आवश्यकताओं के अनुरूप उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय की स्थापना और सुदृढ़ीकरण हेतु परिदृश्य विश्लेषण में सहयोग किया। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग ने प्रो. अर्चना शुक्ला, प्रो. क्षितिज अवस्थी, प्रो. सुरेश जाखड़, प्रो. अजय के. गर्ग और प्रो. प्रियंका शर्मा को कुम्भ मेला 2025 में कुशल प्रबन्धन पर अध्ययन करने हेतु संलग्न किया।

पूर्व छात्र

यह वर्ष हमारे पूर्व छात्रों के लिए गौरवपूर्ण रहा, क्योंकि अनेक ने उद्योग जगत में शीर्ष और सी-सूट नेतृत्व भूमिकाएँ सँभालीं।

साई रामना पोनुगोटी (2001) को पिरामल फार्मा लिमिटेड की इंडिया कंज़्यूमर हेल्थकेयर डिवीजन का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया। अधिपनाथ पालचौधुरी (1996) बाल्मर लॉरी के अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक बने। वरुण रेड्डी सेवा (2009) जी.डी. गोयनका समूह में समूह सीएचआरओ नियुक्त हुए। मुकुल अरोड़ा (2007) ने ईटी स्टार्टअप अवार्ड्स 2024 में सर्वश्रेष्ठ निवेशक हेतु मिडास टच पुरस्कार जीता। रजत वर्मा (1997) डीबीएस बैंक के इंडिया सीईओ नियुक्त हुए। साहिल बंसल (2011) को मैग्नाइट में भारत का कंट्री लीड नियुक्त किया गया। सिद्धार्थ जैन (2018) ने कर्नी में भारत के मैनेजिंग पार्टनर का पद संभाला। आशीष (2018) को वर्ष 2024 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार (दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु) प्रदान किया गया।

उद्यमशीलता के क्षेत्र में भी भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के पूर्व छात्रों ने निरन्तर प्रगति की और उनके द्वारा स्थापित अनेक कंपनियों ने वर्ष भर में उल्लेखनीय वृद्धि, विस्तार और धनसंग्रह किया। किरण शाह (2011), गो ज़ीरो—शून्य-शक्कर आइसक्रीम ब्राण्ड—के संस्थापक ने शार्क टैंक इंडिया से प्री-सीरीज़ ए निधि-संग्रह में 1.5 मिलियन डॉलर प्राप्त किए। कुमार मयंक (2013) का स्टार्टअप ज़िम्यो वर्ष 2024 में फोर्ब्स इंडिया की 200 वैश्विक व्यापार क्षमता वाली कंपनियों की सूची में शामिल हुआ। सूता—एक सतत परिधान ब्राण्ड—जिसकी सह-स्थापना तान्या बिस्वास (2013) ने की, ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की और पूरे भारत में 17,000 (जिनमें 60 प्रतिशत महिलाएं) शिल्पकारों के साथ सहयोग किया।

श्रेष्ठता के केन्द्र

इस गति को आगे बढ़ाते हुए हमारे श्रेष्ठता के केन्द्र नवाचार, अनुसंधान और उद्योग सहयोग के केन्द्र बने हुए हैं, जहां संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता का उपयोग उभरती चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने में किया जा रहा है। अब मैं इनके प्रमुख उपक्रमों का संक्षिप्त विवरण क्रमशः प्रस्तुत कर रहा हूँ।

लोक नीति केन्द्र

इस वर्ष विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना के अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित कार्यशालाओं, गोलमेज चर्चाओं और पैनल चर्चाओं की शृंखला आयोजित की गई।

केन्द्र ने सुजुकी इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से उत्तर प्रदेश की विनिर्माण इकाइयों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक परियोजना प्रारम्भ की। प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है और शोध दल अब क्षेत्रीय अध्ययन हेतु तैयारी कर रहा है, ताकि राज्य के विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों की गहरी समझ विकसित की जा सके।

हमने सेबी का नगर वित्त पर पहुंच कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य नगर वित्तपोषण के बदलते परिदृश्य को समझना था। इसमें नगर ऋण प्रतिभूतियां, ग्रीन बॉण्ड्स, आरईआईटी और इनविट्स जैसे तन्त्रों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने नगर निगमों, सरकारी अधिकारियों, वित्तीय संस्थानों, बाज़ार मध्यस्थों और विधि विशेषज्ञों सहित विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर जोड़ा।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने उत्तर प्रदेश सुशासन केन्द्र, लखनऊ के साथ एक समझौता ज्ञापन किया, जिसका उद्देश्य सहयोगात्मक संस्थागत सम्बन्धों का ढांचा स्थापित करना है, ताकि अनुसंधान सहयोग और शैक्षणिक विनिमय को प्रोत्साहित किया जा सके।

केन्द्र ने केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) अधिकारियों की क्षमता निर्माण में भी योगदान दिया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को सार्वजनिक नीति की जटिलताओं को समझने और समाधान करने हेतु आवश्यक कौशल, ज्ञान और विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित करना था।

फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली (एम/एस एजुकेट गर्ल्स) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया गया, जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय—राज्य में वैकल्पिक शिक्षा का एक मार्ग—की स्थापना और सुदृढ़ीकरण हेतु परिदृश्य विश्लेषण के लिए सहयोग स्थापित किया गया।

हमने इनविज़िबल स्कार्स नामक गैर-सरकारी संस्था के साथ भी साझेदारी की, जिसका उद्देश्य लिंग आधारित हिंसा से सम्बद्ध पेशेवरों को सहयोग और क्षमता निर्माण प्रदान करना है, साथ ही प्रत्यक्ष रूप से घरेलू हिंसा से पीड़ित व्यक्तियों की सहायता करना है। इस सहयोग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश घरेलू हिंसा हितधारक सम्मेलन का आयोजन भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में करना भी है।

व्यावसायिक सततता केन्द्र

व्यावसायिक सततता केन्द्र ने संरक्षण—वार्षिक व्यावसायिक सततता सम्मेलन—का चौथा संस्करण आयोजित किया। यह दो दिवसीय सम्मेलन सततता के माध्यम से

दृढ़ व्यवसाय निर्माण विषय पर केन्द्रित था। इसमें विचार नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने सतत व्यावसायिक आचरण की प्रमुख चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रतिस्पर्धा आयोग ऑफ इंडिया के महानिदेशक श्री अन्सुमन पटनायक रहे।

रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के सहयोग से केन्द्र ने जलवायु वित्त पर एक विशिष्ट गोलमेज चर्चा आयोजित की। इसमें भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा अनुभव की गई जलवायु-संबद्ध समस्याओं पर गहन विमर्श हुआ और इसमें भारतीय जलवायु वित्त तन्त्र के विभिन्न हितधारक, अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय का ऑक्सफोर्ड सस्टेनेबल फाइनेंस इनिशिएटिव भी सम्मिलित हुए।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन केन्द्र

इस वर्ष केन्द्र ने 13वां अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, जिसका विषय था—उभरते बाजारों में विपणन का भविष्य: आगे की दिशा। इस आयोजन ने वैश्विक विचार नेताओं, शोधकर्ताओं और व्यावसायिक पेशेवरों को एक साथ लाकर उभरते बाजारों में विपणन की बदलती गतिशीलताओं पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया।

रेखी श्रेष्ठता केन्द्र—आनंद विज्ञान

केन्द्र ने भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में आयोजित 4वें एआईआरसी में आनन्द और कल्याण पर एक विशेष सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देकर व्यक्तियों और समुदायों में सतत सुख की स्थापना करना था।

अपने मिशन—समृद्ध और प्रगतिशील समुदायों के निर्माण—के अनुरूप केन्द्र किशोर छात्रों, उद्यमियों, अल्पकालिक और ज्ञान कर्मियों के कल्याण को बढ़ाने हेतु सक्रिय रूप से अनुसंधान परियोजनाएं और पैनल चर्चाएं कर रहा है।

केन्द्र ने माइंड लैब का उद्घाटन भी किया, जो सकारात्मक मनोविज्ञान के अन्तर्गत एक अभिनव पहल है और अत्याधुनिक व्यवहारगत अनुसंधान के माध्यम से मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसमें आत्मानुभूत सुख और प्रसन्नता में योगदान देने वाले कारकों—संबन्ध, अर्थ और उपलब्धि—का अध्ययन किया जाएगा, साथ ही तनाव, चिन्ता और अन्य एवं भावनात्मक चुनौतियों की भी जांच की जाएगी।

आईआईएम लखनऊ उद्योग प्रोत्साह केन्द्र (इन्क्यूबेटर्स)

आईआईएमएल ईआईसी ने हाल ही में प्रतिष्ठित 10,000 महिला (जीएस 10 किलोवाट) पहल के कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए गोल्डमैन सैक्स के साथ एक अनूठा सहयोग किया है। इस सहयोग के तहत, आईआईएमएल ईआईसी पूरे भारत में लगभग 400 से अधिक महिला उद्यमियों को प्रशिक्षित और पोषित करेगा।

केंद्र को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समर्थित स्टार्ट-इन-अप नीति के तहत ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-बीटी) स्थापित करने की भी मंजूरी मिल गई है। इस पहल का उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में राज्य भर में 100 ब्लॉकचेन स्टार्टअप को पोषित करके नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

इस वर्ष केंद्र ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, 109 नए स्टार्टअप्स को शामिल किया गया, जिससे कुल संख्या 223 हो गई। इसके अलावा, विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों, एक्ज़िम बैंक, एनआईईएसबीयूडी, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, ग्राफिस एड्स, इंडिया एसएमई एक्सेलरेटर नेटवर्क, इंडिया एक्सेलरेटर, आईवीवाई कैप वेंचर्स, एसोचैम और कई अन्य के साथ 12 से अधिक रणनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

ईआईसी ने स्टार्टअप्स की यात्रा के विभिन्न चरणों में उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए 100 से अधिक स्टार्टअप जुड़ाव कार्यक्रमों की मेजबानी की। ये कार्यक्रम स्टार्टअप्स के विकास को पोषित करने और गति देने के लिए डिज़ाइन किए गए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करते हैं।

हमारे उत्कृष्टता केंद्रों का प्रभाव न केवल उनकी अभूतपूर्व पहलों में, बल्कि हमारे संस्थान की समग्र मान्यता और प्रतिष्ठा में भी परिलक्षित होता है।

साझेदारी और सहयोग

इस वर्ष आईआईएम लखनऊ ने छात्रों और पेशेवरों के लिए वित्तीय नियोजन में प्रमाणन कार्यक्रम प्रदान करने हेतु एफपीएसबी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान ने प्रबंधन के सिद्धांतों को उन्नत चिकित्सा के साथ मिलाकर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ भी साझेदारी की।

निष्कर्ष

जब मैं पिछले वर्ष पर विचार करता हूं, तो यह देखकर खुशी होती है कि कैसे हमारे सामूहिक समर्पण, लचीलेपन और दूरदर्शिता ने सार्थक प्रगति को आकार दिया है। इस रिपोर्ट में उल्लिखित उपलब्धियां न केवल मील के पत्थर हैं, बल्कि हमारे बड़े लक्ष्यों की ओर कदम भी हैं। हमारे हितधारकों, संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के निरंतर समर्थन से, मुझे विश्वास है कि हम इस गति को आगे बढ़ाएंगे, नए अवसरों को अपनाएंगे और आने वाले वर्षों में उत्कृष्टता की अपनी विरासत को और मजबूत करेंगे।

प्रो. एम.पी. गुप्ता
निदेशक

शैक्षणिक परिषद

(आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत गठित)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने आईआईएम अधिनियम 2017 के प्रावधानों के तहत वर्ष 2018-2019 में शैक्षणिक परिषद का गठन किया। शैक्षणिक परिषद संस्थान की प्रमुख शैक्षणिक संस्था है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति शामिल हैं:

(a) संस्थान के निदेशक, शैक्षणिक परिषद के अध्यक्ष

(b) संकाय, कार्यक्रम, और अनुसंधान के प्रभारी डीन (डीन संकाय सदस्य सचिव के रूप में)

(c) स्नातकोत्तर और फेलो कार्यक्रमों के अध्यक्ष

(d) क्षेत्र के अध्यक्ष

(e) सभी पूर्णकालिक संकाय सदस्य

शैक्षणिक परिषद की 23वीं बैठक

दिनांक: 01 अक्टूबर, 2024 (मंगलवार)

समय: 15:30 बजे

स्थान: एफबी-I / नोएडा परिसर के सहयोगी नोएडा परिसर में वीसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

कार्यसूची:

1. 12 मार्च, 2024 को आयोजित शैक्षणिक परिषद की 22वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।
2. शैक्षणिक परिषद की 22वीं बैठक के बाद भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में शामिल हुए संकाय सदस्यों का परिचय (प्रो. तमालिका कोले)।
3. विभागों के नाम में परिवर्तन।
4. एनआईआरएफ रैंकिंग और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग पर चर्चा।
5. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के दृष्टि और मिशन वक्तव्य।
6. ईएफपीएम शुल्क और नियमों में परिवर्तन और ईएफपीएम नियमावली में संशोधन।
7. एमबीए (ई एंड आई) कार्यक्रम का अद्यतन।
8. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के डॉक्टरेट स्तर के कार्यक्रम, फेलो कार्यक्रम में व्यवसाय सततता के क्षेत्र में छात्रों को प्रवेश देना।
9. सूचना के लिए मद: निदेशक ने स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ और आईआईटी, कानपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बारे में शैक्षणिक परिषद को अवगत कराया।
10. अध्यक्ष की अनुमति से कोई अन्य मामला।

शैक्षणिक परिषद की 24वीं बैठक

दिनांक: 25 मार्च, 2025 (मंगलवार)

समय: 15:30 बजे

स्थान: एफबी-I / नोएडा परिसर के सहयोगी नोएडा परिसर में वीसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

कार्यसूची:

1. 01 अक्टूबर, 2024 को आयोजित शैक्षणिक परिषद की 23वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।
2. शैक्षणिक परिषद की 23वीं बैठक के बाद भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में शामिल हुए संकाय सदस्यों का परिचय - प्रो. वीथिका स्मृति (प्रबंधन क्षेत्र), प्रो. संपा अनुपर्बा पाही (विपणन क्षेत्र), प्रो. गौरव जीबी (कार्यनीतिक प्रबंधन क्षेत्र), प्रो. नबीला खान (मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र), और प्रो. दीक्षा मित्तल (व्यवसाय संचार)।
3. एफपीएम, ईएफपीएम, पीजीपी, पीजीपी-एबीएम, पीजीपी-एसएम, आईपीएमएक्स और पीजीपीडब्ल्यूई कार्यक्रमों के अंतिम परिणाम के लिए अनुमोदन।
4. प्लेसमेंट पर प्रस्तुति: प्रो. प्रियंका शर्मा ने पीजीपी प्लेसमेंट पर एक प्रस्तुति दी और
5. प्रो. अनीता गोयल ने पीजीपीएसएम और आईपीएमएक्स प्लेसमेंट पर एक प्रस्तुति दी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से कोई अन्य मामला।

रैंकिंग और वैश्विक मान्यता

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ एएमबीए और एएसीएसबी द्वारा दोहरी मान्यता प्राप्त संस्थान है। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने 2023 में ईएफएमडी द्वारा एक सकारात्मक पात्रता निर्णय प्राप्त किया है और मध्य-2025 में इक्विस (ईक्यूयूआईएस) मान्यता समीक्षा की प्रतीक्षा कर रहा है।

मास्टर्स इन मैनेजमेंट के लिए प्रतिष्ठित फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग में, फ्लैगशिप पोस्ट ग्रेजु , प्रोग्राम (पीजीपी) 2023-24 में 72वें और 2024-25 में 55वें स्थान पर था, और इंटरनेशनल प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिव्स (आईपीएमएक्स) एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में 2023-24 में 85वें और 2024-25 में 71वें स्थान पर था। विश्व क्यूएस (QS) रैंकिंग में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ कुल मिलाकर 131वें स्थान पर है। विशेष रूप से, पीजीपी (मास्टर्स इन मैनेजमेंट के रूप में नामित) 2024-25 में 111-120 श्रेणी में रहा। प्रबंधन में पीजीपी को क्यूएस बिजनेस मास्टर्स रैंकिंग 2025 में एशिया स्तर पर शीर्ष 10 प्रबंधन कार्यक्रमों में स्थान दिया गया है।

एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अपना 7वां स्थान बनाए रखा है।

अनुभाग

01

शैक्षणिक कार्यक्रम

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

स्नातकोत्तर कार्यक्रम को भविष्य के व्यवसायों का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक मजबूत वैचारिक मूल सिद्धांतों और कौशल वाले पेशेवर प्रबंधकों को विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को यह निर्धारित करने का दृष्टिकोण सुदृढ़ किया जाता है कि भविष्य क्या होगा। यह कार्यक्रम दो वर्षीय, पूर्णकालिक, आवासीय कार्यक्रम है। कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले छात्रों को 'प्रबंधन में स्नातकोत्तर' की डिग्री प्रदान की जाती है।

पीजीपी लगातार छात्रों को भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए चुनौती देता है। उद्योग से प्राप्त प्रतिक्रिया के साथ प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रम को पुनः तैयार किया जाता है। प्रत्येक वर्ष एक प्रभावशाली दर से नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाते हैं। यह नवीनतम अवधारणाओं और प्रतिमानों को पाठ्यक्रम में शामिल करने में मदद करता है, भले ही दुनिया को इस आवश्यकता के बारे में पता चलने की शुरूआत हो रही हो। पीजीपी छात्रों को कई दायित्व लेने के लिए भी तैयार करता है और उनसे अपेक्षित तेज-तर्रार प्रदर्शन के लिए उन्हें ऊर्जा प्रदान करता है। पाठ्यक्रम, किसी भी मानक से सुदृढ़ है। असाइनमेंट, सजीव और अनुप्रेरित परियोजना, समय-समय पर मूल्यांकन, और मांग वाले शैक्षणिक कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों में समय प्रबंधन कौशल विकसित हो। यह वह गुण है जो भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के प्रबंधकों को चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में अन्य से अलग बनाता है।

बैच की विशेषता

मानदंड	बैच (2022-24)	बैच (2023-25)	बैच (2024-26)
प्रवेश मानदंड	**कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा)**		
प्रवेशित छात्रों की संख्या	515	516	515
स्नातक छात्रों की संख्या	504	501	अभी तक स्नातक नहीं हुए
एससी छात्र	78	72	88
एसटी छात्र	33	39	45
एनसी-ओबीसी पिछड़ा वर्ग के छात्र	138	136	156
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	53	53	59
महिलाएं (%)	30.48%	33.33%	35.13%
कार्य अनुभव के साथ (%)	74.08%	67.46%	65.73%
इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्र (%)	67.84%	57.08%	45.56%

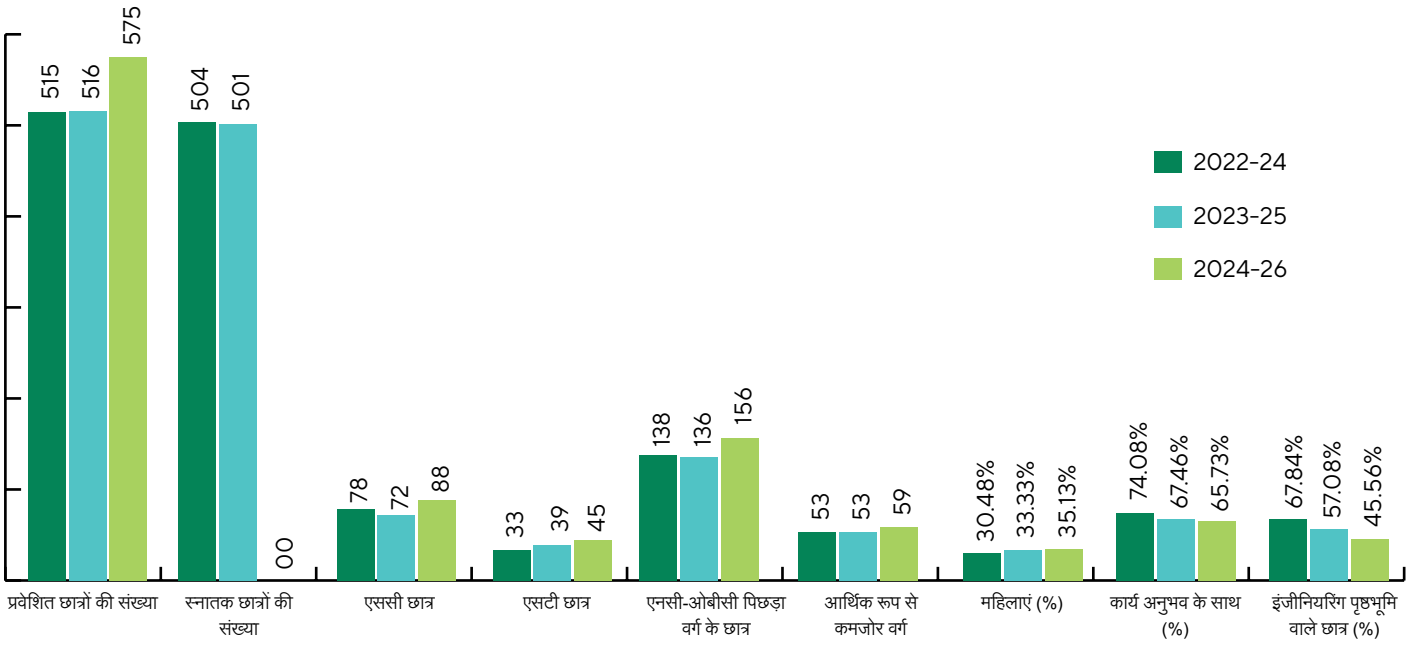

कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम)

कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में दो-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय पाठ्यक्रम है। इसे मजबूत अंतरराष्ट्रीय उन्मुखीकरण के साथ कृषि-व्यवसाय और कृषि-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने/बढ़ाने के लिए दृष्टि, योग्यता और उपयुक्त दृष्टिकोण वाले कृषि-व्यवसाय नेतृत्वकर्ताओं, उद्यमियों, और आंतरिक उद्यमियों को विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले छात्रों को कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाती है।

इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता यह है कि पहले वर्ष में प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण संख्या में अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम दूसरे वर्ष में कृषि/ग्रामीण-संदर्भ-विशिष्ट पाठ्यक्रमों के साथ मिश्रित होते हैं। पाठ्यक्रम को छात्रों को महत्वपूर्ण क्षेत्र-प्रदर्शन की अनुमति देने और उन्हें व्यावहारिक अनुभव और कार्रवाई करने के लिए तैयार किया गया है। यह वैश्विक बेंचमार्किंग और उद्योग भागीदारी को शामिल करता है।

बैच विशेषता

मानदंड	बैच (2022-24)	बैच (2023-25)	बैच (2024-26)
प्रवेश मानदंड	कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा)		
प्रवेशित छात्रों की संख्या	62	67	60
स्नातक छात्रों की संख्या	56	67	अभी तक स्नातक नहीं हुए
एससी छात्र	12	10	10
एसटी छात्र	2	4	4
नॉन क्रिमी अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र	14	20	20
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	5	10	16
महिलाएं %	22.58%	13.43%	21.66%
कार्य अनुभव के साथ %	48.21%	38.80%	16.41%
इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्र %	66.07%	53.73%	32.83%

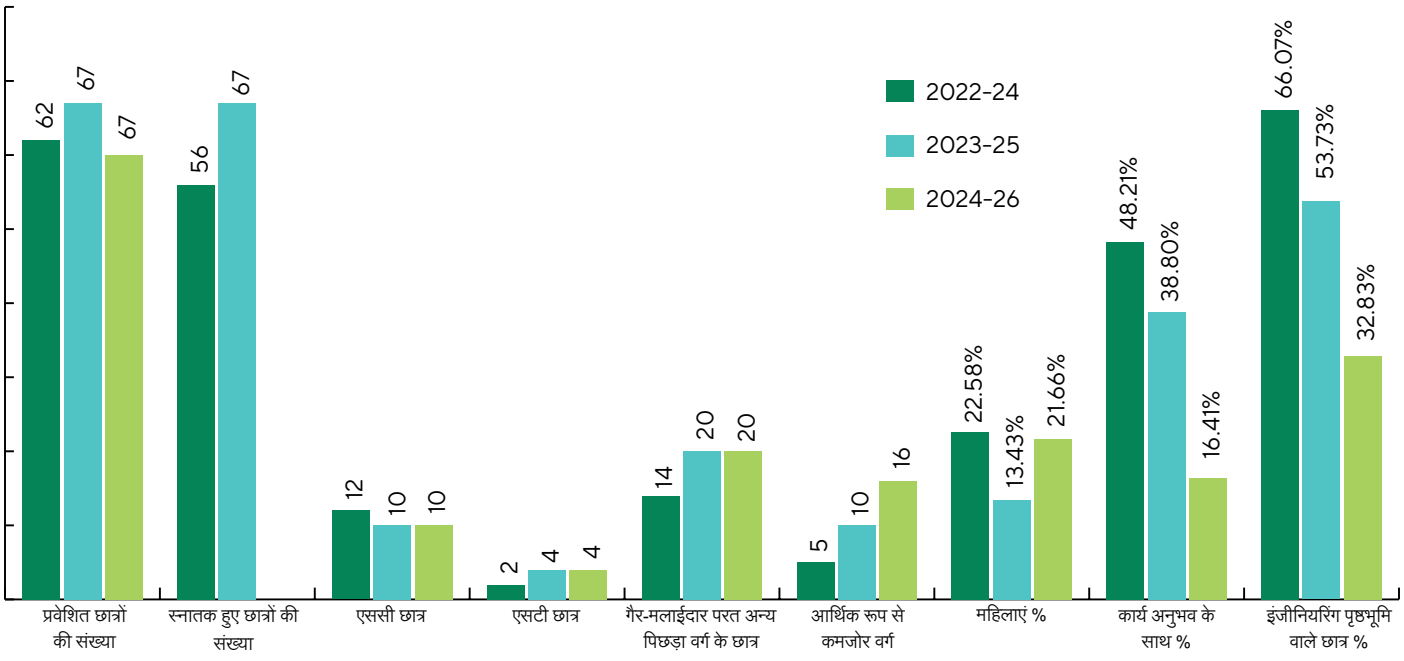

नए पाठ्यक्रम / वैकल्पिक विषय (पीजीपी और पीजीपी-एबीएम)

संबंधित क्षेत्र के केन्द्रीय और वैकल्पिक दोनों पाठ्यक्रमों की समीक्षा और संशोधन 2024-25 के दौरान आयोजित पीजीपी समीक्षा में किया गया। समीक्षा बाहरी उद्योग विशेषज्ञों और प्रसिद्ध संकाय को शामिल करके की गई। शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीजीपी में 14 नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

नए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की सूची 2024-25

1. गुणवत्ता और खाद्य विपणन
2. अर्थशास्त्र
3. व्यवसायों के लिए दृश्य संचार
4. परामर्श संचार
5. संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रवाह इंजीनियरिंग
6. आपूर्ति श्रृंखला जोखिम और प्रदर्शन प्रबंधन
7. साझा अर्थव्यवस्था में मंच संचालन
8. डिजिटल और विविध क्षेत्रीय विपणन: कार्यनीति और अनुप्रयोग
9. एकीकृत विपणन संचार
10. कार्यनीतिक व्यवसाय वार्ता
11. प्रोत्साह के प्रबंधन के लिए क्षतिपूर्ति और लाभ कार्यनीति
12. एआई के साथ प्रतिस्पर्धी कार्यनीतियां
13. नए उद्यमों का प्रबंधन
14. ईएसजी: प्रबंधन और प्रतिवेदन

प्लेसमेंट – पीजीपी और पीजीपी-एबीएम

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने 2025 बैच के लिए अंतिम प्लेसमेंट चक्र सफलतापूर्वक संपन्न किया। अंतिम प्लेसमेंट के दौरान, हमने स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के 39वें बैच और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) के 20वें बैच के छात्रों के लिए 604 प्रस्ताव प्राप्त किए, जिसमें औसत और मध्य वेतन क्रमशः ₹32.3 लाख प्रति वर्ष और ₹31 लाख प्रति वर्ष रहा। उच्चतम घरेलू वेतन ₹75 लाख प्रति वर्ष तक पहुंचा और अंतरराष्ट्रीय आंकड़ा ₹65 लाख प्रति वर्ष रहा।

हमने प्लेसमेंट अभियान में, एथर एनर्जी, क्रैकल टेक्नोलॉजीज, जीएमआर ग्रुप, एचपीसीएल, जेविस, जेफरीज, करण ग्रुप, लावा, मैनकाइंड फार्मा, मार्श मैकलेनान, मारुति सुजुकी, माइंडस्प्रिंट, नाफेड, ओएमसी पावर, फोनपे, पर्पल, टेस्को, टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस, यूकेजी, वारॉक और वॉलमार्ट जैसी कई प्रतिष्ठित फर्मों को भी शामिल किया।

एक्सेंचर, अदानी ग्रुप, आदित्य बिड़ला ग्रुप, एडोब, अमेज़न, अमेरिकन एक्सप्रेस, बैन एंड कंपनी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, डेलॉइट, ईवाई पार्थेनन, गोदरेज, गोल्डमैन सैक्स, जेपीएमसी, किर्नी, लैंडमार्क ग्रुप, लिंकन इंटरनेशनल, लोढ़ा ग्रुप, मैकिन्से एंड कंपनी, माइक्रोसॉफ्ट, नवी, ओला, प्रॉक्टर एंड गैंबल, पीडब्ल्यूसी, टारगेट, टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज, और ज़ोमैटो जैसे पुराने नियोक्ताओं की भी भागीदारी देखी गई। अग्रणी वैश्विक और घरेलू फर्मों की मजबूत भागीदारी, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की असाधारण प्रतिभा का पोषण करने की प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है, जो गतिशील और प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुसज्जित हैं। यह उपलब्धि उद्योग-तैयार नेतृत्वकर्ताओं को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है जो क्षेत्रों में नवाचार और प्रभाव को बढ़ावा देते हैं।

बीएफएसआई क्षेत्र

बीएफएसआई क्षेत्र में टाटा कैपिटल, एवेंडस कैपिटल, जेएम फाइनेंशियल, सिटी, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी, लोढ़ा कैपिटल मार्केट्स, ओ3 कैपिटल, आईआईएफएल फाइनेंस, और एडीएम कैपिटल जैसी कंपनियों ने भाग लिया। इन फर्मों ने अपनी निजी इक्विटी, फ्रंट-एंड निवेश बैंकिंग, इक्विटी अनुसंधान, वैश्विक बाजार, कॉर्पोरेट बैंकिंग, पूंजी बाजार, निजी बैंकिंग, क्रेडिट जोखिम, और उपभोक्ता बैंकिंग भूमिकाओं के लिए प्रस्ताव दिए।

आईटी / ई-कॉमर्स / प्रौद्योगिकी क्षेत्र

आईटी/ई-कॉमर्स/प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में प्रमुख नियोक्ता अमेज़न, जुबिलेंट फूडवर्क्स, फ्लिपकार्ट, मेकमाईट्रिप, ब्लिंकिट, ,लेसियन, माइक्रोसॉफ्ट आदि थे। आईटी/ सिस्टम में भूमिकाओं के अलावा, इन फर्मों ने श्रेणी प्रबंधन, उत्पाद प्रबंधन, व्यवसाय विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, उत्पाद विपणन, कार्यनीतिक गठबंधन, कार्यक्रम प्रबंधन और एनालिटिक्स में भूमिकाएं खोलीं।

एफएमसीजी / टेलीकॉम / डिजिटल मीडिया / विमानन क्षेत्र

कुछ शीर्ष भर्ती करने वाली फर्मों में टाटा प्ले, डाबर, एचयूएल, आईटीसी, एयर इंडिया एक्सप्रेस, पिडिलाइट, पीएंडजी, आदि शामिल थीं। इन कंपनियों द्वारा दी गई भूमिकाओं में बिक्री और विपणन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, आईटी, कॉर्पोरेट वित्त, और एनालिटिक्स शामिल हैं, जिनमें से कुछ भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के लिए विशेष भूमिकाएं हैं।

परामर्श और सामान्य प्रबंधन क्षेत्र

एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, बैन एंड कंपनी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, डेलॉइट, किर्नी, मैकिन्से एंड कंपनी, पीडब्ल्यूसी, और समग्र परामर्श में शीर्ष भर्ती करने वाली फर्मों में से थे। सामान्य प्रबंधन डोमेन में अदानी, आदित्य बिड़ला ग्रुप, रिलायंस इंडस्ट्रीज, गोदरेज इंडस्ट्रीज और टीएएस जैसे समूहों की भागीदारी देखी गई।

बैच विशेषता

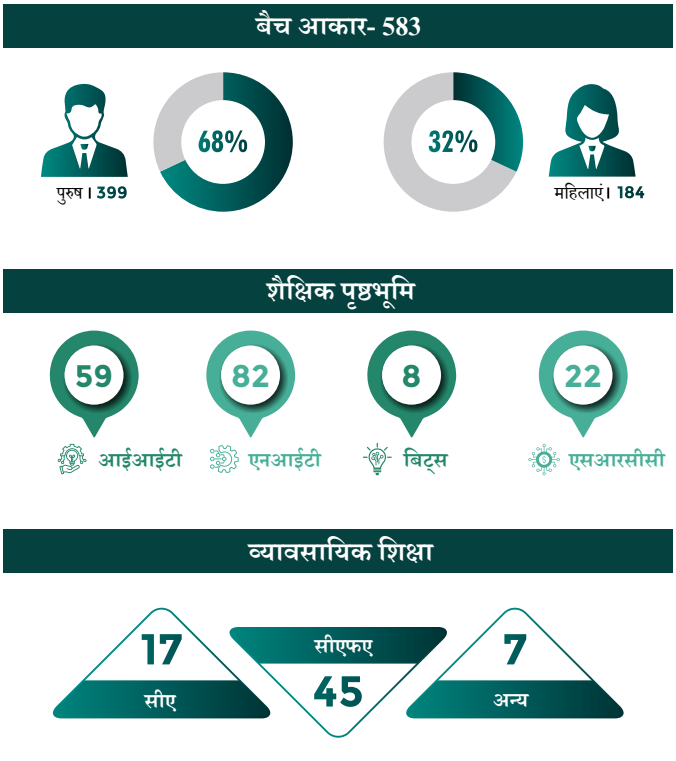

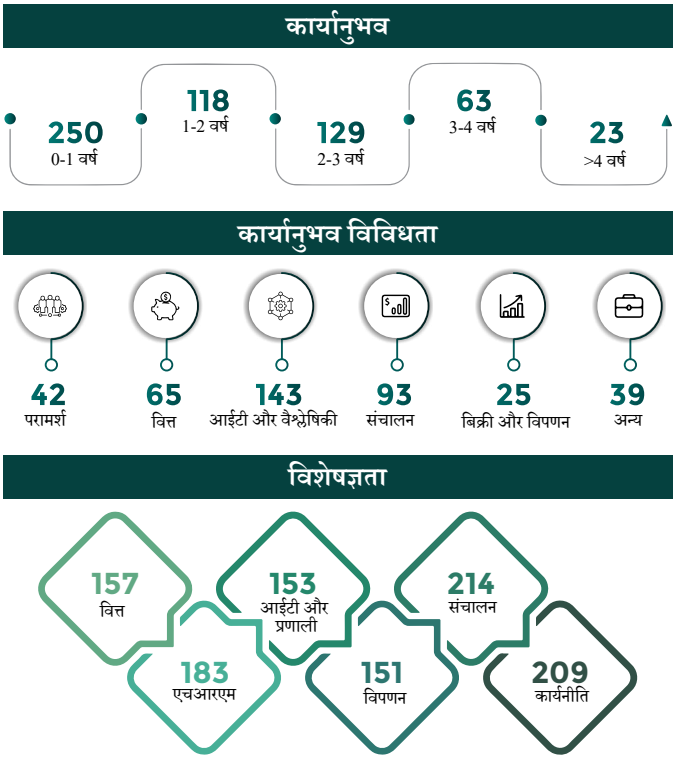

मुख्य प्लेसमेंट आँकड़े

बैच 2025 (वर्तमान)

₹75 लाख प्रति बर्ष
उच्चतम (घरेलू)

₹65 लाख प्रति बर्ष
उच्चतम (अंतर्राष्ट्रीय)

₹32.3 लाख प्रति बर्ष
औसत

₹31 लाख प्रति बर्ष
माध्यिका

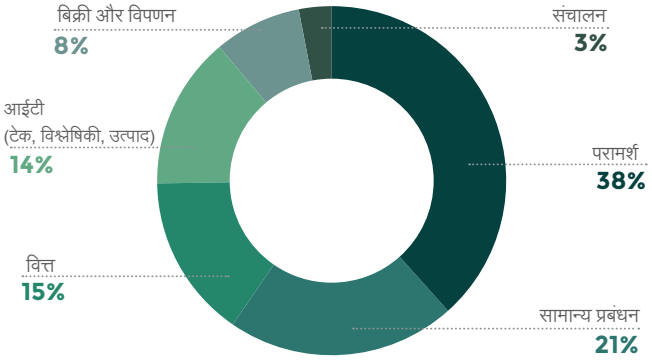

सबसे अधिक भर्तीकर्ता कंपनियां

54	accenture	29	Deloitte.
24	pwc	23	BCG
21	AMERICAN EXPRESS	18	EY
11	McKinsey & Company	9	kotak
7	BAIN & COMPANY	7	zomato

वित्तीय सहायता, उद्योग छात्रवृत्तियां और पुरस्कार

वित्तीय सहायता

संस्थान की वित्तीय सहायता योजना 1993-94 में शुरू हुई, जो वार्षिक पारिवारिक आय और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर संसाधनहीन छात्रों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस योजना के तहत, वर्ष 2024-2025 में, प्रथम वर्ष के छात्रों को 38 छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं, और द्वितीय वर्ष के छात्रों को 53 छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। इसके अलावा, छात्र संबंधित विभागों के पात्रता मानदंडों और नियमों और विनियमों के आधार पर केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति (राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से) और राज्य सरकार की छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए स्वतंत्र हैं।

उद्योग छात्रवृत्तियां और पुरस्कार

शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान, उद्योग द्वारा छात्रवृत्तियां प्रायोजित की गईं और शैक्षणिक प्रदर्शन और अन्य मानदंडों के आधार पर प्रदान की गईं।

विद्यार्थी का नाम	छात्रवृत्तियां/पुरस्कार
इशिका राम चौधरी	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एमबीए छात्रवृत्ति
सुमन बी	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एमबीए छात्रवृत्ति
बुक्या राजा	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एमबीए छात्रवृत्ति
गणमद्दुल नाग सुमनथ	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एमबीए छात्रवृत्ति
निलिमा साहा	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एमबीए छात्रवृत्ति
नायक श्रावणी वेंकटेश	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति
तरुणी सिंघल	आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति
आकृति गुप्ता	अमृत कला दयाल गर्ल स्टूडेंट छात्रवृत्ति
वंदित गोयल	ओपजेम्स (ओपेजेईएमएस)
अयाल पाल	1993 की कक्षा की छात्रवृत्ति
योग्या मित्तल	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति
मानसी पारख	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति
पोटबट्टुला श्रीदिव्या	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति
अर्पिता राठी	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति
विशाल शुक्ला	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया छात्रवृत्ति
दीक्षा मदान	एपीजे छात्रवृत्ति
आदित्य गुप्ता	एपीजे छात्रवृत्ति

सतत प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एसएम)

सतत प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एसएम) एक दो-वर्षीय पूर्णकालिक, आवासीय कार्यक्रम है। इसे प्रबंधकों को व्यवसाय के लिए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्व की भावना विकसित करने और उन्हें एक गतिशील और अप्रत्याशित वातावरण में विभिन्न सतत चुनौतियों को संभालने के लिए समग्र सोच और कौशल से लैस करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है।

पाठ्यक्रम को उचित पैमाने पर समस्याओं को तैयार करने और हल करने के लिए प्रबंधन और नेतृत्व कौशल विकसित करने और निखारने के लिए तैयार किया गया है, और छात्रों को सामाजिक और पर्यावरणीय प्रणालियों के साथ व्यवसाय के आर्थिक प्रदर्शन के अंतर-संबंध को पहचानने में मदद करता है। छात्र नीति-प्रासंगिक परिणाम भी दे पाने में सक्षम होंगे।

बैच विशेषता

मापदंड	बैच (2022-24)	बैच (2023-25)	बैच (2024-26)
प्रवेश मापदंड	कैट	कैट	कैट
प्रवेशित छात्रों की संख्या	41	44	47
स्नातक हुए छात्रों की संख्या	41	44	अभी तक स्नातक नहीं हुए
एससी छात्र	6	2	9
एसटी छात्र	0	0	0
एनसी ओबीसी	11	13	14
महिलाएं %	12.19	20.45	8.51
कार्य अनुभव के साथ (महीनों में)	41.19	45.3	45.04
इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्र %	95.12	93.18	86.95

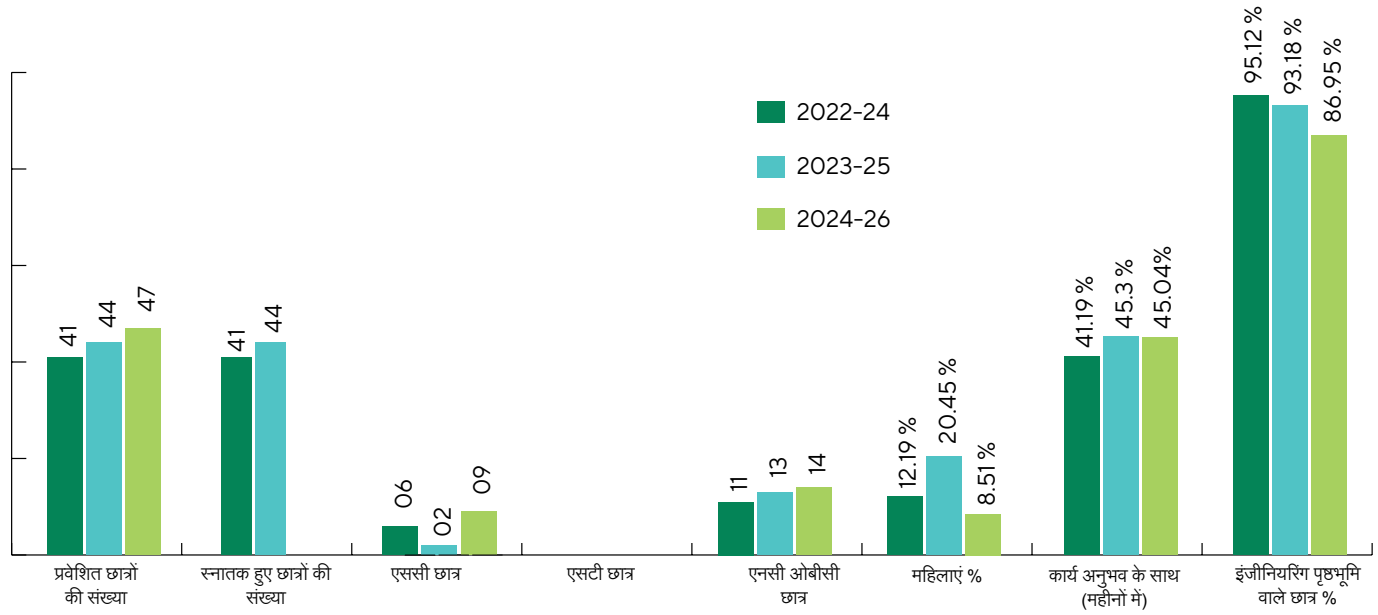

नए पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)

1. प्रबंधकों के लिए गेम थ्योरी
2. वैश्विक व्यवसाय का प्रबंधन - बाजार और गैर-बाजार कार्यनीतियां

प्लेसमेंट

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ पीजीपी - सतत प्रबंधन ने पीजीपी-एसएम के 9वें बैच (2023-25) के लिए अपने अंतिम प्लेसमेंट को पूरा किया। संस्थान ने छात्रों के लिए सामान्य प्रबंधन और सतत डोमेन में ईएसजी परामर्श, कॉर्पोरेट सततता, परियोजना प्रबंधन, आईटी और एनालिटिक्स, बिक्री और विपणन और कार्यनीति में पूरे देश में शीर्ष नियोक्ताओं के साथ प्लेसमेंट हासिल किया।

इस वर्ष अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया में 25 से अधिकA नियोक्ताओं ने भाग लिया और 44 छात्रों के एक बैच के लिए प्रस्ताव दिए और संस्थान ने 22.66 लाख प्रति वर्ष का औसत सीटीसी (सीटीसी) और 20 लाख प्रति वर्ष का औसत सीटीसी प्राप्त किया।

शीर्ष नियोक्ताओं में एक्सेंचर स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग, ईवाई जीडीएस, सिप्ला, द काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू), मैक सॉफ्टवेयर, एपेक्स होल्टारा, स्पैरो आरएमएस, रॉकवर्थ, सीकैनेटिक्स और एएफसी इंडिया लिमिटेड शामिल थे।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

कार्य-अनुभव विविधता

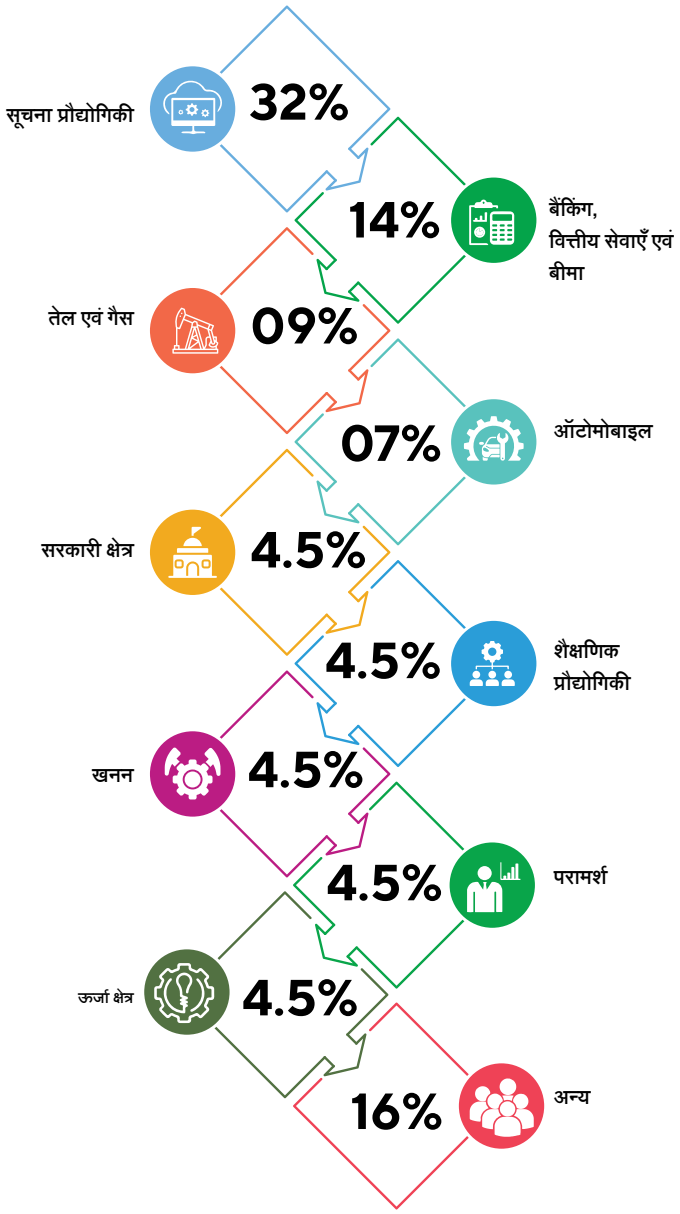

बैच विवरण

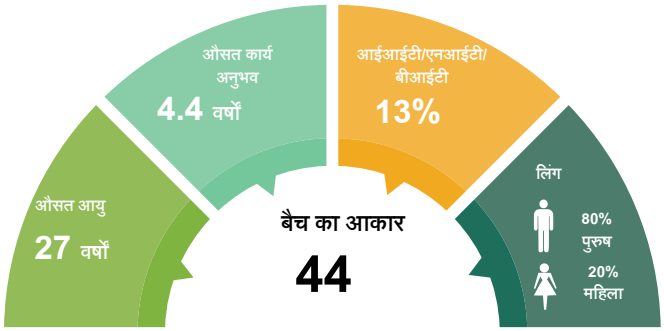

प्री-एमबीए कार्य अनुभव

accenture, Bank of India, HYUNDAI, Capgemini, pnb, Reliance Industries Limited, Deloitte Consulting, ORACLE, IDBI BANK, Worley, KPIT, LIC भारतीय जीवन बीमा निगम, SAINT-GOBAIN, STERLING & WILSON, TATA AIG INSURANCE WITH YOU ALWAYS, tcs TATA CONSULTANCY SERVICES, TATA SIKORSKY, torrent GAS, भा प अ कें BARC, इंडियनऑयल IndianOil, Coal India, INDIAN RAILWAYS, Persistent

अंतिम प्लेसमेंट की प्रमुख विशेषताएं

कंपनियों ने भाग लिया 30	साधारणियों भूमिका के प्रस्ताव 65%	जनरल प्रबंधन की प्रस्ताव 35%	उच्चतम सीटीसी प्रस्तावित 45.37 लाख
औसत सीटीसी प्रस्तावित 22.66 लाख	माध्यिका सीटीसी प्रस्तावित 20 लाख प्रति बर्ष	उच्च 25% औसत सीटीसी 31.92 लाख प्रति बर्ष	उच्च 50% औसत सीटीसी 27.27 लाख

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीडब्ल्यूई)

कार्यकारी अधिकारियों के लिए दो-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यरत (पीजीपीडब्ल्यूई), काम करने वाले कार्यकारी अधिकारियों, उद्यमियों और पेशेवरों के लिए एक विशिष्ट रूप से तैयार किया गया कार्यक्रम है, जो अपने जारी व्यवसायों/पेशों में पूर्णकालिक काम करते हुए औपचारिक प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से अपने प्रबंधकीय ज्ञान और कौशल को बढ़ाना चाहते हैं।

बैच विशेषता

विवरण	बैच (2022-24)	बैच (2023-25)	बैच (2024-26)
छात्रों की संख्या	57	64	66
स्नातक हुए छात्रों की संख्या	54	63	अभी तक स्नातक नहीं हुए (65* छात्र अंतिम वर्ष में हैं)
छात्रों की संख्या (एससी/एसटी/ओबीसी)	(ओबीसी = 3 और एससी = 3)	(ओबीसी = 3 और एससी = 2)	(ओबीसी = 3 और एससी = 1)
महिलाओं की संख्या	14	17	19
औसत अनुभव	11 वर्ष	11 वर्ष	8 वर्ष
छात्रों की संख्या (इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि)	48	56	61

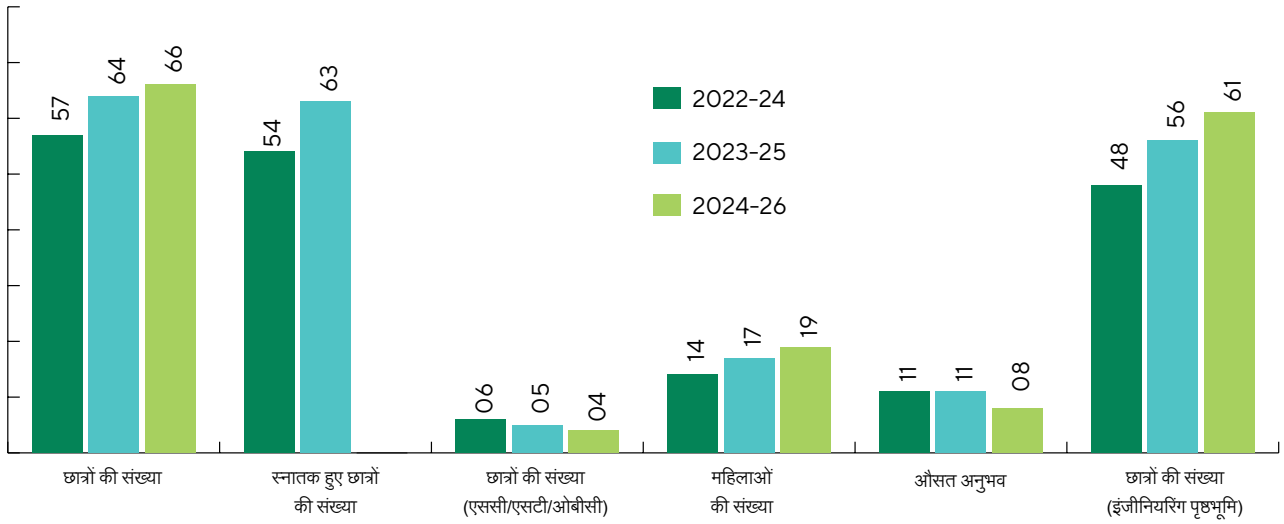

नए पाठ्यक्रम

निम्नलिखित नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम (2024-2025) में पीजीपीडब्ल्यूई छात्रों को दिए गए:

1. वित्तीय सेवाएं
2. कार्यनीतियों को आकार देना
3. स्टार्टअप्स को वित्तपोषण
4. उपभोक्ता व्यवहार
5. डिजिटल एवं ऑलचैनल विपणन : कार्यनीति एवं अनुप्रयोग
6. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और वैश्लेषिकी
7. आपूर्ति शृंखला अंतर्विभागीय प्रबंधन
8. सतत व्यापार प्रबंधन और सीएसआर

अंतरराष्ट्रीय विसर्जन

पीजीपीडब्ल्यूई के 19वें बैच के लिए अंतरराष्ट्रीय विसर्जन कार्यक्रम आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में 23 जून से 5 जुलाई, सन 2024 तक आयोजित किया गया। छात्रों ने संस्थान के दो परिसरों का दौरा किया—23 जून से 29 जून तक पेरिस और 30 जून से 5 जुलाई तक एम्स्टर्डम। यह पाठ्यक्रम पेरिस परिसर में "व्यवसाय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता" और एम्स्टर्डम परिसर में "उन्नत संवाद कौशल" पर केंद्रित था।

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएमएक्स)

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएमएक्स) एक वर्ष का, पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है जो मध्य/वरिष्ठ-स्तरीय प्रबंधन पेशेवरों के लिए बनाया गया है और इसका उद्देश्य उन्हें व्यवसाय में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करना है। यह कार्यक्रम भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिवेश पर आधारित व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य कार्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच कार्यात्मक और कार्यनीतिक स्तरों पर व्यावसायिक प्रक्रियाओं की समझ को बढ़ाना है, इस प्रकार, उन्हें वैश्विक व्यवसाय में संलग्न उद्यमों के प्रबंधन में बढ़ी हुई भूमिकाओं के लिए तैयार करना है।

बैच विशेषता

विवरण	2022-23	2023-24	2024-25
प्रवेशित छात्रों की संख्या	109	107	111
स्नातक छात्रों की संख्या	108	106	110
महिला	19	20	32
कार्य अनुभव (औसत)	8.5 वर्ष	8 वर्ष	8.8 वर्ष
इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्र	93	94	101

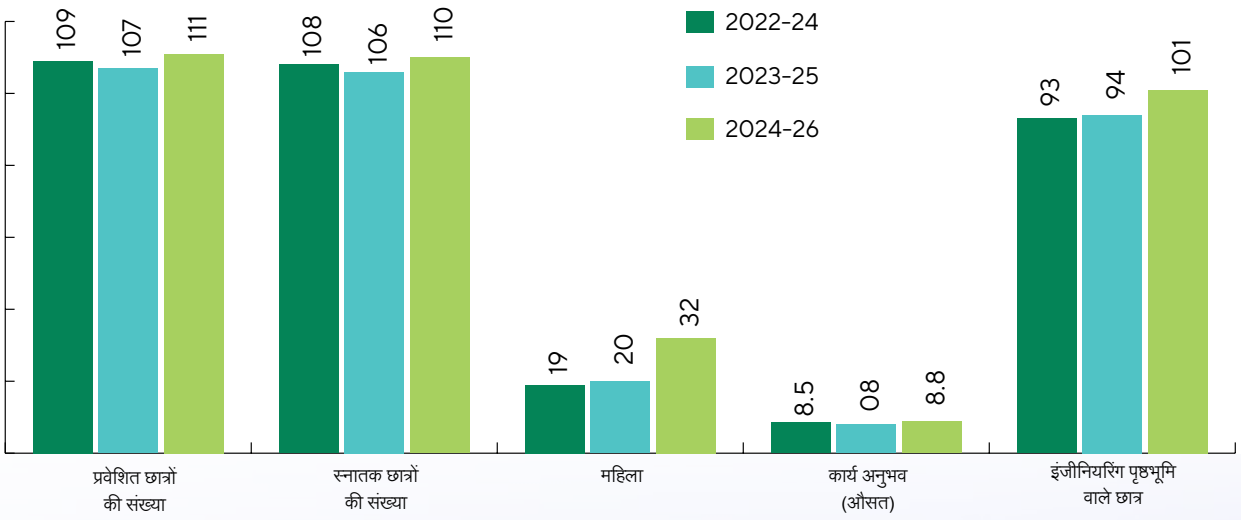

अंतरराष्ट्रीय इमर्सन घटक (2024-25):

आईपीएमएक्स बैच (2024-25) का अंतरराष्ट्रीय इमर्सन मॉड्यूल आईईएसईजी (आईईएसईजी) स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस द्वारा आयोजित किया गया था। तीन सप्ताह के इमर्सन मॉड्यूल में दो क्रेडिट पाठ्यक्रम, उद्योग का दौरा, कार्यशालाएं और पेरिस तथा जर्मनी और फ्रैंकफर्ट जैसे अन्य यूरोपीय शहरों में सांस्कृतिक दौरे शामिल हैं।

दिए गए पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

- अंतर्सांस्कृतिक प्रबंधन
- अंतरराष्ट्रीय वार्ता कौशल
- वित्त-प्रौद्योगिकी (फिनटेक)
- कार्यनीतिक नवोन्मेष एवं व्यवसाय हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता

प्लेसमेंट

मुख्य तथ्य

- लगभग 50% बैच ने प्लेसमेंट के पहले सप्ताह में प्लेसमेंट प्राप्त कर लिया।
- शीर्ष 10% का औसत सीटीसी (सीटीसी) 41.74 लाख रुपये प्रति वर्ष और शीर्ष 50% का 32.5 लाख रुपये प्रति वर्ष था।
- प्री-एमबीए से पोस्ट-एमबीए सीटीसी में औसत 64% की वृद्धि।
- लगभग 87% छात्र अपनी पिछली भूमिकाओं से स्थानांतरित हो सके और 78% अपने पिछले उद्योगों से स्थानांतरित हुए।
- प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेने वाली कई कंपनियों में से 29 ने अंतिम पेशकश की।.
- लगभग 38% रिक्रूटर्स ने पहली बार आईपीएमएक्स से भर्ती की।

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएमएक्स) के 17वें बैच में विभिन्न उद्योग और कार्यात्मक पृष्ठभूमि से 110 छात्र शामिल थे - जिनमें आईटी/आईटीईएस, परामर्श, मीडिया, एफएमसीजी, शिक्षा, ऑटोमोटिव/विनिर्माण, बीएफएसआई, खुदरा/ई-कॉमर्स, ऊर्जा/तेल और गैस, और अन्य शामिल हैं, जिनका औसत उद्योग अनुभव लगभग 8.7 वर्ष है।

आईपीएमएक्स के 17वें बैच के लिए रोलिंग प्लेसमेंट प्रक्रिया नवंबर 2024 के पहले सप्ताह में नोएडा परिसर में शुरू हुई। भर्ती प्रक्रिया हाइब्रिड मोड - वर्चुअल और परिसर में आयोजित की गई थी।

110	95	04	05	06
कुल स्नातक	परिसर से प्लेसमेंट	अन्य माध्यमों से प्रस्ताव (कंपनी प्रायोजित/अभ्यर्थियों का प्रयास/ मूल संगठन में पुनः शामिल होना आदि)	अन्य कारणों से प्लेसमेंट के लिए अनिच्छुक	बिना नौकरी वाले छात्र, यदि कोई हो

** संस्थान विद्यार्थियों के स्नातक के बाद नौकरी की तलाश में सहयोग करता है। इनमें से कुछ विद्यार्थी या तो विशेष पृष्ठभूमि के होते हैं या उनकी करियर से संबोधत वरीयता बहुत हीं विशिष्ट होती हैं*

भर्ती कर्ता और प्रस्तावित भूमिकाएँ:

विभिन्न उद्योगों की कई कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया, जिनमें से 25 से अधिक ने अंतिम पेशकश की। कुछ प्रमुख भर्तीकर्ता हैं:

accenture	ACCORDION	CAMS	genpact	Hashedin	ICICI Bank
Infosys	Jio bp	LTIMindtree	Persistent	quantiphi Solving What Matters	RPG
R1	Tech Mahindra	TVS			

कार्यात्मक विभाजन :

छात्रों को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के प्रबन्धन पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस वर्ष जिन पदों पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए, उनमें प्रमुख हैं – वरिष्ठ परामर्शदाता, प्रबन्धक, सहायक उपाध्यक्ष (एवीपी), वरिष्ठ प्रबन्धक, उत्पाद स्वामी, सहयोगी सहभागिता प्रबन्धक, ग्राहक समाधान सहयोगी, प्रौद्योगिकी परामर्शदाता, उत्पाद विशेषज्ञ, निदेशक, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम प्रमुख, मुख्य प्रबन्धक, वरिष्ठ विशेषज्ञ, व्यवसाय परामर्शदाता, कार्यनीतिक व्यवसाय एवं परिवर्तन प्रबन्धक, वरिष्ठ प्रक्रिया प्रबन्धक, एम.सी. प्रबन्धक इत्यादि।

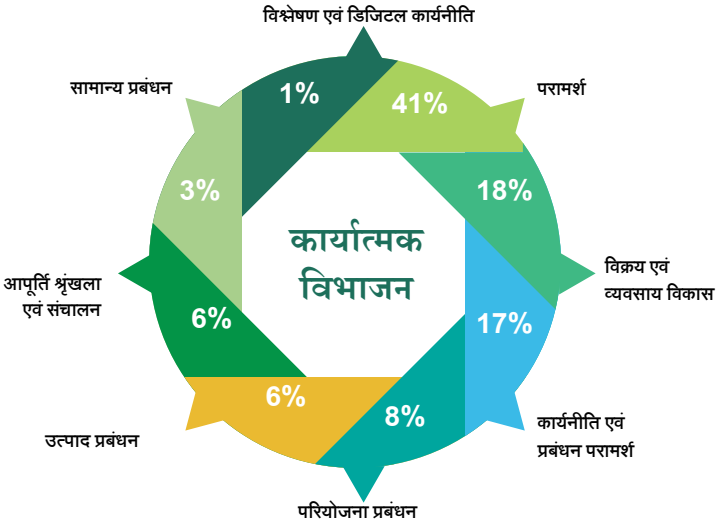

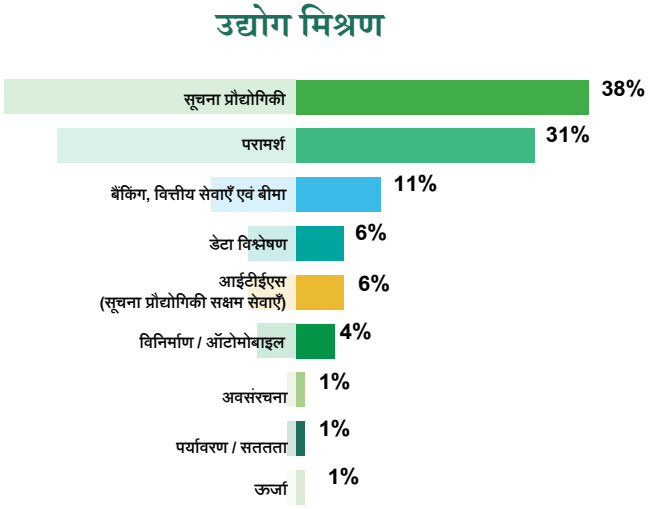

नौकरियों के प्रस्ताव कई उद्योगों से प्राप्त हुए, और कई छात्रों ने सफलतापूर्वक अपने उद्योगों, भूमिकाओं और/या कार्यों को बदल लिया।

वेतन

संकेतक	सीटीसी (लाख रुपये प्रति वर्ष) *(नियुक्ति/प्रतिधारण बोनस एवं ईएसओपी को सम्मिलित नहीं किया गया है)*
माध्य सीटीसी	**27.19**
औसत सीटीसी	**27.72**

नेतृत्व वार्ता श्रृंखला के वक्ता

नेतृत्व वार्ता श्रृंखला का उद्देश्य व्यापार जगत की व्यावहारिकताओं से अवगत कराना है। छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने हेतु, उद्योग विशेषज्ञों एवं उद्यमियों को आमंत्रित कर उनके व्यावहारिक अनुभवों और दृष्टिकोणों को साझा करने वाले विभिन्न सत्र आयोजित किए जाते हैं। यह मंच छात्रों को उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं, बाजार की प्रवृत्तियों और परिचालन चुनौतियों की जानकारी प्रदान करता है।

- अंकित चतुर्वेदी, पार्टनर सिनर्जी कंसल्टिंग, इंक
- राजेश वासुदेवन, वाइस प्रेसिडेंट ईएचएस एंड ईएसजी - सिप्ला
- नेहा सतीजा, सस्टेनेबल डेवलपमेंट मैनेजर - टीसीएस
- श्रुति देवरा, पार्टनर - इंटेलेकैप
- अंकुर बंसल, फाउंडर एंड सीईओ - जीडीआई पार्टनर्स
- तनिमा सिंह, स्पेशलिस्ट प्रिंसिपल - ईएसजी, कीर्नी
- विनोद माथुर, वाइस प्रेसिडेंट प्रोडक्ट मैनेजमेंट, ब्लू योंडर
- प्रवीण शुक्ला, मैनेजर – सीएसआर एवं सततता, जेके पेपर लिमिटेड
- मनप्रीत सिंह, पार्टनर पीडब्ल्यूसी
- डॉ. करण ठाकुर, वाइस प्रेसिडेंट - सततता, ईएसजी एवं पब्लिक अफेयर्स, अपोलो हॉस्पिटल
- देबासिस सतपथी, सीजीएम एचआर, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड
- अंकित मेहरोत्रा, एसोसिएट डायरेक्टर, ईवाई जीडीएस
- सुशील कुमार, फाउंडर एंड सीईओ ऑफ सस्टेनेको
- और, फ्रेडरिक नौमन फाउंडेशन (एफएनएफ) और बिज़नेस एंड ह्यूमन राइट्स नेटवर्क के वक्ता

प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम)

सत्र 2000-01 में प्रारम्भ किया गया प्रबन्धन में फेलो कार्यक्रम (एफपीएम) भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ का डॉक्टोरल स्तर का कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों को एक विशेष अवसर प्रदान करता है, जो अपनी शोध क्षमताओं एवं अध्यापन कौशल को विकसित करना चाहते हैं। इसका उद्देश्य उच्चस्तरीय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं प्रबन्धन चिन्तकों का निर्माण करना है, जिन्हें प्रबन्धन क्षेत्र में अंतर्विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान का अवसर मिल सके। संस्थान का अत्यधिक शैक्षणिक एवं संवादपरक वातावरण विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक क्षमताओं को विकसित करने तथा उन्हें तीक्ष्ण बनाने में सहायक होता है। संस्थान की विशिष्ट शिक्षण पद्धति एवं कार्यक्रम संरचना विद्यार्थियों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास हेतु समृद्ध वातावरण प्रदान करती है। कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी.एचडी.)' की उपाधि प्रदान की जाती है।

एफपीएम उच्चतम गुणवत्ता वाले छात्रों को आकर्षित करता है और उन्हें भारत के प्रमुख व्यावसायिक विद्यालयों में अकादमिक करियर के लिए तैयार करता है। इस कार्यक्रम में दो घटक शामिल हैं। पहला घटक पाठ्यक्रम है और यह विद्वानों को विभिन्न प्रकार के मुख्य और वैकल्पिक एमबीए के साथ-साथ फेलो-स्तरीय क्षेत्र-विशिष्ट पाठ्यक्रमों से अवगत कराता है और अनुसंधान पद्धति में गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। एक प्रमुख पर्यवेक्षक की अध्यक्षता में संकाय की एक टीम दूसरे घटक की देखरेख करती है, जो स्वतंत्र अनुसंधान है। यह कार्यक्रम, अपने पर्याप्त वित्तीय सहायता के साथ, एफपीएम विद्वानों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और डॉक्टरेट कंसोर्टियम में प्रस्तुत और भाग लेने की सुविधा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, आंतरिक सेमिनारों की एक समृद्ध परंपरा एफपीएम विद्वानों के लिए एक आदर्श शिक्षण मंच प्रदान करती है।

विशेषज्ञता के क्षेत्र

- कृषि-व्यवसाय प्रबंधन (एबीएम)
- अर्थशास्त्र और व्यावसायिक पर्यावरण
- व्यावसायिक सततता (बीएस)
- संचार (कॉम.)
- निर्णय विज्ञान
- वित्त और लेखा
- मानव संसाधन प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली (आईटी एंड एस)
- विपणन प्रबंधन
- संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- कार्यनीतिक प्रबंधन

प्रवेश रुझान 2023 - 2025

क्षेत्र	2023	2024	2025
एबीएम	02	02	01
बीई	02	04	03
व्यावसायिक सततता	00	00	01
संचार	01	00	01
निर्णय विज्ञान	03	03	01
वित्त और लेखा	08	03	03
एचआरएम	06	04	03
आईटी एंड एस	05	04	02
विपणन	05	07	01
ओएम	04	04	03
एसएम	03	05	05
कुल	39	36	24

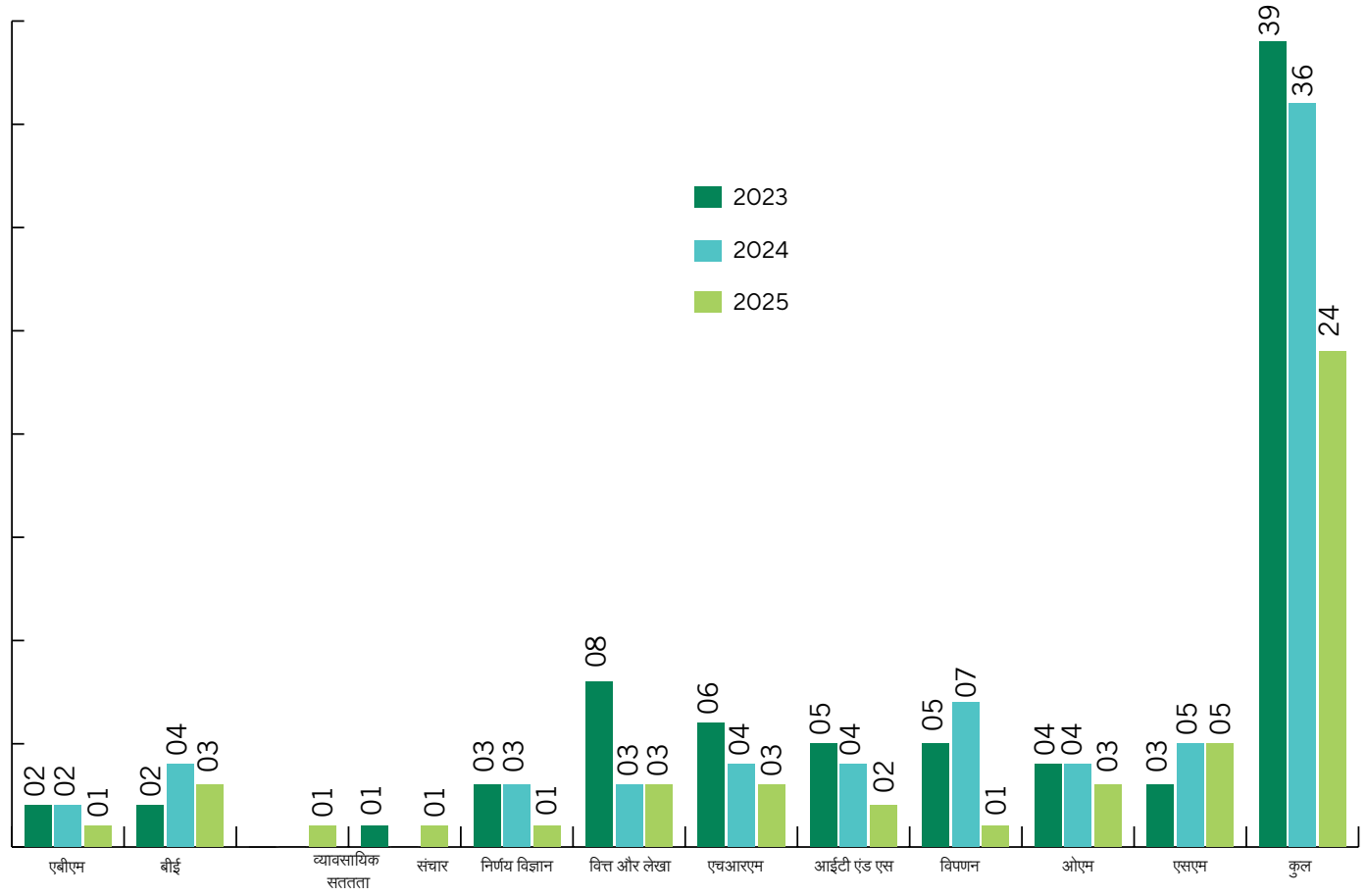

श्रेणी	2023			2024			2025		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	41	90	**32**	71	60	**32**	13	04	**17**
अनुसूचित जाति	00	30	**30**	60	00	**60**	02	00	**02**
अनुसूचित जनजाति	20	00	**20**	00	00	**00**	00	00	**00**
अन्य पिछड़ा वर्ग	80	10	**90**	30	00	**30**	03	00	**03**
दिव्यांगजन	00	00	**00**	00	00	**00**	00	00	**00**
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	20	00	**20**	20	20	**40**	02	00	**02**
कुल प्रवेश	**62**	**31**	**93**	**82**	**80**	**63**	**20**	**04**	**24**

एफपीएम (2024-25)

क्र. सं.	एफपीएम/ डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	थीसिस सलाहकार समिति	पासपोर्ट आकार का फोटो	विषय	प्लेसमेंट
1.	एफपीएम- 20007	देबांकुर साहा	विपणन	1. प्रो. अनिर्बान चक्रवर्ती (अध्यक्ष) 2. प्रो. अनीता गोयल (सदस्य) 3. प्रो. गौरव गर्ग (सदस्य)		"एविटूरिज्म: एक्सप्लोरिंग इट्स ड्राइवर्स एंड कंसिक्वेंस फ्रॉम द कंज्यूमर परस्पेक्टिव"	सहायक प्रोफेसर, आईएफएमआर-जीएसबी, क्रिया यूनिवर्सिटी
2.	पीएचडी- 22031	विवेक कुमार झा	एसएम	1. प्रो. अनादि सरन पांडे (अध्यक्ष) 2. प्रो. प्रियतम अनुराग (सदस्य) 3. प्रो. कौशिक रंजन बंदोपाध्याय (सदस्य)		"एसेज ऑन सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप आउटकम्स एंड इकोसिस्टम्स"	सहायक प्रोफेसर, टीएपीएमआई, मनीपाल
3.	पीएचडी-21020	स्वाति जैन	आईटी एंड एस	1. प्रो. अरुणभा मुखोपाध्याय (अध्यक्ष) 2. प्रो. अश्विनी कुमार (सदस्य) 3. प्रो. राजेश के. ऐथल (सदस्य)		"साइबर रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क्स फॉर ऑर्गेनाइजेशंस विदइन ए साइबर इकोसिस्टम"	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अमृतसर में 22.10.2024 से पदस्थ
4.	एफपीएम- 20011	रितिका सैनी	ओएम	1. प्रो. ओंकारप्रसाद एस. वैद्य (अध्यक्ष) 2. प्रो. राकेश वी. (सह-अध्यक्ष) 3. प्रो. यश दौलतानी (सदस्य)		"वेयरहाउस परफॉरमेंस एनालिसिस: ए मल्टी-क्राइटेरिया इवैल्यूएशन एंड कॉन्सेप्चुअल मॉडलिंग अप्रोच"	कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं
5.	पीएचडी- 21023	अजीत प्रताप सिंह	ओएम	1. प्रो. सुरेश कुमार जाखड़ (अध्यक्ष) 2. प्रो. हिमांशु राठौर (सदस्य) 3. प्रो. राकेश वी. (सदस्य)		"एसेज ऑन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स एंड नेटवर्क इफेक्ट्स"	सहायक प्रोफेसर, टीए पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, मणिपाल, 05.11.2024
6.	पीएचडी- 21011	सुकन्या वाधवा	एफ एंड ए	1. प्रो. शेषदेव साहू (अध्यक्ष) 2. प्रो. अजय कुमार गर्ग (सदस्य) 3. प्रो. चंदन शर्मा (सदस्य)		"एसेज ऑन इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) परफॉरमेंस"	सहायक प्रोफेसर, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, 23.09.2024
7.	पीएचडी- 21001	प्रगति प्रिया	बीई	1. प्रो. चंदन शर्मा (अध्यक्ष) 2. प्रो. संजय कुमार सिंह (सदस्य) 3. प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति (सदस्य)		"एसेज ऑन द ट्रांसमिशन ऑफ मॉनेटरी पॉलिसी ऑन हाउसहोल्ड कंजम्पशन एंड फर्म इन्वेस्टमेंट बिहेवियर"	सहायक प्रोफेसर, टीए पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, मणिपाल, 03.12.2024

क्र. सं.	एफपीएम/ डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	थीसिस सलाहकार समिति	पासपोर्ट आकार का फोटो	विषय	प्लेसमेंट
8.	पीएचडी- 22003	सार्थक अग्रवाल	बीई	1. प्रो. संजय कुमार सिंह (अध्यक्ष) 2. प्रो. सोमदीप चटर्जी (सदस्य) 3. प्रो. प्रियतम अनुराग (सदस्य)		"एसेज ऑन इश्यूज इन डेवलपिंग इकॉनोमीज: गवर्नेंस, नेचुरल डिजास्टर्स, एंड एग्रीकल्चर"	असिस्टेंट प्रोफेसर, टी. ए. पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन
9.	पीएचडी- 21005	सारांश तिवारी	डीएस	1.प्रो. संजीत सिंह (अध्यक्ष) 2.प्रो. सोनिया सिंह (सदस्य) 3.प्रो. उत्सव पांडेय (सदस्य), आईआईएम, लखनऊ		"एसेज ऑन कम्पोजिट इंडिकेटर कंस्ट्रक्शन: फ्रंटियर-बेस्ड अप्रोच"	सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्ध संस्थान रोहतक, हरियाणा, 27.02.2025
10.	पीएचडी- 21002	राहुल कुमार	बीई	1. प्रो. डी. त्रिपाठी राव (अध्यक्ष) 2. प्रो. आलोक दीक्षित (सदस्य) 3. प्रो. प्रद्युम्न डैश (सदस्य)		"एसेज ऑन इन्फ्लेशन एक्सपेक्टेशंस, इन्फ्लेशन, एंड मॉनेटरी पॉलिसी"	असिस्टेंट प्रोफेसर मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, गुरुग्राम
11.	पीएचडी- 22012	आरूषी वर्मा	एफ एंड ए	1. प्रो. मधुमिता चक्रवर्ती (अध्यक्ष) 2. प्रो. विकास श्रीवास्तव (सदस्य) 3. प्रो. सौम्या सुब्रमण्यम (सदस्य)		"एसेज ऑन रोल ऑफ अपीयरेंस इन फाइनेंशियल मार्केट्स"	असिस्टेंट प्रोफेसर, टी. ए. पाई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन
12.	पीएचडी- 21022	सत्यम मिश्रा	विपणन	1. प्रो. आशीष दुबे (अध्यक्ष) 2. प्रो. प्रेम प्रकाश दिवानी (सदस्य) 3. प्रो. अनुभव मिश्रा (सदस्य)		"एसेज ऑन कंज्यूमर इंटरेक्शंस इन इमर्सिव डिजिटल एनवायरनमेंट्स: वीआर एंड मेटावर्स"	एसोसिएट प्रोफेसर, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल, सोनीपत 20.01.2025
13.	पीएचडी- 21010	शुमैला फातिमा	एफ एंड ए	1. प्रो. मधुमिता चक्रवर्ती (अध्यक्ष) 2. प्रो. सुचिस्मिता मिश्रा (सदस्य) 3. प्रो. विकास श्रीवास्तव (सदस्य)		"एसेज ऑन फिनटेक"	असिस्टेंट प्रोफेसर, फाइनेंस एवं अकाउंटिंग, आईआईएम रांची
14.	एफपीएम-18010	अंबिका घई	आईटी एंडएस	1. प्रो. प्रदीप कुमार (अध्यक्ष) 2. प्रो. विवेक गुप्ता (सदस्य) 3. प्रो. अभिजीत भट्टाचार्य (सदस्य)		"एग्जामिनिंग इमेज एनालिटिक्स एप्लीकेशंस यूजिंग डीप लर्निंग टेक्निक्स"	कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं

क्र. सं.	एफपीएम/ डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	थीसिस सलाहकार समिति	पासपोर्ट आकार का फोटो	विषय	प्लेसमेंट
15.	एफपीएम-20006	दीक्षा अग्रवाल	विपणन	1. प्रो. राजीव कुमरा (अध्यक्ष) 2. प्रो. मौतुसी माइती (सदस्य) 3. प्रो. प्रियंका शर्मा (सदस्य)		"लक्जरी मार्केटिंग इन द डिजिटल एरा: अंडरस्टैंडिंग टेक्नोलॉजी-मीडियेटेड ऑनलाइन लक्जरी कंजम्पशन"	जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत
16.	एफपीएम-20012	जीतू राणा	ओएम	1. प्रो. यश दौलतानी (अध्यक्ष) 2. प्रो. सुशील कुमार (ओएम) (सह-अध्यक्ष) 3. प्रो. मोहित गोस्वामी (सदस्य)		"एसेज ऑन सप्लाई चेन डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन"	सहायक प्रोफेसर, बेनेट यूनिवर्सिटी, प्लॉट नं.: 8-11, टेकजोन-द्वितीय, ग्रेटर नोएडा-201310, यूपी 01.07.2025
17.	पीएचडी- 22007	मधुकर पाण्डेय	कॉम.	1. प्रो. शुभदा अरोड़ा (अध्यक्ष) 2. प्रो. नीरजा पांडे (सदस्य) 3. प्रो. नंदिता रॉय (सदस्य)		"इंटीग्रेटिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन ऑर्गेनाइजेशंस: कम्युनिकेटिव एक्सपीरियंसेस एंड एथिकल कंसर्न्स इन रिक्रूटमेंट"	एडजंक्ट फैकल्टी, कम्युनिकेशंस, गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोवा
18.	पीएचडी- 22005	नीरज कटेवा	बीई	1. प्रो. देबदत्ता पाल (अध्यक्ष) 2. प्रो. संगीता डी. मिश्रा (सदस्य) 3. प्रो. सोमदीप चटर्जी (सदस्य)		"एसेज इन डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स: इश्यूज इन एग्रीकल्चर, जेंडर, एंड लेबर"	सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिंद्रा यूनिवर्सिटी, बहादुरपल्ली, जीदिमेटला, हैदराबाद, तेलंगाना-500043 20.01.2025
19.	पीएचडी- 21004	सोनाली सिंह	बीई	1. प्रो. संजय कुमार सिंह (अध्यक्ष) 2. प्रो. चंदन शर्मा (सदस्य) 3. प्रो. विनोद मिश्रा (सदस्य)		"एसेज ऑन कैपेबिलिटीज ऑफ इकॉनोमीज इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी अप्रोच - ए नोवेल क्वांटिटेटिव मेथोडोलॉजी"	यूपीईएस देहरादून

क्र. सं.	एफपीएम/ डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	थीसिस सलाहकार समिति	पासपोर्ट आकार का फोटो	विषय	प्लेसमेंट
20.	एफपीएम-20016	विवेक एन शर्मा	डीएस	1. प्रो. संजीत सिंह (अध्यक्ष) 2. प्रो. सुरेश कुमार जाखड़ (सह-अध्यक्ष) 3. प्रो. सोनिया सिंह (सदस्य)		"टॉपिक्स ऑन प्रोडक्ट रिटर्न्स इन ई-कॉमर्स"	कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं
21.	पीएचडी- 22025	सृष्टि बचवानी	विपणन	1. प्रो. अनिर्बान चक्रवर्ती (अध्यक्ष) 2. प्रो. मौतुसी माइती (सह-अध्यक्ष) 3. प्रो. पायल कपूर (सदस्य)		"अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ मैसेज कॉन्ग्रुएंसी ऑन कंज्यूमर इंटेंशंस टुवर्ड्स इकोनॉमिक सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस"	सहायक प्रोफेसर, एसएसआईपीएमटी रायपुर

सम्मेलन (2024-2025)

1	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	28
2	राष्ट्रीय सम्मेलन	17
3	कुल सम्मेलन	45
4	कुल छात्रों की प्रतिभागिता	28
5	कुल डॉक्टोरल कंसोर्टियम	13
6	कुल छात्रों की प्रतिभागिता (राष्ट्रीय+अंतरराष्ट्रीय+डॉक्टोरल कंसोर्टियम)	13
7	एफपीएम शोधार्थी द्वारा प्रकाशित कुल शोध पत्रों की संख्या	39

सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (2024-2025)

विद्वानों का नाम	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार
सुश्री जीतू राणा एफपीएम-20012 (ओएम)	9वें इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट (इंडाम-2024) सम्मेलन, गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोवा।
सुश्री सोनाली सिंह पीएचडी-21004 (बीई)	9वें इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट (इंडाम-2024) सम्मेलन, गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोवा।
श्री सार्थक अग्रवाल पीएचडी-22003 (बीई)	रॉयल इकोनॉमिक सोसाइटी एनुअल कॉन्फ्रेंस इन बेलफास्ट, यूके (2024) एशियन वर्कशॉप ऑन इकोनॉमेट्रिक्स एंड हेल्थ इकोनॉमिक्स (एडब्ल्यूईएचई) इन मनीला, फिलीपींस (2024)
सुश्री सृष्टि बचवानी पीएचडी-22025 (एमएम)	सीईआरई-2024, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, इंदौर
सुश्री अंबिका घई एफपीएम-18010 (आईटीएंडएस)	एआईआरसी कॉन्फ्रेंस-2023, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ

एफपीएम विद्वान (2024-2025) द्वारा शोध कार्य प्रकाशन

क्र. सं.	एफपीएम/डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रकाशित पेपर/ प्रकाशन [श्रेणी और जर्नल का नाम, लेखक और सह-लेखक और स्वीकृति की तिथि के साथ उल्लेख करें] (कालक्रमानुसार)
1	**एफपीएम-20007**	**देबांकुर साहा**	विपणन	शीर्षक - न्यूट्रलाइजिंग कोविड-19 इंड्यूस्ड इनहिबिटर्स ऑफ वेकेशनिंग इंटेंशन: एन इंडियन पर्सपेक्टिव, जर्नल - इंट. जे. इंडियन कल्चर एंड बस. मैनेजमेंट (एबीएस-1), लेखक - देबांकुर साहा, सह-लेखक - अनिर्बन चक्रवर्ती, प्रकाशित - 13 सितंबर, 2022
2	**पी.एचडी.-22031**	**विवेक कुमार झा**	एसएम	पेपर शीर्षक: मेकिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट हैपन: डज़ सस्टेनेबल एंट्रेप्रेन्योरशिप मेक नेशंस मोर सस्टेनेबल?लेखक: झा, वी.के., एवं पांडे, ए.एस. (2024)जर्नल: जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 440, 140849.जर्नल श्रेणी: एबीडीसी - एप्रकाशन के लिए स्वीकृत: 19-जनवरी-2024प्रकाशित: 10-फ़रवरी-2024
3	**पी.एचडी.-21020**	**स्वाति जैन**	आईटी&एस	1. शीर्षक: ए फ्रेमवर्क फॉर साइबर-रिस्क इंश्योरेंस अगेंस्ट रैंसमवेयर: ए मिक्स्ड- मेथड अप्रोच। जर्नल: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट श्रेणी: (एबीडीसी - ए स्टार)सह-लेखक: अरुणाभा मुखोपाध्याय स्वीकृति का वर्ष: अक्टूबर 2023 2. शीर्षक: कैन साइबर रिस्क ऑफ हेल्थ केयर फर्म्स बी इंश्योर्ड? ए मल्टीनॉमियल लॉजिस्टिक रिग्रेशन मॉडल। जर्नल: जर्नल ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्सश्रेणी: (एबीडीसी - ए) सह-लेखक: अरुणाभा मुखोपाध्याय, सलोनी जैन स्वीकृति का वर्ष: अगस्त 2023
4	**एफपीएम-20011**	**रितिका सैनी**	ओएम	सैनी, आर., और गर्ग, एन. (2023)। अनपैकिंग द एनवायर्नमेंटल कॉस्ट्स ऑफ ई-कॉमर्स: ए सिस्टम डायनामिक्स एनालिसिस ऑफ सीओ2 एमिशन इन इंडिया। जर्नल ऑफ इनफार्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च, 3(2)। (एबीडीसी-सी)
5	**पी.एचडी.-21023**	**अजीत प्रताप सिंह**	ओएम	1 - रे, एम., सिंह, ए.पी. एवं जाखड़, एस.के. सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिसेज एडोप्शन इन एग्रीकल्चर सप्लाई चेन: द रोल ऑफ इनडायरेक्ट सपोर्ट वर्सेज कॉस्ट सब्सिडी, एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च (2023)। https://doi.org/10.1007/s10479-023-05559-0 (एबीडीसी: ए, एबीएस:3), स्वीकृत: 08.08.2023
6	**पी.एचडी.-21011**	**सुकन्या वाधवा**	एफ एंड ए	1. सॉल्विंग द आईपीओ पज़ल थ्रू "यूज़ ऑफ प्रोसीड्स" डिस्क्लोजर: एविडेंस फ्रॉम इंडिया, प्रो. शेषदेव साहू के साथ सह-लेखक, रिव्यू ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस (एबीडीसी-2) में प्रकाशित। 2. इंटेलेक्चुअल कैपिटल एंड सब्सक्रिप्शन रेट: एन एम्पीरिकल इन्वेस्टीगेशन इन द इंडियन इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग मार्केट, प्रो. शेषदेव साहू के साथ सह-लेखक, अकाउंटिंग रिसर्च जर्नल (एबीडीसी-3) में प्रकाशित। 3. एप्लीकेशन ऑफ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इन बैंकिंग: ए सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू, प्रो. शेषदेव साहू के साथ सह-लेखक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिटिकल अकाउंटिंग (एबीएस-1, एबीडीसी-सी) में प्रकाशित।
7	**पी.एचडी.-21001**	**प्रगति प्रिया**	बीई	1. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2024) ऑन ट्रांसमिशन चैनल्स ऑफ एनर्जी प्राइसेस एंड मॉनेटरी पॉलिसी शॉक्स टू हाउसहोल्ड कंजम्पशन: एविडेंस फ्रॉम इंडिया। एनर्जी इकोनॉमिक्स, 136, 107723। [एबीडीसी -ए*, एबीएस-3, स्कोपस क्यू1] 20 जून 2024 को स्वीकृत।https://doi.org/10.1016/j.eneco.2024.1077232. 2. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2023) रीइन्फोर्सिंग द इफेक्ट्स ऑफ करप्शन एंड फाइनेंशियल कंस्ट्रेंट्स ऑन फर्म परफॉरमेंस: नॉर्मल वर्सेस क्राइसिस पीरियड इन डेवलपिंग इकोनॉमीज। इकोनॉमिक मॉडलिंग, 127, 106463। [एबीडीसी -ए, एबीएस-2, स्कोपस क्यू1] 4 अगस्त 2023 को प्रकाशित। https://doi.org/10.1016/j.econmod.2023.1064633.

क्र. सं.	एफपीएम/डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रकाशित पेपर/ प्रकाशन [श्रेणी और जर्नल का नाम, लेखक और सह-लेखक और स्वीकृति की तिथि के साथ उल्लेख करें] (कालक्रमानुसार)
				3. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2023) मॉनेटरी पॉलिसी, मैक्रोइकॉनॉमिक अनसर्टेनिटी एंड कॉर्पोरेट लिक्विड एसेट डिमांड: ए फर्म-लेवल एनालिसिस फॉर इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनेंस, 20(1), 119-146। [एबीडीसी -ए, एबीएस-2, स्कोपस क्यू2] 5 मई 2023 को प्रकाशित।https://doi.org/10.1108/IJMF-02-2023-00654. 4. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2023) डज़ अनसर्टेनिटी डैम्पेन कॉर्पोरेट लिवरेज? एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ डिमांड एंड सप्लाई चैनल्स। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 1-16। [एबीडीसी -ए, एबीएस-2, स्कोपस क्यू2] 12 मई 2023 को प्रकाशित।https://doi.org/10.1080/00036846.2023.22129765. 5. प्रिया, पी., पाल, डी. (2024) डज़ क्रूड ऑयल प्राइस वोलैटिलिटी रेस्पॉन्ड असिमेट्रिकली टू फाइनेंशियल शॉक्स? रिसोर्सेज पॉलिसी, 92(105029), [एबीडीसी -बी, एबीएस-2, स्कोपस क्यू1] 19 अप्रैल 2024 को प्रकाशित।https://doi.org/10.1016/j.resourpol.2024.1050296. 6. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2023) कोविड-19 रिलेटेड स्ट्रिंगेंसीज एंड फाइनेंशियल मार्केट वोलैटिलिटी: सेक्टोरल एविडेंस फ्रॉम इंडिया। जर्नल ऑफ फाइनेंशियल इकोनॉमिक पॉलिसी, 15(1), 16-34। [एबीडीसी -बी, एबीएस-1, स्कोपस क्यू3] 2 फरवरी 2023 को प्रकाशित।http://doi.org/10.1108/JFEP-05-2022-01367. 7. प्रिया, पी., शर्मा, सी. (2022) डू फाइनेंशियल कंस्ट्रेंट्स एंड करप्शन लिमिट फर्म्स इनोवेशन कैपेबिलिटी? एविडेंस फ्रॉम डेवलपिंग इकोनॉमीज। मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स, 44(4), 1935-1961। [एबीडीसी -बी, एबीएस-2, स्कोपस क्यू2] 7 दिसंबर 2022 को प्रकाशित।https://doi.org/10.1002/mde.3792
8	**पी.एचडी.-22003**	**सार्थक अग्रवाल**	बीई	1. लेखक - अग्रवाल, सार्थक और काटेवा, नीरज शीर्षक - इम्प्रूविंग वीमेंस पोजीशन इन द हाउसहोल्ड: एविडेंस फ्रॉम ए मैटरनिटी कैश ट्रांसफर प्रोग्राम इन इंडिया जर्नल - द यूरोपियन जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च 22-मई-2024 को स्वीकृतश्रेणी - एबीडीसी बी, स्कोपस क्यू1 2. लेखक - सिंह, संजय; अग्रवाल, सार्थक और सिंह, सोनालीशीर्षक - प्लेइंग टू विन: द रोल ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसी इन शेपिंग इंडियाज टॉय मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीजर्नल - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट04 जुलाई 2024 को स्वीकृतश्रेणी - एबीएस-1 3. लेखक - अग्रवाल, सार्थक और चटर्जी, सोमदीपशीर्षक - न्यूट्री-फार्मिंग! एस्टिमेटिंग द इंपैक्ट्स ऑफ ए न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी प्रोग्राम ऑन एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटीजर्नल - रिव्यू ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स30 जनवरी 2025 को स्वीकृतश्रेणी - एबीडीसी-बी, एबीएस-2
9	**पी.एचडी.-21005**	**सारंश तिवारी**	डीएस	(1) सारंश तिवारी, संजीत सिंह, और संजय कुमार सिंह। 2023. कम्प्रेहेंसिव इवैल्यूएशन ऑफ पैसेंजर रोड ट्रांसपोर्टेशन थ्रू डायनामिक नेटवर्क डेटा एन्वलपमेंट एनालिसिस: ए केस स्टडी ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्स इन इंडिया। मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स 44 (8): 4311-32। https://doi.org/10.1002/mde.3950। एबीडीसी - 'बी', एबीएस - 2, आईएफ - 2.2 (2) सारंश तिवारी, और संजीत सिंह। 2024. डेटा एन्वलपमेंट एनालिसिस एंड इट्स एप्लीकेशन इन एनर्जी एंड एनवायरनमेंट। इन ऑपरेशनल रिसर्च फॉर रिन्यूएबल एनर्जी एंड सस्टेनेबल एनवायरनमेंट्स, 83-116। प्रकाशक: आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/978-1-6684-9130-0.ch004। (बुक चैप्टर)

क्र. सं.	एफपीएम/डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रकाशित पेपर/ प्रकाशन [श्रेणी और जर्नल का नाम, लेखक और सह-लेखक और स्वीकृति की तिथि के साथ उल्लेख करें] (कालक्रमानुसार)
10	**पी.एचडी.-21002**	**राहुल कुमार**	बीई	एन असेसमेंट ऑफ अनकन्वेंशनल मॉनेटरी पॉलिसी ड्यूरिंग कोविड-19 पेंडेमिक इन इंडिया। जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट फाइनेंस, 22(3), 297-325। [एबीडीसी-बी]। (प्रो. डी. त्रिपाठी राव के साथ संयुक्त रूप से) 1 मई, 2023 को प्रकाशितवैलिडिटी ऑफ एनर्जी लैडर हाइपोथेसिस थ्रू टाइप्स ऑफ रेजिडेंस: एन ऑर्डर्ड प्रोबिट एनालिसिस फॉर इंडियन हाउसहोल्ड्स। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 2024, फॉरथकमिंग। [एबीडीसी-बी]। 22 अगस्त, 2024 को प्रकाशित
11	**पी.एचडी.-22012**	**आरुषि वर्मा**	एफ एंड ए	1. लेखक: हिमांशु सिंघल; आरुषि वर्मा; और मधुमिता चक्रवर्ती शीर्षक: द क्वालिटी ऑफ क्रेडिट रेटिंग्स अमिड जियोपोलिटिकल रिस्क। जर्नल: इकोनॉमिक्स लेटर्स स्वीकृत: 12 नवंबर 2023 श्रेणी- एबीडीसी-ए; एबीएस-3 2. लेखक: आरुषि वर्मा; और मधुमिता चक्रवर्ती शीर्षक: वॉर-ड्रिवेन अटेंशन एंड क्रिप्टोक्यूरेंसी रिटर्न्स: द केस ऑफ द रशिया-यूक्रेन वॉर। जर्नल: आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू स्वीकृत: 14 फरवरी 2025 श्रेणी- एबीडीसी-बी
12	**पी.एचडी.-21022**	**सत्यम मिश्रा**	विपणन	मिश्रा, एस., मिश्रा, ए., दुबे, ए. और द्विवेदी, वाई.के. (2024), "वर्चुअल रियलिटी इन रिटेलिंग: ए मेटा-एनालिसिस टू डिटरमाइन द परचेस एंड नॉन-परचेस बिहेवियरल इंटेंशन ऑफ कंज्यूमर्स", इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट एवं डेटा सिस्टम्स, वॉल्यूम 124 नंबर 1, पृष्ठ 212-252। (एबीएस 2, एबीडीसी ए, आईएफ: 6.4)
13	**पी.एचडी.-21010**	**शुमैला फातिमा**	एफ एंड ए	शुमैला फातिमा एवं मधुमिता चक्रवर्ती, 2024. एडॉप्शन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन फाइनेंशियल सर्विसेज: द केस ऑफ रोबो-एडवाइजर्स इन इंडिया। आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू। (एबीडीसी-बी श्रेणी) स्वीकृति की तिथि: 18 अप्रैल 2024शुमैला फातिमा एवं मधुमिता चक्रवर्ती, 2024. डज़ मोबाइल फोन प्रोफिशिएंसी कंट्रीब्यूट टू स्टॉक मार्केट पार्टिसिपेशन? द रोल ऑफ पेमेंट कन्वीनिएंस, लिक्विडिटी, एंड सोशल इंटरेक्शन। इकोनॉमिक मॉडलिंग। (एबीडीसी-ए श्रेणी) स्वीकृति की तिथि: 26 दिसंबर 2024।
14	**एफपीएम-18010**	**अंबिका घई**	आईटी&एस	ए डीप-लर्निंग-बेस्ड इमेज फॉर्जरी डिटेक्शन फ्रेमवर्क फॉर कंट्रोलिंग द स्प्रेड ऑफ मिसइन्फॉर्मेशनअंबिका घई, प्रदीप कुमार, सम्राट गुप्ताइंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं पीपल (एबीडीसी ए श्रेणी); स्वीकृति की तिथि- 15 मई 2021।
15	**एफपीएम-20006**	**दीक्षा अग्रवाल**	विपणन	पेपर 1:पेपर का नाम: ए होलिस्टिक फ्रेमवर्क फॉर कंज्यूमर यूसेज मोड्स ऑफ ऑगमेंटेड रियलिटी मार्केटिंग इन रिटेलिंग जर्नल का नाम: जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज जर्नल श्रेणी: एबीडीसी एसह-लेखक: फेडरिका कैबोनी, विन्सेन्जो बेसाइल, हरीश कुमारस्वीकृति की तिथि: 17 मई 2024 पेपर 2:पेपर का नाम: फ्रॉम रनवे टू होमपेज: सिंथेसाइजिंग लग्ज़री ब्रांड स्ट्रैटेजीस इन डिजिटल स्केप जर्नल का नाम: एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्चजर्नल श्रेणी: एबीडीसी सीसह-लेखक: राजीव कुमारस्वीकृति की तिथि: 02 जुलाई 2024
16	**एफपीएम-20012**	**जीतू राणा**	ओएम	1. जीतू राणा एवं यश दौलतानी। (2023)। "मैपिंग द रोल एंड इम्पैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग एप्लीकेशंस इन सप्लाई चेन डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन: ए बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस।" ऑपरेशंस मैनेजमेंट रिसर्च (एबीडीसी - सी)। स्वीकृति की तिथि: 14 नवंबर, 2022।2. जीतू राणा, यश दौलतानी, एवं सुशील कुमार। (2025)। 2. ड्राइविंग इंडस्ट्री 4.0 सक्सेस: की एंटीसिडेंट्स इन द ऑटोमोटिव सेक्टर। मेजरिंग बिजनेस एक्सीलेंस (एबीडीसी-बी)। स्वीकृति की तिथि: 6 दिसंबर, 2024।3. जीतू राणा, यश दौलतानी, मोहित गोस्वामी, एवं सुशील कुमार। (2025)।

क्र. सं.	एफपीएम/डीपीएम आईडी	पीएचडी विद्वान का नाम	क्षेत्र	कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रकाशित पेपर/ प्रकाशन [श्रेणी और जर्नल का नाम, लेखक और सह-लेखक और स्वीकृति की तिथि के साथ उल्लेख करें] (कालक्रमानुसार)
				3. एक्सप्लोरिंग द इम्पैक्ट ऑफ सप्लाई चेन डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन ऑन सप्लाई चेन परफॉरमेंस: एन एम्पीरिकल इन्वेस्टीगेशन। बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट (एबीडीसी-ए)। स्वीकृति की तिथि: 10 जनवरी, 2025
17	**पी.एचडी.-22007**	**मधुकर पांडे**	संचार	1. प्रकाशित: पांडे, एम. एवं अरोड़ा, एस. (2025)। डीह्युमनाइज़्ड बाय डिज़ाइन: डिकोडिंग द इमोशनल इम्पैक्ट ऑफ एआई इन रिक्रूटमेंट ऑन एम्प्लॉयर ब्रांडिंग। इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 60(3), 419। (एबीडीसी सी जर्नल) पहले लेखक के रूप में। 2. इन प्रेस: पांडे, एम. नेविगेटिंग पैट्रिआर्की एंड क्लास डिवाइड: बॉलीवुड्स सिनेमेटिक रिप्रेजेंटेशन ऑफ बिजनेस फैमिलीज इन पोस्ट-लिबरलाइज़ेशन इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट (एबीएस 1 और वेब ऑफ साइंस इंडेक्स्ड, और यूजीसी मान्यता प्राप्त जर्नल) में पहले लेखक के रूप में प्रस्तुत। 3. रिव्यू एंड रीसबमिट: पांडे, एम. कल्चरल कोलीशन्स: द स्ट्रगल फॉर रिकग्निशन इन ए क्रॉस-कल्चरल वर्कप्लेस। एमराल्ड एमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज (एबीएस1 और स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल) में पहले लेखक के रूप में प्रस्तुत। 4. अंडर रिव्यू: पांडे, एम. एवं अरोड़ा, एस. फ्रॉम ह्यूमन टू एआई: कम्युनिकेटिव शिफ्ट्स इन टैलेंट एक्वीजीशन प्रैक्टिसेस। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट इंक्वायरी (एबीडीसी ए, एबीएस 3, वेब ऑफ साइंस और स्कोपस इंडेक्स्ड) में पहले लेखक के रूप में प्रस्तुत।
18	**पी.एचडी.-22005**	**नीरज काटेवा**	बीई	श्रेणी: एबीडीसी-बी; स्कोपस - क्यू1 जर्नल का नाम: द यूरोपियन जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च पेपर शीर्षक: इम्प्रूविंग वीमेन पोजीशन इन द हाउसहोल्ड: एविडेंस फ्रॉम ए मैटरनिटी कैश ट्रांसफर प्रोग्राम इन इंडिया लेखक सूची: सार्थक अग्रवाल और नीरज काटेवास्वीकृति की तिथि: 22 मई, 2024
19	**पी.एचडी.-21004**	**सोनाली सिंह**	बीई	सिंह, संजय कुमार; अग्रवाल, सार्थक; और सिंह, सोनाली: प्लेइंग टू विन: द रोल ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसी इन शेपिंग इंडिया-टॉय मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)। एबीएस-1।
20	**एफपीएम-20016**	**विवेक एन शर्मा**	डीएस	अंडरस्टैंडिंग ट्रेड प्रमोशंस इन रिटेल: ए सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू - जर्नल फॉर ग्लोबल बिजनेस एडवांसमेंट (जेजीबीए), श्रेणी-बी, लवलेश नागोरी, विवेक एन. शर्मा, डॉ. प्रेम प्रकाश देवानी, स्वीकृति की तिथि - 21 अक्टूबर, 2023
21	**पी.एचडी.-22025**	**सृष्टि बचवानी**	विपणन	श्रेणी-बी जर्नल ऑफ ग्लोबल स्कॉलर्स ऑफ मार्केटिंग साइंस, बियोंड क्रेडिट कार्ड्स: ए टीईपी पर्सपेक्टिव ऑन बाय-नाउ-पे-लेटर एडॉप्शन आर. ददरा, ए. सोनावने, एस. बचवानी, सीके बेहरा 06-अगस्त-2024 श्रेणी-सी जर्नल ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म रिसर्च,द इम्पैक्ट ऑफ जनरेटिव एआई कंटेंट डिस्क्लोजर ऑन कंज्यूमर एंगेजमेंट एंड विजिट इंटेंशन्स इन टूरिज्म: ए कंटेंट एनालिसिस एंड एक्सपेरिमेंटल स्टडीसृष्टि बचवानी, 4 नवंबर, 2024

एफपीएम विद्वानों (2024-25) का समूहिक फोटो

प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम (इएफपीएम)

ईएफपीएम एक अंशकालिक, गैर-आवासीय, डॉक्टरेट कार्यक्रम है जिसे विशेष रूप से सेवारत अधिकारियों/प्रबंधकों/शिक्षण पेशेवरों/शोधकर्ताओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। ईएफपीएम का उद्देश्य छात्रों को प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षण के साथ-साथ प्रबंधन अभ्यास, परामर्श और प्रशिक्षण में अपने जारी व्यवसायों/पेशों में लगे रहते हुए भी औपचारिक ढाँचे में करियर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन अभ्यास और सिद्धांत के बीच एक आदर्श संतुलन स्थापित करना है जो किसी को वरिष्ठ प्रबंधन में आगे बढ़ने, परामर्श कार्य शुरू करने और एक शैक्षणिक करियर शुरू करने की शक्ति देगा। ईएफपीएम विशेष रूप से प्रबंधन के सिद्धांत और अभ्यास को विकसित करने के लिए संरचित है जो समकालीन व्यावसायिक दुनिया को लाभ पहुँचाता है।

मापदंड	2022-23	2023-24	2024-25
प्रवेशित विद्वानों की संख्या	18	16	14
उत्तीर्ण विद्वानों की संख्या	06	06	05
एससी/एसटी विद्वान	01	01	00
महिला विद्वान	02	01	02

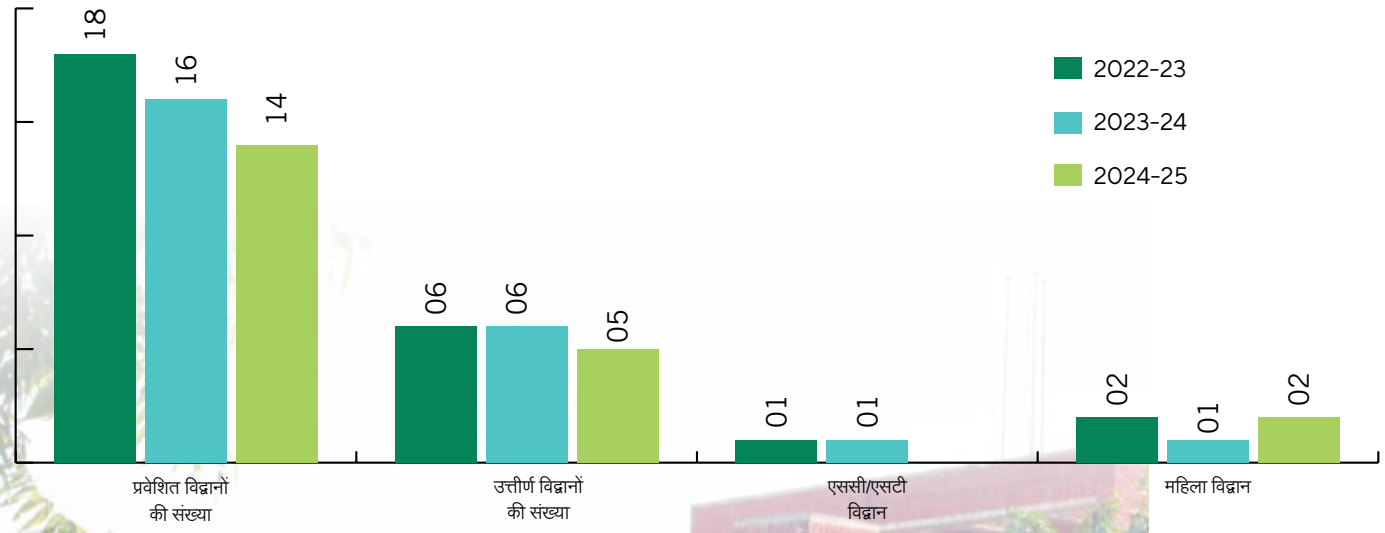

शोध कार्य

उत्तीर्ण ईएफपीएम विद्वान

नाम	क्षेत्र	थीसिस शीर्षक	थीसिस सलाहकार समिति
गौरव सरीन	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	डीप न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण अनुप्रयोग: एक प्रायोगिक अध्ययन	प्रो. प्रदीप कुमार प्रो. अश्विनी कुमार प्रो. विवेक गुप्ता
विक्रांत कुलकर्णी	व्यवसाय सततता	स्वैच्छिक से अनिवार्य सीएसआर: भारत में कंपनियाँ बदलाव को कैसे समझ रही हैं और उस पर प्रतिक्रिया दे रही हैं?	प्रो. आशीष अग्रवाल प्रो. कौशिक आर बंद्योपाध्याय प्रो. दीप्ति गुप्ता
सौमिक बिस्वास	व्यावसायिक पर्यावरण	वित्तीय झटके और हाई स्कूल छोड़ने वालों में लैंगिक विषमता: भारत से साक्ष्य	प्रो. कौशिक भट्टाचार्य प्रो. देबदत्त पाल प्रो. चंदन शर्मा
विजित त्यागी	विपणन प्रबंधन	मेट्रो रेल यात्रियों की ग्राहक संतुष्टि और व्यवहारिक इरादे पर अनुभव बढ़ाने वाली पूरक सेवाओं का प्रभाव-दिल्ली मेट्रो	प्रो. अनीता गोयल प्रो. आशीष दुबे प्रो. गौरव गर्ग
लेक्शमी आर कुमार	व्यवसाय सततता	जलवायु परिवर्तन के प्रति कॉर्पोरेट जागरूकता और प्रतिक्रिया: भारत से साक्ष्य	प्रो. आशीष अग्रवाल प्रो. गौरव गर्ग प्रो. दीप्ति गुप्ता

दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के 39वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष, श्री एन चंद्रशेकरन और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की निदेशक, प्रो. अर्चना शुक्ला द्वारा 811 छात्रों को उनकी उपाधियां प्रदान की गईं इस अवसर पर नारायण हेल्थ के संस्थापक और अध्यक्ष, डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया।

उत्तीर्ण बैच का विवरण

क्र. सं.	कार्यक्रम	उत्तीर्ण छात्र
1.	व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.)	501
2.	कृषि-व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.-ए.बी.एम.)	67
3.	सतत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.-एस.एम.)	44
4.	प्रबन्धन में फेलो कार्यक्रम (पी.एच.डी.)	21
5.	प्रबन्धन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम	05
6.	व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर (प्रबन्धकों हेतु अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम – आई.पी. एम.एक्स.)	110
7.	कार्यरत प्रबन्धकों हेतु स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.बी.ए.-डब्ल्यू.एक्स.)	63

पदक विजेता

प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क्रम सं.	पदक	नाम
01	अध्यक्ष स्वर्ण पदक	योग्य मित्तल
02	निदेशक पदक	मानसी पारख
03	पीजीपी अध्यक्ष पदक	पोताबाट्टुला श्रीदिव्या

कृषि-व्यवसाय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

01	हरीशंकर सिंघानिया पदक (सर्वश्रेष्ठ छात्र हेतु)	अर्पिता राठी

प्रबन्धक विकास अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आई.पी.एम.एक्स.)

01	अध्यक्ष स्वर्ण पदक	नितिन कुमार जैन
02	निदेशक पदक	हस्तावरम सेषा रेड्डी

सतत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

01	अध्यक्ष स्वर्ण पदक	कुमार अंकुर

कार्यरत प्रबन्धकों हेतु स्नातकोत्तर प्रबन्धन कार्यक्रम

01	अध्यक्ष स्वर्ण पदक	मनदीप सिंह सिंगरोहा

अनुभाग

02

शोध एवं परामर्श

प्रकाशन विवरण

संस्थान के फैकल्टी संस्थान की उस ध्येय पूर्ति में निरंतर तत्पर रहते हैं, जिसके अन्तर्गत समीक्षा किए गए शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने योग्य उच्च-गुणवत्ता वाला शोध कार्य प्रस्तुत करना सम्मिलित है। वर्ष 2024-2025 में भी अनेक शोध-पत्र, पुस्तकें तथा सम्मेलन प्रकाशन हुए, जिनका विवरण निम्नलिखित है –

145	03	02
पत्रिकाओं में शोध-पत्र	पुस्तक-अध्याय	केस अध्ययन

जर्नल प्रकाशन

1. अम्बस्ट, एन., देवानी, पी. पी., एवं साहा, एस. (2023)। सिग्माटेल: वितरक प्रबन्धन तंत्र का अंगीकरण। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टीचिंग केसिज़, 13(1), 116-125।
2. अंग्मो, डी., ऐथल, आर. के., एवं जयसवाल, ए. के. (2024)। ई–कॉमर्स के माध्यम से बाज़ार पृथक्करण को कम करना: भारत में पिरामिड के निचले स्तर (बी.ओ.पी.) की फर्मों के उदाहरण। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट, 30(1), 93-113।
3. अर्नेजा, एन., एवं शर्मा, सी. (2024)। निर्यात-प्रेरित विपणन एवं तकनीकी निवेश से प्राप्त प्रदर्शन लाभों का विश्लेषण: भारतीय विनिर्माण में निर्यात द्वारा सीखने की पुनर्समीक्षा। द क्वार्टरली रिव्यू ऑफ इकॉनॉमिक्स एंड फाइनेंस, 97, 101886।
4. अरोरा, एस. डी., एवं चक्रवर्ती, ए. (2023)। एच.डी.एफ.सी. लाइफ: उपभोक्ता का न्याय के लिए संघर्ष। विकल्पा, 48(2), 142-159।
5. अवस्थी, एम. के. (2025)। भोजन खरीद निर्णय के नैतिक एवं आध्यात्मिक आयाम: भारतीय खाद्य बाज़ार का एक अन्वेषणात्मक कारक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिज़नेस मैनेजमेंट। : 10.1504/आईजेआईसीबीएम.2025.10070853
6. बालाजी, एम. एस., शर्मा, पी., जियांग, वाई., झांग, एक्स., वाल्श, एस. टी., बेहल, ए., एवं जैन, के. (2024)। सेवा रोबोट तैयार हेतु आकस्मिक दृष्टिकोण: रोबोट क्षमताओं एवं व्यक्तित्व की भूमिका। टेक्नोलॉजिकल फोरकास्टिंग एंड सोशल चेंज, 201, 123257
7. बनर्जी, के., प्रमाणिक, एस., एवं मण्डल, एल. के. (2024)। सर्वश्रेष्ठ और न्यूनतम नेत्र मापन हेतु सांख्यिकीय विधियाँ। क्लीनिकल ऑप्थैल्मोलॉजी, 1901-1908
8. बंसल, ए., लक्ष्मण, सी., रोमानो, एम., निज्जर, एस., एवं अत्री, आर. (2024)। उच्च-अनिश्चित एवं निम्न-अनिश्चित संकटों में संचार की कार्यनीति हेतु नेतृत्वकर्ताओं के ज्ञान तंत्र: परिचालनात्मक एवं संबंधपरक परिणामों का संतुलन। जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, 28(8), 2357-2382
9. बर्तवाल, डी., सिंधवानी, आर., एवं वैद्य, ओ. एस. (2024)। एफ.एम.सी.जी. उद्योग में मौसमी उत्पादों के पूर्वानुमान की सटीकता में सुधार: सारिमा एवं प्रतिगमन मॉडल का एकीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग, 46(2), 259-279
10. बिस्वास, बी., मुखोपाध्याय, ए., कुमार, ए., एवं डेलन, डी. (2024)। फ़िशिंग आक्रमणों से रक्षा एवं पुनर्प्राप्ति हेतु साइबर–जोखिम प्रबन्धन में स्पष्ट व्याख्यात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एक्स.ए.आई.) का उपयोग करते हुए एक संकर ढाँचा। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम्स, 177, 114102
11 चट्टोपाध्याय, एम., एवं पाल, डी. (2024)। एयरबीएनबी मेजबानों की बिक्री अनुकूलन की दिशा में मार्केटर-जनरेटेड-कंटेंट एनालिटिक्स की कार्यनीतिक भूमिका की खोज। जर्नल ऑफ ग्लोबल स्कॉलर्स ऑफ मार्केटिंग साइंस, 34(2), 253-282
12 चौधरी, ए., साहू, एस., एवं डावर, वी. (2024)। वित्तीय विश्लेषकों की पूर्वानुमान सटीकता, सूचनात्मकता और उभरते बाजार से इसके निहितार्थ: एक उभरते बाजार से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल एंड फाइनेंशियल अकाउंटिंग, 16(2), 159-179
13 चौहान, डी., एवं अत्तिली, वी. पी. एज़ीशिप.कॉम पर एजाइल एडॉप्शन। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टीचिंग केसेस, 20438869251315194
14 चौहान, वी. (2024)। धीमी पर्यटन को अपनाने में बाधाएँ: एक नवाचार प्रतिरोध सिद्धांत परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म रिसर्च, 26(4), ई2689
15 चौहान, वी., गुप्ता, एम., एवं दास, जी. (2025)। प्रतिनिधित्व द्वारा सशक्त: कैसे प्लस-साइज मॉडल ब्रांड प्रचारकों को बनाते हैं। साइकोलॉजी एंड मार्केटिंग, 42(1), 236-254

16 चौधरी, डी., कुमार, ए., गोंग, वाई., एवं पापाडोपोलस, टी. (2025)। संक्रमण प्रबंधन लेंस का उपयोग करके सर्कुलर आपूर्ति श्रृंखलाओं में जोखिमों की जांच: उभरते बाजारों में एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर। जर्नल ऑफ द ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी, 1-19

17 दास, के., एवं बंद्योपाध्याय, के. आर. (2025)। भारत में स्टील डीकार्बोनाइजेशन पर कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) का प्रभाव: महत्वाकांक्षा बनाम इक्विटी पर एक बहु-हितधारक परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल एनवायर्नमेंटल एग्रीमेंट्स: पॉलिटिक्स, लॉ एंड इकोनॉमिक्स, 1-35

18 दासगुप्ता, डी., सिंह, आई. (2023)। अवकाश यात्रा के चालक के रूप में प्रेरणा और प्रोत्साहन: भारतीय महिला अधिकारियों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। कंज्यूमर बिहेवियर इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, 19(1), 82-99

19 डे, पी., एवं बख्शी, एम. (2023)। उचित मुखरता सिखाने के लिए एक अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण: भारतीय प्रबंधन छात्रों का एक उदाहरण। जर्नल ऑफ टीचिंग इन इंटरनेशनल बिजनेस, 34(1-2), 7-32

20 डे, पी., एवं बख्शी, एम. (2024)। प्रौद्योगिकी-मध्यस्थता संचार में अनिश्चितताओं का प्रबंधन: एक व्यावसायिक संदर्भ में इमोजी/इमोटिकॉन के उपयोग के बारे में व्यावसायिक छात्रों की धारणा का एक गुणात्मक अध्ययन। आईईईई ट्रांसेक्शंस ऑन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन, 67(2), 211-228

21 डे, डी. एवं कुमार, पी. (2023). क्या ऑनलाइन समीक्षा के मनोवैज्ञानिक गुण रेटिंग की भविष्यवाणी करने में भूमिका निभाते हैं? एक अनुभवजन्य जांच। कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर, 148, 107895.

22 घनश्याम, एम. एवं श्रीवास्तव, एस. के. (2023). बीओटी राजमार्ग बुनियादी ढाँचा सेवा परियोजनाओं में कुशल जोखिम शमन के लिए निर्णय ढाँचा। जर्नल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 149(9), 04023081.

23 ढींगरा, डी. एवं द्विवेदी, एन. (2024). बोर्ड इंटरलॉक अनुसंधान की बौद्धिक संरचना का अनावरण: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। कॉर्पोरेट गवर्नेंस: द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस इन सोसाइटी, 24(1), 81-100.

24 दीक्षित, ए. एवं बाजपेयी, एस. (2024). समय-भिन्न कुल टेल जोखिम और स्टॉक रिटर्न का क्रॉस-सेक्शन: भारतीय साक्ष्य। फाइनेंस रिसर्च लेटर्स, 69, 106209.

25 दीक्षित, ए., कुमार, पी. एवं जाखड़, एस. के. (2023). विमानन क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन के लिए हवाई अड्डे-एयरलाइन समन्वय। ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट डी: ट्रांसपोर्ट एंड एनवायरनमेंट, 120, 103781.

26 गैरोला, जी. एवं डे, के. (2023). कृषि में पैरामीट्रिक मौसम जोखिम निवारकों के लिए मूल्य निर्धारण और भुगतान करने की इच्छा के मध्यस्थ: एक एकीकृत समीक्षा, वैचारिक ढाँचा और अनुसंधान एजेंडा। कोगेंट इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस, 11(2), 2254579.

27 गर्ग, जी. एवं धुमरास, एच. (2024). हाइब्रिड क्यू-रंग पिक्चर फ़ज़ी निर्णय लेने की तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन क्षेत्र में उद्योग 4.0 आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रणाली पर। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 1-23.

28 घोष, एन. एवं गुप्ता, डी. (2023). व्यवसायों की डीकार्बोनाइजेशन कार्यनीति, स्टॉक रिटर्न प्रदर्शन और निवेश शैली: एक व्यवस्थित समीक्षा। बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल, 30(7), 2432-2457.

29 गोस्वामी, ए., बंद्योपाध्याय, के. आर., सिंह, पी. एवं गुरतु, ए. (2023). भारत में खाना पकाने के लिए ग्रामीण ऊर्जा संक्रमण—चालकों की पुनरीक्षा। सस्टेनेबिलिटी, 15(9), 7635.

30 गोस्वामी, एम., दौलतानी, वाई. एवं रामकुमार, एम. (2024). निर्माता के आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उत्पाद की गुणवत्ता और कीमत का लाभ उठाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, 41(2), 469-488.

31 गोस्वामी, एम., दौलतानी, वाई., पॉल, एस. के. एवं प्रताप, एस. (2023). रोग संक्रमण की उपस्थिति में हृदय रोगों की उपचार लागत के आकलन के लिए एक ढाँचा। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 328(1), 577-616.

32 गोस्वामी, एम., कुमार, जी., सुब्रमण्यन, एन., दौलतानी, वाई. एवं रामकुमार, एम. (2024). एक केंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत निर्माता-आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उत्पाद लाइन को फिर से तैयार करना: एक औद्योगिक उपभोक्ता उत्पाद का मामला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स, 269, 109150.

33 गोस्वामी, एम., रामकुमार, एम. एवं दौलतानी, वाई. (2023). मार्कोवियन सेटिंग के तहत गुणवत्ता राज्यों के संक्रमण पर विचार करते हुए प्रोटोटाइपिंग लागत का अनुमान लगाने के लिए एक गणितीय ढाँचा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, 40(7), 1795-1817.

34 गोयल, ए. एवं वर्मा, पी. (2024). ब्रांड सहभागिता, ब्रांड निष्ठा, समग्र ब्रांड इक्विटी और खरीद इरादे के बीच संबंध। जर्नल ऑफ स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, 32(1), 65-79.

35 ग्रोवर, के. एल., भुल्लर, पी. एस. एवं साहू, एस. (2024). भारतीय शेयर बाजार में प्रॉस्पेक्टस और आईपीओ मूल्यांकन में रिपोर्ट की गई जोखिम श्रेणियाँ: एक अनुभवजन्य जांच। अफ्रो-एशियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, 14(2), 297-316.

36 गुप्ता, बी., सिंह, ए. एवं सिहाग, पी. (2025). क्या प्रवासियों का स्व-नेतृत्व उनके प्रदर्शन को संचालित करता है: मध्यस्थता और मॉडरेशन तंत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एंड परफॉरमेंस मैनेजमेंट.

37 गुप्ता, के. बी. एवं भारद्वाज, ए. (2024). बाजरा खरीद इरादे पर आध्यात्मिकता और पर्यावरणीय चिंता की भूमिका की खोज। मेटामॉर्फोसिस, 23(2), 158-172.

38 गुप्ता, ओ., बलोदी, के. सी. एवं खान, एम. ए. (2025). संवर्धित ग्रेविटी दृष्टिकोण का उपयोग करके भारत की बाहरी व्यापार पद्धति को स्पष्ट करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इमर्जिंग मार्केट्स, 17(1), 49-70.

39 गुप्ता, पी. एवं चौधरी, ए. आर. (2024). क्या सामाजिक लामबंदी वन शासन का लोकतंत्रीकरण कर सकती है? भारत के वन अधिकार

अधिनियम का “बनाना” और “बिगाड़ना”। जर्नल ऑफ फॉरेस्ट इकोनॉमिक्स, 39(1), 39-75.

40 गुप्ता, आर., गोस्वामी, एम., दौलतानी, वाई., बिस्वास, बी. एवं अल्लडा, वी. (2023). अनिश्चित मांग और तीन-स्तरीय आपूर्ति श्रृंखला के लिए हरित प्रौद्योगिकी निवेश की उपस्थिति में लाभप्रदता और मूल्य निर्धारण निर्णय लेने की संरचनाएँ। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 179, 109190.

41 गुप्ता, आर., कुमार, वी., कौशिक, ए. के. एवं गुप्ता, डी. डी. (2023). पुनर्खरीद इरादे पर ओमनी-चैनल ग्राहक प्रसन्नता के प्रभाव का विश्लेषण। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 09721509231178969.

42 हसिह, जे. के., कुमार, एस. एवं को, एन. वाई. (2024). शोरूमिंग घटना की फिर से जांच: उपभोक्ताओं की अधिकतमकरण प्रवृत्ति की मॉडरेशन भूमिका। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स, 36(2), 334-355.

43 जीशा, के. एवं पुरानी, के. (2024). सी-मर्करी: सटीक विपणन में रिटर्न खोजना। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट केसेस, 09728201231206005.

44 झा, ए. एवं साहा, डी. (2025). भारत में प्योर 4जी प्रसार की खोज और मानव विकास एवं शहरीकरण के साथ इसका संबंध। इंफॉर्मेशन सिस्टम्स फ्रंटियर्स, 1-29.

45 झा, ए. एवं शाह, एस. (2025). आईटीसीएमएएआरएस के माध्यम से कृषि-प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी प्रणालियों में मूल्य निर्माण। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टीचिंग केसेस, 20438869251325242.

46 झा, ए., शेखर, एस. एवं उप्पल, एन. (2025). भव्य या कमजोर? अहंकार का उपप्रकार भौतिकवादी खोज को अलग करता है। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेज, 233, 112896.

47 झा, वी. के., रोशन, आर. एवं सिन्हा, एस. (2024). स्टार्टअप की यूनिकॉर्न तक की छलांग को तेज करना: संस्थापकों के उभय-दक्षता उन्मुखीकरण की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर एंड रिसर्च, (अहेड-ऑफ-प्रिंट).

48 ज्योति, ए., सेल्मी, आर., पाठक, जे. एवं हम्मोदेह, एस. (2024). ऊर्जा बाजार के लिए केंद्रीय बैंक संचार की सूचनात्मक सामग्री: समाचार बनाम आश्चर्य की भूमिका। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 56(59), 8719-8735.

49 काबरा, जी., श्रीवास्तव, एस. के. एवं घोष, वी. (2023). सतत खरीद के क्षेत्र का मानचित्रण: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल, 30(10), 4370-4396.

50 कप्पागंटुला, एस. एवं श्रीवास्तव, वी. (2024). खुदरा ऋण पोर्टफोलियो के लिए एक बुद्धिमान बहु-स्तरीय अनुकूलन मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 32(2), 164-186.

51 खालेक, एस. ए. एवं चक्रवर्ती, ए. (2023). ‘क्या मैं साझा करता हूँ क्योंकि मैं परवाह करता हूँ?’: साझा उपभोग को अपनाने वाले उपभोक्ता को प्रभावित करने वाले कारकों की जांच। बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट, 32(8), 5669-5685.

52 खालेक, एस. ए. एवं चक्रवर्ती, ए. (2023). साझा उपभोग और इसके निर्धारक: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भविष्य का अनुसंधान एजेंडा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज, 47(3), 888-921.

53 खन्ना, आर. एवं शर्मा, सी. (2024). सूचना प्रौद्योगिकी और उत्पादकता विरोधाभास से परे: फर्म-स्तर पर प्रभाव के चैनलों का विश्लेषण। टेक्नोलॉजिकल फोरकास्टिंग एंड सोशल चेंज, 203, 123369.

54 खन्ना, आर. एवं शर्मा, सी. (2025). आयातित इनपुट और उत्पादकता: भारत के विनिर्माण क्षेत्र में गतिशीलता को उजागर करना। मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स, 46(1), 409-424.

55 खन्ना, आर., शर्मा, सी. एवं पंत, ए. (2024). कोविड-19, फर्म की विशेषताएँ और स्टॉक अस्थिरता: भारतीय पर्यटन क्षेत्र से नए साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स, 19(6), 1563-1585.

56 कोले, टी. एवं देवानजी, ए. (2024). दो प्रतिस्पर्धी जोखिमों और लापता विफलता प्रकारों के साथ वर्तमान स्थिति डेटा के लिए अतिरिक्त सूचना का उपयोग। सांख्य बी, 86(2), 477-505.

57 कोले, टी., जना, एम. एवं बसक, जी. के. (2024). मल्टी-वे क्लस्टर्ड स्टॉक रिटर्न डेटा के लिए एक साथ आत्मविश्वास अंतराल। कंप्यूटेशनल इकोनॉमिक्स, 1-23.

58 कुलभास्कर, ए. के. एवं सुब्रमण्यम, एस. (2023). ब्रेकिंग न्यूज हेडलाइंस: क्रिप्टोकरेंसी बाजार में ट्रेडिंग गतिविधि पर प्रभाव। इकोनॉमिक मॉडलिंग, 126, 106397.

59 कुमार, ए., कुमरा, आर. एवं सिंह, आर. (2022). बीओपी में उद्यमिता के चालक, बाधाएँ और सुगमकर्ता: समीक्षा, वैचारिक ढाँचा और अनुसंधान एजेंडा। जर्नल ऑफ मैक्रोमार्केटिंग, 42(3), 381-413.

60 कुमार, आर. (2025). स्टोन्स2माइलस्टोन्स एफआरईएडीओएम: दुनिया के लिए इंग्लिश ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) का निर्माण। एमराल्ड एमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 15(1), 1-33.

61 कुमरा, आर. एवं अरोड़ा, एस. (2022). भारत में कोविड के दौरान ग्राहकों के जैविक ऑनलाइन खरीद जारी रखने के इरादे को प्रभावित करने वाले डिजिटल सेंसरी मार्केटिंग कारक। एफ-आईआईबी बिजनेस रिव्यू, 23197145221105674.

62 कुशांकुर डे एवं गौरव गैरोला (2024). क्या कृषि वायदा को निलंबित करना उचित है? अनुभवजन्य निष्कर्ष और निहितार्थ। [विशेष लेख] इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली. वॉल्यूम 59, नंबर 9, पृष्ठ 56-64. [एबीडीसी ‘बी’]

63 मजुमदार, एम. एवं अरोड़ा, एस. (2023). संगठनों में प्रतिच्छेदी असमानताएँ और अदृश्यता: भारतीय सौंदर्य और कल्याण सेवाओं का मामला। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 50(3), 1029–1065.

64 मालन, एम. एवं देवानी, पी. पी. (2023). सोशल नेटवर्किंग साइटों पर ग्राहक सहभागिता: पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में एक प्रयोगात्मक विश्लेषण। करंट इश्यूज इन टूरिज्म, 26(12), 1915-1940.

65 मंडल, पी. के., ठाकुर, एम. एवं मित्तल, जी. (2024). सुसंगत त्रिकोणीय फज़ी संख्याओं का उपयोग करके उच्च-क्रम क्षणों के साथ विश्वसनीय पोर्टफोलियो अनुकूलन। एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 151, 111155.

66 मस्ता, आर. एवं कौशिक, पी. (2024). प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। एम्प्लॉई रिलेशंस: द इंटरनेशनल जर्नल, 46(7), 1365-1387.

67 मौर्य, एच., अग्रहरी, ए. एवं कुमार, ए. (2024). जनरेटिव एआई और काम का भविष्य: एक राइडहेलिंग एप्लिकेशन के ग्राहक अनुभव को बढ़ाना। कम्युनिकेशंस ऑफ द एसोसिएशन फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, 55(1), 459-473.

68 मीना, एम., पांडे, ए. एवं गर्ग, ए. (2024). भारतीय कंपनियों के लिए दिवालियापन की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग मॉडल की तुलना: भारत की दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी '2016) पर आधारित एक अध्ययन। द जर्नल ऑफ प्रिडिक्शन मार्केट्स, 18(3), 3-18.

69 मेहरा, पी. (2023). शिक्षण और प्रौद्योगिकी पर लेख: सोशल मीडिया प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके एमबीए छात्रों को व्यावसायिक रिपोर्ट लेखन सिखाना। बिजनेस एंड प्रोफेशनल कम्युनिकेशन क्वार्टरली, 86(2), 207-230.

70 मेहता, बी., शेलाट, एम. पी. एवं बंसल, ए. (2024). वर्चुअल इन्फ्लुएंसर्स: मानवाकृति और स्व-अनुरूपता परिप्रेक्ष्य का उपयोग करके एक तैयार अध्ययन। जर्नल ऑफ स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, 1-16.

71 मिश्रा, एन. के., चक्रवर्ती, ए., सिंह, एस. एवं रंजन, पी. (2023). भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों का दक्षता विश्लेषण: समानांतर उप-प्रक्रिया प्रणालियों में अपघटन। सोशियो-इकोनॉमिक प्लानिंग साइंसेज, 89, 101708.

72 मिश्रा, वी., शर्मा, वी. एवं उप्पल, एन. (2024). नैतिक पहचान और अनैतिक संगठन-समर्थक व्यवहार के बीच वक्ररेखीय संबंध: संगठनात्मक पहचान की मध्यस्थता भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनपावर, 45(6), 1245-1261.

73 मित्रा, एस. के. एवं पाल, डी. (2024). संयुक्त राज्य अमेरिका में मकई की कीमत निर्धारित करने में कच्चे तेल की भूमिका: एक गैर-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, 22(2), 395-420.

74 मुखोपाध्याय, ए. एवं जैन, एस. (2024). रैंसमवेयर के खिलाफ साइबर-जोखिम बीमा के लिए एक ढाँचा: एक मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 74, 102583.

75 मुखोपाध्याय, ए., बागची, के. के. एवं उडो, जी. जे. (2024). भारतीय राज्यों में मोबाइल फोन की विकास दर को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों की खोज। जर्नल ऑफ द नॉलेज इकोनॉमी, 15(2), 5746-5768.

76 नासिर, डी., वेंकितासुब्रमनी, आर. एवं जाखड़, एस. के. (2025). वेयरहाउस तैयार और संचालन में अर्गोनॉमिक्स: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। ऑपरेशनल रिसर्च, 25(1), 10.

77 पाल, डी. (2024). क्या अतिरिक्त भंडार पर ब्याज दर आने वाले पर्यटक प्रवाह को प्रभावित करती है?. जर्नल ऑफ पॉलिसी रिसर्च इन टूरिज्म, लीजर एंड इवेंट्स, 1-13.

78 पाल, डी. (2024). कमी और बाजार तैयार : कैसे प्रभावी मिलान सहकर्मी-से-सहकर्मी साझाकरण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है। टेक्नोलॉजिकल फोरकास्टिंग एंड सोशल चेंज, 208, 123686.

79 पांडे, ए. (2025). कार्बन कीमतें और उत्सर्जन की तीव्रता: स्वायत्त सुधारों और कीमत-संचालित परिवर्तनों की भूमिका। जर्नल ऑफ सस्टेनेबल फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट, 15(1), 234-249.

80 पांडे, ए. के., दौलतानी, वाई. एवं प्रताप, एस. (2024). आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और सततता के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी-सक्षम महत्वपूर्ण सफलता कारक। बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट, 33(2), 1533-1554.

81 पांडे, एम. एवं अरोड़ा, एस. (2025). तैयार द्वारा अमानवीय: नियोक्ता ब्रांडिंग पर भर्ती में एआई के भावनात्मक प्रभाव को डिकोड करना। द इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 60(3), 419-432.

82 पांडे, यू. एवं सिंह, एस. (2025). स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिचालन दक्षता और सेवा की गुणवत्ता के एक व्यापक विश्लेषण में प्रासंगिक कारकों को शामिल करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 10(2), 300.

83 पाठक, जे. (2025). वित्तीय अपराधों पर निर्णय पठनीयता का प्रभाव। फाइनेंस रिसर्च लेटर्स, 75, 106779.

84 पूनिया, एन., प्रजापति, डी. एवं आज़ाद, एस. (2024). द्विवर्गीय एक्सपोनेंशिएटेड एडिटिव वीबुल वितरण और इसके बहुभिन्नरूपी विस्तार अनुप्रयोगों के साथ। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 188, 109886.

85 प्रजापति, डी. एवं कुंडू, डी. (2024). सरल स्टेप-स्ट्रेस मॉडल के लिए बायेसियन स्वीकृति नमूना योजना। कम्युनिकेशंस इन स्टैटिस्टिक्स-सिमुलेशन एंड कंप्यूटेशन, 53(12), 6411-6431.

86 प्रजापति, डी., मंडल, एस. एवं कुंडू, डी. (2024). दो नमूना बायेसियन स्वीकृति नमूना योजना। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 340(1), 425-449.

87 प्रिया, पी. एवं शर्मा, सी. (2024). ऊर्जा कीमतों और मौद्रिक नीति के झटकों से घरेलू उपभोग तक संचरण चैनलों पर: भारत से साक्ष्य। एनर्जी इकोनॉमिक्स, 136, 107723.

88 राणा, जे. एवं दौलतानी, वाई. (2023). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग अनुप्रयोगों की भूमिका और प्रभाव का मानचित्रण आपूर्ति श्रृंखला डिजिटल परिवर्तन में: एक ग्रंथसूची विश्लेषण: आपूर्ति श्रृंखला डिजिटल परिवर्तन: एक ग्रंथसूची विश्लेषण। ऑपरेशंस मैनेजमेंट रिसर्च, 16(4), 1641-1666.

89 राव, डी. टी. एवं मित्तल, आई. (2023, जनवरी). क्या फर्मों के निवेश निर्णयों के लिए लाभ मायने रखता है? भारतीय गैर-वित्तीय निजी कॉर्पोरेट फर्मों पर एक पीआरजी-एआरडीएल इकोनोमेट्रिक साक्ष्य!. इंटरनेशनल फोरम ऑन डिस्ट्रीब्यूशन कन्वर्जेंस (आईएफडीसी) (वॉल्यूम 10, पृष्ठ 113-123) में।

90 रविचंद्रन, एन., वेंकटसुब्रमनी, एस., गजीवाला, यू., पांडे, आर., वेंकट, एस., राव, आई. एस., ... एवं रघुराम, जी. (2024). सामाजिक संगठनों का प्रबंधन: अनुभव और चुनौतियाँ। विकल्प, 49(1), 83-109.

91 रोशन, आर., बलोदी, के. सी., दत्ता, एस., कुमार, ए. एवं उपाध्याय, ए. (2024). सर्कुलर इकोनॉमी स्टार्टअप्स और डिजिटल उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र। बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट, 33(5), 4843-4860.

92 सद्दिकुटी, वी., प्रकाश, एस., सिद्धार्थ, वी., जैन, के. एवं सतपथी, एस. (2024). दक्षता के लिए एक नुस्खा: एक स्वास्थ्य सुविधा में सर्जिकल आइटम इन्वेंट्री प्रबंधन प्रथाओं का अनुकूलन। जर्नल ऑफ एडवांसेस इन मैनेजमेंट रिसर्च, 21(3), 478-506.

93 साहू, एस. एवं जाखड़, एस. के. (2024). सर्कुलर इकोनॉमी प्रदर्शन के लिए उद्योग 4.0 परिनियोजन—हरित खरीद और पुन:उत्पादन गतिविधियों की भूमिका को समझना। बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट, 33(2), 1144-1160.

94 साहू, डी. के. एवं चौधरी, डी. (2025). भारतीय बाजारों के कृषि क्षेत्र में सततता परिप्रेक्ष्य से सर्कुलर इकोनॉमी की जांच: एक विस्तारित पीईएसटी-ओ ढाँचा। जर्नल ऑफ फूडसर्विस बिजनेस रिसर्च, 1-44.

95 सैनी, एम., उप्पल, एन. एवं हॉवर्ड, जे. एल. (2025). कथित वित्तीय प्रोत्साहन प्रमुखता और इसका कमजोर करने वाला प्रभाव: एक मॉडरेटेड-मेडिएशन मॉडल। जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड ऑर्गेनाइजेशनल साइकोलॉजी, 98(1), ई70000.

96 सैनी, आर., वैद्य, ओ. एस. एवं वेंकिता सुब्रमनी, आर. (2025). वेयरहाउस परिचालन प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए सिमुलेशन: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। जर्नल ऑफ सिमुलेशन, 1-27.

97 सामंत, टी. एवं ऐथल, आर. के. (2024). ग्रंथसूची विश्लेषण के माध्यम से छोटे खुदरा अनुसंधान की बौद्धिक और वैचारिक संरचना की खोज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिटेल एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट, 52(2), 220-239.

98 समीर, एस. के. एवं प्रियदर्शी, पी. (2023). भावनात्मक रूप से बुद्धिमान कर्मचारी भूमिका-आधारित नौकरी निर्माण के माध्यम से अपनी आंतरिक रोजगार क्षमता का प्रबंधन कैसे करते हैं? – सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से साक्ष्य। इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 28(3), 265-287.

99 समीर, एस. के. एवं प्रियदर्शी, पी. (2023, मई). नियामक-केंद्रित नौकरी निर्माण, व्यक्ति-नौकरी उपयुक्तता और आंतरिक रोजगार क्षमता–अंतर्संबंध और अंतर्निहित तंत्र की जांच। एविडेंस-बेस्ड एचआरएम: ए ग्लोबल फोरम फॉर एम्पीरिकल स्कॉलरशिप (खंड 11, नंबर 2, पृष्ठ 125-142) में। एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड।

100 सांगवान, वी., माइती, एम., त्रिपाठी, एस. एवं चक्रवर्ती, ए. (2024). असुविधा से वांछनीय तक: शर्मिंदगी का समाज-समर्थक उपभोग पर प्रभाव। साइकोलॉजी एंड मार्केटिंग, 41(8), 1820-1832.

101 सत्यम, एवं ऐथल, आर. के. (2024). संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को विपणन वैकल्पिक में आधार-स्तरीय बाजारों पर एम्बेड करना: एक अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ मार्केटिंग एजुकेशन, 46(2), 110-122.

102 शेखर, एस. एवं उप्पल, एन. (2024). जब स्याह चरित्र का व्यक्ति संवाद करता है: पैसे की वेदी पर संबंधों का बलिदान। पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेज, 230, 112790.

103 सेनगुप्ता, ए., कोहर, ए., राठौर, एच. एवं जाखड़, एस. के. (2024). कीमत अभी कम करें, बाद में बढ़ाएँ: नव-अनुभवी उत्पादों की मांग सीखने और गतिशील मूल्य निर्धारण के लिए एक नया दृष्टिकोण, जिसे संरचना स्तर सिद्धांत के लेंस के माध्यम से देखा गया है। जर्नल ऑफ रेवेन्यू एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट, 1-19.

104 शर्मा, सी. (2024). पर्यटन-विकास संबंध पर भ्रष्टाचार और राजनीतिक अनिश्चितता के अच्छे और बुरे प्रभाव: दुनिया भर से साक्ष्य। टूरिज्म इकोनॉमिक्स, 30(6), 1423-1447.

105 शर्मा, सी. (2025). क्या पर्यटन-नेतृत्व वाले विकास की घटना के लिए वित्तीय विकास एक पूर्व शर्त है? दुनिया भर से साक्ष्य। जर्नल ऑफ फाइनेंशियल इकोनॉमिक पॉलिसी, 17(3), 475-504.

106 शर्मा, सी. एवं खन्ना, आर. (2024). क्या व्यापार और प्रौद्योगिकी रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देते हैं? भारतीय उद्योगों से साक्ष्य। मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स, 45(2), 989-1005.

107 शर्मा, सी. एवं खन्ना, आर. (2024). जोखिम, अनिश्चितता और निर्यात: एक विकासशील अर्थव्यवस्था से साक्ष्य। जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, 22(1), 151-177.

108 शर्मा, सी. एवं मित्रा, ए. (2024). श्रम बाजार पर वायु प्रदूषण के प्रभाव: असममित विश्लेषण से साक्ष्य। एनवायरनमेंट एंड अर्बनाइजेशन एशिया, 15(2), 258-272.

109 शर्मा, जी. एवं अनुराग, पी. (2024). भारत में वॉलमार्ट: संयुक्त उद्यम और अधिग्रहण का उपयोग करके प्रतिस्पर्धी लाभ का निर्माण। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टीचिंग केसेस, 20438869241239668.

110 शर्मा, पी., गुणासेकरन, ए. एवं सुब्रमण्यन, जी. (2024). आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाना: एआई क्षमताओं की खोज और उपयोग। जर्नल ऑफ कंप्यूटर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, 1-15.

111 शर्मा, यू. एवं कर्मकार, एम. (2023). न्यूनतम विचरण हेजिंग प्रभावशीलता को मापना: पारंपरिक बनाम परिष्कृत मॉडल। इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनेंशियल एनालिसिस, 87, 102621.

112 श्रॉफ, ए. एवं शाह, बी. जे. (2024). संजीवनी: सामाजिक परिवर्तन के लिए किफायती बाल और मातृ स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिकृति। एमराल्ड एमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 14(4), 1-26.

113 श्रॉफ, ए., शाह, बी. जे. एवं गज्जर, एच. (2024). निष्पक्षता, लाभ और सामाजिक कल्याण: ऑनलाइन खाद्य वितरण में पे-व्हाट-यू-वांट के निहितार्थ। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स, 36(5), 1296-1314.

114 शुक्ला, डी. एम., दास, बी. एवं कुरेशी, आई. (2023). वैकल्पिक संगठन का पूर्वाभास: अनुमानित सांस्कृतिक समायोजन और संतुलित अर्थव्यवस्था के माध्यम से हाशिए पर रहने का सामना। ऑर्गनाइजेशन स्टडीज, 44(4), 549–574.

115 शुक्ला, डी. एम. एवं कुमार, एस. (2023). ज्ञान-गहन उद्योगों में विविधीकरण के अनुभव और फर्म का प्रदर्शन: अवशोषण क्षमता की मध्यस्थता भूमिका। मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन रिव्यू, 19(4), 715-742.

116 सिंधवानी, आर., सद्दिकुटी, वी. एवं वैद्य, ओ. एस. (2023). बड़े पैमाने पर व्यवधानों के दौरान भारत में आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और जिम्मेदारी के समर्थकों का मूल्यांकन: एक आई.एस.एम.-ए.एन.पी. दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 48(2), 178-220.

117 सिंधवानी, आर., वैद्य, ओ. एस., एंटनी, जे. एवं शोक्री, ए. (2021). सिक्स सिग्मा दृष्टिकोण का उपयोग करके परियोजनाओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन। आईईईई ट्रांसेक्शंस ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, 70(10), 3539-3552.

118 सिंह, जी., राजेश, आर., दौलतानी, वाई. एवं मिश्रा, एस. सी. (2023). डिजिटल ट्विन तकनीक का उपयोग करके खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में लचीलापन और सततता में वृद्धि: एक ग्रे कॉजल मॉडलिंग (जीसीएम) दृष्टिकोण। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 179, 109172.

119 सिंह, जी., सिंह, एस., दौलतानी, वाई. एवं चौहान, एम. (2023). विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला की सततता पर डिजिटल ट्विन्स के प्रभाव को मापना: आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और प्रदर्शन की एक मध्यस्थ भूमिका। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 186, 109711.

120 सिंह, एन. एवं कपूर, एस. (2024). कृषि-प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म: पूरक और मूल्य प्रस्ताव। टेक्नोलॉजी एनालिसिस एंड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, 1-16.

121 सिंह, एस. (2025). ड्रोन-सहायता प्राप्त वितरण अनुकूलन: कुशल सेवा के लिए कई ट्रक मार्गों के साथ समय और लागत को संतुलित करना। कंप्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 203, 111061.

122 सिंह, एस. के. एवं सिंह, वी. एल. (2023). क्या उत्पादकता वास्तव में लाभप्रदता के लिए मायने रखती है? एक सार्वजनिक स्वामित्व वाले परिवहन निगम से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 8(4), 581.

123 सिंह, एस. के. एवं सिंह, वी. एल. (2023). भारत में इंटरनेट का प्रसार: ग्रोथ कर्व मॉडलिंग पर आधारित एक अध्ययन। मैनेजमेंट रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 15(2).

124 सिंह, एस. के., सिंह, एस. एस. एवं सिंह, वी. एल. (2023). अपनाने-प्रसार मॉडल फिट का उपयोग करके अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीक को अपनाने की भविष्यवाणी: एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था में मोबाइल भुगतान इंटरफ़ेस का मामला। एक्सेस जे, 4(1), 130-148.

125 सिंह, एस. एवं खंडेलवाल, ए. बिलेवेल टाइम मिनिमाइजिंग ट्रांसपोर्टेशन प्रॉब्लम में सुधार। एसएसआरएन 4698646 पर उपलब्ध।

126 सिंह, एस., मिश्रा, ए. एम., उप्पल, एन., आर, आर., वाहल, बी. एवं इंजीनियर, सी. वाई. (2024). सार्वजनिक स्वास्थ्य में नेतृत्व और प्रबंधन कौशल को बढ़ाना: उत्तर प्रदेश, भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम से अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ हेल्थकेयर लीडरशिप, 569-582.

127 सिंह, वी. पी. (2024). भारत में हिंदू महिलाओं के संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा: विधायी और न्यायिक प्रयासों का विश्लेषण। ट्रस्ट्स एंड ट्रस्टीज, 30(4), 174-180.

128 सिंह, वी. पी. (2024). भारत में कॉर्पोरेट प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी और कंपनी अधिनियम 2013। श्रीलंका जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 47(01).

129 सिंघल, एच., वर्मा, ए. एवं चक्रवर्ती, एम. (2024). भू-राजनीतिक जोखिम के बीच क्रेडिट रेटिंग की गुणवत्ता। इकोनॉमिक्स लेटर्स, 234, 111439.

130 सिंगला, आर., चक्रवर्ती, एम. एवं सिंह, वी. (2023). विश्लेषक आशावाद, अनिश्चितता और विनियमन: भारतीय बाजार से साक्ष्य। मैनेजरियल फाइनेंस, 49(10), 1517-1534.

131 सोनी, एन. एवं कुमार, एस. (2024). नए लक्जरी उपभोग को क्या चलाता है? स्कीमा समरूपता सिद्धांत और ह्यूरिस्टिक सिस्टमैटिक फ्रेमवर्क का अनुप्रयोग। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स, 36(9), 2213-2233.

132 श्रीवास्तव, एच. के., मुजू, आर., सिंह, एस. के. एवं सिंह, वी. एल. (2023). सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी ढाँचा और सामाजिक-आर्थिक विकास: एक अनुभवजन्य विश्लेषण। एक्सेस: एक्सेस टू साइंस, बिजनेस, इनोवेशन इन डिजिटल इकोनॉमी, 4(3), 335-351.

133 श्रीवास्तव, वी. (2023). हरित नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों के लिए परियोजना वित्त: क्या यह उच्च पूंजी लागत की पहेली को हल करता है?. द जर्नल ऑफ स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस, 28(4), 59-69.

134 सुवदर्शिनी, पी., बिस्वास, आई. एवं श्रीवास्तव, एस. के. (2023). रिवर्स चैनल प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत तर्कसंगतता और सूचना विषमता का बहु-चैनल क्लोज्ड-लूप आपूर्ति श्रृंखला तैयार पर प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स, 259, 108818.

135 तल्लूरी, एस. बी., बालसुब्रमण्यन, जी. एवं सरकार, एस. (2024). धारा के विपरीत: भारतीय कोयला क्षेत्र में औद्योगिक संबंधों के परिवर्तन का एक मामला। इंडस्ट्रियल रिलेशंस जर्नल, 55(3), 240-263.

136 तिवारी, एस., सिंह, एस. एवं सिंह, एस. के. (2023). गतिशील नेटवर्क डेटा एनवेलपमेंट विश्लेषण के माध्यम से यात्री सड़क परिवहन का व्यापक मूल्यांकन: भारत में राज्य सड़क परिवहन उपक्रमों का एक केस स्टडी। मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स, 44(8), 4311-4332.

137 तोकस, के. एवं यादव, के. (2024). एक तंग रस्सी पर चलना: भारत में कोविड-19 वैक्सीन आवंटन को समझना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी इन इमर्जिंग इकोनॉमीज, 20(1), 77-91.

138 त्रिपाठी, ए. एवं दीक्षित, ए. (2023). वायदा बाजारों में भावना का वैश्विक घटक: कोविड-19 महामारी से साक्ष्य। अमेरिकन बिजनेस रिव्यू, 26(2), 4.

139 त्रिपाठी, पी., प्रियदर्शी, पी., कुमार, पी. एवं कुमार, एस. (2023, सितंबर). नौकरी की संतुष्टि और भावनात्मक थकावट में मनोसामाजिक सुरक्षा जलवायु की भूमिका: प्रयास-पुरस्कार असंतुलन की मध्यस्थता भूमिका। एविडेंस-बेस्ड एचआरएम: ए ग्लोबल फोरम फॉर एम्पीरिकल स्कॉलरशिप (खंड 12, नंबर 3, पृष्ठ 496-511) में। एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड।

140 त्यागी, एम., त्यागी, पी. के., सिंह, एस., सतपथी, एस., कांत, एस., गुप्ता, एस. के. एवं सिंह, आर. (2023). रोगी पंजीकरण की परिचालन दक्षता पर कतार सिद्धांत के अनुप्रयोग का प्रभाव। मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्सेस इंडिया, 79(3), 300-308.

141 विजय, डी., नायर, वी. जी. एवं गुप्ता, पी. (2025). अप्रासंगिक और अनुशासनहीन: ग्रहों के विनाश के बीच प्रबंधन शिक्षा को पीछे छोड़ना। मैनेजमेंट लर्निंग, 56(1), 32-43.

142 वाधवा, एस. एवं साहू, एस. (2023). बैंकिंग में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिटिकल अकाउंटिंग, 13(4), 281-292.

143 वाधवा, एस. एवं साहू, एस. (2024). बौद्धिक पूंजी और सदस्यता दर: भारतीय प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश बाजार में एक अनुभवजन्य जांच। अकाउंटिंग रिसर्च जर्नल, 37(3), 330-349.

144 वाधवा, एस. एवं साहू, एस. (2024). "आय के उपयोग" के प्रकटीकरण के माध्यम से आईपीओ पहेली को हल करना: भारत से साक्ष्य। रिव्यू ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, 23(5), 665-686.

145 यादव, के. एवं मुखर्जी, ए. (2024). कक्षाएँ बनाम स्क्रीन: एक बिजनेस स्कूल से सीखने के परिणाम। आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू, 36(3), 202-212.

पुस्तक अध्याय प्रकाशन

क्र. सं.	लेखक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशक	पुस्तक अध्याय का शीर्षक
1	प्रो. अनीता गोयल	इमर्जिंग होराइजन्स: बिजनेस एंड सोसाइटी इन द पोस्ट पेंडेमिक एरा	रूटलेज	इम्पैक्ट ऑफ सर्विस क्वालिटी ऑन कस्टमर सेटिस्फेक्शन ऑफ दिल्ली मेट्रो रेल कम्यूटर्स
2	प्रो. कौशिक भट्टाचार्य	स्पोर्ट्स इन कंटेंपरेरी इंडिया- सोसाइटी, कल्चर एंड गवर्नेंस	रूटलेज	पावर, पॉलिटिक्स एंड क्रिकेट- मैपिंग द गेम'स राइज इन इंडिया एंड द वर्ल्ड
3	प्रो. नीरजा पांडे	सतत व्यावसायिक पद्धतियां और नवाचार	ब्लूम्सबरी	नेविगेटिंग डिजिटल वर्कस्पेसेज: रोल ऑफ सोशल मीडिया इन शेपिंग एम्प्लॉई इनोवेशन बिहेवियर

केस प्रकाशन

क्र. सं.	लेखक	प्रकार	शीर्षक
1	प्रो. अमिता मितल एवं अर्पिता दास	आईवीईवाई केस	चाइल्ड राइट्स एंड यू: फ्रॉम टीयर्स टू स्माइल्स
2	प्रो. राजेश ऐथल एवं तमल सामंत	आईवीईवाई केस	मेडोपलस: डिलीवरिंग हेल्थ केयर टू रूरल इंडिया

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

68
राष्ट्रीय

41
अंतरराष्ट्रीय

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
1	प्रो. वेंकटरमनैय्या सद्दीकुटी	प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट सोसाइटी (पीओएमएस) कॉन्फ्रेंस यूएसए	पीओएमएस, मिनियापोलिस, यूएसए	पीओएमएस, मिनियापोलिस, यूएसए	अप्रैल 25-29, 2024
2	प्रो. संजीत सिंह	33वाँ यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन आपरेशनल रिसर्च (ईयूआरओ 24)	द एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन आपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज (ईयूआरओ/डैनिश ओआर सोसाइटी (डीओआरएस)	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क (डीटीयू), कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30 - जुलाई 3, 2024
3	प्रो. सोनिया सिंह	ईयूआरओ 2024	ईयूआरओ - द एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन आपरेशनल रिसर्च	कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30, 2024 - जुलाई 3, 2024
4	प्रो. शलभ सिंह	ईयूआरओ 2024	ईयूआरओ - द एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन आपरेशनल रिसर्च	कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30, 2024 - जुलाई 3, 2024
5	प्रो. दीप्ति गुप्ता	19वाँ कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ एनर्जी, वाटर एंड एनवायरनमेंट सिस्टम्स (एसडीईडब्ल्यूईएस)	फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर ऑफ सैपिएन्ज़ा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम	रोम (ऑनलाइन)	सितंबर 8 - 12, 2024
6	प्रो. रंजन कुमार	74वाँ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ द इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन	इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन (आईसीए)	गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया	जून 20 - 24, 2024
7	प्रो. आलोक दीक्षित	वर्ल्ड फाइनेंस कॉन्फ्रेंस 2024	यूरोपियन यूनिवर्सिटी, साइप्रस	साइप्रस (ऑनलाइन)	जुलाई 30 - अगस्त 02, 2024
8	प्रो. दीपक प्रजापति	ईएसी आईएसबीए कॉन्फ्रेंस 2024	द एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग	हांगकांग	जून 25 - 26, 2024
9	प्रो. वेंकटरमनैय्या सद्दीकुटी	ईयूआरओ2024	द एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन आपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज	कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30 - जुलाई 3, 2024
10	प्रो. प्रकाश सिंह	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस, मैनेजमेंट एंड फाइनेंस (आईसीबीएमएफ)	आईसीबीएमएफ, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी	कैम्ब्रिज, यूके	जून 7 - 9, 2024
11	प्रो. राजेश के ऐथल	एमएआरसीओ मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस 2024	एमएआरसीओ मार्केटिंग सोसाइटी	हेलसिंकी, फिनलैंड	जून 17-20, 2024
12	प्रो. अंजलि बंसल	84वीं एनुअल मीटिंग ऑफ द एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट 2024	एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट	शिकागो, यूएसए	अगस्त 09-13, 2024

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
13	प्रो. सुशांत कुमार	आईसीटीओ 2024 ऑगमेंटेड इंटेलिजेंस फॉर स्मार्टर सोसाइटीज (आईसीटीओ 2024)	ईएमएलवी कैंपस ई आई' आर्च, पेरिस	पेरिस	जून 25-28, 2024
14	प्रो. विशाखा चौहान	ईयूआरएएम 2024: फॉस्टरिंग इनोवेशन टू एड्रेस ग्रैंड चैलेंजेस	यूरोपियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट	बाथ, यूके	जून 25 - 28, 2024
15	प्रो. मधुसूदन करमाकर	ग्लोबल फाइनेंस कॉन्फ्रेंस	ग्लोबल फाइनेंस एसोसिएशन	सार्डिनिया, इटली	जून 18 - 20, 2024
16	प्रो. मधुमिता चक्रवर्ती	ग्लोबल फाइनेंस कॉन्फ्रेंस	ग्लोबल फाइनेंस एसोसिएशन	सार्डिनिया, इटली	जून 18 - 20, 2024
17	प्रो. अरविंद श्रॉफ	33 यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन ओआर	डैनिश आपरेशनल रिसर्च सोसाइटी	कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30, 2024 - जुलाई 03, 2024
18	प्रो. नीरजा पांडे	74 इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस (आईसीए)	इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन (आईसीए)	गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया	जून 20 - 24, 2024
19	प्रो. डी त्रिपाठी राव	41वाँ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स सोसाइटी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस	बीईएसआई	ग्रीस	जुलाई 14 - 19, 2024
20	प्रो. राकेश वी	33वाँ यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन ओआर	डैनिश आपरेशनल रिसर्च सोसाइटी	कोपेनहेगन, डेनमार्क	जून 30, 2024 - जुलाई 03, 2024
21	प्रो. आशुतोष झा	2024 5वाँ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन टेक & एजुकेशन टेक. आईटीईटी 24)	आईटीईटी एवं टोटोरी यूनिवर्सिटी, जापान	जापान	मई 10-12, 2024
22	प्रो. गौरव गर्ग	11 वर्ल्ड कांग्रेस इन प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स	बर्नौली-आईएमएस	बाचुम, जर्मनी	अगस्त 12-16, 2024
23	प्रो. धीरेंद्र मणि शुक्ला	इंटरनेशनल सोशल इनोवेशन रिसर्च कॉन्फ्रेंस (आईएसआईआरसी)	बर्न यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, स्विट्जरलैंड	बर्न, स्विट्जरलैंड	सितंबर 1 - 4, 2024
24	प्रो. सुरेश कुमार जाखड़	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑपरेशंस रिसर्च 2024	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख	म्यूनिख, जर्मनी	सितंबर 3 - 6, 2024
25	प्रो. नीरज द्विवेदी	एआईबी-सीईई 2024	एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस	हंगरी	सितंबर 18-21, 2024
26	प्रो. नीरजा पांडे	ग्लोबलाइजिंग इंडियन थॉट - जीआईटी2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान कोझिकोड	लंदन, यूके	अक्टूबर 24-25, 2024
27	प्रो. यश दौलतानी	द 3रर्ड वियतनाम सिम्पोजियम इन सप्लाई चेन मैनेजमेंट (वीएसएससीएम-2024)	संयुक्त रूप से एवीएसई ग्लोबल एवं थोंगमाई यूनिवर्सिटी (वियतनाम) द्वारा, ईएमएल वी बिजनेस स्कूल (फ्रांस) और यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस पैंथियन असास (फ्रांस) के सहयोग से आयोजित	वियतनाम	अक्टूबर 21 - 22, 2044
28	प्रो. सुशांत कुमार	5वाँ ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन एजुकेशन एंड रिसर्च (जीएलओसीईआर 2024)	यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूएसए	यूएसए	दिसंबर 16 - 19, 2024
29	प्रो. जलज पाठक	37 ऑस्ट्रेलियन फाइनेंस एंड बैंकिंग कॉन्फ्रेंस	ऑस्ट्रेलियन बैंकिंग एंड फाइनेंस कमेटी	सिडनी, ऑस्ट्रेलिया	दिसंबर 11 - 13, 2024
30	प्रो. ओ.एस. वैद्य	15 एनुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट	आईईओएम एवं एसयूएसएस, सिंगापुर	सिंगापुर	फरवरी 18 - 20, 2025
31	प्रो. अरविंद श्रॉफ	2 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सीड्स, 2024	मिडिलसेक्स यूनिवर्सिटी, दुबई कैंपस	दुबई	दिसंबर 16 - 18, 2024

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
32	प्रो. अरुणाभा मुखोपाध्याय	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (आईसीआईएस) 2024	आईसीआईएस	बैंकॉक, थाईलैंड	दिसंबर 14 - 18, 2024
33	प्रो. दीप्ति गुप्ता	आईएबीएस 2025	स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, मास्ट्रिच यूनिवर्सिटी, द नीदरलैंड्स	द नीदरलैंड्स	अप्रैल 3 - 6, 2025
34	प्रो. देबदत्त पाल	2025 पब्लिक चॉइस सोसाइटी एनुअल मीटिंग	पब्लिक चॉइस सोसाइटी, लुइसविले, केंटकी, यूएसए	यूएसए	मार्च 6 - 8, 2025
35	प्रो. गिरीश बालसुब्रमण्यन	सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ सोशियो इकोनॉमिक्स, 2025 एनुअल कॉन्फ्रेंस	पैलेस डेस कांग्रेस, मॉन्ट्रियल, क्यूबेक	कनाडा	जुलाई 09 - 12, 2025
36	प्रो. दिव्या चौधरी	एल्सेवियर, नीदरलैंड्स	पॉज़िटलियन होटल, रॉटरडैम, द नीदरलैंड्स	द नीदरलैंड्स	मई 25-28, 2025
37	प्रो. निशांत उप्पल	ईजीओएस	अमेरिकन कॉलेज ऑफ ग्रीस, एथेंस	एथेंस	जुलाई 4 - 5, 2025
38	प्रो. प्रियंशु गुप्ता	20 बायनियल कॉन्फ्रेंस ऑफ द इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द कॉमन्स (आईएएसटी-2025)	इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द कॉमन्स, यूएसए	यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स, यूएसए	जून 16 - 20, 2025
39	प्रो. प्रकाश सिंह	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन अकाउंटिंग एंड फाइनेंस	आईएसएआर	लॉस एंजिल्स, यूएसए	मई 12 - 13, 2025
40	प्रो. पावनी कौशिक	41 ईजीओएस कोलोकियम 2025	यूरोपियन ग्रुप फॉर ऑर्गनाइजेशन स्टडीज	एथेंस, ग्रीस	जुलाई 3 - 5, 2025
41	प्रो. गरिमा मित्तल	34 यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन आपरेशनल रिसर्च (ईयूआरओ 2025)	एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन आपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज (ईयूआरओ)	यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके	जून 22 - 25, 2025

राष्ट्रीय सम्मेलन

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
1	प्रो. अनादि शरण पांडे	नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन मैनेजमेंट	एस.जे. मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी बॉम्बे	आईआईटी बॉम्बे	जुलाई 4 - 6, 2024
2	प्रो. कुशांकुर डे	आईएनडीएएम 2024 डॉक्टोरल कोलोकियम	भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग	भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग	जुलाई 9 - 11, 2024
3	प्रो. नीरजा पांडे	नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन मैनेजमेंट	एस.जे. मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी बॉम्बे	आईआईटी बॉम्बे	जुलाई 4 - 6, 2024
4	प्रो. वेंकटरमनैय्या सद्दीकुटी	ईएमइंडिया 2024	इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएमइंडिया)	एम्स भोपाल	अगस्त 7 - 11, 2024
5	प्रो. अंजलि बंसल	ग्लोबल कॉन्फ्रेंस एंड एनुअल कॉन्क्लेव ऑन फ्यूचर ऑफ वर्क 2024	गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जीआईएम)	गोवा	सितंबर 18 - 20, 2024
6	प्रो. अरविंद श्रॉफ	पीओएमएस इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024	पीओएमएस सोसाइटी	रांची	दिसंबर 04 - 06, 2024
7	प्रो. क्षितिज अवस्थी	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग	भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग	अक्टूबर 3 - 5, 2024
8	प्रो. हिमांशु राठौर	आईएनडीएएम स्पेशल 2024	एनएमआईएमएस यूनिवर्सिटी, मुंबई	मुंबई	सितंबर 27 - 28, 2024
9	प्रो. सौम्या एस	इंडिया मैनेजमेंट रिसर्च कॉन्फ्रेंस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	दिसंबर 7 - 9, 2024
10	प्रो. वेंकटरमनैय्या सद्दीकुटी	ग्लोबल साउथ कॉन्फ्रेंस ऑन इंफेक्शन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल एंड एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप (जी-एसपीएआरसी)	इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया (आईएफसीएआई)	हैदराबाद	अक्टूबर 3-5, 2025
11	प्रो. यश दौलतानी	पीओएमएस इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान रांची	भारतीय प्रबन्ध संस्थान रांची	दिसंबर 4 - 6, 2024
12	प्रो. ओ.एस. वैद्य	पीओएमएस इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान रांची	भारतीय प्रबन्ध संस्थान रांची	दिसंबर 4 - 6, 2024
13	प्रो. पायल मेहरा	आईएमआरसी 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	अहमदाबाद	दिसंबर 7 - 9, 2024
14	प्रो. अमित अग्रहरी	बीईसीकेएन नोड जीरो 2024	फेडरेशन फॉर इंटरऑपरेबिलिटी इन डिजिटल इकोनॉमी	बेंगलुरु	अक्टूबर 25 - 26, 2024
15	प्रो. मेधा बख्शी	12 केस मेथड वर्कशॉप - केस राइटिंग मास्टरी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान कलकत्ता	कोलकाता	दिसंबर 20 - 22, 2024
16	प्रो. हिमांशु राठौर	बीएएमएस - ओआरएसआई 2024	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	दिसंबर 12 - 14, 2024
17	प्रो. प्रियंशु गुप्ता	केस राइटिंग मास्टरी: क्राफ्टिंग एंगेजिंग एंड इम्पैक्टफुल मैनेजमेंट नैरेटिव्स, 12 केस मेथड वर्कशॉप	भारतीय प्रबन्ध संस्थान कलकत्ता	कोलकाता	दिसंबर 20 - 22, 2024
18	प्रो. रंजन कुमार	इंडिया मैनेजमेंट रिसर्च कॉन्फ्रेंस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	अहमदाबाद	दिसंबर 07 - 09, 2024

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
19	प्रो. आशीष अग्रवाल	प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पांसिबल मैनेजमेंट एजुकेशन वर्कशॉप	यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट एवं एस पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई	मुंबई	दिसंबर 5 - 6, 2024
20	प्रो. तमालिका कोले	इंटरनेशनल इंडियन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन (आईआईएसए 2024)	कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि	कोच्चि	दिसंबर 27 - 31, 2024
21	प्रो. सुरेश के जाखड़	आईएसडीएसआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2024	पीआईबीएम, पुणे	पुणे	दिसंबर 26 - 29, 2024
22	प्रो. धीरेंद्र मणि शुक्ला	इंडिया स्ट्रैटेजी कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	अहमदाबाद	दिसंबर 15-18, 2024
23	प्रो. पायल मेहरा	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बिजनेस एनालिटिक्स	आईआईटी बॉम्बे	मुंबई	दिसंबर 12 - 14, 2024
24	प्रो. सुशील कुमार	पीओएमएस इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान, रांची	रांची	दिसंबर 4 - 6, 2024
25	प्रो. नीरज द्विवेदी	इंडिया स्ट्रैटेजी कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	अहमदाबाद	दिसंबर 14 - 18, 2024
26	प्रो. कुशांकुर डे	टीएलसी एवं आईएनडीएएम संगठित डॉक्टोरल एंड अर्ली करियर एकेडेमिक्स (ईसीए) कोलोकियम एवं कॉन्फ्रेंस 2024	एमडीआई गुड़गांव	गुड़गांव	दिसंबर 19 - 20, 2024
27	प्रो. दीपक प्रजापति	ग्यारहवाँ इंटरनेशनल ट्राईएनियल कलकत्ता सिम्पोजियम	डिपार्टमेंट ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड कलकत्ता स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन	कोलकाता	दिसंबर 27 - 30, 2024
28	प्रो. के. बी. गुप्ता	सीएमईई कॉन्फ्रेंस ऑन फ्यूचर ऑफ मार्केटिंग इन इमर्जिंग मार्केट्स: लुकिंग अहेड	भारतीय प्रबन्ध संस्थान, नोएडा कैंपस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नोएडा कैंपस	दिसंबर 19 - 21, 2024
29	प्रो. आशुतोष के सिन्हा	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट फोरम कॉन्फ्रेंस ऑन स्ट्रेटेजिक एंड एंटरप्रेन्योरियल डिसिजन इन द इमर्जिंग एरा	भारतीय प्रबन्ध संस्थान, मुंबई	भारतीय प्रबन्ध संस्थान, मुंबई	दिसंबर 5 - 7, 2024
30	प्रो. डी. त्रिपाठी राव	9 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एम्पीरिकल इश्यूज इन इंटरनेशनल ट्रेड एंड फाइनेंस (ईआईआईटीई)	आईआईएफटी, कोलकाता	आईआईएफटी कोलकाता	दिसंबर 12 - 13, 2024
31	प्रो. सब्यसाची सिन्हा	इंडिया स्ट्रैटेजी कॉन्फ्रेंस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद	दिसंबर 15 - 18, 2024
32	प्रो. देबदत्त पाल	विंटर स्कूल ऑफ द दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	इकॉनोमेट्रिक सोसाइटी	दिल्ली	दिसंबर 12 - 14, 2024
33	प्रो. दिव्या चौधरी	आईएनडीएएम 2025	आईएनडीएएम	कोलकाता	जनवरी 15 - 18, 2025
34	प्रो. मधुमिता चक्रवर्ती	आईएनडीएएम कॉन्फ्रेंस	इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट	कोलकाता	जनवरी 16 - 18, 2025
35	प्रो. डी. त्रिपाठी राव	नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी एंड डेवलपमेंट	निर्मलागिरी कॉलेज, कन्नूर	कन्नूर, केरल	जनवरी 23 - 24, 2025
36	प्रो. चंदन शर्मा	19 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डेवलपमेंट	इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली	दिल्ली	दिसंबर 19 - 21, 2024

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
37	प्रो. अरिंद श्रॉफ	टीएपीएमआई मैक्स प्लैंक विंटर कॉन्फ्रेंस	टीएपीएमआई, मणिपाल	मणिपाल	जनवरी 09 - 15 2025
38	प्रो. सुशांत कुमार	13 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस बोर्ड (ईएमसीबी)	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नोएडा कैंपस	नोएडा	दिसंबर 18-21, 2024
39	प्रो. विशाखा चौहान	13 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस बोर्ड (ईएमसीबी)	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नोएडा कैंपस	नोएडा	दिसंबर 18-21, 2024
40	प्रो. कृष्णन जीशा	13 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस बोर्ड (ईएमसीबी)	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नोएडा कैंपस	नोएडा	दिसंबर 18-21, 2024
41	प्रो. यश दौलतानी	4 इंटरनेशनल मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग	शिलांग	जनवरी 23 - 24, 2025
42	प्रो. ओएस वैद्य	टीएपीएमआई मैक्स प्लैंक विंटर कॉन्फ्रेंस	टीएपीएमआई, मणिपाल	मणिपाल	जनवरी 09 - 15 2025
43	प्रो. राजेश के ऐथल	ईएमसीबी 2024 कॉन्फ्रेंस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ नोएडा कैंपस	नोएडा	दिसंबर 18-21, 2024
44	प्रो. हिमाद्रि शेखर चक्रवर्ती	इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट 2025	आईआईएफटी, कोलकाता	कोलकाता	जनवरी 15 - 18, 2025
45	प्रो. हिमाद्रि शेखर चक्रवर्ती	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल बिजनेस प्रैक्टिस	आईएमआई, कोलकाता	कोलकाता	जनवरी 3 - 5, 2025
46	प्रो. देबदत्त पाल	34 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ जाधवपुरी यूनिवर्सिटी	डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, जाधवपुर यूनिवर्सिटी	कोलकाता	जनवरी 2 - 3, 2025
47	प्रो. संजीत सिंह	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटेशनल ऑपरेशंस रिसर्च एंड एल्गोरिदमिक गेम थ्योरी	आईएसआई, दिल्ली	दिल्ली	जनवरी 21 - 23, 2025
48	प्रो. विवेक गुप्ता	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नागपुर आईवीईवाई केस कॉन्फ्रेंस 2024	भारतीय प्रबन्ध संस्थान नागपुर	नागपुर	दिसंबर 20 - 22, 2024
49	प्रो. आशुतोष झा	1st इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन सिस्टम्स	एआईएस	भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोलकाता	मार्च 7 - 9, 2025
50	प्रो. आशुतोष झा	एआईएसटी 2025	आईआईएमटी, भुवनेश्वर	भुवनेश्वर	फरवरी 22 - 23, 2025
51	प्रो. सब्यसाची सिन्हा	द आईएनडीएएम2025 कॉन्फ्रेंस	इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता	कोलकाता	जनवरी 15 - 18, 2025
52	प्रो. प्रियांशु गुप्ता	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
53	प्रो. अंजलि बंसल	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 30 - फरवरी 1, 2025
54	प्रो. प्रकाश सिंह	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
55	प्रो. प्रदीप कुमार	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
56	प्रो. भूमिका	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
57	प्रो. के. बी. गुप्ता	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
58	प्रो. वी.एस. प्रकाश अत्तिली	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
59	प्रो. सुशील कुमार (ओएम एरिया)	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
60	प्रो. आलोक दीक्षित	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
61	प्रो. विवेक गुप्ता	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025

क्र. सं.	संकाय का नाम	सम्मेलन का शीर्षक	संगठन का नाम	स्थान	तिथि
62	प्रो. कुशांकुर डे	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
63	प्रो. दीपक प्रजापति	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
64	प्रो. देवाशीष दास गुप्ता	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
65	प्रो. प्रियंका शर्मा	फोर्थ एआईआरसी	भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ	लखनऊ	जनवरी 29 - फरवरी 1, 2025
66	प्रो. सुरेश के जाखड़	सेकेंड लार्ज स्केल ऑप्टिमाइजेशन कॉन्फ्रेंस, डीओएमएस आईआईटी रुड़की	डीओएमएस, आईआईटी	रुड़की	फरवरी 28 - मार्च 2, 2025
67	प्रो. प्रदीप कुमार	आईएनसीआईएस-2025	भारतीय प्रबन्ध संस्थान कलकत्ता	कोलकाता	07-09 मार्च 2025
68	प्रो. अरुणाभा मुखोपाध्याय	फर्स्ट इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (आईएनसीआईएस)	एसोसिएशन ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंडिया चैप्टर	भारतीय प्रबन्ध संस्थान कलकत्ता	मार्च 7 - 9, 2025

परामर्श

परामर्श परियोजनाएं भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के संकाय द्वारा किए गए कार्यों का एक अभिन्न अंग हैं। राजस्व उत्पन्न करने के अलावा, परामर्श परियोजनाएं भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के संकाय को उद्योग और सरकार के सामने आने वाले व्यावहारिक प्रबंधन मुद्दों से अवगत रहने में मदद करती हैं। ये परियोजनाएँ मामलों और शोध पत्रों के विकास में भी योगदान करती हैं, जिससे ज्ञान के भंडार में वृद्धि होती है।

संस्थान के सिद्धांतों के अनुरूप, जो समाज के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता पर आधारित है, परामर्श गतिविधियां मुख्य क्षेत्रों में मौजूदा सार्वजनिक उपयोगिता प्रणालियों के सुधार और बेहतरी पर केंद्रित रही हैं। इस संबंध में, हमारे संकाय कृषि, उद्यमिता, स्वास्थ्य प्रबंधन, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक परामर्श परियोजनाएं चला रहे हैं। पिछली परियोजनाओं में कार्यनीति संबंधी सिफारिशें, ग्राहक विश्लेषण, लागत विश्लेषण, तुलन पत्र विश्लेषण और वित्तीय पूर्वानुमानों की समीक्षा, विपणन योजनाएं और कई अन्य शामिल हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान पांच परामर्श परियोजनाएं पूरी हुईं, जबकि पांच परियोजनाएं चल रही थीं। वर्ष के दौरान छह परामर्श प्रशिक्षण भी आयोजित किए गए।

2024-25 के दौरान पूरी हुई परामर्श परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	हितधारक संगठन	परामर्श परियोजना का शीर्षक	संकाय का नाम (मुख्य सलाहकार)
1	आरसीआई, डीआरडीओ	आरसीआई में भविष्य के उत्पाद विकास के लिए प्रभावी खरीद प्रक्रिया	प्रो. समीर श्रीवास्तव, प्रो. अमित अग्रहरी
2	जीआईजेड, इंडिया	यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र के झाँसी जिले में दो प्रमुख फसलों के लिए नाबार्ड हेतु जलवायु जोखिम-प्रेरित संभावित-संबद्ध क्रेडिट योजना	प्रो. कुशांकुर डे
3	एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली, यूपी, नई दिल्ली	भविष्य के लिए तैयार उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय की स्थापना और उसे मजबूत करने के लिए लैंडस्केप विश्लेषण	प्रो. कार्तिक यादव, प्रो. क्षितिज अवस्थी
4	टेस्को बेंगलुरु प्राइवेट लिमिटेड	एग्री-नेक्स्ट: एक केस स्टडी और सहायक दस्तावेजों का दस्तावेजीकरण	प्रो. कुशांकुर डे
5	नगर विकास विभाग, यूपी सरकार	कुंभ मेला-2025 में कुशल प्रबंधन पर शोध अध्ययन	प्रो. अर्चना शुक्ला, प्रो. क्षितिज अवस्थी, प्रो. सुरेश जाखड़, प्रो. अजय के गर्ग, प्रो. प्रियंका शर्मा

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में चल रही परामर्श परियोजनाएँ

क्र. सं.	ग्राहक संगठन	परामर्श परियोजना का शीर्षक	संकाय का नाम (मुख्य सलाहकार)
1	नाबार्ड	भारत में वित्तीय संस्थानों के साथ एफपीओ को जोड़ना- मुंबई	प्रो. संजीव कपूर, प्रो. कुशांकुर डे
2	सुजुकी इंडिया फाउंडेशन	प्रतिस्पर्धा पर अध्ययन	प्रो. अर्चना शुक्ला, प्रो. क्षितिज अवस्थी, प्रो. सुरेश जाखड़
3	एक्शन टेस्ला	विपणन में एआई कार्यान्वयन कार्यनीति	प्रो. कृष्णन जीशा
4	शहरी विकास विभाग, यूपी सरकार	पर्यटक सेवा प्रदाता पर अध्ययन	प्रो. एस. बी. दास
5	यूपीईडीईएससीओ	स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना का प्रभाव विश्लेषण	प्रो. गिरीश, प्रो. एस. वेंकटरमनैय्या, प्रो. सुशांत कुमार

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए परामर्श प्रशिक्षण (सीटी) का विवरण

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	संगठन	संकाय का नाम
1	आकांक्षी नगर योजना के चयनित साथियों के लिए निगरानी एवं मूल्यांकन	शहरी विकास विभाग, यूपी सरकार	प्रो. क्षितिज अवस्थी, प्रो. प्रियतम अनुराग
2	स्वयं का प्रबंधन एवं दूसरों को दिशा दिखाना	सी.पी. मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	प्रो. पंकज कुमार
3	कार्यनीतिक संचार कौशल	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	प्रो. नीरजा पांडे
4	वित्त और गैर-वित्त कार्यकारी	एसआरएम ग्रुप चेन्नई	प्रो. अजय के गर्ग
5	एसईएफआई- यूनिट हेड्स रेस्पोंसिबिलिटी एंड अकाउंटेबिलिटी स्किल्स	संकरा आई फाउंडेशन, तमिलनाडु	प्रो. क्षितिज अवस्थी, प्रो. अर्चना शुक्ला
6	वार्षिक लक्ष्य निर्धारण कार्यशाला	सी.पी. मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, कुर्सी रोड लखनऊ	प्रो. पंकज कुमार, प्रो. के. सी. बलोदी

अनुसंधान परियोजनाएं

बाह्य रूप से वित्त पोषित जारी अनुसंधान परियोजनाएं (2024-25)

परियोजना का शीर्षक	परियोजना प्रभारी	प्रायोजक संस्थान/एजेंसी का नाम
टीटीडी में उच्च मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली तीर्थयात्रा सेवाएं प्रदान करने में नवाचार	प्रो. एस. वेंकट एवं प्रो. रविचंद्रन	टीटीडी, तिरुपति
एनपीटीईएल की उपयोगकर्ता संतुष्टि का आकलन और भारत में ई-लर्निंग के लिए नीतिगत निहितार्थों को निकालना	प्रो. यश दौलतानी	आईसीएसएसआर
फास्टैग के प्रभाव आकलन और ई-वे बिल प्रणाली के साथ एकीकरण पर अध्ययन	प्रो. एस. वेंकटरमनैय्या	नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया
पर्यटन उद्योग में आवास एसएमई की आपदा प्रबंधन योजना, संगठनात्मक लचीलापन और आपदा के बाद की क्षतिपूर्ति	प्रो. राजीव कुमरा	एसेक्स यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड
साइबर बीमा के माध्यम से साइबर सुरक्षा जोखिम प्रबंधन ढाँचा	प्रो. अरुणाभ मुखोपाध्याय	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
अटल पेंशन योजना	प्रो. आलोक दीक्षित	आईसीएसएसआर

जारी सीड मनी परियोजनाएं (2024-25)

जारी सीड मनी अनुसंधान परियोजना	परियोजना प्रभारी
डिजिटल व्यवसाय के लिए सोशल मीडिया की जांच	प्रो. प्रदीप कुमार
स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों में रिवर्स सोशलाइजेशन की भूमिका की जांच: भारतीय परिवारों में एक अध्ययन - एक प्रस्ताव	प्रो. राजीव कुमरा
आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और दक्षता को बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित नवाचार का प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच	डॉ. प्रियंका शर्मा
ऊर्जा-अर्थव्यवस्था-पर्यावरण पथ और सतत प्रबंधन	प्रो. दीप्ति गुप्ता
जलवायु परिवर्तन के प्रति कॉर्पोरेट प्रतिक्रिया: भारतीय कंपनियों की 'नेट जीरो' कार्बन प्रतिबद्धताओं का विश्लेषण	प्रो. आशीष अग्रवाल एवं प्रो. प्रियांशु गुप्ता
ब्रांड संचार में विविधता और समावेशन: एक प्रायोगिक जांच	प्रो. विशाखा चौहान
"छोटे खुदरा व्यवसाय द्वारा प्रौद्योगिकी का उपयोग: डार्क साइड की खोज"	प्रो. राजेश के ऐथल
ग्रामीण उत्तर प्रदेश में आरक्षण, स्थानीय शासन और सेवा वितरण	प्रो. के. जी. सहदेवन
शासन, डिजिटलीकरण और अनौपचारिक उद्यमों का प्रदर्शन: भारत से साक्ष्य	प्रो. चंदन शर्मा
सतत जीवन के लिए एक बॉटम-अप दृष्टिकोण: क्या सूचित बच्चे अपने माता-पिता को सूचित कर सकते हैं?	डॉ. देबदत्त पाल
खराब होने वाली वस्तुओं के मूल्य निर्धारण को समझना	प्रो. सुरेश कुमार जाखड़
डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाते हुए सार्वजनिक खरीद में सतत पद्धतियाँ	प्रो. अमित अग्रहरी एवं प्रो. समीर के श्रीवास्तव
सतत उद्यमों और सतत व्यवसाय मॉडल के विकास में डिजिटल उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका	प्रो. कृष्ण चंद्र बलोदी
आपूर्ति श्रृंखला और रसद नवाचार: एक कंटेनर विनिर्माण फर्म का मामला	प्रो. सुशील कुमार, प्रो. ओमकारप्रसाद एस वैद्य, प्रो. यश दौलतानी
भारतीय सर्कुलर इकोनॉमी केंद्रित स्टार्टअप और एसएमई के बिजनेस मॉडल और कार्यनीतियाँ	प्रो. नीरज द्विवेदी
सामुदायिक-आधारित उद्यमिता: हाशिए पर रहने का सामना करना और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाना (एसएम-285)	प्रो. धीरेंद्र मणि शुक्ला
ई-लर्निंग में वैयक्तिकरण और गेमीफिकेशन के माध्यम से मानव-एआई सहजीवन का लाभ उठाना: भारत और फिनलैंड में के-12 शिक्षार्थियों का एक तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. रंजन कुमार
डेटा या विश्लेषण का प्रभुत्व? एल्गोरिदम मानव संसाधन प्रबंधन का एक अध्ययन	प्रो. अंजलि बंसल
बल्गेड मिडल मैनेजमेंट एंड सिस्टमैटिक लेथार्जी: भारतीय उद्यमों में रोजगार संरक्षण कार्यक्रमों का एक सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन	प्रो. निशांत उप्पल

अनुभाग

03

उत्कृष्टता केन्द्र

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन केंद्र (सीएफएएम)

वर्ष 1998 में स्थापित, खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन केंद्र (सीएफएएम) खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा, अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्र में एक 'वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में विकसित हुआ है। यह केंद्र व्यवसाय को खेती के साथ एकीकृत करके कृषि और अन्य ग्रामीण संसाधनों के पेशेवर प्रबंधन को गति देने का प्रयास करता है।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं:

- युवा, गतिशील स्नातक और उद्यमी तैयार करके कृषि क्षेत्र के कुशल प्रबंधन के लिए ज्ञान उत्पन्न करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ संगठनों और एजेंसियों के बीच प्रभावी संबंधों के माध्यम से क्षेत्र-आधारित अनुसंधान द्वारा समर्थित उच्च-स्तरीय व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- कृषि और ग्रामीण प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों को परामर्श देना।

संदर्भित जर्नल लेख/अनुसंधान मोनोग्राफ/पुस्तक

1. कुशांकुर डे एवं गौरव गैरोला (2024)। क्या कृषि वायदा को निलंबित करना उचित है? अनुभवजन्य निष्कर्ष और निहितार्थ। [विशेष लेख] इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली। खंड 59, संख्या 9, पृष्ठ 56-64। [एबीडीसी 'बी']
2. एस. कुमारी, ए. पांडे, ए. सोनी, ए. मेहता, ए. कुमार, एवं कुशांकुर डे (2024)। भेड़ के प्लाज्मा प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट्स की कार्यात्मक प्रभावकारिता का आकलन और मटन सॉसेज में उनका उपयोग। मीट साइंस, खंड 212। https://doi.org/10.1016/j.meatsci.2024.109469 (डब्ल्यूओएस क्यू1)

सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला

1. अमित त्यागी, संजीव कपूर, एवं कुशांकुर डे (2024)। वैकल्पिक स्कोरिंग मॉडल के माध्यम से छोटे किसानों की ऋण पात्रता का आकलन। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में 29 जनवरी - 1 फरवरी, 2025 के बीच आयोजित चौथे वार्षिक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में प्रस्तुत।
2. अमित त्यागी, संजीव कपूर, एवं कुशांकुर डे (2024)। छोटे किसानों की ऋण योग्यता का आकलन करने के लिए वैकल्पिक स्कोरिंग मॉडल: निर्माण, सत्यापन और निहितार्थ। टीचिंग एंड लर्निंग सेंटर एवं आईएनडीएएम द्वारा एमडीआई गुड़गांव में आयोजित डॉक्टोरल एंड अर्ली करियर एकेडेमिक्स (ईसीए) कोलोकियम एवं कॉन्फ्रेंस 2024, दिसंबर 19-20, 2024।

3. सुकृति त्रिपाठी एवं कुशांकुर डे (2024)। कारीगर क्लस्टर औपचारिकता: आयाम, निष्कर्ष और निहितार्थ। भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग में आयोजित आईएनडीएएम- डॉक्टोरल कोलोकियम, जुलाई 9-11, 2024 में प्रस्तुत।

4. लावण्य एवं कुशांकुर डे (2024)। इकोसिस्टम सेवाओं के लिए भुगतान तैयार करना: एक ग्रंथसूची विश्लेषण और भविष्य की अनुसंधान दिशा। भारतीय प्रबन्ध संस्थान शिलांग में आयोजित आईएनडीएएम- डॉक्टोरल कोलोकियम, जुलाई 9-11, 2024 में प्रस्तुत।

समाचार लेख/ओप-एड्स/कॉलम

1. इंद्रजीत बनर्जी एवं कुशांकुर डे (2025)। क्या 'पारस्परिक टैरिफ' कृषि व्यापार के लिए चिंता का विषय होगा? हिंदू बिजनेस लाइन। 2 अप्रैल, 2025 (प्रिंट संस्करण)।

2. कुशांकुर डे एवं जय कुमार ठाकुर (2025)। आकांक्षी जिलों के कार्यक्रम को लागू करना। हिंदू बिजनेस लाइन। 17 मार्च, 2025 (प्रिंट संस्करण)।

3. कुशांकुर डे (2025)। घरेलू, वैश्विक कारकों से सोयाबीन क्षेत्र प्रभावित। हिंदू बिजनेस लाइन। 10 मार्च, 2025 (प्रिंट संस्करण)।

4. कुशांकुर डे एवं अविनाश कुमार (2025)। ग्रामीण भारत के लिए अधिक स्मार्ट गांवों की आवश्यकता। हिंदू बिजनेस लाइन। 19 फरवरी, 2025 (वेब ट्रैक्शन)। https://www.thehindubusinessline.com/opinion/need-more-smart-villages-for-rural-india/article69238519.ece।

5. कुशांकुर डे एवं इंद्रजीत बनर्जी (2025)। कृषि में प्रतिज्ञा ऋण को बढ़ावा देना। एग्रीकल्चर टुडे। खंड 28, संख्या 2, पृष्ठ 40-41, फरवरी 2025।

6. कुशांकुर डे एवं इंद्रजीत बनर्जी (2025)। बजट को जमीनी स्तर पर सहकारी समितियों को बढ़ावा देना चाहिए। हिंदू बिजनेस लाइन। 31 जनवरी, 2025 (वेब ट्रैक्शन)। https://www.thehindubusinessline.com/opinion/budget-should-boost-cooperatives-at-the-grassroots/article69165017.ece।

7. कुशांकुर डे एवं इंद्रजीत बनर्जी (2025)। वेयरहाउस-आधारित कृषि ऋण को अभी कुछ रास्ता तय करना है। हिंदू बिजनेस लाइन। 10 जनवरी, 2025 (प्रिंट संस्करण)।

8. कुशांकुर डे (2024)। क्या एमएसपी उत्पादन की लागत को कवर करते हैं? हिंदू बिजनेस लाइन। 13 नवंबर, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

9. कुशांकुर डे एवं जय कुमार ठाकुर (2024)। राशन की दुकानों का मेकओवर। हिंदू बिजनेस लाइन। 28 अगस्त, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

10. कुशांकुर डे (2024)। कृषि अनुसंधान और विकास को एक रीबूट की आवश्यकता है। हिंदू बिजनेस लाइन। 14 अगस्त, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

11. अमित त्यागी, संजीव कपूर, एवं कुशांकुर डे (2024)। कृषि क्षेत्र की ऋण तक पहुंच का आकलन करने के अन्य तरीके। हिंदू बिजनेस लाइन। 18 जून, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

12. कुशांकुर डे (2024)। फसल बीमा योजनाओं को कैसे मजबूत करें। हिंदू बिजनेस लाइन। 6 जून, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

13. कुशांकुर डे (2024)। बैंकरों को कृषि ऋणों में जलवायु जोखिम को ध्यान में रखना चाहिए। हिंदू बिजनेस लाइन। 22 अप्रैल, 2024 (प्रिंट संस्करण)।

परामर्श परियोजना/एमडीपी

1. कुशांकुर डे। एक केस स्टडी के रूप में एग्री नेक्स्ट का दस्तावेजीकरण। टेस्को इंडिया द्वारा वित्त पोषित (₹ 2.369 लाख), 15 फरवरी - 30 मार्च, 2025, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में किया गया। केस का शीर्षक है 'एग्री नेक्स्ट: किसानों की आजीविका पैदा करना या उन्हें उद्यमी बनाना'। केस और केस के साथ टीचिंग नोट टेस्को इंडिया को जमा किए गए हैं।

2. संजीव कपूर एवं कुशांकुर डे। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वित्तीय संस्थानों से जोड़ना: क्षमता, अनुभव और आगे का रास्ता (प्रो. संजीव कपूर के साथ)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वित्त पोषित (₹ 64.428 लाख), दिसंबर 2024 - जून 2025, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में किया गया।

3. कृति बर्धन गुप्ता एवं कुशांकुर डे। टेक-होम राशन (टीएचआर) सूक्ष्म उद्यम इकाइयों की आर्थिक व्यवहार्यता और सततता (प्रो. कृति बर्धन गुप्ता के साथ)। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) द्वारा वित्त पोषित (₹ 19.682 लाख), अक्टूबर 2024 - मई 2025, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में किया गया।

4. कुशांकुर डे। झाँसी जिले, उत्तर प्रदेश में चयनित फसल ऋणों के लिए जलवायु जोखिम-प्रेरित संभावित-संबद्ध क्रेडिट योजना। जर्मन इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन (जीआईजेड) द्वारा वित्त पोषित (₹ 8.201 लाख), जून-सितंबर 2024, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में किया गया।

व्याख्यान/आमंत्रित वार्ता/सम्मान

- कुशांकुर डे। 6 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और जीआईजेड द्वारा आयोजित बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट लखनऊ में 'ग्रामीण आजीविका में जलवायु जोखिम-आधारित योजना को मुख्यधारा में लाना' पर एक सत्र दिया।

- कुशांकुर डे। 4वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में एक सह-लेखक पेपर 'अल्टरनेटिव स्कोरिंग मॉडल के माध्यम से छोटे किसानों की ऋण योग्यता का आकलन' (अमित त्यागी और संजीव कपूर के साथ) के लिए कृषि व्यवसाय प्रबंधन ट्रैक में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।

- कुशांकुर डे। 23 अक्टूबर और 27 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की एक प्रशिक्षण अकादमी लक्ष्मणराव इनामदार नेशनल एकेडमी फॉर कोआपरेटिव रिसर्च एंड डेवलपमेंट के निमंत्रण पर पश्चिम बंगाल के सहकारी कर्मियों के लिए सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना पर सत्र दिए।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन केंद्र (सीएमईई)

सीएमईई की स्थापना 2012 में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के कार्यनीतिक रूप से स्थित नोएडा परिसर में एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की गई थी। प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान उत्पन्न करने और प्रदान करने में एक वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र बनने के अपने दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, सीएमईई विद्वानों, शिक्षाविदों, विपणन अनुसंधान चिकित्सकों, सरकारी अधिकारियों और दुनिया भर के निगमों के लिए एक जीवंत संसाधन केंद्र है, जिनकी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बाजारों में रुचि है। अपने 13वें वर्ष का जश्न मनाते हुए, सीएमईई निरंतर शिक्षा, अनुसंधान और प्रकाशन, और नेटवर्किंग के अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर रहा है। केंद्र को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध शिक्षाविदों और वरिष्ठ उद्योगपतियों के एक प्रतिष्ठित पैनल के सक्षम मार्गदर्शन से संचालित किया जाता है जो इसके शासी निकाय और अनुसंधान टीम का गठन करते हैं।

1. निरंतर शिक्षा

18 – 19 दिसंबर 2024: विपणन अनुसंधान का शिक्षण एवं अनुप्रयोग पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला

सीएमईई ने टीचिंग एंड प्रैक्टिसिंग मार्केटिंग रिसर्च पर दो दिवसीय पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में विपणन अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों पर विभिन्न सत्र शामिल थे, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संकाय जैसे स्वर्गीय प्रो. नरेश के. मल्होत्रा, प्रो. रसेल डब्ल्यू. बेल्क, प्रो. नौफेल जे. विल्कस्सिम, मोहन कृष्णन, शर्मिला दास द्वारा दिए गए।

2. अनुसंधान और प्रकाशन

जुलाई 2024: उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग के लिए 'गंतव्य छवि धारणा, विपणन एवं पर्यटन परिपथों की ब्रांडिंग' पर अध्ययन

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने हाल ही में एक अध्ययन किया जहां निष्कर्षों से पता चलता है कि अयोध्या उत्तर प्रदेश का शीर्ष पर्यटन स्थल है। यह प्राचीन शहर, जिसकी उत्पत्ति हिंदू महाकाव्य रामायण से हुई है, अपने शानदार राम मंदिर के लिए जाना जाता है जिसने जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से पूरे भारत से पर्यटकों को आकर्षित किया है। यह जानने के लिए आगे पढ़ें कि इस वर्ष भारतीय तेजी से अयोध्या की यात्रा क्यों कर रहे हैं।

राज्य पर्यटन विभाग द्वारा कमीशन किया गया यह अध्ययन भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के सेंटर फॉर मार्केटिंग इन इमर्जिंग इकोनॉमीज (सीएमईई) द्वारा आयोजित किया गया था। इस अध्ययन का नेतृत्व सत्य भूषण डैश ने किया था और मार्केट एक्सेल नामक एक एजेंसी की मदद से इसे प्रेरित किया गया था। इस शोध ने उन्हें उत्तर प्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ब्रांडिंग और विपणन में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की।

इस शोध का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक-जनसांख्यिकीय समूहों में गंतव्य की कथित छवि को मापना था। इसने उन प्रमुख विशेषताओं को समझने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों का इस्तेमाल किया जो यात्रियों को यहां यात्रा की योजना बनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

शोध से पता चला कि उत्तर प्रदेश आने वाले घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के बीच अयोध्या शीर्ष पर्यटन स्थल है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इस अध्ययन द्वारा प्रदान की गई अंतर्दृष्टि को "अमूल्य" कहा। और वे यूपी में पर्यटन के भविष्य को आकार देने के लिए इस अध्ययन द्वारा प्रदान की गई अंतर्दृष्टि का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि वे परिवहन सुविधाओं में सुधार, बजट-अनुकूल आवास प्रदान करने और स्वच्छता बनाए रखने के माध्यम से पर्यटन अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 12 अलग-अलग पर्यटन परिपथों के साथ, राज्य का पर्यटन विभाग हर पर्यटक की यात्रा की इच्छाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

3. नेटवर्किंग/सम्मेलन

19-21 दिसंबर 2024: इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस बोर्ड (ईएमसीबी) का 13वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रमुख कार्यक्रमों में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर को 18 से 21 दिसंबर 2024 तक 'उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन का भविष्य: आगे देखना' विषय पर इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस बोर्ड (ईएमसीबी) के वार्षिक सम्मेलन के 13वें संस्करण की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। यह चौथी बार था जब भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने इस प्रतिष्ठित सम्मेलन की मेजबानी की, इससे पहले 2012, 2014 और 2017 में इसका स्वागत किया गया था।

ईएमसीबी 2024 में शोध विद्वानों, प्रबंधन संकाय और उद्योग पेशेवरों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। सम्मेलन में 14 विशेष शोध पटरियों पर 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिसमें उपभोक्ता व्यवहार, विपणन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण, उत्पाद नवाचार, बी2बी बाजार गतिशीलता, सततता विपणन और स्वास्थ्य विपणन जैसे उभरते विषयों को संबोधित किया गया।

सम्मेलन को सात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पत्रिकाओं से उत्साहजनक समर्थन मिला और एमराल्ड इंडिया ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रायोजित किया। विश्व प्रसिद्ध विद्वानों प्रो. जगदीश शेठ, नरेश मल्होत्रा, सी.बी. भट्टाचार्य, राजन वरादराजन, रसेल बेल्क, राजन वरदराजन, रॉबर्ट टायलर, मानित यादव, मुरली मटरला और राजदीप गरेवाल ने विभिन्न सत्रों में मुख्य भाषण दिए।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उद्योग के वरिष्ठ स्तर के वक्ता शामिल थे, जिन्होंने एआई और मेटावर्स के युग में विपणन, साथ ही सततता के लिए जिम्मेदार उत्पादन और उपभोग जैसे प्रासंगिक विषयों पर व्यावहारिक पैनल चर्चा में भाग लिया।

13 – 14 फरवरी 2025, दिल्ली: भावी अपराध सम्मेलन 2025

सीएमईई भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने भावी अपराध सम्मेलन के लिए एक ज्ञान भागीदार के रूप में अपनी विशेषज्ञता भी प्रदान की, जो विकसित हो रहे साइबर सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर दबावपूर्ण चुनौतियों और समाधानों पर केंद्रित था। यह साझेदारी प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के प्रतिच्छेदन पर समकालीन मुद्दों को संबोधित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह कार्यक्रम 13-14 फरवरी, 2025 के दौरान डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

06 मार्च 2025, नई दिल्ली: वैश्विक साधारण सम्मेलन 2025

अपने सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईआईएसडी), नई दिल्ली के साथ सहयोग किया, और ग्लोबल वैश्विक साधारण सम्मेलन के लिए ज्ञान भागीदार बन गया, जो 06 मार्च, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में दुनिया भर के हितधारकों को कार्बन माइनस इंडिया जैसे पहलों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर सततता क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और सर्वोत्तम संभव समाधानों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ देखा गया, जिससे सबसे मजबूत संभव जलवायु कार्रवाई, सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक सततता को बढ़ावा मिला।

18 जनवरी 2025, मुंबई: सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव: विकसित भारत 2047

सीएमईई भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अपने सदस्य, ब्लिट्ज इंडिया के साथ सहयोग किया, और सततता कॉन्क्लेव आयोजित किया, जिसमें सततता और विकास से संबंधित मुद्दों के लेंस के माध्यम से विकसित भारत 2047 के रोडमैप पर चर्चा की गई। यह कार्यक्रम 18 जनवरी, 2025 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) मुख्यालय, मुंबई में आयोजित किया गया था।

नेतृत्व और मानव मूल्य केंद्र (सीएलएचवी)

सीएलएचवी को भारत में मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रसार के लिए एक केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। नेतृत्व और मानव मूल्य केंद्र की आकांक्षाएँ निम्नलिखित हैं:

- मूल्य-आधारित नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य को बढ़ावा देना।
- नेतृत्व पर कई दृष्टिकोणों को व्यक्त करने के लिए प्रबंधकों, प्रशासकों, राजनीतिक नेतृत्वकर्ताओं और विविध पेशेवरों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच का निर्माण।
- नेतृत्व सिद्धांत और अभ्यास के लिए बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों की सराहना।
- नेतृत्व शिक्षा के माध्यम से व्यक्तिगत और संगठनात्मक परिवर्तन।

व्यावसायिक सततता केंद्र (सीबीएस)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में व्यावसायिक सततता केंद्र (सीबीएस) विशेषज्ञों का एक बहु-अनुशासनात्मक, सहयोगी निकाय है जो पर्यावरणीय और सामाजिक आवश्यकताओं के साथ लाभ की अनिवार्यता को समेटने की प्रक्रिया में व्यवसायों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीबीएस व्यवसायों को उभरते सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों को केवल चुनौतियों के रूप में नहीं, बल्कि विकास, विविधीकरण, लागत बचत, व्यावसायिक मॉडलों को परिष्कृत/पुनर्परिभाषित करने आदि के अवसरों के रूप में देखने में मदद करता है।

उद्देश्य

व्यावसायिक कार्यनीति के साथ सततता सिद्धांतों को एकीकृत करने की आवश्यकता के बारे में उद्योग, सरकार, नागरिक समाज और शिक्षा जगत को संवेदनशील बनाकर व्यावसायिक सततता की वकालत करने में एक अग्रणी बनना।

- सामाजिक रूप से वांछनीय, पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार और आर्थिक रूप से व्यवहार्य व्यावसायिक मॉडल सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक क्षेत्र के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त इनपुट प्रदान करना।
- सततता और सतत विकास से संबंधित सार्वजनिक नीति में अनुसंधान करके और व्यावसायिक सततता के लिए उपयुक्त ढाँचागत स्थितियाँ बनाने के लिए नीति निर्माताओं को महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करके नीति विकास प्रक्रिया में भाग लेना।
- व्यवसायों को एक यथार्थवादी संदर्भ और कार्रवाई योग्य कदमों में सततता लाने के लिए ढाँचा प्रदान करना।
- व्यवसायों को भविष्य के विकास के साथ-साथ अवसरों और चुनौतियों का अनुमान लगाने में मदद करना।

संरक्षण: एसडीजी को अपनाना और कॉर्पोरेट सततता की कल्पना करना

संरक्षण का चौथा सीज़न - भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के प्रमुख व्यावसायिक सततता कॉन्क्लेव का **"सततता के माध्यम से लचीला व्यवसाय बनाना"** विषय के साथ व्यावसायिक सततता केंद्र द्वारा 24-25 अगस्त, 2025 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम ने प्रसिद्ध उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं, प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को आकर्षित किया, जिन्होंने सततता पर अपने व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के महानिदेशक, **श्री अंशुमान पटनायक** इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

आरबीआईएच गोलमेज सम्मेलन

केंद्र ने रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के सहयोग से **"जलवायु वित्त"** पर केंद्रित अपनी तरह का पहला गोलमेज सम्मेलन भी 2024 में आयोजित किया। गोलमेज सम्मेलन ने भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा सामना किए जाने वाले जलवायु-संबंधी मुद्दों पर गहन चर्चा की सुविधा प्रदान की और भारतीय जलवायु वित्त पारिस्थितिकी तंत्र, अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में ऑक्सफोर्ड सस्टेनेबल फाइनेंस इनिशिएटिव के विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों को एक मंच पर एक साथ लाया।

लोक नीति केंद्र (सीपीपी)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने लोक नीति प्रक्रिया और सेवा वितरण को प्रभावित करने के बड़े उद्देश्य के साथ 1 सितंबर, 2020 को लोक नीति केंद्र (सीपीपी) की स्थापना की। सीपीपी, जिसे शुरू में सरकार और संबंधित हितधारकों को विशेषज्ञता और सलाहकार सेवाएँ प्रदान करने वाले एक थिंक-टैंक के रूप में विकसित किया गया था, समय के साथ एक स्कूल के रूप में विकसित होगा। सीपीपी न केवल समाज को प्रभावित करने के प्रयासों को निर्देशित करने में मदद करेगा, बल्कि इस दिशा में काम कर रहे अन्य सरकारी निकायों और एजेंसियों के साथ संस्थागत संबंध भी स्थापित करेगा।

सीपीपी राष्ट्रीय और राज्य नीति निर्माताओं को दीर्घकालिक में सतत विकास की उपलब्धि की दिशा में अपनी गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा। यह केंद्र इस तथ्य को देखते हुए एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि यह देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में स्थित है और विडंबना यह है कि यह एक ऐसा राज्य भी है जो अन्य राज्यों की तुलना में प्रमुख मानव विकास संकेतकों में पीछे है।

केंद्र ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से संबंधित नीतिगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वित्त और लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन, संचालन प्रबंधन, निर्णय विज्ञान, व्यावसायिक पर्यावरण, व्यावसायिक सततता, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली, कार्यनीतिक प्रबंधन और कानूनी प्रबंधन जैसे विशेष क्षेत्र सरकारी लोक प्रशासन और लोक नीति विभागों के प्रतिभागियों को उपयोगी प्रबंधन कौशल प्रदान करने में योगदान देंगे।

दृष्टि

सीपीपी लोक नीति हितधारकों के बीच अनुसंधान, प्रशिक्षण और संवाद को सुविधाजनक बनाने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ लोक नीति पर एक विश्व स्तरीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

सीपीपी का दृष्टि है "परामर्श, प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से समस्याओं को हल करने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए लोक नीति के क्षेत्र में सभी हितधारकों के लिए एक मंच को सक्षम करना"। इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए, केंद्र में दुनिया भर के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय लोक नीति केंद्रों और थिंक टैंक के साथ सहयोग शामिल है। केंद्र साक्ष्य-आधारित नीति विश्लेषण का उपयोग करके जमीन पर लागू की जा रही नीतियों के मूल्यांकन में भी योगदान देगा। सीपीपी गतिविधियाँ हितधारक जुड़ाव को सुविधाजनक बनाएंगी और नागरिक समाज के सदस्यों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों के बीच चर्चा और वार्ता के लिए एक मंच प्रदान करेंगी। ऐसे जुड़ाव को सक्षम करने के लिए सम्मेलन और सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। केंद्र का लक्ष्य लोक नीति के क्षेत्र में वैश्विक पहचान हासिल करना है।

अत्याधुनिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के लोक प्रशासन में प्रबंधन और शासन नवाचारों को बढ़ावा देगा।

उद्देश्य और मुख्य गतिविधियाँ

- सरकार/अर्ध-सरकारी/गैर-सरकारी एजेंसियों को आवश्यकता-आधारित सलाहकार और प्रशिक्षण सेवाएँ प्रदान करने वाले एक थिंक-टैंक के रूप में कार्य करना।
- भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोक नीति के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देना और उसे अंजाम देना।
- बेहतर नीति निर्माण और वितरण में मदद करने के लिए नीति निर्माताओं के साथ साझेदारी और जुड़ाव विकसित करना।
- नीतिगत वार्ता, व्याख्यान, सेमिनार और सम्मेलनों के माध्यम से लोक नीति पर संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना।

मुख्य आकर्षण

- एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली (मेसर्स एजुकेट गर्ल्स) के साथ 14 अक्टूबर, 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन उत्तर प्रदेश राज्य में एक वैकल्पिक शिक्षा मार्ग, भविष्य के लिए तैयार उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय की स्थापना और उसे मजबूत करने के लिए एक लैंडस्केप विश्लेषण करने के लिए सहयोग स्थापित करता है। परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो गई, और केंद्र ने इस पर एक अंतिम रिपोर्ट साझा की।
- सीपीपी ने अनुसंधान सहयोग और शैक्षणिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए सहकारी संस्थागत संबंधों के लिए एक ढाँचा स्थापित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस, लखनऊ के साथ हाथ मिलाया।

परियोजना

केंद्रीय सचिवालय सेवाओं (सीएसएस) के अधिकारियों के प्रशिक्षण में योगदान दिया क्योंकि प्रो. क्षितिज अवस्थी और प्रो. प्रियंशु गुप्ता ने जनवरी 2025 में आई.एस.टी.एम. दिल्ली में एक लोक नीति निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आज के गतिशील शासन परिदृश्य में लोक नीति की जटिलताओं को समझने और संबोधित करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और विश्लेषणात्मक उपकरणों से लैस करना था।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

विकसित भारत @ 2047 के दृष्टिकोण के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों को कवर करते हुए कार्यशालाओं, गोलमेज चर्चाओं और पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। इस पहल की प्रारंभ जीडीआई पार्टनर्स द्वारा प्रायोजित पहले गोलमेज सम्मेलन से हुई, जिसका विषय शिक्षा और कौशल था। सीपीपी द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलनों का परिणाम एक सतत और समावेशी भारत के लिए व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित है। हितधारकों को शामिल करना जारी रखकर, प्रभावशाली अंतर्दृष्टि का उत्पादन करके, और न्यायसंगत नीतियों की वकालत करके, सीपीपी न केवल विकसित भारत में योगदान दे रहा है बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि विकास का मार्ग सभी के लिए समावेशिता, लचीलापन और सशक्तिकरण के साथ प्रशस्त हो।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो में टाटा चांसलर के प्रोफेसर ऑफ इकोनॉमिक्स डॉ. कार्तिक मुरलीधरन की मेजबानी की, जो उत्तर प्रदेश सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय के सहयोग से एक वार्ता के लिए आए थे, जिसमें डॉ. मुरलीधरन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विकास केवल बढ़े हुए खर्च पर नहीं, बल्कि राज्य क्षमता और परिणाम-केंद्रित पहलों में कार्यनीतिक निवेश पर निर्भर करता है।

राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र (एनसीजीजी) ने अपनी "सुशासन: नीतियां और अभ्यास" पर वेबिनार श्रृंखला के उद्घाटन सत्र की मेजबानी की। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के प्रो. क्षितिज अवस्थी और प्रो. वी.एस. प्रकाश अत्तिली प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। प्रो. क्षितिज ने स्वास्थ्य संबंधी विश्वासों और शिक्षा के बीच महत्वपूर्ण परस्पर क्रिया पर अपने विचार साझा किए जो स्वास्थ्य सेवा संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण है, और प्रो. अत्तिली ने डेटा-संचालित शासन पर अपने विचार साझा किए।

यूपी घरेलू हिंसा हितधारक शिखर सम्मेलन का समर्थन किया, जो द इनविजिबल स्कार्स, एक समर्पित गैर सरकारी संगठन के सहयोग से आयोजित किया गया था, जो लिंग-आधारित हिंसा (जीबीवी) को संबोधित करने और घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार (डीवीए) से बचे लोगों का समर्थन करने के लिए काम कर रहा है। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ परिसर में आयोजित, शिखर सम्मेलन ने कानूनी विशेषज्ञों, कानून प्रवर्तन कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और बचे लोगों सहित हितधारकों के एक विविध समूह को एक साथ लाया, जिसका उद्देश्य अंतर-क्षेत्रीय संवाद और सहयोगी कार्रवाई को बढ़ावा देना था।

सहयोग

सीपीपी ने पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला में अपनी भागीदारी का विस्तार किया। सीपीपी से श्री शिवाशीष त्रिपाठी ने कार्यशाला में भाग लिया और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) के स्थानीयकरण के दिए गए एजेंडे पर संसाधनों के एकीकरण पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि साझा की।

सेबी के आउटरीच प्रोग्राम ऑन म्यूनिसिपल फाइनेंस का समर्थन करने के लिए सेबी के साथ सहयोग किया जो नवंबर 2024 के महीने में आयोजित किया गया था, जो सार्वजनिक क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता और नीति नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

रेखी आनंद विज्ञान केन्द्र

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने 9 दिसम्बर 2022 को रेखी उत्कृष्टता केन्द्र के सहयोग से आनन्द-विज्ञान केन्द्र की स्थापना की। यह केन्द्र विद्यार्थियों एवं अन्य हितधारकों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षा तथा कल्याण के व्यवहार को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है। इसके अंतर्गत 'माइंड-लैब्स' स्थापित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से आनन्द एवं कल्याण के अनुप्रयोग द्वारा व्यवहारगत अनुसंधान संचालित होगा। केन्द्र द्वारा आयोजित गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य आनन्द-विज्ञान एवं सकारात्मक मनोविज्ञान के ज्ञान और अभ्यास का विस्तार करना होगा।

केंद्र की प्रमुख पहल

1. 24 मार्च 2025 को हैप्पीनेस सेंटर में माइंड लैब का उद्घाटन

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने उत्साह के साथ रेखी उत्कृष्टता केन्द्र, आनन्द-विज्ञान में माइंड-लैब का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला आनन्द-विज्ञान के अनुसंधान, शिक्षा तथा व्यवहारगत अभ्यास को उन्नत बनाने के लिए समर्पित है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य आनन्द-विज्ञान के सिद्धांत और व्यवहार—दोनों में सार्थक योगदान देना है।

2. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ द्वारा 30 जनवरी से 01 फ़रवरी, 2025 तक आयोजित चतुर्थ वार्षिक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में आनन्द एवं कल्याण पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

सम्मेलन में आनन्द एवं कल्याण विषयक शोध-पत्रों की मौखिक प्रस्तुति के दो सत्र सम्पन्न हुए। इस वर्ष के सम्मेलन में विभिन्न अनुशासनों से जुड़े विद्वान एकत्र हुए और आनन्द एवं कल्याण पर अपने वैज्ञानिक शोध अध्ययन प्रस्तुत किए। सम्मेलन में कुल 12 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। कुल 9 प्रतिभागियों ने, जो 7 विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों से थे, मानसिक स्वास्थ्य, कल्याण, आनन्द एवं सचेतनता पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत/लेखित किए। इस सत्र में अनुसंधान कार्यविधियों का समृद्ध संकलन प्रस्तुत हुआ—जैसे सूक्ष्म प्राथमिक अनुसंधान, व्यापक सूचीबद्ध समीक्षाएँ, प्रभावकारी हस्तक्षेप अध्ययन तथा पुस्तक-सूची-आधारित विश्लेषण जिनके माध्यम से इस क्षेत्र की उभरती प्रवृत्तियों का मानचित्रण किया गया। इन अध्ययनों ने मानव उत्कर्ष के प्रेरक तत्त्वों पर नवीन दृष्टिकोण प्रदान किए और भावी कल्याण पहलों को दिशा देने हेतु साक्ष्य-आधारित अंतर्दृष्टि उपलब्ध कराई।

3. 'उद्यमी कल्याण' पर एक पैनल चर्चा, 31 जनवरी, 2025 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित चौथे वार्षिक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन, 2025 के दौरान आयोजित

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में उद्यमिता कल्याण विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में अनुभवी उद्यमियों ने भाग लिया और उद्यमिता की यात्रा से सम्बद्ध अपने अमूल्य, प्रत्यक्ष अनुभव साझा किए। इस चर्चा ने उन चुनौतियों पर प्रकाश डाला जिनका उद्यमियों को सामना करना पड़ता है, जैसे कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना, तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य का प्रबन्धन करना, तथा टीम एवं मानव संसाधन से जुड़ी जटिलताओं का समाधान करना—ये सभी ऐसे महत्वपूर्ण पहलू हैं जिन्हें प्रायः नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। इस अवसर पर अग्रणी उद्यमी जैसे श्री मनीक सेहगल (संस्थापक- रासाकार्ट), श्री विवेक शाही (संस्थापक- हमलोगजॉब्स), श्री रिकी डालबेहरा (संस्थापक- हिन्दुस्तान लोन) और श्री अरुणोदय बाजपेयी (मुख्य परिचालन अधिकारी, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम संवर्धन केन्द्र) ने विचारोत्तेजक पैनल चर्चा में भाग लिया, जिसका संचालन प्रो० पुष्पेन्द्र प्रियदर्शी ने किया।

पैनल विशेषज्ञों ने उन व्यावहारिक कार्यनीतियों पर चर्चा की जिन्हें वे अपने उपक्रमों के साथ-साथ व्यक्तिगत कल्याण को बनाए रखने के लिए अपनाते हैं। सचेतनता की तकनीकों और सुव्यवस्थित समय-प्रबन्धन से लेकर सहायक कार्यस्थल संस्कृति के संवर्द्धन तक, यह सत्र क्रियात्मक सुझावों से परिपूर्ण था। चर्चा में इस तथ्य पर बल दिया गया कि उद्यमिता की सफलता केवल वित्तीय वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत धैर्य एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने से भी गहराई से जुड़ी हुई है। इस सत्र ने नवोदित एवं स्थापित दोनों ही प्रकार के उद्यमियों को वास्तविक जीवन के दृष्टिकोण प्रदान किए, जिससे वे उद्यमिता के उतार-चढ़ाव के लिए तैयार हो सकें। प्रतिभागी अपने साथ उत्पादकता, नेतृत्व-कौशल और भावनात्मक धैर्य बढ़ाने की ठोस कार्यनीतियाँ लेकर लौटे—जो दीर्घकालिक सफलता के लिए अत्यावश्यक तत्व हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस सत्र ने स्टार्ट-अप पारितंत्र में मानसिक कल्याण पर एक खुली वार्ता को प्रोत्साहित किया, जो आज के उच्च-दबाव वाले व्यावसायिक परिवेश में विशेष ध्यान देने योग्य विषय है।

अनुसंधान पहल: जारी परियोजनाएं और शोध पत्र

1. स्कूलों में किशोरों के बीच खुशी पर अनुसंधान परियोजना- एक मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण

यह एक शोध परियोजना है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से आनन्द और कल्याण को समझना है। इस परियोजना का लक्ष्य यह जानना है कि किन कारकों से विद्यार्थियों के आनन्द की भावना प्रभावित होती है और यह उनके समग्र कल्याण पर कैसे प्रभाव डालती है। इस उद्देश्य के तहत उच्च माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 18 किशोर विद्यार्थियों के साथ अर्ध-संरचित, गहन साक्षात्कार आयोजित किए गए। थीमैटिक विश्लेषण से सात महत्वपूर्ण विषयों का पता चला, जो भावनात्मक धैर्य और स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए आवश्यक हैं।

2. अनुसंधान प्रकाशन

एक शोध-पत्र शीर्षक 'कार्यस्थल में कल्याण पर ज्ञान-साझा करने का प्रभाव – क्या संगठनात्मक अधिगम क्षमता मध्यस्थता का कड़ी है?' जनवरी 2025 में एबीसीडी (सी-श्रेणी) / एबीएस / स्कोपस सूचीबद्ध जर्नल में प्रकाशित हुआ। https://doi.org/10.1108/TLO-02-2024-0073

अनुभाग

04

उद्योग संवर्धन केन्द्र

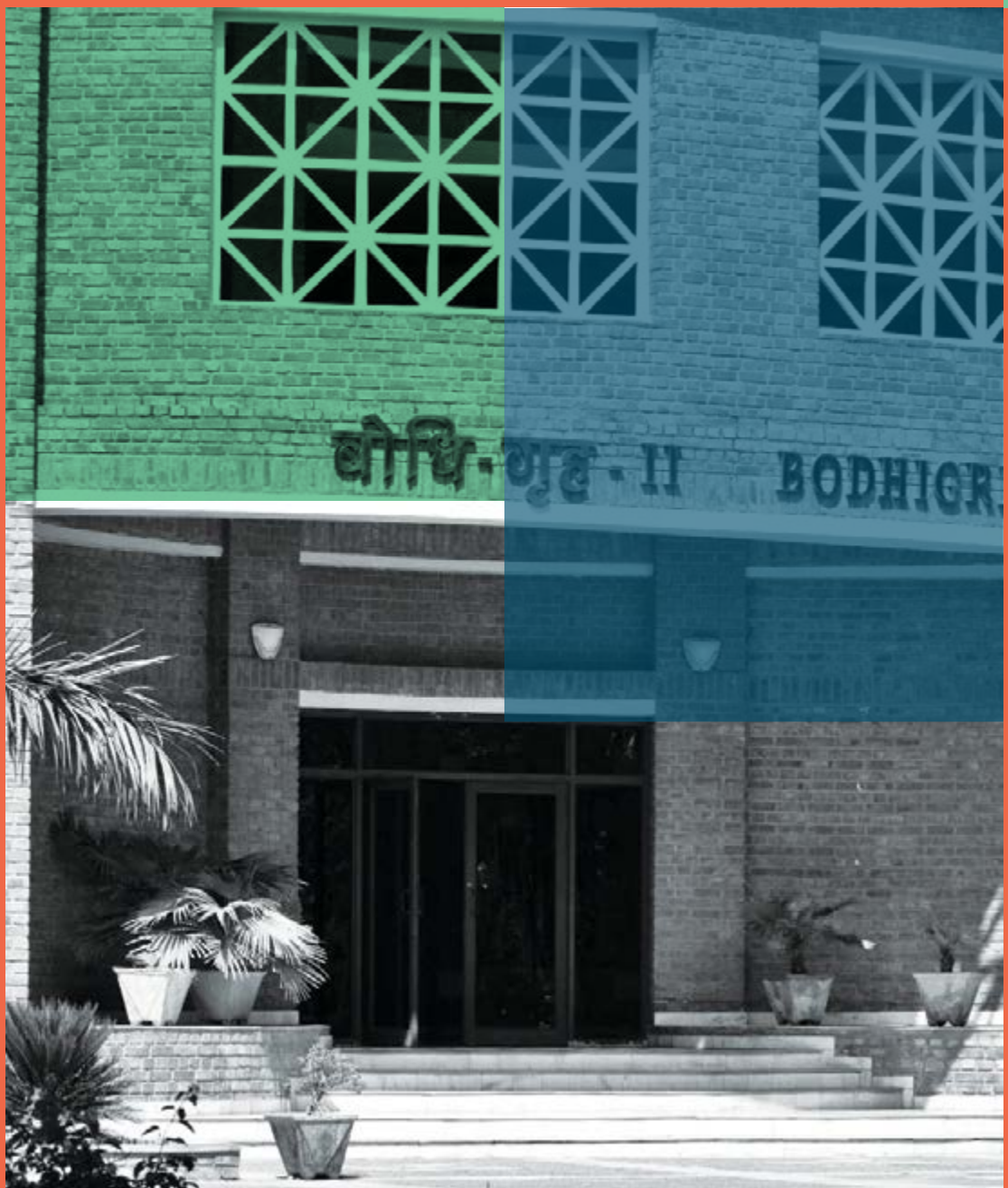

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी), नवाचार एवं उद्यमिता का अंग है, जिसकी स्थापना 2013 में की गई तथा 2017 में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर में पुनः प्रारम्भ किया गया। यह एक उल्लेखनीय गैर-लाभकारी धारा 8 कंपनी है, जिसे राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा स्टार्टअप एवं आईटी नीति के अंतर्गत सहयोग प्राप्त है।

आईआईएमएल ईआईसी का उद्देश्य उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। यह स्टार्टअप की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों एवं सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें व्यापार संवर्धन कार्यक्रम, त्वरक कार्यक्रम, परामर्श, प्रशिक्षण, सरकारी बीज कोषों तक पहुँच, आईआईएमएल ईआईसी द्वारा प्रबंधित बीज कोष, विशेषज्ञ परामर्श, औद्योगिक सम्बद्धता तथा कॉर्पोरेट बाज़ार तक पहुँच शामिल हैं। धन सृजन और रोजगार सृजन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, आईआईएमएल ईआईसी ने स्टार्टअप कंपनियों और व्यक्तिगत उद्यमियों का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन करने का सशक्त रिकॉर्ड बनाया है। इसकी सेवाओं में व्यवसाय एवं तकनीकी सहयोग, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं तक पहुँच, विशेषज्ञ परामर्श, नेटवर्किंग के अवसर, गतिशील निवेशक सम्पर्क तथा बाज़ार सम्बद्धता शामिल हैं। वर्तमान में आईआईएमएल ईआईसी में 250+ स्टार्टअप सक्रिय हैं, जिनका सामूहिक मूल्यांकन 3500+ करोड़ रुपये से अधिक है, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र तथा राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में इसके महत्त्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में कदम है।

आईआईएमएल ईआईसी की विशिष्टता:

आईआईएमएल ईआईसी स्टार्टअप का समर्थन करते हुए उन्हें विभिन्न स्रोतों से वित्त प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराता है। स्टार्टअप की वृद्धि के लिए वित्तीय संसाधनों के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए, आईआईएमएल ईआईसी स्टार्टअप को सम्भावित निवेशकों, वेंचर कैपिटल फर्मों, एंजल नेटवर्क तथा अन्य वित्तीय स्रोतों से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाता है। अपने व्यापक नेटवर्क और औद्योगिक सम्बन्धों का लाभ उठाकर, आईआईएमएल ईआईसी स्टार्टअप को नवाचार को आगे बढ़ाने, परिचालन का विस्तार करने तथा व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक पूंजी तक पहुँच दिलाता है।

- आईआईएमएल ईआईसी ने उत्पाद अथवा सेवा विकास के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना स्थापित की है। इसमें एक अत्याधुनिक सुपर कम्प्यूटर की स्थापना तथा समर्पित 3डी प्रिंटिंग एवं आईओटी फेब्रिकेशन प्रयोगशाला का निर्माण शामिल है। इन उन्नत सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर, आईआईएमएल ईआईसी स्टार्टअप को उच्च-प्रदर्शन कम्प्यूटिंग क्षमता, 3डी प्रिंटिंग तथा आईओटी प्रौद्योगिकियों का लाभ लेने में सक्षम बनाता है। सुपर कम्प्यूटर की असाधारण प्रोसेसिंग शक्ति एवं संगणन क्षमता जटिल सिमुलेशन, डेटा विश्लेषण और मॉडलिंग के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। 3डी प्रिंटिंग एवं आईओटी फेब्रिकेशन प्रयोगशाला स्टार्टअप को अपने विचारों को मूर्त रूप देने हेतु 3डी प्रिंटर और आईओटी उपकरणों का उपयोग कर तीव्र प्रोटोटाइप निर्माण तथा भौतिक वस्तुओं के निर्माण में सहायता करती है।
- स्टार्टअप द्वारा सामना की जाने वाली विविध चुनौतियों को समझते हुए, आईआईएमएल ईआईसी ने समग्र समर्थन एवं मार्गदर्शन के लिए तीन प्रमुख सहायता पटल स्थापित किए हैं।
  - **सीए सहायता पटल:** स्टार्टअप के लेखांकन सम्बन्धी सभी मुद्दों पर विशेषज्ञ सहायता प्रदान करता है।
  - **कानूनी सहायता पटल:** स्टार्टअप विधि में विशेषज्ञ विधिवेत्ताओं तक पहुँच उपलब्ध कराता है, जिससे विधिक परिदृश्य को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने हेतु मार्गदर्शन एवं समाधान मिलते हैं।
  - **बौद्धिक सम्पदा सहायता पटल:** आईपी अधिकारों के आवेदन एवं प्राप्ति की प्रक्रिया में सहायता प्रदान करता है, ताकि स्टार्टअप अपनी बौद्धिक सम्पदा की रक्षा कर सकें और नवाचार को बढ़ावा दे सकें।
  - आईआईएमएल ईआईसी उद्योग सम्बद्धताओं एवं साझेदारियों के माध्यम से स्टार्टअप को मूल्यवान अवसर तथा कॉर्पोरेट नेटवर्क उपलब्ध कराता है। स्टार्टअप को नेटवर्किंग कार्यक्रमों, मेंटरशिप कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और पिच सत्रों के माध्यम से प्रासंगिक स्रोतों से जोड़ा जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में आईआईएमएल ईआईसी की उल्लेखनीय गतिविधियाँ:

निवेश:

- आईआईएमएल ईआईसी के पास 5.00 करोड़ रुपये का आन्तरिक बीज कोष है, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 स्टार्टअप को सीधे 39.91 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। ये निधियाँ सरकारी एवं कॉर्पोरेट योजनाओं का परिपूरक बनकर समग्र पूँजी तक पहुँच सुनिश्चित करती हैं।

- आईआईएमएल ईआईसी, एनएसटीईडीबी की डीएसटी 'निधि' बीज सहयोग योजना का कार्यान्वयन भागीदार है, जिसका उद्देश्य नवाचार को पोषित करना और बाज़ार-उन्मुख उद्यमों का निर्माण करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना को 152 आवेदन प्राप्त हुए, 3 पिच सत्र आयोजित हुए, और 5 चयनित/ऑनबोर्ड किए गए स्टार्टअप को 89.71 लाख रुपये वितरित किए गए, जिससे डीप-टेक एवं सामाजिक नवाचार वाणिज्यिक व्यवहार्यता तक पहुँच पाए।

- एसआईएसएफएस पहल के तहत, आईआईएमएल ईआईसी ने नवाचारी स्टार्टअप के लिए प्रारम्भिक चरण की फंडिंग सक्षम की। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, इस योजना में 210 आवेदन प्राप्त हुए, 3 पिच सत्र आयोजित हुए, तथा 7 चयनित/ऑनबोर्ड किए गए स्टार्टअप को 1.3 करोड़ रुपये वितरित किए गए। यह पहल एमवीपी-चरण के उद्यमों के लिए वित्तीय अन्तर को पाटने में प्रमुख भूमिका निभाती है।

- अपने सरकारी फंड कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में, आईआईएमएल ईआईसी ने नाबार्ड के साथ साझेदारी की ताकि एग्रीटेक एवं ग्रामीण नवाचार को समर्थन दिया जा सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत 112 आवेदन प्राप्त हुए, 10 स्टार्टअप को ऑनबोर्ड किया गया, 1 पिच आयोजित की गई, और 20 लाख रुपये वितरित किए गए, जिससे ग्रामीण विकास एवं प्रभाव पर केन्द्रित प्रयास सुदृढ़ हुए।

- ओपन इन्नोवेशन एवं कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल (सीवीसी): आईआईएमएल ईआईसी सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी कॉर्पोरेट साझेदारों के लिए एक सीवीसी कार्यक्रम चलाता है और उनके ओपन इन्नोवेशन दल को अंतर्दृष्टियाँ प्रदान करता है। ये कार्यक्रम उन सर्वश्रेष्ठ तकनीकी विचारों की पहचान में सहायक हैं जिनमें विस्तार की क्षमता हो। इस पहल के तहत, केन्द्र ओएनजीसी, बाल्मर लॉरी और ऑयल इंडिया जैसे संगठनों का वेंचर निवेश में समर्थन कर रहा है और 40 से अधिक स्टार्टअप में सम्मिलित रूप से 12 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

व्यापार संवर्धन कार्यक्रम:

व्यापार संवर्धन कार्यक्रम 12–24 माह का क्षेत्र-निरपेक्ष व्यवसाय संवर्धन एवं त्वरक कार्यक्रम है, जिसे स्टार्टअप की यात्रा के विभिन्न चरणों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। ये कार्यक्रम स्टार्टअप की वृद्धि को पोषित एवं त्वरित करने हेतु आधारभूत मंच के रूप में कार्य करते हैं। ये संरचित कार्यक्रम स्टार्टअप को आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण, मेंटरशिप, निवेश तथा वृद्धि हेतु अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आईआईएमएल ईआईसी ने 11 कोहोर्ट सफलतापूर्वक सम्पन्न किए, 5900 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए और 150 से अधिक स्टार्टअप को विभिन्न व्यापार संवर्धन कार्यक्रमों में ऑनबोर्ड किया गया।

- स्टार्टअप 101 व्यापार संवर्धन कार्यक्रम भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र की भारत के सबसे बड़े एवं प्रभावशाली संवर्धन पहलों में से एक है। उद्यमियों को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने हेतु यह 24 माह का संरचित कार्यक्रम व्यापक समर्थन, कार्यनीतिक संसाधन और सुसंस्कृत वृद्धि अवसर प्रदान करता है। 101 व्यापार संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनबोर्ड किए गए कुल स्टार्टअप 106 हैं। यह कार्यक्रम प्राथमिक नवोन्मेष क्षेत्रों में 155 स्टार्टअप के विविध पोर्टफोलियो का समर्थन करता है, जिनमें डीपटेक (50), एडटेक (8), ई-कॉमर्स (3), फिनटेक (11), हेल्थटेक (16), फूड एवं कंज़्यूमर (15) तथा अन्य उभरते डोमेन (52) जैसे एग्रीटेक, क्लीनटेक, सतत विकास, पर्यटन, ईवी आदि शामिल हैं।.

- वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आईआईएमएल ईआईसी ने आइडिया टू एमवीपी व्यापार संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत दो कोहोर्ट प्रारम्भ किए, जिनमें 430 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। कठोर चयन प्रक्रिया के बाद, 15 उच्च-क्षमता वाले स्टार्टअप ऑनबोर्ड किए गए और उन्हें एमवीपी-चरण का विशिष्ट समर्थन प्रदान किया गया। चयनित स्टार्टअप एडटेक, एग्रीटेक, डीपटेक, फूडटेक, क्लीनटेक, स्पोर्ट्स-टेक, ईवी और एचआरटेक जैसे विविध क्षेत्रों से सम्बद्ध हैं। ये उपक्रम मुख्यतः आइडिएशन चरण में हैं, तथा बी2बी, बी2बी2सी और बी2सी मॉडल अपनाते हुए वास्तविक समस्याओं का समाधान करते हैं—एआई संचालित शिक्षण और हाइड्रोजन-संचालित एयर मोबिलिटी से लेकर सतत पोषण और ग्रामीण नवाचार तक।

कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल पहल एवं त्वरक कार्यक्रम:

1. आईआईएमएल ईआईसी ने ऑयल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से विशेष कॉर्पोरेट वीसी स्टार्टअप एंगेजमेंट कार्यक्रम (सीएसईपी) प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रण पर पूरे देश से 400 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 10 स्टार्टअप को समर्थन एवं ऑनबोर्ड किया गया। ये स्टार्टअप हैं: फेलिस लियो विजेट्स प्रा. लि. (नेक्सस पावर), रेडिनेंट इनोवेशन्स प्रा. लि., नागाएड प्रा. लि., नैनोसेफ सॉल्यूशन्स प्रा. लि., माफकिन रोबोटिक्स प्रा. लि., यूएनजी टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. (ब्लूपावर), रेवंकर कन्स्ट्रक्शन्स प्रा. लि., ऑक्टोबोटिक्स टेक प्रा. लि., अब्रिस एनवायर्नमेंटल टेक्नोलॉजीज एलएलपी तथा डिजीक्लैप सॉल्यूशन्स प्रा. लि.। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता का समर्थन करना तथा व्यापारिक उद्देश्यों से जुड़े संभावित समाधानों का एकीकरण करना है।

2. आईआईएमएल ईआईसी ने बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के सहयोग से कॉर्पोरेट वीसी स्टार्टअप एंगेजमेंट कार्यक्रम (सीएसईपी) प्रारम्भ किया। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र और बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड ने 6 फरवरी 2024 को कोलकाता कार्यालय में समझौता

ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रण पर 410 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

बाल्मर लॉरी के अंतर्गत ऑनबोर्ड किए गए स्टार्टअप का संक्षिप्त विवरण:

स्टेपॉकेट प्रा. लि. (नेप टैप गो): यह स्टार्टअप व्यावसायिक यात्रियों हेतु पॉड होटल उपलब्ध कराता है, जो प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्रों के समीप कार्यनीतिक रूप से स्थित हैं। इन पॉड्स को सुविधा और दक्षता दोनों को अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है, जिनमें उच्च गति वाई-फाई, सुरक्षित भंडारण, लचीली प्रवास विकल्प (प्रति घंटा दर सहित) जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक स्थान भी नेटवर्किंग और सहयोग के लिए उपलब्ध हैं। इस स्टार्टअप को बाल्मर लॉरी द्वारा अंतिम निवेश चरण हेतु 100 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।

3. आईआईएमएल ईआईसी ने वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से विशेष त्वरक कार्यक्रम एंटरप्राइजहर का दूसरा संस्करण (कोहोर्ट 2.0) प्रारम्भ किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान इस कार्यक्रम हेतु 150 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। डीपटेक एवं ब्लॉकचेन, हेल्थटेक, खाद्य एवं पेय, ई-कॉमर्स, एग्रीटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, सतत विकास, आतिथ्य एवं पर्यटन जैसे क्षेत्रों में से 3 स्टार्टअप ऑनबोर्ड किए गए: मर्क्रेडी सॉल्यूशन्स, एफ2डीएफ, तथा ईज़ियोफाई सॉल्यूशन्स।

4. आईआईएमएल ईआईसी ने ग्राफिसैड्स लिमिटेड के साथ सहयोग में कॉर्पोरेट वीसी स्टार्टअप एंगेजमेंट कार्यक्रम (सीएसईपी) प्रारम्भ किया। 8 जुलाई 2024 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करने हेतु दोनों संगठनों के सामूहिक विशेषज्ञता, संसाधन और नेटवर्क का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस कार्यक्रम हेतु पूरे देश से 170 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राफिसएड्स लिमिटेड के अंतर्गत ऑनबोर्ड किए गए स्टार्टअप्स का संक्षिप्त विवरण:

- **क्लिपो एआई प्राइवेट लिमिटेड:** क्लिपो एआई एक अभिनव स्टार्टअप है, जो एआई-संचालित कंटेन्ट रिपर्पोज़िंग उपकरणों में विशेषज्ञता रखता है। इसका प्रमुख उत्पाद जेनरेटिव एआई का उपयोग करके दीर्घकालिक वीडियो को आकर्षक लघु क्लिप्स में परिवर्तित करता है, जिससे सामग्री निर्माण की प्रक्रिया सुगम हो जाती है।

- **ग्रूटिन म्यूज़िक एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड:** ग्रूटिन कलाकारों और संगीत निर्माताओं के लिए एक 360-डिग्री टैलेंट प्रबंधन मंच है, जो स्टूडियो से लेकर मंच तक उनके संपूर्ण कार्यप्रवाह को प्रबंधित करने में सहायक है।

- **वेदांश इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड:** यह स्टार्टअप व्यक्तियों को वर्चुअल डिजिटल एआई अवतार में परिवर्तित करता है, जिन्हें एआई-संचालित मस्तिष्क द्वारा संचालित किया जाता है। इन अवतारों को वेबसाइट, एआर और वीआर प्लेटफार्मों पर सहजता से एकीकृत किया जा सकता है, जो असीमित संभावनाएँ प्रदान करता है। वर्तमान में, रियल एस्टेट और प्रिंट मीडिया उद्योगों में पायलट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

- **अवसर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड (अवसर):** 'अवसर' (जिसका अर्थ हिन्दी में अवसर है) कंपनियों को डिजिटल वर्ड ऑफ माउथ के माध्यम से अपना ब्रांड बनाने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही यह उपयोगकर्ताओं को ब्रांड एम्बेसडर बनने और अपने प्रभाव क्षेत्र का मुद्रीकरण करने का अवसर भी देता है।

- **इंस्पायरनेस्ट टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड (प्लैटरहब):** प्लैटरहब एक ऐसा मंच है जिसमें एआई-संचालित उपकरणों का एकीकृत सूट उपलब्ध है। यह संपूर्ण क्रिएटर कार्यप्रवाह का संचालन करता है और प्रभावशाली व्यक्तियों की आय क्षमता को अधिकतम करता है।

- **ऑटो टाइम सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड (ग्रोइज़ी):** ग्रोइज़ी एक एआई-संचालित डिजिटल मार्केटिंग मंच है, जो एमएसएमई को बिना इन-हाउस डिजिटल मार्केटिंग टीम नियुक्त किए लीड उत्पन्न करने में मदद करता है।

- **आत्मिक भारत इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड (वर्टेक्स सूट):** वर्टेक्स सूट एक सास (SaaS) मंच है, जो व्हाट्सएप बिजनेस एपीआई एआई चैटबॉट का उपयोग करके एप्स और वेबसाइटों के कार्य करने के तरीके को पुनर्परिभाषित करता है। यह आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करके समाधान उपलब्ध कराता है तथा नवाचारों का एक व्यापक सूट प्रदान करता है, जिससे स्टार्टअप्स हेतु डिजिटल इंटरैक्शन में क्रांतिकारी बदलाव आता है।

- **टूटीफ्रुट्टी इंटरएक्टिव प्राइवेट लिमिटेड:** टूटीफ्रुट्टी एक गूगल-त्वरित और एपिक मेगाग्रांट समर्थित गेमिंग स्टार्टअप है, जो अपनी पुरस्कार-विजेता गेम 'डारकार्टा' के लिए प्रसिद्ध है। 180 हजार अमेरिकी डॉलर राजस्व, प्रमुख फंडिंग राउंड्स और गूगल प्लेपास में चयन के साथ, यह कंपनी 2026 की पहली तिमाही में प्लेस्टेशन लॉन्च को लक्षित कर रही है।

- **यूनोमिरु ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (यूनोमिरो):** यूनोमिरु वीआर 360° पहला ऐसा मंच है, जो होटल संचालकों, रेस्टोरेंट मालिकों, संपत्ति स्वामियों तथा अन्य खुदरा विक्रेताओं को ग्राहकों के लिए उनकी संपत्तियों/दुकानों के इमर्सिव 360° वीआर टूर प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

- **क्रेनोलॉजीज़ हब प्राइवेट लिमिटेड (क्रिएटू):** क्रिएटू एक अग्रणी मंच है, जो ब्रांडों तथा प्रभावशाली व्यक्तियों एवं सामग्री निर्माताओं के बीच संबंधों को सरल बनाता है और पुरस्कारों का कुशल प्रबंधन करता है।

5. **भा रतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र और एक्ज़िम बैंक** भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र ने कॉर्पोरेट वीसी स्टार्टअप एंगेजमेंट प्रोग्राम (सीएसईपी) का विशेष शुभारम्भ भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के सहयोग से किया। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्योग संवर्धन केन्द्र और भारतीय निर्यात-आयात बैंक के मध्य 27 सितम्बर 2024 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ, नोएडा परिसर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यनीतिक सहयोग का उद्देश्य गहन प्रौद्योगिकी वाले स्टार्टअप्स को निर्यात क्षमता के साथ बढ़ावा देने हेतु तकनीकी सहायता के लिए एक पोषक वातावरण तैयार करना और कंपनियों को वैश्विक बाजार हेतु उत्पाद एवं सेवाएँ विकसित करने में सहायक बनाना है। एक्ज़िम बैंक सीएसईपी कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रण को राष्ट्रव्यापी स्तर पर 250 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

एक्जिम बैंक के अंतर्गत शामिल किए गए स्टार्टअप्स का संक्षिप्त विवरण:

- **मेडब्लू इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड:** मेडब्लू इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड एक दूरदर्शी चिकित्सा उपकरण स्टार्टअप है जो किफायती, सुलभ और अभिनव स्वास्थ्य सेवा समाधानों को विकसित करने और प्रदान करने पर केंद्रित है। कंपनी लागत प्रभावी चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को तैयार करके भारतीय और वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों में महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है जो रोगी के परिणामों में सुधार करती हैं।

- **कॉन्स्टेम्स-एआई सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड:** कॉन्स्टेम्स अपने "विजन" द्वारा निर्देशित प्रश्न का उत्तर खोजने की खोज में है। मानव दृश्य प्रणाली को बढ़ाने के लिए, वे कंप्यूटर विजन, मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में लगातार विकसित और नवाचार कर रहे हैं।

- **आरएक्स वन केयर प्राइवेट लिमिटेड:** आरएक्सवन विश्व स्तर पर देखभाल की निरंतरता प्रदान करने का एक मिशन है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपचार चाहने वाले रोगियों के लिए देखभाल की यात्रा कई चुनौतियों और भ्रम से भरी होती है। एक बार उपचार समाप्त हो जाने और रोगी के अपने देश वापस आ जाने के बाद, प्रदाता का रोगी के साथ लगभग कोई जुड़ाव नहीं रहता है। इससे रोगी के अनुभव खराब होते हैं, क्योंकि देखभाल की निरंतरता टूट जाती है।

- **शारस वेंचर एलएलपी:** शारस वेंचर एलएलपी विभिन्न जरूरतों वाली महिलाओं के लिए तैयार किए गए किफायती, पर्यावरण-अनुकूल, उच्च-गुणवत्ता वाले सैनिटरी पैड प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए आराम और सुरक्षा प्रदान करना है। एक व्यापक व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पाद श्रृंखला के साथ, शारस वेंचर एक बहुमुखी स्वच्छता उत्पाद प्रदाता के रूप में खड़ा है।

- **एमरटेक इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड:** एमरटेक इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड, आईआईटी-बॉम्बे में संवर्धित, गौरव सोमवंशी, (भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के 2013 बैच के पूर्व छात्र) द्वारा सह-स्थापित एक प्रौद्योगिकी-संचालित कंपनी है जो आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन समाधानों का उपयोग करने पर केंद्रित है, विशेष रूप से कृषि, कपड़ा जैसे क्षेत्रों में, और हाल ही में, यूरोपीय संघ वनोन्मूलन विनियमन (ईयूडीआर) जैसे पर्यावरणीय नियमों के अनुपालन के लिए।

- **माइल्डकेयर्स प्राइवेट लिमिटेड:** माइल्डकेयर्स में, यह स्टार्टअप जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), ड्रेपर्स एसोसिएट्स यूएसए, आईआईटी कानपुर और दिल्ली, और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) जैसे प्रमुख संस्थानों के समर्थन से महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के भविष्य को फिर से परिभाषित कर रहा है। माइल्डकेयर्स महिला स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी में सबसे आगे है।

- **रूट्सगुड्स प्राइवेट लिमिटेड:** रूट्सगुड्स प्राइवेट लिमिटेड कृषि में गुणवत्ता मूल्यांकन को बदलने पर केंद्रित एक एआई-डीप टेक-संचालित सैस प्लेटफॉर्म है। यह प्लेटफॉर्म कृषि उपज की ग्रेडिंग और गुणवत्ता मूल्यांकन को स्वचालित और मानकीकृत करने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर विजन और मशीन लर्निंग तकनीकों का लाभ उठाता है। मैन्युअल और अक्सर असंगत निरीक्षण विधियों को प्रतिस्थापित करके, रूट्सगुड्स कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में अधिक पारदर्शिता, सटीकता और दक्षता सुनिश्चित करता है।

- **एसएनएन एडुवर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड (एप्टकोडर):** एप्टकोडर आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित एक अभिनव एड-टेक प्लेटफॉर्म है, जो अपने पेटेंट-समर्थित टूल, कोडली के माध्यम से तकनीकी शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने पर केंद्रित है, जो भाषा और डिवाइस की बाधाओं को दूर करता है। इसकी अनूठी पेशकशें, जैसे वर्नाटिक्स (वर्नाक्युलर रोबोटिक्स) और किड्स कोडिंग कम्युनिटी (केसीसी) व्यक्तिगत और समावेशी सीखने को बढ़ावा देती हैं।

- **न्यूमाइंड्स एआई ट्रेनिंग एंड टेक्नोलॉजी एलएलपी:** न्यूमाइंड्स एआई ट्रेनिंग एंड टेक्नोलॉजी एलएलपी एक अत्याधुनिक तकनीकी कंपनी है जो अनुकूली, एआई-संचालित सीखने के अनुभवों के लिए तैयार किया गया एक बहुभाषी शिक्षण और विकास (एलएंडडी) प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। यह प्लेटफॉर्म प्रत्येक शिक्षार्थी की गति, प्रदर्शन और प्राथमिकताओं के आधार पर कंटेंट डिलीवरी को व्यक्तिगत बनाता है, जिससे उच्च जुड़ाव और प्रतिधारण सुनिश्चित होता है।

- **वेलोएक्जिम:** वेलोएक्जिम एक बी2बी प्रबंधित मार्केटप्लेस है जो भारत से निर्यात योग्य उत्पादों में विशेषज्ञता रखता है, जिसे खरीदारों और विक्रेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुभव को सुव्यवस्थित और पेशेवर बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह प्लेटफॉर्म सत्यापित भारतीय निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों से जोड़ता है, जो एक भरोसेमंद, एंड-टू-एंड निर्यात समाधान प्रदान करता है।

कार्यनीतिक समझौता ज्ञापन और साझेदारियाँ

वित्तीय वर्ष 2024–25 में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी) ने उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को सामूहिक रूप से बढ़ाने के लिए एक्जिम बैंक, एसोचैम, आइवीकैप वेंचर्स एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और सांविधिक निकायों के साथ 10 से अधिक कार्यनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

- 27 मई 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने निवेश के अवसरों को सुविधाजनक बनाने और सहयोगी उद्यमशीलता पहलों के माध्यम से स्टार्टअप विकास को सुदृढ़ करने के लिए नोएडा में आइवीकैप वेंचर्स एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- 19 जून 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाली परियोजनाओं की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने पर मिलकर काम करने के लिए नई दिल्ली में एसोचैम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- 2 जुलाई 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने फंडिंग पहुंच, नेटवर्किंग और ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए एक पोषक वातावरण बनाने के लिए नई दिल्ली में आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ साझेदारी की।
- 5 जुलाई 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने अपने वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के माध्यम से त्वरण सहायता और संभावित फंडिंग के जरिए संवर्धित स्टार्टअप के लिए एक लॉन्चपैड प्रदान करने हेतु नोएडा में इंडिया एक्सेलेरेटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन किया।
- 8 जुलाई 2024 को, नोएडा, उत्तर प्रदेश में, आईआईएमएल ईआईसी ने एक एकीकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्टअप को बड़े पैमाने पर मदद करने के उद्देश्य से एक त्वरण कार्यक्रम को सह-विकसित करने के लिए ग्राफिसएड्स लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया, जो मजबूत विकास सहायता प्रदान करता है।
- 27 सितंबर 2024 को, हैदराबाद, तेलंगाना में, आईआईएमएल ईआईसी ने इक्विटी-लिंक्ड निवेश, अनुदान और वैश्विक त्वरण कार्यक्रम की परिचालन जरूरतों के लिए आंशिक फंडिंग के माध्यम से संयुक्त रूप से स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए भारतीय निर्यात-आयात बैंक के साथ एक कार्यनीतिक सहयोग को औपचारिक रूप दिया।
- 29 अक्टूबर 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने क्यूरेटेड उद्यमशीलता कार्यक्रमों और क्षमता-निर्माण के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा और कल्याण क्षेत्रों में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के साथ हाथ मिलाया।
- 27 नवंबर 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने सतत-केंद्रित एआईएफ को सह-निर्मित करने और हरित निवेश को बढ़ावा देने के लिए नोएडा में वॉल्टस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग किया, साथ ही स्टार्टअप को प्रशिक्षण और परामर्श सेवाएं भी प्रदान कीं।
- 12 दिसंबर 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने स्टार्टअप के बीच नवाचार और क्षमता विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के संचालन का समर्थन करने के लिए नोएडा में टेक्नोसर्व के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- 8 जनवरी 2025 को, आईआईएमएल ईआईसी ने पूरे भारत में नवाचार, मेंटरशिप, और सेक्टर-अज्ञेयवादी स्टार्टअप और एमएसएमई विकास को सहयोगात्मक रूप से बढ़ावा देने के लिए नोएडा में इंडिया एसएमई एक्सेलेरेटर नेटवर्क (आईएसएएन) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- 9 फरवरी 2025 को, आईआईएमएल ईआईसी ने मेंटरशिप का विस्तार करने, फंडिंग पहुंच को मजबूत करने, और स्टार्टअप के लिए नेटवर्किंग और क्षमता-निर्माण के अवसर प्रदान करने के लिए लखनऊ में टाई लखनऊ के साथ एक औपचारिक गठबंधन स्थापित किया।

आईआईएमएल ईआईसी की संस्थागत क्षमता विकास पहल

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र ने 26 फरवरी, 2024 को प्रेसीडेंसी कॉलेज, बेंगलुरु के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ताकि उन्हें आईआईएमएल ईआईसी की संस्थागत क्षमता विकास पहल के तहत एक प्रौद्योगिकी व्यवसाय उद्योग संवर्धन केंद्र स्थापित करने में सहायता मिल सके। तब से, आईआईएमएल ईआईसी प्रेसीडेंसी कॉलेज को परिचालन, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान कर रहा है और अपने महत्वाकांक्षी उद्यमियों, पूर्व छात्रों और छात्रों के लिए एक सतत स्टार्टअप व्यवसाय उद्योग संवर्धन केंद्र बनाने में सहायता कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आईआईएमएल ईआईसी ने 30 से अधिक उद्यमशीलता-केंद्रित सत्रों का आयोजन किया, जिनका उद्देश्य छात्रों, संकाय और पूर्व छात्रों को प्रेरित करना, शिक्षित करना और मार्गदर्शन करना था। ये सत्र एक उद्यमशीलता संस्कृति को बढ़ावा देने और छात्रों को उद्यमशीलता के प्रयासों में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण रहे हैं।

आईआईएमएल ईआईसी ने 2 बूटकैंपों की भी मेजबानी की है जो विशेष रूप से छात्रों को उनकी उद्यमशीलता यात्रा शुरू करने में मदद करने के लिए तैयार किए गए हैं, जो उन्हें स्टार्टअप बनाने और बढ़ाने के लिए आवश्यक व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और कौशल प्रदान करते हैं।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र ने 28 नवंबर, 2022 को लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान (एलबीएसआईएम), दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ताकि उन्हें आईआईएमएल ईआईसी की संस्थागत क्षमता विकास पहल के तहत एक प्रौद्योगिकी व्यवसाय उद्योग संवर्धन केंद्र स्थापित करने में सहायता मिल सके। आईआईएमएल ईआईसी संस्थान के भीतर उद्यमशीलता की भावना को भरने के लिए मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने छात्रों, संकाय और पूर्व छात्रों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से 20 से अधिक उद्यमशीलता सत्रों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इन सत्रों के अलावा, आईआईएमएल ईआईसी ने प्रतिभागियों के लिए उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए तैयार किए गए एक बूटकैंप की भी मेजबानी की है।

आईआईएमएल ईआईसी में क्षमता निर्माण पहल

- **पूर्व-उद्योग संवर्धन कार्यक्रम कोहोर्ट 4.0:** उद्यमशील मस्तिष्कों का पोषण, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र ने मूनप्रेन्योर के सहयोग से, अपने प्रमुख पूर्व-उद्योग संवर्धन कार्यक्रम के माध्यम से 500 से अधिक महत्वाकांक्षी उद्यमियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। कोहोर्ट 3.0 के तहत कुल 114 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, जो अगस्त 2024 में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आईआईएमएल ईआईसी ने 31 अगस्त, 2024 को लॉन्च किए गए पूर्व-उद्योग संवर्धन कार्यक्रम कोहोर्ट 4.0 के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी, जो एक सावधानीपूर्वक तैयार की गई चार महीने की वर्चुअल प्रशिक्षण पहल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान महत्वाकांक्षी उद्यमियों, छात्रों और पेशेवरों का समर्थन करने के लिए तैयार किए गए, आईआईएमएल ईआईसी ने 151 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, उन्हें अपने स्वयं के उद्यमशीलता पथ पर चलने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस किया है। इस पहल ने भविष्य के नवप्रवर्तकों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने, जमीनी स्तर से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के आईआईएमएल ईआईसी के प्रयासों में एक और मील का पत्थर चिह्नित किया।

- **प्रारंभिक चरण की उद्यम पूंजी:** इन्वेस्टोप्रेन्योर, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र ने अपने प्रमुख पूर्व-उद्योग संवर्धन कार्यक्रम के माध्यम से 67 से अधिक महत्वाकांक्षी उद्यमियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र ने इंडिया एक्सेलेरेटर और फिनवॉल्व जैसी प्रमुख उद्यम पूंजी फर्मों के साथ साझेदारी की, इन्वेस्टोप्रेन्योर कार्यक्रम के क्रमशः 6 अप्रैल 2024 और 10 मई 2024 को 2 कोहोर्ट सफलतापूर्वक आयोजित करके प्रारंभिक चरण के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण किया। आईआईएमएल ईआईसी ने कुल 28 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। यह अनूठी पहल, एक दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईआईएमएल नोएडा कैंपस में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम को महत्वाकांक्षी एंजेल निवेशकों, फैमिली ऑफिसेज, स्टार्टअप मेंटर्स और अन्य हितधारकों को प्रारंभिक चरण के निवेश परिदृश्य की व्यापक समझ से लैस करने के लिए तैयार किया गया था। प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को कुशल एंजेल निवेशक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था।

- निवेश पारिस्थितिकी तंत्र और वैकल्पिक निवेश कोष की समझ, आईआईएमएल ईआईसी ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ - नोएडा कैंपस में वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम 13 जनवरी, 2025 से आयोजित किया गया था, और कुल 21 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को एआईएफ संरचनाओं, नियामक ढांचे, स्टार्टअप फंडिंग तंत्र और मूल्यांकन कार्यनीतियों में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए संरचित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य एसटीपीआई अधिकारियों की क्षमता का निर्माण करना था, जिससे वे तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर एआईएफ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नेविगेट करने में सक्षम हो सकें।

- उद्यमशीलता नेतृत्व कार्यक्रम- मध्य-वरिष्ठ स्तर की महिला पेशेवरों के लिए 22 अप्रैल 2024 से भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र द्वारा नैसकॉम के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण पहल थी। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को मुक्त नवाचार और आंतरिक उद्यमिता में उद्यमशीलता कौशल का उपयोग करने में मदद की। इस कार्यक्रम से कुल 19 से अधिक प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

आईआईएमएल ईआईसी के कार्यक्रम

- अपने कॉर्पोरेट उद्यम पूंजी कार्यक्रम संवर्धन पहल के हिस्से के रूप में, आईआईएमएल ईआईसी ने बामर लॉरी के सहयोग से, नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप को कार्यनीतिक उद्योग के अवसरों से जोड़ने के लिए प्रमुख भारतीय शहरों में बीएल रोडशो की एक श्रृंखला आयोजित की। इन रोडशो का उद्देश्य उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप को मेंटरशिप, फंडिंग पहुंच और बाजार लिंकेज सहायता प्रदान करने में साझेदारी की क्षमता को उजागर करना था।

- अभियान 04 अप्रैल 2024 को बैंगलोर रोडशो के साथ शुरू हुआ, जहाँ 15 पेशेवरों और स्टार्टअप उत्साही लोगों ने नवाचार-संचालित सहयोग पर जीवंत चर्चाओं में भाग लिया। इसके बाद 19 अप्रैल 2024 को कोलकाता संस्करण हुआ, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया और स्टार्टअप सक्षमता के लक्ष्य को सुदृढ़ किया। अंतिम चरण 25 अप्रैल 2024 को नोएडा में आयोजित किया गया, जिसमें अन्य 20 उपस्थित लोग थे, जिसने उद्योग-संरेखित विकास के आसपास स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को जुटाने के एक सफल बहु-शहर प्रयास का समापन किया।

- 12 जुलाई 2024 को वार्षिक निवेशक सम्मेलन ने स्टार्टअप को निवेशकों, कॉर्पोरेट भागीदारों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से जोड़ने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया। 200 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, इस कार्यक्रम में मुख्य भाषण—जिसमें ओटीपी वेंचर्स के सुहैल समीर का एक उल्लेखनीय सत्र शामिल था—और '101 स्टार्टअप व्यवसाय उद्योग संवर्धन कार्यक्रम' और 'मीडियाटेक त्वरण कार्यक्रम' जैसी पहलों की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम ने भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, स्टार्टअप को महत्वपूर्ण फंडिंग और सहयोग के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- आईआईएमएल ईआईसी ने एक्जिम बैंक के सहयोग से, प्रमुख शहरों में वैश्विक त्वरण कार्यक्रम रोड शो शुरू किया। इस सेक्टर-अज्ञेयवादी पहल का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मेंटरशिप, निवेशक जुड़ाव और कार्यनीतिक बाजार प्रवेश सहायता तक पहुंच प्रदान करके भारतीय स्टार्टअप की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देना था। श्रृंखला 27 सितंबर 2024 को हैदराबाद में शुरू हुई, जहाँ 25 प्रतिभागियों ने वैश्विक स्केलिंग कार्यनीतियों पर अंतर्दृष्टिपूर्ण चर्चाओं में भाग लिया। इस गति पर निर्माण करते हुए, 22 अक्टूबर 2024 को बैंगलोर में एक दूसरा रोडशो आयोजित किया गया, जिसमें 25 उपस्थित लोगों ने अंतरराष्ट्रीय विस्तार के रास्ते तलाशे। अंतिम कार्यक्रम 26 अक्टूबर 2024 को गुड़गांव में आयोजित किया गया, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया और निर्यात-आधारित विकास के लिए स्टार्टअप को सशक्त बनाकर व्यापार घाटे को कम करने की आईआईएमएल ईआईसी की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

- 24 नवंबर 2024 को, आईआईएमएल ईआईसी ने स्टार्टअप सिनक्रिएट कार्यक्रम की शुरुआत की—जो स्टार्टअप के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया एक पीयर-टू-पीयर सहभागिता कार्यक्रम है। सत्र ने उद्यमियों को जुड़ने, अंतर्दृष्टि साझा करने और नवीन विचारों पर सहयोग करने के लिए एक खुला मंच प्रदान किया। 26 प्रतिभागियों के साथ, इस कार्यक्रम ने मस्तिष्कों के एक रचनात्मक संगम को प्रोत्साहित किया, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर समुदाय और साझा विकास के संदेश को सुदृढ़ करता है।

- कॉर्पोरेट उद्यम पूंजी कार्यक्रम संवर्धन रोड-शो के तहत अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, आईआईएमएल ईआईसी ने बामर लॉरी के साथ साझेदारी में, मार्च 2025 के दौरान बैंगलोर, मुंबई और गुड़गांव में प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इन सत्रों ने कार्यनीतिक उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया, स्टार्टअप को मेंटरशिप, फंडिंग और बाजार विस्तार के अवसरों तक पहुंच प्रदान की। रोडशो 5 मार्च 2025 को बैंगलोर और मुंबई में कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने कॉर्पोरेट-स्टार्टअप तालमेल पर चर्चा की। इसके बाद 20 मार्च 2025 को बैंगलोर और गुड़गांव में एक सत्र हुआ, जिसमें 15 प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया और उद्योग की जरूरतों के साथ नवीन समाधानों को संरेखित करने पर जोर दिया गया। श्रृंखला का अंतिम सत्र फिर से 28 मार्च 2025 को बैंगलोर और मुंबई में हुआ, जिसमें 15 प्रतिभागियों को आकर्षित किया गया, और कॉर्पोरेट साझेदारियों के माध्यम से स्टार्टअप के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की सतत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

- 21 मार्च 2025 को, आईआईएमएल ईआईसी ने "द पिच" की मेजबानी के लिए वीसी सर्कल के साथ साझेदारी की। यह कार्यक्रम निवेश के अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था, जो स्टार्टअप को निवेशकों और उद्योग हितधारकों के विविध दर्शकों के सामने अपने उद्यमों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया, यह कार्यक्रम नवीन विचारों और उद्यम पूंजी समर्थन के बीच की खाई को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम था।

- 21 मार्च 2025 को एक ऐतिहासिक क्षण में, आईआईएमएल ईआईसी ने भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की निदेशक प्रोफेसर अर्चना शुक्ला की उपस्थिति में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ मुख्य परिसर में अपनी विंग का आधिकारिक रूप से शुभारंभ और उद्घाटन किया। यह नया केंद्र न केवल नवाचार और उद्यमशीलता के लिए आईआईएमएल ईआईसी के समर्थन के विस्तार का प्रतीक है, बल्कि स्टार्टअप मेंटरशिप, क्षमता निर्माण और संसाधन साझाकरण के लिए एक केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। शुभारंभ कार्यक्रम में 30 उपस्थित लोगों की भागीदारी देखी गई, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण के लिए आईआईएमएल ईआईसी की प्रतिबद्धता में एक नए चरण को चिह्नित करता है।

आईआईएमएल ईआईसी में पोर्टफोलियो स्टार्टअप की उपलब्धियाँ

वर्ष 2024-25 भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी) के लिए एक ऐतिहासिक अवधि थी, क्योंकि इसने नवाचार, उद्यमशीलता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के अपने मिशन में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखा। आईआईएमएल ईआईसी में संवर्धित स्टार्टअप द्वारा कई पुरस्कार प्राप्त किए गए, कुछ उल्लेखनीय प्रमुख पुरस्कार नीचे दिए गए हैं:

- नैनोसेफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आईआईएमएल ईआईसी में एक संवर्धित स्टार्टअप, को "शी लव्स टेक साउथ एशिया अवार्ड 2024" से सम्मानित किया गया।
- एक अन्य संवर्धित स्टार्टअप, वेदांश इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, को सीमांत प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता के लिए आंध्र प्रदेश डिजिटल टेक्नोलॉजी समिट (एपीडीटीएस 2025) में "डीपटेक स्टार्टअप अवार्ड" से सम्मानित किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ - उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी) में संवर्धित स्टार्टअप ने बाहरी निवेश आकर्षित करने में उल्लेखनीय सफलता प्रदर्शित की। स्वधा एग्री प्राइवेट लिमिटेड, जो उत्कृष्ट संवर्धित स्टार्टअप्स में से एक है, ने आईएफसीआई (₹3.5 करोड़) और उपाया वेंचर्स (₹45 लाख) से कार्यनीतिक निवेश के माध्यम से कुल ₹3.95 करोड़ जुटाए, जो एग्रीटेक क्षेत्र में इसकी बढ़ती बाजार क्षमता को दर्शाता है। स्टे-पॉकेट प्राइवेट लिमिटेड, यात्रा-तकनीक समाधानों पर केंद्रित एक अन्य संवर्धित स्टार्टअप, ने बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड से ₹1 करोड़ की फंडिंग हासिल की, जो डिजिटल यात्रा नवाचारों में मजबूत कॉर्पोरेट रुचि की पुष्टि करता है। इस बीच, नैनोसेफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जो अपने डीप-टेक स्वच्छता नवाचारों के लिए जाना जाता है, ने आईएएन ग्रुप से ₹3.13 करोड़ जुटाए, जो सतत-आधारित प्रौद्योगिकी में मजबूत निवेशक विश्वास को दर्शाता है। ये फंडिंग मील के पत्थर आईआईएमएल ईआईसी की निवेश-तैयार उद्यमों को पोषित करने और कार्यनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र संबंधों के माध्यम से पूंजी तक पहुंच को सक्षम करने की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

ये मील के पत्थर सामूहिक रूप से उच्च-प्रभाव वाले उद्यमियों को पोषित करने, डीप टेक नवाचार को बढ़ावा देने और एक जीवंत, समावेशी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए आईआईएमएल ईआईसी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं जो भारत के आत्मनिर्भर भारत और मिशन 2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है।

प्रमुख परियोजनाएँ

1. ब्लॉकचेन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई बीटी), भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-बीटी) से सम्मानित और लॉन्च किया गया है। हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित, यह कार्यक्रम आईआईएमएल ईआईसी नोएडा को केंद्रीय हब के रूप में स्थापित करता है, जिसे गोरखपुर, लखनऊ, आगरा और नोएडा में क्षेत्रीय स्पोक्स का समर्थन प्राप्त है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में ब्लॉकचेन पहुंच का लोकतंत्रीकरण करना है। इस पहल को एक मजबूत कंसोर्टियम का समर्थन प्राप्त है, जिसमें माइक्रोसॉफ्ट मुख्य प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में, और डीएलटी लैब्स, 5आयरचेन, और एसटीपीआई गुरुग्राम (ब्लॉकचेन में एपीयरी-सीओई) जैसे पारिस्थितिकी तंत्र सक्षमकर्ता तकनीकी सहयोगी के रूप में हैं।

   कार्यक्रम को ब्लॉकचेन विशेषज्ञों की एक सलाहकार परिषद द्वारा निर्देशित किया जाता है और इसे राज्य सरकार के समर्थन और आईआईएमएल ईआईसी और कॉर्पोरेट भागीदारों से सह-निवेश वाले एक मिश्रित वित्तीय मॉडल के माध्यम से संचालित किया जाता है।

   ### मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

   - एबेसित कॉलेज के सहयोग से आयोजित हैकनोवेट 6.0 हैकथॉन जिसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
   - पहले प्रमुख ब्लॉकचेन कार्यक्रम उद्भव 1.0 का शुभारंभ।

   यह पहल एक सतत, विकेन्द्रीकृत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए तैयार है जो पूरे उत्तर प्रदेश में ब्लॉकचेन जागरूकता, कौशल और अपनाने को बढ़ावा देता है।

2. इसके अलावा, एक और ऐतिहासिक विकास में, आईआईएमएल ईआईसी ने महिला उद्यमिता का समर्थन और प्रचार करने के उद्देश्य से अपनी वैश्विक पहल, जीएस10,000 वीमेन के लिए गोल्डमैन सैक्स के साथ हाथ मिलाया है। गहन प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से एक वर्ष के दौरान 400 से अधिक महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 20 मार्च 2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रमुख कॉर्पोरेट और सरकारी हितधारकों के साथ ये परिवर्तनकारी साझेदारियाँ उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

   इस वार्षिक रिपोर्ट में प्रत्येक कार्यक्रम नवाचार को बढ़ावा देने, मेंटरशिप को बढ़ाने और कार्यनीतिक सहयोग बनाने के लिए आईआईएमएल ईआईसी के अटूट समर्पण को दर्शाता है। चाहे गतिशील रोडशो, विशेष प्रशिक्षण सत्रों, या बड़े पैमाने पर निवेशक सम्मेलनों के माध्यम से हो, आईआईएमएल ईआईसी ने स्टार्टअप और पेशेवरों को एक साथ आने, विचारों को साझा करने और भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार एक मंच प्रदान किया है।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ सिडबी वित्तीय समावेशन नवाचार केंद्र (एससीआई-एफआई)

सिडबी वित्तीय समावेशन नवाचार केंद्र की स्थापना दो प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों, सिडबी और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के बीच एक समझौते के माध्यम से की गई थी। आईआईएमएल-एससीआईएफआई भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के एक सामाजिक उद्योग संवर्धन केंद्र के रूप में उभरा, जिसका उद्देश्य फिनटेक/वित्तीय सेवाओं, एग्रीटेक/कृषि व्यवसाय, ग्रामीण आजीविका और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में काम करने वाले स्टार्टअप को उद्यमों के विकास के लिए एक सक्षम वातावरण प्रदान करके पोषित करना था।

पिछले कुछ वर्षों से स्टार्टअप को व्यापक समर्थन के साथ नवीन उपायों को अपनाकर, आईआईएमएल-एससीआईएफआई ने जून 2022 में अपने उद्योग संवर्धन कार्यक्रम का पहला चरण पूरा कर लिया है। इसके बाद, एससीआईएफआई की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए, अगले पांच वर्षों के लिए अनुदान सहायता हेतु सिडबी को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। सिडबी ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और आईआईएमएल को 6.64 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के साथ उद्योग संवर्धन कार्यक्रम का अगला चरण शुरू करने के लिए सिडबी से आशय पत्र प्राप्त हुआ है। वर्तमान में, सिडबी अनुदान सहायता की कुछ शर्तों के लिए बातचीत चल रही है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद, सिडबी का संचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

अनुभाग

05

अंतरराष्ट्रीय साझेदारी

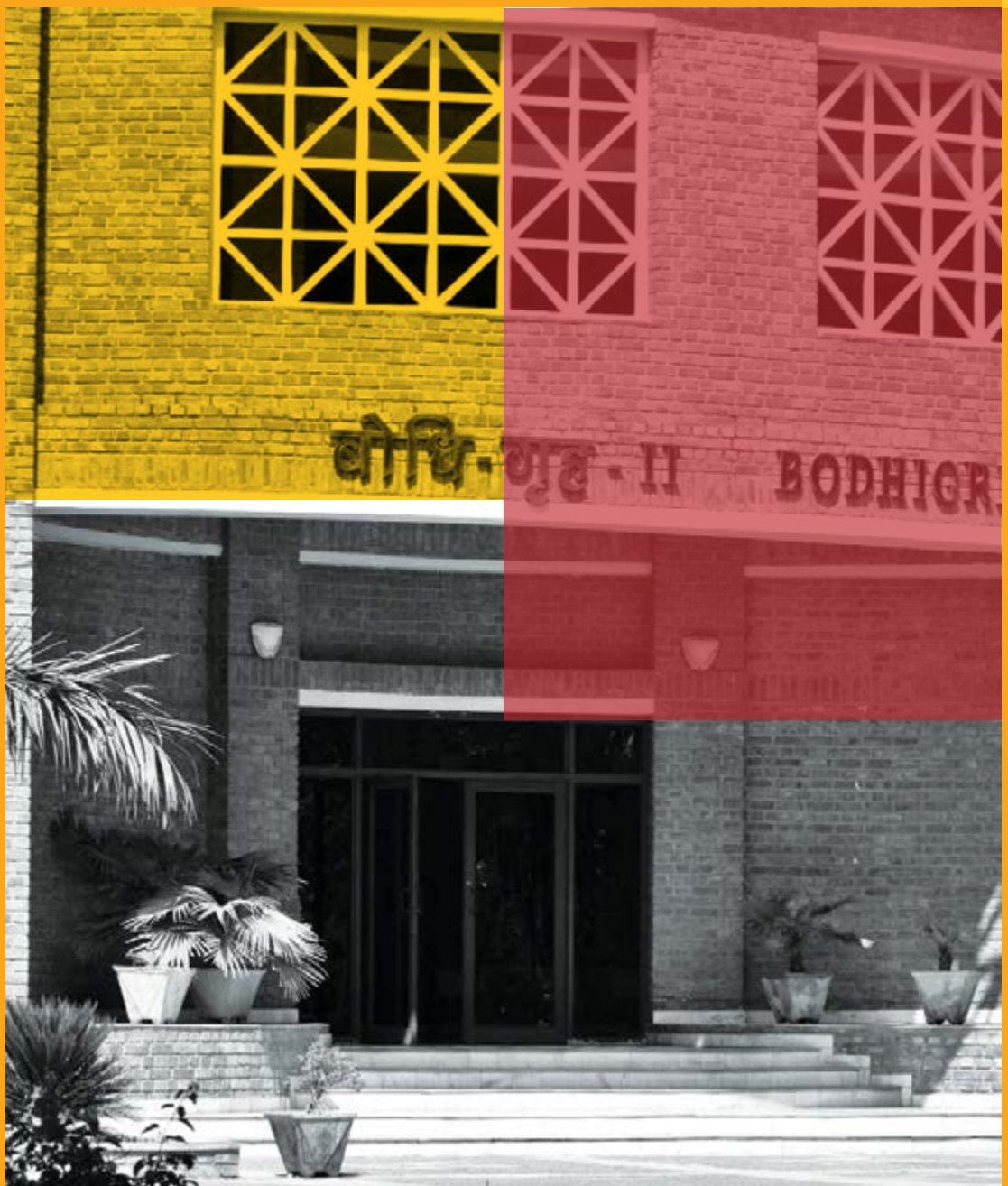

अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सहयोग

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अपनी स्थापना के समय से ही अंतरराष्ट्रीय सम्पर्कों के महत्व को समझा है और ऐसे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की खोज करता रहा है जो संस्थान को गतिशील वैश्विक परिवेश के अनुरूप अधिक प्रासंगिक बनाने में सहायक हों। अंतरराष्ट्रीय सम्पर्क संस्थान की वृद्धि, विकास तथा वैश्विक समुदाय में उसके योगदान के साथ-साथ उसके लिए एक वैश्विक विशिष्टता बनाने की आधारशिला हैं। विश्वस्तरीय पेशेवर तैयार करने के लिए उनका विश्व से परिचित होना अत्यावश्यक है। विकसित और विकासशील विश्व के मध्य सांस्कृतिक तथा आर्थिक भिन्नताएँ इतनी व्यापक हैं कि उन्हें मात्र कक्षा में पढ़ाकर समझाया नहीं जा सकता – उनका वास्तविक आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय अनुभवों में सहभागिता के माध्यम से ही किया जा सकता है। इसी कारण से भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ अंतरराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम की पहल की गई – यह एक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत हमारे विद्यार्थी विश्वभर के बिज़नेस स्कूलों में अपनी पढ़ाई का एक हिस्सा पूर्ण करते हैं। साथ ही विदेशी विद्यार्थी और संकाय सदस्य भी भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ आते हैं ताकि वे विश्व के सर्वाधिक संभावित विशाल बाज़ारों में से एक की कार्यपद्धति तथा सोच को समझ सकें।

वर्ष की प्रमुख विशेषताएँ

93

विद्यार्थियों ने हमारे सहयोगी संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

27

विदेशी विद्यार्थी छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर में आए।

हमारे सहभागी संस्थान

यूरोप

- फैकल्टी ऑफ इकॉनॉमिक्स एंड बिज़नेस, यूनिवर्सिटी ऑफ ज़ाग्रेब, क्रोएशिया
- यूनिवर्सिटे कैथोलिक दे लूवेन (यूसीएल), बेल्जियम
- टुरकू स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स, फ़िनलैण्ड
- एस्सेक बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- ईएससीपी-ईएपी, यूरोपियन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रांस
- ईडीएचईसी बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- ईकोल दे मैनेजमेंट (ईएम) – ईएम स्ट्रासबर्ग बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रांस
- यूनिवर्सिटे जॉन मोलां (यूजेएम), फ़्रांस
- नीओमा बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- टूलूज़ बिज़नेस स्कूल (ग्रूप ईएससी टूलूज़), फ़्रांस
- टेलीकॉम ईकोल दे मैनेजमेंट, फ़्रांस
- ब्रेस्ट बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- ईएम ल्यों बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- ला रोशेल बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- केज बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- एथेंस यूनिवर्सिटी ऑफ इकॉनॉमिक्स एंड बिज़नेस, ग्रीस
- बोकोनी यूनिवर्सिटी, इटली
- एमआईपी पोलिटेक्निको दी मिलानो स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इटली
- का फोस्कारी यूनिवर्सिटी ऑफ वेनिस, इटली
- यूनिवर्सिटी ऑफ एम्स्टर्डम (यूवीए), नीदरलैण्ड
- यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट गालेन, स्विट्ज़रलैण्ड
- यूनिवर्सिटी ऑफ हुल, यूनाइटेड किंगडम
- फ्रेडरिक-अलेक्ज़ेंडर-यूनिवर्सिटैट एर्लांगन-नूर्नबर्ग (एफएयू) स्कूल ऑफ बिज़नेस, इकॉनॉमिक्स एंड सोसायटी, नूर्नबर्ग, जर्मनी
- ऐक्स मार्से यूनिवर्सिटी, फ़्रांस
- एचईसी लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैण्ड
- ईएम नॉर्मंडी बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस
- स्केमा बिज़नेस स्कूल, फ़्रांस

उत्तरी अमेरिका

- मैकमास्टर यूनिवर्सिटी – माइकल जी डिग्रूट स्कूल ऑफ बिज़नेस, कनाडा
- ब्रॉक यूनिवर्सिटी, कनाडा
- यूनिवर्सिटी ऑफ एक्रोन, अमरीका
- केली स्कूल ऑफ बिज़नेस, अमरीका
- यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास कॉलेज ऑफ बिज़नेस, अमरीका
- जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी (डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल हेल्थ, ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ)
- कार्लटन यूनिवर्सिटी, कनाडा
- आइवी बिज़नेस स्कूल, कनाडा

एशिया

- बीजिंग जियाओतोंग यूनिवर्सिटी, चीन
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर
- सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, सिंगापुर
- बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ द नेगेव, इज़राइल
- मिड-वेस्टर्न यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नेपाल
- काइस्ट कॉलेज ऑफ बिज़नेस, दक्षिण कोरिया

अफ्रीका

- गॉर्डन इंस्टिट्यूट ऑफ बिज़नेस साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया, दक्षिण अफ्रीका

ओशिनिया

- लिंकन यूनिवर्सिटी, न्यूज़ीलैण्ड
- वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया

हमारे सहभागी संस्थान

अनुभाग

06

कार्यकारी शिक्षा

प्रबन्धन विकास कार्यक्रम

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अपनी स्थापना 1984 में होने के बाद से ही नेतृत्व को आकार देने और कॉरपोरेट तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रबन्धन प्रथाओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर प्रबन्धन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग की स्थापना रही है, जो प्रभावशाली कार्यकारी शिक्षा के माध्यम से संस्थान की शैक्षिक उत्कृष्टता को कार्यरत पेशेवरों तक विस्तारित करता है।

एमडीपी विभाग विभिन्न उद्योगों में कार्यरत प्रबन्धकों की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से तैयार किए गए कार्यक्रमों का व्यापक वर्ग प्रस्तुत करता है। नेतृत्व क्षमताओं, विषयगत ज्ञान और कार्यात्मक विशेषज्ञता के विकास हेतु बनाए गए ये कार्यक्रम पेशेवरों के करियर के विभिन्न चरणों में उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं—बुनियादी कौशलवृद्धि से लेकर उच्चस्तरीय, भूमिका-विशिष्ट विकास तक। प्रत्येक कार्यक्रम में वैचारिक ढाँचे को व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की शैक्षणिक कठोरता और उद्योग दृष्टिकोण का समन्वय होता है।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप आंशिक समय प्रमाणपत्र प्रबन्धन कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है, जिससे कॉरपोरेट प्रबन्धक और सरकारी अधिकारी एक वर्ष की अवधि में उन्नत प्रबन्धन प्रमाणन अर्जित कर सकते हैं। ये कार्यक्रम आलोचनात्मक चिंतन, कार्यनीतिक निर्णय-निर्माण तथा समग्र नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करते हैं।

राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ रक्षा अधिकारियों हेतु छह माह का सामान्य प्रबन्धन कार्यक्रम संचालित करता है, जो उन्हें समकालीन व्यावसायिक दक्षताओं से लैस करता है ताकि वे कॉरपोरेट जगत में अपने दूसरे करियर में सहज रूप से परिवर्तन कर सकें।

प्रशिक्षण को एक लचीले मॉडल के माध्यम से संचालित किया जाता है—लखनऊ या नोएडा परिसर में अथवा ग्राहक-निर्धारित स्थानों पर। अपनी पहुँच को और व्यापक बनाने के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने ऑनलाइन तथा मिश्रित अधिगम कार्यक्रमों का एक सशक्त पोर्टफोलियो भी आरम्भ किया है, जिनकी अवधि 6 से 11 माह तक होती है। ये कार्यक्रम अग्रणी शिक्षा-प्रौद्योगिकी सहयोगियों के साथ विकसित किए गए हैं और भारत तथा विदेशों के पेशेवरों को लाभान्वित कर चुके हैं।

विषयगत विशेषज्ञता और अनुभवजन्य अधिगम के विविध मिश्रण के साथ, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के एमडीपी पेशेवरों को आज के जटिल व्यावसायिक परिवेश में दिशा देने में सहायक होते हैं। ये उन्हें कार्यनीतिक चिंतन, जन प्रबन्धन, नवाचार और व्यवहारिक अंतर्दृष्टियों में दक्ष बनाते हैं—जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक प्रभावी नेतृत्वकर्ता और परिवर्तनकर्ता बनते हैं।

वर्ष 2023-24 में लखनऊ एवं नोएडा परिसर स्थित एमडीपी केन्द्रों की उपलब्धियों का सारांश

- 25 मुक्त एमडीपी (3 से 5 दिनों की अवधि वाले) वर्ष में संचालित किए गए।
- 45 (दोहराए गए समूह + नये कार्यक्रम) दीर्घ अवधि मिश्रित अधिगम श्रेणी में शिक्षा-प्रौद्योगिकी सहयोगियों के साथ संचालित हुए।

वर्ष 2024-25 में विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या

मुक्त कार्यक्रम – 396

अनुकूलित एवं प्रायोजित कार्यक्रम – 2173

मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम – 3662

कुल = 6231

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में मिश्रित ऑनलाइन एमडीपी के नए और दोहराए गए समूह

वरिष्ठ पदाधिकारियों हेतु कार्यक्रम (सी-सूट कार्यक्रम)

1. वरिष्ठ नेतृत्व कार्यक्रम
2. मुख्य परिचालन अधिकारी कार्यक्रम
3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यक्रम
4. मुख्य विपणन अधिकारी कार्यक्रम
5. मुख्य मानव संसाधन अधिकारी कार्यक्रम
6. मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी कार्यक्रम
7. वरिष्ठ प्रबन्धन कार्यक्रम
8. वैश्विक वरिष्ठ नेतृत्व कार्यक्रम

सामान्य प्रबन्धन कार्यक्रम

1. व्यवसाय प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
2. प्रबन्धकों हेतु सामान्य प्रबन्धन कार्यक्रम
3. कार्यकारी सामान्य प्रबन्धन कार्यक्रम

कार्यात्मक कुशलता

1. कार्यात्मक विशेषज्ञता कार्यक्रम
2. कार्यनीतिक प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
3. नेतृत्व एवं परिवर्तन प्रबन्धन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम
4. मानव संसाधन प्रबन्धन में उन्नत कार्यक्रम
5. जन नेतृत्व एवं कार्यनीतिक मानव संसाधन प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
6. व्यवसाय हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता में कार्यकारी कार्यक्रम
7. स्वास्थ्य सेवा प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
8. कार्यनीतिक परिचालन प्रबन्धन एवं आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण में कार्यकारी कार्यक्रम
9. अनिश्चित समय में आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
10. नवाचार एवं व्यवसाय रूपान्तरण हेतु तैयार चिंतन में कार्यकारी कार्यक्रम
11. विशिष्ट चिंतन एवं नवाचार प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
12. वित्तीय सेवाओं एवं पूँजी बाज़ारों में उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम
13. फिनटेक, बैंकिंग एवं अनुप्रयुक्त जोखिम प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
14. नवोदित मुख्य वित्तीय अधिकारियों एवं वित्तीय योजना विश्लेषण नेतृत्वकर्ताओं हेतु कार्यनीतिक वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम
15. अनुप्रयुक्त वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम
16. व्यावसायिक सफलता हेतु कार्यनीतिक विपणन में कार्यकारी कार्यक्रम
17. व्यवसाय उत्कृष्टता हेतु कार्यनीतिक प्रबन्धन में उन्नत कार्यक्रम
18. सूचना प्रौद्योगिकी प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
19. बिक्री एवं विपणन में कार्यकारी कार्यक्रम
20. विपणन कार्यनीति में कार्यकारी कार्यक्रम
21. बिक्री एवं विपणन नेतृत्व हेतु कार्यकारी कार्यक्रम
22. वरिष्ठ विपणन पेशेवरों हेतु उन्नत कार्यक्रम
23. ग्राहक संबंध प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
24. डिजिटल विपणन अनुप्रयोग एवं विश्लेषण में कार्यकारी कार्यक्रम
25. डिजिटल विपणन एवं सामाजिक मीडिया विश्लेषण में कार्यकारी कार्यक्रम
26. व्यवसाय उत्कृष्टता हेतु कार्यनीतिक प्रबन्धन में उन्नत कार्यक्रम
27. डिजिटल रूपान्तरण में कार्यकारी कार्यक्रम
28. डेटा विज्ञान में कार्यकारी कार्यक्रम
29. नेतृत्वकर्ताओं हेतु कार्यनीति में उन्नत कार्यक्रम
30. डिजिटल युग में नेतृत्व में उन्नत कार्यक्रम
31. परियोजना प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
32. डेटा-आधारित उत्पाद प्रबन्धन में कार्यकारी कार्यक्रम
33. डिजिटल रूपान्तरण में कार्यकारी कार्यक्रम
34. कॉरपोरेट एवं निवेश बैंकिंग में कार्यकारी कार्यक्रम

अनुभाग

07

सहायक सुविधाएं

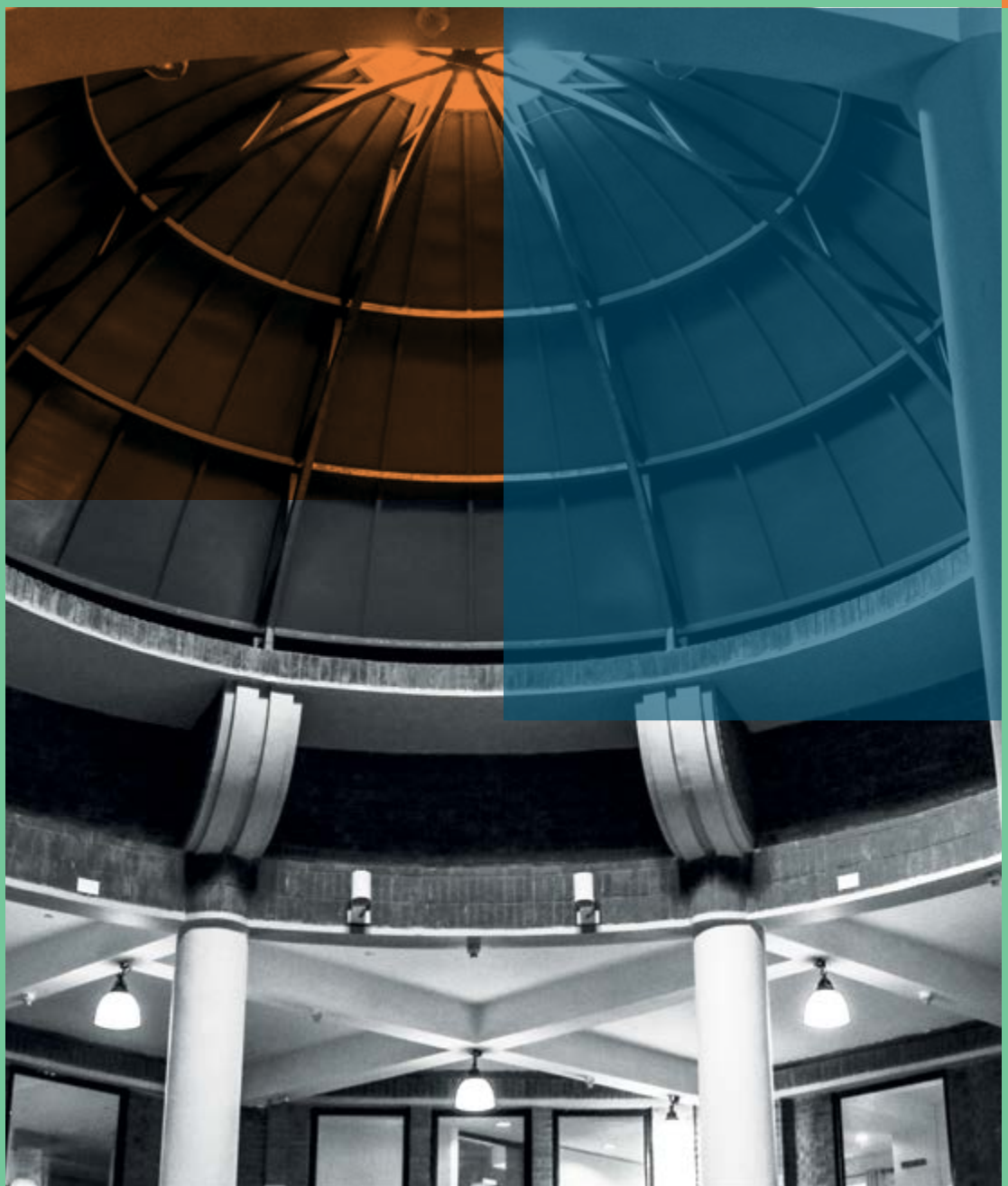

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र एक विशाल 7500 वर्ग फुट, वातानुकूलित, केंद्रीय रूप से स्थित और विशेष रूप से तैयार की गई भवन में स्थित है और यह संस्थान की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटिंग संसाधनों से सुसज्जित है। भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ कंप्यूटर केंद्र के आईटी अवसंरचना में कई सर्वरों के साथ विषम प्लेटफॉर्म पर उपकरणों को जोड़ने वाला हाई-एंड सर्वर, हाई-एंड डेस्कटॉप, रिडंडेंट फाइबर ऑप्टिक्स बैकबोन-परिसर-व्यापी नेटवर्क शामिल है। यह नेटवर्क संस्थान की जरूरतों और विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 2000 से अधिक अंतिम उपकरणों तक पहुँच प्रदान करता है।

संस्थान के हार्डवेयर संसाधनों में सर्वर/डेस्कटॉप (कोर- आई5 से जिऑन प्रोसेसर, 4 से 64 जीबी रैम, 512 जीबी से 2 टीबी स्टोरेज तक) और उच्च गति वाले प्रिंटर शामिल हैं। सॉफ्टवेयर संसाधनों में माइक्रोसॉफ्ट कैंपस एग्रीमेंट के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

सभी छात्रों को संस्थान में शामिल होने पर एक ईमेल खाता और पर्याप्त स्टोरेज स्पेस प्रदान किया जाता है और पावरग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनकेएन (राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क) से एक उच्च गति वाली लीज्ड लाइन के साथ वायर्ड/वायरलेस नेटवर्क और सुरक्षित इंटरनेट तक चौबीसों घंटे पहुँच प्रदान की जाती है।

हार्डवेयर संसाधन

- आईबीएम ब्लेड सर्वर।
- डेल, आईबीएम, एचसीएल, एचपी हाई-एंड सर्वर।
- लैब में हाई-एंड एआईओ कंप्यूटर (24 x 7) – कुल 76।
- उपयोगकर्ता स्थानों पर डेस्कटॉप सुविधा (लगभग 400)।
- उच्च गति वाले नेटवर्क/डेस्कटॉप लेजर प्रिंटर (रंगीन, श्वेत-श्याम, डुप्लेक्स, स्कैनिंग), आदि।

सॉफ्टवेयर और सेवाएं

- माइक्रोसॉफ्ट कैंपस एग्रीमेंट (माइक्रोसॉफ्ट उत्पादों जैसे विंडोज ओएस, एमएस ऑफिस, एमएस ऑफिस 365, एंटी-वायरस आदि के लिए वास्तविक लाइसेंस प्रदान करना)।
- भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ वेबसाइट होस्टिंग (www.iiml.ac.in)।
- सीमित पूल्ड स्टोरेज के साथ ईमेल सेवाएँ (username@iiml.ac.in)।
- ईआरपी – ओरेकल पीपलसॉफ्ट – वित्त, मानव संसाधन, खरीद और स्टोर आदि।
- रोमिंग प्रोफाइल उपयोगकर्ता खातों के साथ एक्टिव डायरेक्टरी-आधारित उपयोगकर्ता प्रशासन।
- नेटवर्क आधारित प्रिंटिंग (24 x 7) सेवा। (प्रभार्य प्रिंटिंग सेवा का स्वचालित लेखांकन)।
- एसएएस, एसपीएसएस, मिनिस्टैट आदि जैसे सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर।
- टर्नइटइन (साहित्यिक चोरी-रोधी सॉफ्टवेयर), मैटलैब, स्मार्टपीएलएस, क्वालिट्रिक्स, मैथमेटिका, सिमुल8, इव्यूज आदि।
- कैस्परस्की एंटी-वायरस (सर्वर/क्लाइंट)।
- क्लैरोलाइन, ब्लोंडी, एट्रिगन आदि जैसे छात्र सेवा पोर्टल (छात्रों द्वारा प्रबंधित)।
- लखनऊ और नोएडा के उपयोगकर्ताओं के लिए वेब-आधारित सॉफ्टवेयर लाइब्रेरी (लाइसेंस प्राप्त/मुफ्त सॉफ्टवेयर को दूरस्थ रूप से स्थापित करने के लिए साझा किया गया)।
- छात्रों और कर्मचारियों के व्यक्तिगत कंप्यूटर/लैपटॉप आदि के लिए एक निरीक्षण और कॉन्फ़िगरेशन स्तर का हार्डवेयर समर्थन।
- कंप्यूटर केंद्र रिकॉर्डिंग सुविधा (सीमित अवधि) के साथ सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है।
- जूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम, गूगल मीट आदि का उपयोग करके वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा।
- समर्पित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेटअप (एफबी-I, बोर्ड रूम, पुस्तकालय और नोएडा परिसर)।

नेटवर्क/इंटरनेट सुविधाएँ

- प्रमाणीकरण-आधारित सुरक्षित इंटरनेट पहुँच (इंटरनेट तक पहुँचने के लिए लॉगिन/पासवर्ड आवश्यक)।
- फाइबर बैकबोन पर 4 + 1 जीबीपीएस की लीज्ड लाइन (तेज इंटरनेट गति)।
- नोएडा और लखनऊ परिसर के बीच 100 एमबीपीएस पी2पी लिंक (नोएडा परिसर भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ से जुड़ा है)।
- नोएडा परिसर के लिए 1.2 जीबीपीएस की समर्पित लीज्ड लाइन।
- नेटवर्क सुरक्षा के लिए सिस्को नेक्स्ट जनरेशन फायरवॉल और एफ5 वेब एप्लीकेशन फायरवॉल (नेटवर्क को सुरक्षित करने के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा)।
- रिडंडेंट कोर नेटवर्क अवसंरचना में फायरवॉल, कोर स्विच, वितरण स्विच, फाइबर नेटवर्क पथ शामिल हैं।
- वीपीएन कनेक्शन (परिसर के बाहर से आईआईएमएल नेटवर्क तक पहुँचने के लिए मांग पर)।
- पूरा परिसर लगभग 2000 नेटवर्क नोड्स से कवर किया गया है (पूरे परिसर में वायर्ड/वायरलेस नेटवर्क तक पहुँच को सक्षम करना)।
- लगभग 69 स्विच (एल2 और एल3), 995 एक्सेस पॉइंट और एक फाइबर बैकबोन एक परिसर नेटवर्क का गठन करते हैं।

ज्ञानोदय

पुस्तकालय: शिक्षा संसाधन केंद्र

लगभग 30,000 वर्ग फुट की विशाल, पूरी तरह से वातानुकूलित, केंद्रीय रूप से स्थित और कार्यात्मक रूप से तैयार की गई इमारत से संचालित, जिसमें पाँच हॉलों में 250 पाठकों की बैठने की क्षमता है, यह पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित वातावरण में काम कर रहा है। पुस्तकालय सुविधाजनक रूप से तैयार किए गए फर्नीचर, फिटिंग और फिक्स्चर से सुसज्जित है। एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर स्थापित है। संपूर्ण पुस्तकालय संसाधन बार-कोडेड हैं, और एक ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा) लॉग (ओपेक) इसके संसाधनों के बारे में सूचना देता है। पुस्तकालय के सक्रिय संग्रह को आरएफआईडी टैग के साथ टैग किया गया है, और निगरानी, जारी-वापसी और एएमएच (स्वचालित सामग्री प्रबंधन) संचालन से संबंधित अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली स्थापित की गई है। ज्ञानोदय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र है। संस्थान की दृष्टि और मिशन को ध्यान में रखते हुए, ज्ञानोदय पुस्तकालय: अधिगम संसाधन केंद्र की स्थापना की गई थी। ज्ञानोदय का उद्देश्य "अपने प्रभावी प्रसार के माध्यम से ज्ञान सृजन और अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है।" पुस्तकालय मुख्य अधिगम संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है और संस्थान के शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श कार्यक्रमों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। यह संस्थान के अधिदेश से संबंधित सूचना युक्त विषयों के संग्रह में अच्छी तरह से सुसज्जित है। पुस्तकालय में डेटाबेस, सीडी/डीवीडी आदि का पर्याप्त संग्रह है।

संसाधन

पुस्तकें	46773
कॉर्पोरेट रिपोर्ट	1854
पूरक दस्तावेज	4072
शोध-प्रबंध	176
सीडी/डीवीडी	794
वर्तमान सदस्यता (पत्रिकाएँ)	
मुद्रित पत्रिकाएँ	22
ई-पत्रिकाएँ	13471
समाचार पत्र	16
पत्रिकाएं	57
ई-डेटाबेस	94
बाइंड की हुई जिल्दें	75922

ई-संसाधन

पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए महत्वपूर्ण डेटाबेस/ऑनलाइन संसाधनों में शामिल हैं:

डेटाबेस

एबीआई/इन्फॉर्म कलेक्शन, एस डेटाबेस, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, एनुअल रिव्यूज, बैंक फोकस, ब्लूमबर्ग, बिजनेस सोर्स अल्टीमेट (एब्स्को), बिजनेस स्टैंडर्ड आर्काइव्स, कैपेक्स, कैपिटललाइन प्लस, क्लॉक्स, सीएमडीटीस्टैट्स, सीआरएसपी, कंज्यूमर पिरामिड्सडीएक्स, क्रिसिल रिसर्च, ईबुक सेंट्रल, इकोनॉमिक आउटलुक, इकोनॉमिस्ट, ईएमआईएस, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, ईटीप्राइम, फाइनेंशियल टाइम्स, फिच, गार्टनर, ग्रामरली, इक्रा रिसर्च, आईईईई एक्सप्लोर, इंडियनजर्नल्स.कॉम, इंडियास्टैट, इंडस्ट्री आउटलुक, आईजीआई ग्लोबल, इनसाइट, इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी), जे-गेट, जर्नल साइटेशन रिपोर्ट्स, जेस्टोर, केन, मनुपात्र, मार्केट इंटेलिजेंस एंटरप्राइज-कंप्यूस्टैट, मार्केटलाइन, मार्क्विस हू'ज हू, न्यूयॉर्क टाइम्स, एनएसई हिस्टोरिकल ट्रेड डेटा- सीएम और एफएओ सेगमेंट, ओर्बिस, पासपोर्ट (यूरोमॉनिटर), प्रेसरिडर, प्राइम इन्फोबेस, प्रोजेक्ट म्यूज, प्राइवेट सर्किल डेटाबेस, प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन्स एंड थीसिस, प्रोवेस, साइकआर्टिकल्स, साइकइन्फो, क्विलबॉट पैराफ्रेसिंग टूल, एससीसी ऑनलाइन, स्कोपस, एसआरएम कंप्लीट, साइंसडायरेक्ट, स्टेट्स ऑफ इंडिया, स्टैटिस्टा, टैक्समैन, ट्रैक्सन, ट्रेडेक्स, वेंचर इंटेलिजेंस डेटाबेस, वॉल स्ट्रीट जर्नल, वेस्टलॉ इंडिया, व्हार्टन रिसर्च डेटा सर्विसेज (डब्ल्यूआरडीएस), वेब ऑफ साइंस और एसडीएस एकेडेमिया और न्यू इश्यूज के साथ छात्रों के लिए वर्कस्पेस।

जर्नल संग्रह

भारत सरकार की एक पहल, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) के तहत दुनिया के तीस प्रसिद्ध प्रकाशकों (कैम्ब्रिज जर्नल्स, एल्सेवियर जर्नल्स, एमराल्ड जर्नल्स, इंडरसाइंस जर्नल्स, इनफॉर्म्स जर्नल्स, ऑक्सफोर्ड जर्नल्स, पालग्रेव मैकमिलन जर्नल्स, सेज जर्नल्स, स्प्रिंगर जर्नल्स, टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स और विली जर्नल्स) के संपूर्ण जर्नल संग्रह तक पहुँच प्राप्त होने के कारण बढ़े हुए जर्नल संग्रह, ई-पुस्तक संग्रह, और अन्य ऑनलाइन मूल्य-वर्धित सेवाओं (नए पुस्तकालय पोर्टल के माध्यम से) का उपयोगकर्ता समुदाय द्वारा स्वागत किया गया।

सुविधाएँ और सेवाएँ

- दृश्य-श्रव्य सुविधा
- स्वचालित सर्कुलेशन
- ग्रंथ सूची
- सामयिक जागरूकता सेवा
- साइबर लैब
- दस्तावेज़ वितरण
- दस्तावेज़ वितरण
- ई-मेल अलर्ट सेवा
- अंतर-पुस्तकालय ऋण
- दृष्टिबाधितों के लिए लैब
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा)
- लॉग (ओपेक)
- ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- संदर्भ सेवा
- एथेंस (रिमोट लॉगिन सॉल्यूशंस) के माध्यम से ई-संसाधनों की दूरस्थ पहुँच
- फोटोकॉपी सेवा
- अनुसंधान कैरल
- चौबीसों घंटे पठन सुविधा
- एसएमएस अलर्ट सेवा
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा

पुस्तकालय – नोएडा परिसर

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ - नोएडा परिसर का पुस्तकालय संस्थान के प्रमुख प्रभागों में से एक के रूप में स्थापित किया गया है। यह संस्थान के शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पुस्तकालय सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने वाले संसाधनों (मुद्रित/गैर-मुद्रित/इलेक्ट्रॉनिक) का चयन, अधिग्रहण, आयोजन, पुनर्प्राप्ति, रखरखाव और पहुँच प्रदान करके अपने मिशन को पूरा करने का प्रयास करता है।

पुस्तकालय में प्रबंधन और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में लगभग 10,000 चुनिंदा अधिगम संसाधन उपलब्ध हैं। यह प्रशासनिक ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर एक विशाल, केंद्रीय रूप से स्थित, वातानुकूलित स्थान से संचालित होता है। अत्याधुनिक तर्ज पर निर्मित और एर्गोनॉमिक रूप से तैयार किए गए फर्नीचर और फिटिंग से सुसज्जित, नोएडा पुस्तकालय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधारित (और मूल्य-वर्धित) सेवाओं और उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके अपने अत्यधिक मांग वाले ग्राहकों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। इसमें साठ उपयोगकर्ताओं के लिए बैठने की क्षमता है।

भौतिक संसाधन:

पुस्तकें	6716
पत्रिकाओं की बाइंड की हुई जिल्दें	1358
सीडी डेटाबेस	20
डीवीडी	30
शोध-प्रबंध	54
मुद्रित पत्रिकाएँ	17
समाचार पत्र	21

इलेक्ट्रॉनिक-संसाधन

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वत्तापूर्ण सूचना प्रदान करने के लिए कई कंपनी और उद्योग डेटाबेस, ग्रंथ सूची डेटाबेस और ई-पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। ई-संसाधन पुस्तकालय पोर्टल "ज्ञानोदय" के माध्यम से इंट्रानेट और सभी सदस्यों को दूरस्थ पहुँच के माध्यम से सुलभ हैं।

सेवाएँ

- सर्कुलेशन
- पठन सुविधा
- मेल अलर्ट
- संदर्भ और सूचना
- डेटाबेस खोज
- दस्तावेज़ वितरण
- ई-मेल और एसएमएस अलर्ट सेवा
- अंतर पुस्तकालय ऋण
- ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा) लॉग
- चौबीसों घंटे पठन सुविधा
- रिमोट लॉगिन सॉल्यूशंस के माध्यम से ई-संसाधनों की दूरस्थ पहुँच

अनुभाग

08

छात्र एवं पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्व छात्र रिपोर्ट - लखनऊ परिसर पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- अधिपनाथ पाल चौधरी (1996 बैच) ने बामर लॉरी के सीएमडी का पदभार संभाला।
- मुनीश शारदा (1997 बैच) को एक्सिस बैंक में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले सितंबर 2021 से एक्सिस बैंक में ग्रुप एक्जीक्यूटिव और भारत बैंकिंग के प्रमुख थे।
- रजत वर्मा (1997 बैच) को डीबीएस बैंक का सीईओ नियुक्त किया गया है। उन्होंने पहले एचएसबीसी इंडिया में प्रबंध निदेशक और वाणिज्यिक बैंकिंग के कंट्री हेड के रूप में कार्य किया था। दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधानों को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- साई रामना पोनुगोटी (2001 बैच) को पिरामल फार्मा लिमिटेड के भारत उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा प्रभाग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। वे प्रॉक्टर एंड गैंबल से 20 वर्षों से अधिक का नेतृत्व अनुभव लेकर आए हैं, जहाँ उन्होंने भारत, एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका में वरिष्ठ भूमिकाएँ निभाईं।
- मुकुल अरोड़ा (2007 बैच) ने ईटी स्टार्टअप अवार्ड्स 2024 में सर्वश्रेष्ठ निवेशक के लिए मिडास टच पुरस्कार जीता।
- वरुण रेड्डी सेवा (2009 बैच) ने जीडी गोयनका ग्रुप में ग्रुप सीएचआरओ का पदभार संभाला।
- किरण शाह (2011 बैच) ने 2024 में शार्क टैंक पर गो जीरो के लिए फंडिंग हासिल की। शून्य-चीनी आइसक्रीम ब्रांड के संस्थापक के रूप में, उन्होंने परिचालन का विस्तार करने के लिए प्री-सीरीज ए फंडिंग में 1.5 मिलियन डॉलर भी जुटाए।
- साहिल बंसल (2011 बैच) को मैग्नाइट में भारत के लिए कंट्री लीड नियुक्त किया गया है। डिजिटल विज्ञापन में एक विशेषज्ञ के रूप में, उन्होंने प्रोग्रामेटिक मीडिया समाधानों में लगातार वृद्धि की है।
- मयंक कुमार (2013 बैच) के नेतृत्व में जिमियो को 2024 में फोर्ब्स इंडिया द्वारा वैश्विक व्यापार क्षमता वाली 200 कंपनियों में से एक नामित किया गया। मानव संसाधन तकनीक में विशेषज्ञता के साथ, उन्होंने जिमियो की बाजार उपस्थिति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- समीर प्रकाश खोड़े (2013 बैच) ने यूपीएससी सीएसई 2023 में 42वीं रैंक हासिल की। लोक प्रशासन के प्रति उत्साही, उनका लक्ष्य शासन सुधारों और नीति निर्माण में योगदान करना है।
- सिद्धार्थ जैन (2018 बैच) को कियर्नी में भारत का प्रबंध भागीदार नियुक्त किया गया है।कार्यनीतिक संचालन में 16 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, उन्होंने भारत में कियर्नी की बाजार स्थिति और ग्राहक प्रभाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- आशुतोष (2018 बैच) को राष्ट्रपति द्वारा विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ। विकलांगता अधिकारों के एक मजबूत पैरोकार के रूप में, उन्होंने शिक्षा और रोजगार में समावेशिता को बढ़ावा देने वाली कई पहलें शुरू की हैं।

आरंभिक प्रेरण

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने 24 जून 2024 को प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के 40वें बैच, कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) के 21वें बैच, सतत प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एसएम) के 10वें बैच और प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम (एफपीएम) के 25वें बैच के छात्रों का स्वागत किया। प्रेरण कार्यक्रम चार दिनों, 24 से 26 और 29 जून 2024 तक आयोजित किया गया, और यह नए छात्रों के लिए हमारे पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए एक आवश्यक आइसब्रेकर के रूप में कार्य करता है, साथ ही भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में दो साल और उससे आगे के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है।

सत्र के मुख्य अतिथि एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री मुनीश शारदा थे, जिन्होंने छात्रों को अपने सुविधा क्षेत्र से परे सीमाओं को पार करने और आने वाले युग में नए कौशल में महारत हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद डॉ. विनीत एस चौहान (भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में प्रोफेसर, आईआईएमएल पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष, पूर्व-सीएफओ टेक्नोलॉजी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक) का संबोधन हुआ, जिन्होंने छात्रों को हमारे सफल पूर्व छात्रों की प्रमुख विशेषताओं के माध्यम से आईआईएमएल का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने की दिशा में मार्गदर्शन किया।

दिन का समापन श्री तेजस चौधरी (डिजिटल ईकॉमर्स, यूनिलीवर) और श्री सुदीप मेहरोत्रा (सीईओ - एसेट मैनेजमेंट, वेलस्पन इन्वेस्टमेंट) के सत्रों के साथ हुआ, जिन्होंने भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में शिक्षाविदों के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्लेसमेंट, नौकरी, करियर: एक अन्वेषण - दूसरे दिन की शुरुआत श्री जी रमेश (एमडी और सीईओ, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड) के सत्र से हुई, जिन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से इष्टतम प्रदर्शन के लिए तीनों को संतुलित करने पर चर्चा की।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ: युगों के माध्यम से - यह सत्र प्रो. आर. के. श्रीवास्तव द्वारा लिया गया, जिन्होंने तस्वीरों में इसके इतिहास की एक त्वरित झलक के माध्यम से परिसर की प्रशंसा की, जिससे छात्रों को संस्थान की विरासत से जोड़ा गया।

प्रबंधकीय कौशल: संवादात्मक चर्चा - तीसरे दिन की शुरुआत श्री अमित गुप्ता (ग्लोबल एआई कंसल्टिंग ग्रुप प्रैक्टिस हेड - मास्टरकार्ड एडवाइजर्स) और सुश्री खुशबू रावत (कस्टमर मार्केटिंग मैनेजर, यूनिलीवर) के सत्र से हुई। पैनलिस्टों ने छात्रों को कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों और अवसरों के माध्यम से मार्गदर्शन किया।

आईआईएमएल और यह आपके पेशेवर जीवन को कैसे आकार देता है - इस कार्यक्रम का समापन श्री अनंत नारायणन (पूर्णकालिक सदस्य, सेबी) द्वारा छात्रों के पेशेवर जीवन पर संस्थान के महत्वपूर्ण और स्थायी प्रभाव की व्याख्या के साथ हुआ।

नेक्सस

पूर्व छात्र समिति, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद, बैंगलोर और कलकत्ता की पूर्व छात्र समितियों के सहयोग से, वर्ष 2024 के अगस्त और सितंबर में केस प्रतियोगिता के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया। यह प्रथम वर्ष के छात्रों को सी-सूट की भूमिका निभाने और सर्वश्रेष्ठ बी-स्कूल प्रतिभा के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। यह परिसर से परे संबंध बनाने और इन चार प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के साथियों के साथ टीम बनाने का एक अनूठा अवसर था।

इस आयोजन में 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 191 भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ से थे। छात्रों का मूल्यांकन विभिन्न चरणों में किया गया, प्रश्नोत्तरी से लेकर केस प्रस्तुति तक, जिसके बाद अंतिम प्रस्तुति हुई। उन्हें उपरोक्त कॉलेजों के 40 पूर्व छात्रों द्वारा परामर्श दिया गया। अंतिम दौर का निर्णय गूगल के उत्पाद प्रमुख द्वारा किया गया। इस आयोजन ने परिसर से परे संबंध बनाने और इन चार प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के साथियों के साथ टीम बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

संवाद 2024

वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन, 17 और 18 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया। इस सम्मेलन ने भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ समुदाय को हमारे शानदार पूर्व छात्रों के एक विविध समूह से प्रेरणादायक अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय 'भारत की विकास गाथा को आकार देना' था। इसमें 4 पैनलों में चर्चा हुई: कार्यनीति और शासन, वित्त, उद्यमिता, और विपणन। यह आयोजन छात्रों के लिए हमारे पूर्व छात्रों के लंबे और प्रतिष्ठित करियर से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

सम्मेलन का उद्देश्य नीति निर्माण, बढ़ते व्यवसायों, अनिश्चितताओं और अस्थिरता से निपटने और तकनीकी व्यवधानों के बीच प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने जैसे विविध विचारों को पूरा करना था। इसमें प्रत्येक पैनल में लगभग 120 छात्रों ने भाग लिया।

संवाद 2024 में प्रतिष्ठ पूर्व छात्रों ने सहभागिता की जिनमें निम्नलिखित शामिल थे :

1. **कार्यनीति और शासन पैनल:** कमलेश वार्ष्णेय (पूर्णकालिक सदस्य, सेबी), भास्कर सुब्रमण्यम (अवसंरचना विकास विशेषज्ञ, पूर्व-नीति आयोग), बी डी पॉलसन (आईपीएस, एडीजी प्रशिक्षण, यूपी पुलिस) और आकृति सोलंकी (कार्यकारी निदेशक, एकॉर्डियन इंडिया)

2. **वित्त पैनल:** गिरीश देशपांडे (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड), पवन गोयल (बिजनेस हेड, क्लारिस्टा, पूर्व-जेपी मॉर्गन चेस), ऋषिकेश कामत (निदेशक - ग्रुप ट्रेजरी, अलदार यूएई) और ध्रुविन छेड़ा (चीफ ऑफ स्टाफ, नायका, पूर्व-आईबी एसोसिएट, एवेंडस)

3. **उद्यमिता पैनल:** देव बत्रा (सह-संस्थापक, लाइक्सेल एंड फ्लेमिंगो), निहारिका जालान (संस्थापक, इंडिकोल्ड), तानिया बिस्वास (सह-संस्थापक, सूता) और अभिषेक सिंह (संस्थापक कार्यालय, सैलरीसे)

4. **विपणन पैनल:** वेंकटाद्री रंगनाथन (मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, टाटा केमिकल्स), मोहित गोरिसरिया (सह-संस्थापक, सैलरीसे), तान्या जैन (यूके एंटरप्राइज बिजनेस डेवलपमेंट की प्रमुख, अमेजन फ्रेट) और मौसोम दत्ता (प्रमुख खाता प्रबंधक, आईटीसी)

इस आयोजन के एक हिस्से के रूप में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के सहयोग से स्ट्रैटएज '24 नामक एक राष्ट्रीय स्तर की कंसल्टिंग केस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के 600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

संवाद के एक हस्सि के रूप में, हमारे पूर्व छात्रों के साथ पॉडकास्ट की एक श्रृंखला आयोजति की गई। इनमें कॉलेज के बाद उनके जीवन, ब्रांड बनाने, कॉर्पोरेट में नेवगिेट करने आदि में मूल्यवान अंतर्दृष्टि शामलि थी। पॉडकास्ट तानयिा बस्वािस (सूता की सह-संस्थापक) और तान्या जैन (यूके एंटरप्राइज बजिनेस डेवलपमेंट की प्रमुख, अमेजन फ्रेट) के साथ आयोजति कए गए थे। वे उद्यमति, कॉलेज जीवन, शक्षिावदिों और बहुत कुछ के इर्द-गर्दि घूमते थे।.

नेतृत्व

नेतृत्व 2024 ने वर्तमान छात्रों और निपुण पूर्व छात्रों के बीच के सेतु को मजबूत किया, एक मजबूत परामर्श पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जो छात्रों को उनके प्लेसमेंट में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास और विशेषज्ञता से लैस करता है। नेतृत्व 2024 ने सम्मानित पूर्व छात्रों के सहयोग से अभ्यास समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित करके अंतिम प्लेसमेंट में छात्रों का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी विरासत को जारी रखा। इस वर्ष, कार्यक्रम तीन प्रमुख कार्यक्षेत्र -वित्त, विपणन, और सामान्य प्रबंधन और संचालन पर केंद्रित था- ताकि छात्रों को एक व्यापक तैयारी का अनुभव प्रदान किया जा सके।

हमारे सम्मानित पूर्व छात्र नेटवर्क के उदार समर्थन के साथ, 2020 से 2024 के बैचों तक, समिति ने सफलतापूर्वक 120 जीडी-पीआई स्लॉट आयोजित किए, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों को उनके साक्षात्कार कौशल को परिष्कृत करने के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन और रचनात्मक प्रतिक्रिया मिली। सत्रों की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए, नेतृत्व ने हाल ही में उत्तीर्ण बैच के पूर्व छात्रों के मिश्रण की मेजबानी की, जिससे छात्रों को तैयारी-उन्मुख ध्यान केंद्रित किया गया। ये पूर्व छात्र अपेक्षाकृत कम समय में अपने अंतिम प्लेसमेंट साक्षात्कार के दौरान की गई गलतियों से बचने के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करने में सक्षम थे। इसके अतिरिक्त, पुराने बैचों के पूर्व छात्रों को एक भर्तीकर्ता का दृष्टिकोण प्रदान करने और अधिक व्यापक प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए शामिल किया गया था, जिससे एक सर्वांगीण तैयारी का अनुभव सुनिश्चित हो सके।

इस वर्ष भाग लेने वाले कुछ सम्मानित पूर्व छात्रों में शामिल हैं:

वित्त:

संचित जैन (बैच - 2020) - पीई निवेश, एनआईआईएफ

संचित जैन (2020 बैच) - पीई निवेश, एनआईआईएफ

गायत्री अग्रवाल (2023 बैच) - इक्विटी रिसर्च एसोसिएट, एबी बर्नस्टीन

जयेश शराफ (2023 बैच) - आईबी, एचएसबीसी

विपणन:

शालिनी सारस्वत (2021 बैच) - वरिष्ठ ब्रांड प्रबंधक, पीएंडजी

रिया जैन (2024 बैच) - अमेजन

रजनी चौधरी (2024 बैच) - जुबिलेंट फूडवर्क्स

वेदांत गोयल (2024 बैच) - टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स

हिया चौधरी (2024 बैच) - टाटा प्ले

वैभव शर्मा (2024 बैच) –

कार्यनीति, मीशो व्योम सिंह (2024 बैच) - लोढ़ा वेंचर्स

शालिनी कंदन (2024 बैच) – कोलगेट पामोलिव

सामान्य प्रबंधन और संचालन:

दीक्षा रेड्डी (2021 बैच) - वरिष्ठ प्रबंधक (सीईओ कार्यालय) टाटा कम्युनिकेशंस

मणिकंदन आर (2022 बैच) - उत्पाद प्रबंधक, हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस

परितोष लाल (2024 बैच) - लोढ़ा वेंचर्स

सीएस संबित (2024 बैच) - एसोसिएट, हिंदुजा

श्रुति उदगीरकर (2024 बैच) - व्यवसाय विकास, ल्यूपिन

नेतृत्व 2024 ने वर्तमान छात्रों और निपुण पूर्व छात्रों के बीच के सेतु को मजबूत किया, एक मजबूत परामर्श पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जो छात्रों को उनके प्लेसमेंट में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास और विशेषज्ञता से लैस करता है।

नॉस्टैल्जिया 2024:

नॉस्टैल्जिया 2024, जो 20 से 22 दिसंबर तक आयोजित किया गया, ने 1994, 1999, 2004, 2009 और 2014 के बैचों के 300 से अधिक पूर्व छात्रों को उनके प्रिय भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के दिनों को फिर से जीने के लिए एक साथ लाया। तीन दिवसीय उत्सव हंसी, फिर से जीवंत दोस्ती और अविस्मरणीय अनुभवों से भरा था।

इस आयोजन की मुख्य बिन्दु थे:

- **उद्घाटन समारोह –** उत्सव का शुभारंभ सम्मानित अतिथियों के आगमन के साथ हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्ज्वलन और हमारी 2014 बैच की पूर्व छात्रा श्रीमती सौम्या के. द्वारा प्रस्तुत एक भावपूर्ण सरस्वती वंदना हुई। पूर्व छात्रों का स्वागत निदेशक प्रो. अर्चना शुक्ला, पूर्व छात्र मामलों के अध्यक्ष डॉ. यश दौलतानी, पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ. विनीत चौहान और बैच प्रतिनिधियों के भाषणों से किया गया। एक विशेष टीजर वीडियो ने खेलों से भरे एक रोमांचक सप्ताहांत के लिए माहौल तैयार किया, और निश्चित रूप से बहुप्रतीक्षित बैच युद्ध - "संग्राम 2.0"।
- **लालटेन और दीप प्रज्ज्वलन समारोह –** तैरते हुए लालटेन और दीयों से एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला रात का आकाश जगमगा उठा, जो आईआईएमएल पूर्व छात्र समुदाय के स्थायी बंधन का प्रतीक है।
- **कक्षा में वापसी –** एक उदासीन शैक्षणिक सत्र जहाँ पूर्व छात्रों ने आईआईएमएल संकाय (सेवानिवृत्त) - प्रो. आरके श्रीवास्तव द्वारा एक आकर्षक व्याख्यान में भाग लिया, जिसके बाद बी-स्कूल के दिनों की उनकी स्मृति का परीक्षण करने के लिए तैयार किया गया एक क्विज था।
- **पुनः-स्नातक समारोह और संकाय संवाद –** एक हार्दिक क्षण जहाँ पूर्व छात्रों ने एक बार फिर दीक्षांत समारोह के वस्त्र पहने, स्नातक दिवस के रोमांच को फिर से जिया, जिसके बाद संकाय सदस्यों के साथ एक संवादात्मक सत्र हुआ जिसमें संस्थान की यात्रा और विकास पर चर्चा की गई।
- **पूर्व छात्र-संकाय दोपहर का भोजन –** एक विशेष दोपहर का भोजन जहाँ पूर्व छात्रों को एक रमणीय भोजन पर अपने पूर्व प्रोफेसरों के साथ फिर से जुड़ने, कहानियों और यादों का आदान-प्रदान करने का मौका मिला।
- बैच वॉर्स (या जैसा कि हम इसे कहते हैं - संग्राम 2.0) - बैच वॉर्स में क्रिकेट, फुटबॉल और वॉलीबॉल में उत्साही प्रतियोगिताओं के साथ-साथ उच्च-ऊर्जा वाले टेली-गेम देखे गए, जिससे टीम भावना और कॉलेज की प्रतिद्वंद्विता की पुरानी यादें ताजा हुईं।
- **सांस्कृतिक महोत्सव –** शाम आईआईएमएल के सीसीए छात्र क्लबों द्वारा संगीत, नृत्य और नाटक प्रदर्शन के साथ जीवंत हो उठी, जिसमें पूर्व छात्रों की पुरानी यादों को संस्थान की जीवंत संस्कृति के साथ मिलाया गया।
- **बॉलीवुड गाला नाइट और रैजल डैजल –** पूर्व छात्रों ने एक ग्लैमरस बॉलीवुड-थीम वाले रात्रिभोज के लिए रेड कार्पेट पर कदम रखा, जिसके बाद एक उच्च-ऊर्जा वाली डीजे नाइट हुई, जिससे उत्सव और नृत्य की रात सुनिश्चित हुई।
- **लखनऊ दर्शन –** पूर्व छात्रों को लखनऊ के प्रतिष्ठित स्थलों, हलचल भरे हजरतगंज बाजारों का पता लगाने और शहर के प्रसिद्ध अवधी व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिला, जिससे पुनर्मिलन में एक सांस्कृतिक स्पर्श जुड़ गया।
- **समापन समारोह –** इस कार्यक्रम का समापन बैच वॉर्स के परिणामों के साथ हुआ, जिसमें सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और उत्साही बैचों को मान्यता दी गई, जिसके बाद गर्मजोशी से विदाई और भविष्य में एक और यादगार पुनर्मिलन का वादा किया गया।

पूर्व छात्र सहभागिता मंच (एईएफ)

पूर्व छात्रों को आईआईएमएल के अन्य सीसीए (क्लब, समितियाँ और शैक्षणिक समूह) से जोड़ने की पहल ताकि पूर्व छात्र-संस्थान की सहभागिता बढ़ाई जा सके। सिग्फी और क्रेडेंस कैपिटल के वार्षिक सम्मेलन जैसे आयोजनों के लिए हमारे शानदार पूर्व छात्रों को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित करने के लिए सीसीए के साथ सहयोग किया।

द बार्बरशॉप पॉडकास्ट

'द बार्बरशॉप विद शांतनु' पॉडकास्ट के चौथे सीजन का पायलट एपिसोड इस वर्ष भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें शांतनु देशपांडे (संस्थापक सीईओ, बॉम्बे शेविंग कंपनी, पूर्व-मैकिंसे) और अभिषेक गांगुली (सह-संस्थापक और सीईओ, एजिलिटास, पूर्व-एमडी, प्यूमा) थे। पॉडकास्ट से पहले हमारे छात्रों के साथ पूर्व छात्रों का एक अनौपचारिक सत्र था, जहाँ छात्रों ने पूर्व छात्रों से तत्काल प्रश्न पूछे। पॉडकास्ट अगले दिन शूट किया गया, जिसके बाद फिर से दर्शकों के प्रश्न थे।

Lucknow

पूर्व छात्र गतिविधियाँ – नोएडा परिसर

1. पूर्व छात्र समिति नोएडा परिसर:

2024-25 में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ - नोएडा परिसर पूर्व छात्र समिति (पीजीपी-एसएम, आईपीएमएक्स और पीजीपी-डब्ल्यूई के प्रतिनिधियों सहित) ने विभिन्न विषयों पर पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला (एटीएस) सत्र आयोजित किए और इन सत्रों में हाल के और वरिष्ठ पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की।

i. माइक्रोसॉफ्ट में एक आईपीएमएक्स-3 के पूर्व छात्र और वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक, सौरभ शर्मा ने उत्पाद प्रबंधन में एक सफल करियर बनाने पर अपनी प्रेरणादायक यात्रा और अंतर्दृष्टि साझा की। आईपीएमएक्स17 के लिए पहले एटीएस सत्र के रूप में, सौरभ ने अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक अनुभवों को साझा करके माहौल तैयार किया था। उन्होंने आईआईएम एल में अपने अनुभवों को साझा करके शुरुआत की, और अपने करियर के प्रक्षेपवक्र जिसमें परामर्श से उत्पाद प्रबंधन में जाने की उनकी यात्रा शामिल थी।

ii. वैदम के सह-संस्थापक और एक आईपीएमएक्स-4 के पूर्व छात्र, पंकज चंदाना ने एक तकनीकी पेशेवर से उद्यमी तक की अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की। उन्होंने टेक महिंद्रा से वैदम लॉन्च करने के अपने संक्रमण पर चर्चा की, वित्तीय तैयारी पर जोर दिया और असफलता के डर पर काबू पाया। उनके सत्र ने रोगी की जरूरतों, बाजार के विस्तार और एक बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप बनाने की चुनौतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। उनके अनुभवों ने समान करियर बदलावों को नेविगेट करने वाले इच्छुक उद्यमियों के लिए एक रोडमैप प्रदान किया।

iii. इस वर्ष पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला के लिए हमारी पहली महिला वक्ता और एक आईपीएमएक्स6 की पूर्व छात्रा, अंकुर ने 6 जून, 2024 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ (नोएडा परिसर) में एक आकर्षक सत्र के दौरान आईटी से विनिर्माण और नेतृत्व तक की अपनी यात्रा साझा की। सत्र के दौरान, वह श्नाइडर इलेक्ट्रिक में एक वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता थीं, लेकिन तब से वह इकोलैब में अपने नए पद इंडिया डिवीजन लीड फॉर एफएंडबी में स्थानांतरित हो गई हैं। उन्होंने करियर संक्रमण में आईपीएमएक्स की भूमिका और कार्यनीति और समस्या-समाधान में दूरदर्शी नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र में नेतृत्व में महिलाएँ, करियर विकास और कार्यनीति को शामिल किया गया, जिससे छात्रों को सफलता के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

iv. रीन्यू में एवीपी, अंतरराष्ट्रीय बीडी और सेल्स और एक आईपीएमएक्स7 के पूर्व छात्र, निकुंज नगालिया ने 4 अगस्त, 2024 को भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ (नोएडा परिसर) में एक आकर्षक पूर्व छात्र वार्ता के दौरान ऊर्जा क्षेत्र, हरित हाइड्रोजन और कार्बन बाजारों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। उन्होंने प्लेसमेंट को नेविगेट करने और वैश्विक व्यापार प्रदर्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय विसर्जन का लाभ उठाने पर बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए उनके जुनून ने छात्रों को अपने आईपीएमएक्स के बाद के करियर को उद्देश्य और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

v. एसएम01 के पूर्व छात्र और कॉमनवेल्थ नेशनल क्लाइमेट फाइनेंस एडवाइजर - मालदीव, द कॉमनवेल्थ सेक्रेटेरिएट, सागर सृजन जोशी ने एक आकर्षक पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला सत्र के दौरान जलवायु नीति, जलवायु वित्त और वैश्विक सततता के अवसरों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की, मूल्यवान करियर सलाह और सीओपी 29 में अपने अनुभवों से अंतर्दृष्टि प्रदान की।

vi. कमिंस इंडिया के मुख्य कार्यनीति अधिकारी, सुब्रमण्यम चिदंबरन (2011 का पीजीपी बैच) ने एटीएस सत्र में पीजीपी-एसएम छात्रों के साथ डीकार्बोनाइजेशन, हाइड्रोजन ईंधन प्रौद्योगिकी और सतत ऊर्जा में संक्रमण की वित्तीय और कार्यनीतिक चुनौतियों पर विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि साझा की।

vii. एमएससीआई इंक. में एक वरिष्ठ सहयोगी और एसएम05 की पूर्व छात्रा, अनुभूति मित्तल ने ईएसजी रेटिंग में अपनी प्रेरणादायक करियर यात्रा साझा की, क्षेत्र-विशिष्ट सततता प्रथाओं पर चर्चा की, और पीजीपी-एसएम छात्रों के लिए बहुमूल्य करियर अंतर्दृष्टि और सुझाव प्रदान किए।

viii. पेटीएम मनी में ग्रोथ मार्केटिंग मैनेजर और एसएम04 के पूर्व छात्र, प्रशांत गुप्ता ने "उत्पाद प्रबंधन और ग्रोथ मार्केटिंग" पर एक आकर्षक सत्र दिया, जिसमें फिनटेक और उत्पाद प्रबंधन पर एसएम10 छात्रों के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और एक मिनी-केस कार्यशाला की पेशकश की गई।

2. पूर्व छात्रों ने छात्रों को सही करियर पथ खोजने और नौकरी के साक्षात्कारों की तैयारी में मदद करने वाले परामर्श कार्यक्रमों पर छात्रों के साथ संलग्न किया। मार्गदर्शन: प्रमुख परामर्श कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व छात्र नेटवर्क के साथ घनिष्ठ संबंध को बढ़ावा देना है, जो अपनी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि साझा करके वर्तमान पीजीपी-एसएम बैचों के लिए संरक्षक के रूप में काम कर सकते हैं। एक महीने के दौरान, पीजीपी-एसएम के पूर्व छात्रों के साथ कई सत्र आयोजित किए गए, जिससे वर्तमान छात्रों को परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी में एक-एक सहायता प्रदान की गई।

पूर्व छात्र मिक्सर सत्र: पीजीपी-एसएम छात्रों के लिए ऑनलाइन पूर्व छात्र मिक्सर सत्र में स्टेट स्ट्रीट ग्लोबल एडवाइजर्स में ईएसजी टीम लीड शमन श्रीवास्तव और इंडसइंड बैंक में प्रोग्राम लीड संबित कुमार सुबुद्धि ने वित्तीय क्षेत्र में ईएसजी कार्यनीतियों और कार्यक्रम प्रबंधन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

3. इस वर्ष, आईपीएमएक्स ने पूर्व छात्रों और छात्रों के बीच की खाई को पाटने के लिए "कॉर्पोरेट कनेक्ट" पहल शुरू की। इन सत्रों में हाल के स्नातक अपने साक्षात्कार के अनुभवों और अपने संगठनों में अंतर्दृष्टि साझा करते हैं, जो उन्हीं कंपनियों के लिए तैयारी कर रहे छात्रों को अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। आधिकारिक प्री-प्लेसमेंट वार्ता के पूरक के रूप में, कॉर्पोरेट कनेक्ट कंपनी की संस्कृति, करियर विकास और वास्तविक दुनिया की अपेक्षाओं पर एक प्रत्यक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे छात्रों को आत्मविश्वास के साथ अपनी नौकरी की खोज को नेविगेट करने में मदद मिलती है।

इस पहल के तहत, पूर्व छात्र समिति ने 10 से अधिक संवादात्मक सत्रों की मेजबानी की है, जिससे छात्रों को हाल के स्नातकों के साथ सीधे जुड़ने के लिए एक मंच तैयार हुआ है। ये सत्र व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने, छात्रों को सूचित करियर निर्णय लेने में मदद करने और साक्षात्कार और कॉर्पोरेट जीवन के लिए उनकी तैयारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं।

4. संवाद – नोएडा चैप्टर:

वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन ने 29 सितंबर को नोएडा परिसर में नवाचार और सहयोग के एक दिन के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ पूर्व छात्र समुदाय को एक साथ लाया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ नोएडा परिसर के डीन प्रो. अजय सिंह, केयरटलेन के सह-संस्थापक श्री अवनीश आनंद, पूर्व छात्र मामलों के अध्यक्ष प्रो. यश दौलतानी और अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह दिन सम्मेलन के विषय: 'व्यापार व्यवधानों की यात्रा को अपनाना' पर आकर्षक चर्चाओं से भरा था।

मुख्य वक्ता **श्री अवनीश आनंद** ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे व्यवधान नवाचार को बढ़ावा देते हैं, विशेष रूप से मानव रचनात्मकता के पूरक के रूप में एआई पर जोर देते हुए। इस कार्यक्रम में तीन पैनल शामिल थे:

पैनल 1 – "स्टार्टअप: दृष्टि से व्यवहार्यता तक" जिसमें उद्योग के नेतृत्वकर्ता नीरज सक्सेना (सीईओ, एक्सस्केल ग्लोबल), जयदीप मनचंदा (वीपी डिजिटल, एडफैक्टर्स पीआर), प्रतीक ओझा (संस्थापक और सीईओ, डेलबर्टो ईकॉम प्राइवेट लिमिटेड), अवनीश आनंद (सह-संस्थापक, कैरेटलेन), और अंशिका अग्रवाल (एसोसिएट डायरेक्टर, वॉल्टस ग्रीन फंडिंग) ने लचीले व्यापार मॉडल पर चर्चा की।

पैनल – 2 – "प्रभाव को अधिकतम करना: कार्यनीति, एनालिटिक्स और निवेश," प्रो. रंजन द्वारा संचालित, जिसमें पैनलिस्ट निमिष गुप्ता (बीसीजी एक्स), भीष्म अत्री (जेनपैक्ट), ध्रुव मलिक (एक्सेंचर), और ऐश्वर्या नायर (एलएसईजी) ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि डेटा और कार्यनीतिक निवेश व्यापार परिवर्तन को कैसे बढ़ावा देते हैं।

पैनल 3 – "उद्योगों में सततता और विपणन को बढ़ावा देना," प्रो. कौशिक आर. बंद्योपाध्याय द्वारा संचालित, जिसमें तेजस चौधरी (यूनिलीवर), चंद्रशेखर कुमार (ईईएसएल), आकांक्षा सिंह (रेडिसन होटल ग्रुप), और अनुभूति मित्तल (एमएससीआई इंक.) ने भविष्य की व्यापार कार्यनीतियों में सततता की भूमिका पर चर्चा की।

'संवाद 2024' ने हमारे पूर्व छात्र नेटवर्क की ताकत का प्रदर्शन किया, जिसका समापन पूर्व छात्र समिति की ओर से हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

5. नॉस्टैल्जिया 2025: भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ नोएडा परिसर में घर वापसी उत्सव

1 फरवरी, 2025 को, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का नोएडा परिसर जीवंत हो उठा जब पूर्व छात्र नॉस्टैल्जिया 2025 के लिए एकत्र हुए, जो उनके एमबीए के दिनों के बंधन, मजाक और आनंद का जश्न मनाने वाला एक विशेष पुनर्मिलन था। आईपीएमएक्स, पीजीपी-एसएम और पीजीपी-डब्ल्यूई सहित विभिन्न कार्यक्रमों के पूर्व छात्र उन क्षणों को फिर से जीने के लिए लौटे जिन्होंने उनकी यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया।

नॉस्टैल्जिया 2025 के मुख्य बिन्दु:

- हृदय से से स्वागत और पुनर्मिलन: पूर्व छात्रों ने पुरानी तस्वीरों पर हंसी, गले लगने और चाय साझा करते हुए हार्दिक पुनर्मिलन का आनंद लिया।
- उद्घाटन और भावनात्मक यात्रा: इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. यश दौलतानी और पूर्व छात्र प्रतिनिधियों के भावनात्मक स्वागत के साथ हुई।
- 'हेल'ओ आवर' चैलेंज: पूर्व छात्रों ने एक मजेदार बिजनेस केस प्रतियोगिता के लिए टीमें बनाईं, जिससे कक्षा की बहस और रचनात्मक पिचों को फिर से जीवंत किया गया।
- प्रोफेसर आर.के. श्रीवास्तव के साथ क्लासरूम फ्लैशबैक: प्रिय प्रोफेसर के साथ एक विशेष सत्र ने कठोर शैक्षणिक चर्चाओं की यादें ताजा कर दीं।
- लाइव बैंड और दावत: इस कार्यक्रम का समापन एक जादुई लाइव बैंड प्रदर्शन, संगीत, हंसी और सितारों के नीचे एक स्वादिष्ट दावत के साथ हुआ।

नॉस्टैल्जिया 2025 एक कार्यक्रम से बढ़कर था - यह स्थायी दोस्ती, संजोई यादों और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की अटूट विरासत का उत्सव था।

छात्र निकाय गतिविधियाँ

छात्र समिति

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में छात्र समिति संस्थान की प्रतिष्ठा और मूल मूल्यों को बनाए रखते हुए छात्र निकाय का प्रतिनिधित्व करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्रों और प्रशासन के बीच एक संपर्क के रूप में कार्य करते हुए, यह छात्र हितों की वकालत करती है और आवश्यकताके समय में सहायता प्रदान करती है।

समिति अवसंरचना में सुधार, सांस्कृतिक और खेल के अनुभवों में वृद्धि, और खाद्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने सहित शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पहलुओं की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करके परिसर के जीवन के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, यह छात्र क्लबों और समितियों की निगरानी करती है, आईआईएमएल के नाम और लोगो के उपयोग को नियंत्रित करती है, और थोक खरीद आवश्यकताओं के लिए बाहरी विक्रेताओं के साथ समन्वय का प्रबंधन करती है। समिति में अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, शैक्षणिक सचिव, कार्यक्रम सचिव, सांस्कृतिक सचिव, अवसंरचना और आईटी सचिव, मेस सचिव और खेल सचिव जैसे प्रमुख पद शामिल हैं।

यह 40 से अधिक छात्र-नेतृत्व वाले क्लबों, समितियों, शैक्षणिक रुचि समूहों और छात्र-संचालित उद्यमों के कामकाज की भी देखरेख करती है।

अभिव्यक्ति

अभिव्यक्ति भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में अभिव्यक्ति, कहानी कहने और प्रदर्शन कला का एक उत्सव है। नाट्य मंचन पर एक मजबूत ध्यान के साथ, क्लब छात्रों को मंच पर और स्क्रीन पर अभिनय, लेखन, निर्देशन और उत्पादन का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। नुक्कड़ नाटकों से लेकर मंचीय नाटकों और डिजिटल सामग्री तक, अभिव्यक्ति का उद्देश्य मनोरंजन करना और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह क्लब रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, सहयोग को प्रोत्साहित करता है, और एक ऐसा स्थान प्रदान करता है जहाँ छात्र अपनी नाट्य प्रतिभा को निखार सकते हैं और साथ ही साथ सामाजिक कथाओं के साथ गहराई से जुड़ सकते हैं। चाहे व्यंग्य, भावना, या प्रभाव-संचालित प्रदर्शनों के माध्यम से हो, अभिव्यक्ति लगातार कहानियों को महत्वपूर्ण बनाने का प्रयास करती है।

पूर्व छात्र समिति

पूर्व छात्र समिति संस्थान और उसके पूर्व छात्रों के बीच एक महत्वपूर्ण इंटरफेस के रूप में कार्य करती है। समिति के माध्यम से, हमारे शानदार पूर्व छात्र कॉलेज के साथ भाईचारे और स्थायी निरंतरता की भावना को बढ़ावा देते हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी के साथ, समिति और संस्थान अकादमिक, पेशेवर, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

इस संबंध में, समिति कई जीवंत गतिविधियों की मेजबानी करती है। कैलेंडर की शुरुआत आरंभिक प्रेरण कार्यक्रम से होती है, जहाँ छात्रों को हमारे पूर्व छात्रों द्वारा तीन दिनों तक परिसर के जीवन के माध्यम से मार्गदर्शन किया जाता है। इसके बाद संवाद, हमारा वार्षिक सम्मेलन आता है, जिसमें 4 पैनलों में चर्चा होती है, जिसमें प्रत्येक पैनल में 120 से अधिक छात्र होते हैं। सम्मेलन के साथ, एक केस प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। नेक्सस चुनिंदा संस्थानों के लिए विशेष केस प्रतियोगिताओं के लिए एक अंतर बी-स्कूल सहयोग है। हमारे छात्रों के प्लेसमेंट में सहायता करने के लिए, नेतृत्व वर्तमान छात्रों और निपुण पूर्व छात्रों के बीच के सेतु को मजबूत करता है, जो छात्रों को महत्वपूर्ण मॉक साक्षात्कार में मदद करते हैं। समिति हमारे पूर्व छात्रों के साथ पॉडकास्ट की एक श्रृंखला भी आयोजित करती है, जिसमें उनकी मूल्यवान अंतर्दृष्टि को आत्मसात किया जाता है। अंत में, नॉस्टैल्जिया, हमारा वार्षिक पूर्व छात्र पुनर्मिलन आयोजित किया जाता है। तीन दशकों को कवर करने वाले पाँच बैचों को आमंत्रित करते हुए, यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों और उनकी संजोई यादों को एक साथ लाता है, जो उनके सर्वोत्तम समय के लिए तीन दिवसीय रिट्रीट के रूप में होता है।

आर्ट स्ट्रोक्स

आर्ट स्ट्रोक्स भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का कला क्लब है, और इस वर्ष, आर्ट स्ट्रोक्स ने गर्व से तीन प्रभावशाली आयोजनों के माध्यम से रचनात्मकता, सहयोग और सामुदायिक भावना का जश्न मनाया। परिचय कला प्रदर्शनी ने 40 से अधिक जीवंत प्रस्तुतियों के साथ आने वाले बैच का स्वागत किया, जिससे परिसर कल्पना और प्रतिभा की एक गैलरी में बदल गया। प्रमुख कार्यक्रम आर्ट कार्निवल में मोमबत्ती बनाने, टी-शर्ट पेंटिंग, टोट बैग पेंटिंग, कैनवास कला और मिट्टी के खिलौने बनाने जैसी गतिविधियों में 400 से अधिक लोगों ने भारी भागीदारी की। प्रत्येक गतिविधि ने आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त बनाया और प्रतिभागियों को स्थायी स्मृति चिन्ह दिए। आर्ट स्ट्रोक्स ने भविष्य के साथ सहयोग किया और हार्मनी कप 2025 के लिए सजावट स्थापित की, जिसमें एक व्यापक रूप से पसंद किया गया फोटो बूथ भी शामिल था, जिससे डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी और सीखने की अक्षमताओं वाले बच्चों के लिए ₹1.44 लाख जुटाने में मदद मिली। आर्ट स्ट्रोक्स प्रेरणा, अभिव्यक्ति और प्रभाव के लिए एक कैनवास बना हुआ है, जो पूरे परिसर में कलाकारों और उत्साही लोगों को एक साथ लाता है।

भविष्य

भविष्य ने वर्ष 2024-25 में प्रमुख परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से अपनी समावेशी विकास प्रतिबद्धता विकसित की। हमने नियमित आधार पर सह-पाठयक्रम कार्यक्रमों के साथ-साथ मानक शिक्षाविदों का संचालन करते हुए तीस से अधिक छात्रों को जोड़कर अपनी शाम की स्कूल में नामांकन बढ़ाया। हमने अपनी होप पहल के चरण 1 के तहत मुबारकपुर प्राथमिक विद्यालय को खेल उपकरण दान किए और चरण 2 के अवसंरचना नियोजन के साथ आगे बढ़े। ग्राम विकास अभियान में 20 शैक्षिक किट वितरित करना शामिल था, जबकि हमने भविष्य में खेल अवसंरचना सहायता के लिए अन्य ग्रामीण स्कूलों का चयन किया। 2 रक्त दान शिविरों के माध्यम से हमारी स्वास्थ्य सेवा गतिविधियों के परिणामस्वरूप केजीएमयू अस्पताल और आकांक्षा फाउंडेशन के साथ सहयोग करके 120 से अधिक रक्त इकाइयाँ एकत्रित हुईं। आईआईएमएल में सहायक कर्मचारियों में से 120 कर्मचारियों के लिए एक श्रमिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया था। विकासात्मक अक्षमताओं वाले बच्चों को हार्मनी कप 2025 गतिविधि के दौरान ₹1.5 लाख प्राप्त हुए, जिसमें 400 से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी के माध्यम से खेल उत्साही और सामाजिक समर्थक दोनों एकत्र हुए। बाल दिवस के कार्यक्रम ने 30 बच्चों को टीम-निर्माण सत्रों के माध्यम से प्रसन्न किया जिसमें एक फिल्म स्क्रीनिंग और उसके बाद उपहार वितरण शामिल था। वस्त्र अभियान के प्रति हमारे प्रयासों से 1,000 से अधिक वस्त्रों के साथ-साथ श्रमिकों के चिकित्सा खर्चों में मदद के लिए ₹1.2 लाख और फ्लैग डे गतिविधियों के लिए ₹20,000 का वित्त पोषण हुआ। हमारे विभिन्न कार्यक्रमों ने सामुदायिक सहानुभूति से प्रेरित स्थानीय परिवर्तनों के प्रति हमारी मुख्य प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

बिजटेक

बिजटेक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में सिस्टम्स और टेक्नोलॉजी एकेडमिक इंटरेस्ट ग्रुप, छात्रों को व्यावसायिक समस्याओं को हल करने के लिए सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी प्रणालियों को लागू करने में सक्षम बनाने और उन्हें डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और डिजिटल परिवर्तन से परिचित कराने पर केंद्रित है। यह समूह छात्रों को उत्पाद प्रबंधन, आईटी और एनालिटिक्स में भूमिकाओं के लिए तैयार करने के लिए केस प्रतियोगिताएं, वक्ता सत्र और लाइव प्रोजेक्ट आयोजित करता है। प्रमुख आयोजनों में प्राज्ञेय श्रीभाष्यम (आईआईएम एल के पूर्व छात्र, स्टाफ पीएम @ वॉलमार्ट) के साथ उत्पाद प्रबंधन को सरल बनाना और कुख्यात रेडबस केस के लेखक, एक सीरियल उद्यमी, अनुभवी उत्पाद प्रबंधक श्री अमित निगम के साथ बिजटॉक शामिल हैं। समर्स प्रेप सत्रों में पीएम फ्रेमवर्क और लाइव पीआई केस विश्लेषण शामिल थे, जबकि एचईपीपी/फाइनल्स प्रेप में पीजीपी37 और पीजीपी38 से पूर्व छात्रों के सीवी समीक्षा स्लॉट, जीटीएम पर सत्र, ब्लू स्काई कार्यनीतियों और मूल कारण विश्लेषण भी आयोजित किए गए। बिजटेक की उल्लेखनीय उपलब्धियों में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के 5वें उत्पाद प्रबंधन उत्सव, इन्फ्लेक्शन पॉइंट का संचालन शामिल है, जिसमें इनोवेट, इनसाइटिफाई, प्रोडविज और टेक ट्रिविया जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्होंने आयोजनों में 3600 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया और पर्याप्त पुरस्कार प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, बिजटेक ने उत्पाद प्रबंधन और एनालिटिक्स की तैयारी के लिए गाइड लॉन्च किए और ई-कॉमर्स, ट्रैवलटेक, हेल्थटेक, एडटेक, आपूर्ति श्रृंखला, एफएमसीजी, फिनटेक और गेमिंग उद्योगों में तकनीकी परिवर्तनों पर उद्योग प्राइमर प्रकाशित किए, जिससे छात्र की तैयारी और उद्योग ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

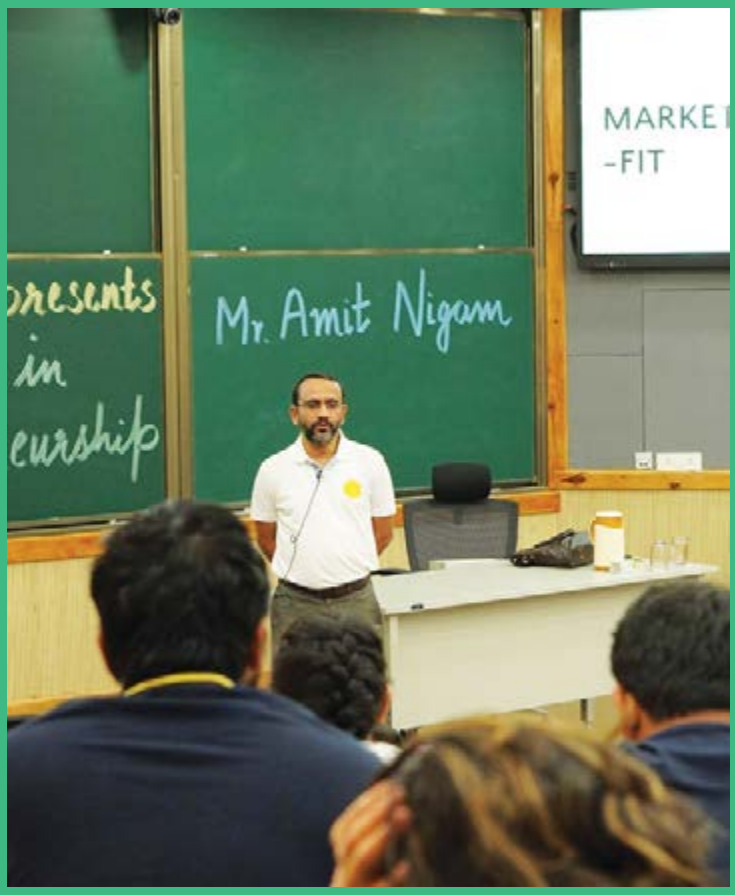

कंसल्टिंग और कार्यनीति क्लब (सीएससी)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का कंसल्टिंग और कार्यनीति क्लब (सीएससी), 2003 में एक एकेडमिक इंटरेस्ट ग्रुप के रूप में स्थापित, प्रबंधन परामर्श और कार्यनीति में रुचि और योग्यता को पोषित करने के लिए समर्पित है। सीएससी छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट्स के माध्यम से उद्योग का अनुभव प्राप्त करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है, जो अर्बन कंपनी, जायडस वेलनेस और राजस्थान सरकार जैसे संगठनों से चुनौतीपूर्ण समस्याओं को परिसर में लाता है। हमारे प्रमुख कार्यक्रम, स्ट्रैटिजिया 2025 में तीन राष्ट्रीय केस प्रतियोगिताओं में 3,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसमें बीसीजी के साथ एस द केस और समग्र के साथ स्ट्रैटजिस्ट शामिल हैं। इस वर्ष, हमने आईआईमर्शन, एक विशेष स्नातक केस प्रतियोगिता भी शुरू की, और मास्टरकार्ड के साथ बेस्ट मैनेजर जैसे तीन भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ -विशेष आयोजनों की मेजबानी की। सीएससी हमारी केस-सॉल्विंग कार्यशाला श्रृंखला-इलुमिनारे-का आयोजन करके, 600 से अधिक केस स्लॉट का प्रबंधन करके, और एक व्यक्तिगत परामर्श पहल ऑक्सिलियम शुरू करके प्लेसमेंट की तैयारी पर महत्वपूर्ण जोर देता है। क्लब ने 90 से अधिक केस अनुभवों, विस्तृत उद्योग प्राइमरों, केस फ्रेमवर्क और गेस्टिमेट गाइड की विशेषता वाली भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ केसबुक 2025 सहित व्यापक तैयारी सामग्री विकसित की है। इसके अतिरिक्त, हमारा यूट्यूब चैनल, जिसके 5,000 से अधिक सब्सक्राइबर हैं, विभिन्न केस-सॉल्विंग वीडियो प्रदान करता है, और हम बैच को परामर्श की दुनिया में नेविगेट करने में मदद करने के लिए हर साल मैकिंसे के साथ सीवी मेकिंग और बीसीजी के साथ अनबॉक्सिंग कंसल्टिंग जैसे कंपनी कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

क्रैक टैंक

क्रैक टैंक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का केस प्रतियोगिता तैयारी क्लब, ने परिसर में एक मजबूत समस्या-समाधान संस्कृति के निर्माण पर केंद्रित एक गतिशील और प्रभावशाली वर्ष बिताया। क्लब ने वर्ष की शुरुआत एक आकर्षक बिजनेस क्विज के साथ की, जिसने छात्रों की कार्यनीतिक सोच और व्यावसायिक ज्ञान का परीक्षण किया ताकि उन्हें कंपनी केस प्रतियोगिताओं के स्क्रीनिंग राउंड के लिए तैयार करने में मदद मिल सके। मुख्य आकर्षणों में से एक भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र के साथ एक समृद्ध सत्र था, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिताओं को क्रैक करने, संरचित टीम निर्माण के महत्व और इन अनुभवों ने उनके पेशेवर यात्रा को कैसे आकार दिया, पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की- जिससे छात्र प्रेरित और बेहतर ढंग से सूचित हुए। इसके अतिरिक्त, क्रैक टैंक ने शीर्ष राष्ट्रीय केस प्रतियोगिताओं से 10 से अधिक विजेता डेक की विशेषता वाला एक सावधानीपूर्वक क्यूरेटेड संग्रह जारी किया, जिसमें छात्रों को उनकी तैयारी का समर्थन करने के लिए वास्तविक दुनिया के उदाहरण और संरचित फ्रेमवर्क की पेशकश की गई। इस पहल को केस क्रैकिंग प्रक्रिया को सरल बनाने और छात्रों को बेहतर कार्यनीति बनाने में मदद करने के लिए ठोस मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था। हमने प्रथम वर्ष के छात्रों को उनकी केस प्रतियोगिता यात्रा में डेक समीक्षा के साथ परामर्श भी दिया, जिससे उन्हें केस क्रैक करने और पीपीआई सुरक्षित करने में मदद मिली। इन प्रयासों के माध्यम से, क्रैक टैंक आईआईएमएल समुदाय को व्यावसायिक समस्या-समाधान के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संसाधनों, परामर्श और अवसरों के साथ सशक्त बनाना जारी रखता है।

क्रेडेंस कैपिटल

क्रेडेंस कैपिटल एक निवेश-उन्मुख क्लब है जिसका उद्देश्य निवेश विश्लेषण के माध्यम से भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ समुदाय के वित्तीय बाजारों, संपत्ति बाजारों और व्यक्तिगत वित्त के ज्ञान को बढ़ाना है। 2005 में स्थापित, यह क्लब संस्थान के सबसे बड़े छात्र-संचालित निवेश कोष का प्रबंधन करता है, जो लगातार बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन करता है। यह सक्रिय रूप से 20 से अधिक क्षेत्रों को ट्रैक करता है, ट्रेडिंग और निवेश पर शिक्षण सत्र आयोजित करता है, और अध्ययन सामग्री, भूमिका-विशिष्ट सामग्री और मॉक साक्षात्कार सत्रों के माध्यम से वित्त प्लेसमेंट की तैयारी में छात्रों का समर्थन करता है। 2024-25 में, क्लब ने वैश्विक मैक्रोइकॉनॉमिक रुझानों पर एक सत्र के लिए श्री सत्यकाम गौतम (ट्रेडर, आईसीआईसीआई बैंक) की मेजबानी की, जिससे छात्रों को समर प्लेसमेंट की तैयारी में मदद मिली। इसने उद्योग की समझ में सुधार के लिए 16 सेक्टर रिपोर्ट भी साझा कीं। हमने निवेश 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें पैनल चर्चा, मुख्य सत्र और व्यवहारिक वित्त, निवेश के रुझान और बाजार नियमों पर कार्यशालाएँ शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, हमने भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद, बैंगलोर और कलकत्ता के सहयोग से एक वित्त पत्रिका, बॉटमलाइन प्रकाशित की, जिसमें प्रोफेसरों, पूर्व छात्रों और छात्रों से मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। इन पहलों के माध्यम से, क्रेडेंस कैपिटल एक मजबूत निवेश संस्कृति को बढ़ावा देना जारी रखता है, जबकि छात्रों को वित्त में सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करता है।

सांस्कृतिक समिति

सांस्कृतिक समिति भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में एक समर्पित दो-वर्षीय प्रयास के रूप में काम करती है, जिसका एक विशिष्ट मिशन है: ढेर सारे आयोजनों, समारोहों, त्योहारों और समारोहों के साथ परिसर के जीवन के आनंद और उत्साह को बढ़ाना। हमारा व्यापक उद्देश्य छात्रों की दो-वर्षीय यात्रा के हर चरण में खुशी के क्षणों को बुनना है, जो जीवंत "फ्रेशर्स" कार्यक्रम से शुरू होकर हार्दिक "फेयरवेल" सभा में समाप्त होता है। हम प्रत्येक छात्र के जीवन को रोशन करने और उन्हें खुद को व्यक्त करने और परिसर के जीवन की शैक्षणिक सुदृढ़ता और तीव्रता के बाहर घर जैसा महसूस करने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करने में विश्वास करते हैं। पिछले एक साल में, हमने विभिन्न छात्र जुड़ाव और उत्सव की पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे हमारे प्रिय परिसर को एक अधिक खुशहाल और जीवंत समुदाय में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

अर्थ

अर्थ क्लब भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की सततता शाखा है, जो परिसर समुदाय के बीच पर्यावरणीय जागरूकता और जिम्मेदार जीवन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आयोजनों, अभियानों और सोशल मीडिया आउटरीच के माध्यम से, हमारा उद्देश्य सतत मूल्यों को स्थापित करना और पर्यावरण के प्रति जागरूक कार्यों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम: एनवायरोपेन - अनस्टॉप पर आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रतियोगिता, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक सततता के आसपास संवाद को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रस्तुतियों के साथ उत्साही भागीदारी देखी गई और 24,000 से अधिक इंप्रेशन तक पहुँची। शीर्ष कॉलेजों के छात्रों ने नवीन विचारों को साझा किया, जिससे सतत व्यावसायिक प्रथाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ी। गिफ्ट ए प्लांट - व्यक्तिगत सुविधाओं के साथ पर्यावरण के अनुकूल उपहार देने की दिशा में एक पहल। इस कार्यक्रम ने हरे रंग के उपहार देने को बढ़ावा दिया, जबकि पौधों के भावनात्मक और पर्यावरणीय मूल्य पर प्रकाश डाला। ऐसी पहलों के माध्यम से, अर्थ क्लब सततता को रचनात्मकता और सामुदायिक जुड़ाव के साथ मिलाकर सकारात्मक बदलाव लाना जारी रखता है।

उद्यमिता प्रकोष्ठ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का उद्यमिता प्रकोष्ठ परामर्श, लाइव प्रोजेक्ट्स, नेटवर्किंग और प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके उद्यमशीलता के जुनून को प्रज्वलित करता है। वर्ष की शुरुआत सिडबी सेंटर फॉर फाइनेंशियल इंक्लूजन (एससीआईएफआई) के साथ एक मजबूत सहयोग के साथ हुई ताकि छात्रों को फिनटेक, एग्रीटेक और ग्रामीण आजीविका स्टार्टअप की खोज करने की अनुमति मिल सके। मुख्य कार्यक्रम ई-समिट 2025 - एन्फिलिया में भारत के शीर्ष बी-स्कूलों से 100 से अधिक उपस्थित लोग थे। कुछ मुख्य कार्यक्रम थे: अन्वेषण: 200 से अधिक प्रस्तुतियाँ, एवेंचुरा: 180 से अधिक गेम-चेंजिंग विचारों को प्रस्तुत किया गया, डेपिक्ट: 100 से अधिक स्टार्टअप पिच। वक्ता सत्रों को अमन धत्तरवाल, रवि प्रकाश, नयन भेड़ा और अन्य प्रसिद्ध एडटेक संस्थापकों जैसे ऊर्जावान संस्थापकों द्वारा संबोधित किया गया, जिससे एड-टेक नवाचार, सामग्री लोकतंत्रीकरण और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप अनुभवों पर चर्चा शुरू हुई। ई-सेल ने हमेशा लोकप्रिय आईपीएल नीलामी का भी आयोजन किया, शीर्ष उद्यमियों और उद्योग के पेशेवरों के साथ जुड़ाव के माध्यम से छात्र सीखने को बढ़ाने वाले लाइव प्रोजेक्ट चलाए।

फोर्टी टू फोर्टी टू

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का साहित्यिक क्लब है जिसका उद्देश्य परिसर में साहित्य के प्रति प्रेम को विकसित और जश्न मनाना है। कविता, कहानी कहने और अभिव्यंजक लेखन पर ध्यान देने के साथ, क्लब ने वर्षों से विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया है। हमारा प्रमुख कार्यक्रम, जश्न-ए-इश्का, वेलेंटाइन डे पर लौटा, जिसमें 25 से अधिक प्रतिभागियों और कविता किस्से कहानियाँ में मीडिया भागीदारों के साथ प्यार और दोस्ती के लिए एक काव्यात्मक श्रद्धांजलि दी गई, जिसमें उनके हार्दिक छंद साझा किए गए। जज्बात, हमारी ओपन माइक नाइट परंपरा, दिसंबर के तारों से भरे आकाश के नीचे, ने एक बड़े, उत्साही दर्शकों को आकर्षित किया। क्लब ने गर्व से हमारी डिजिटल पत्रिका इंक स्टेंस के दो संस्करण जारी किए और उन्हें पहली बार मुद्रित किया, जिससे योगदानकर्ताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। हमने इंस्टाग्राम पर 'साइट्स ऑफ हेल' शुरू किया और सीमाओं से परे अभिव्यक्ति को सक्षम करने और साहित्यिक भावना को दैनिक रूप से जीवित रखने के लिए अपना लिंक्डइन पेज लॉन्च किया। फोर्टी टू ने मैनफेस्ट-वर्चस्व, नॉस्टैल्जिया और गणतंत्र दिवस और हिंदी दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोहों में प्रदर्शन सहित अन्य सीसीए के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया। इन पहलों के माध्यम से, फोर्टी टू भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में आवाजों को पोषित करना और एक जीवंत साहित्यिक समुदाय का निर्माण करना जारी रखता है।

हेलिक्स –

मानव संसाधन शैक्षणिक रुचि समूह हेलिक्स, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का मानव संसाधन प्रबंधन शैक्षणिक रुचि समूह, ने 2024-25 में, मानव संसाधन जागरूकता, कौशल और उद्योग की तैयारी को बढ़ाने के उद्देश्य से चार प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए। परिप्रेक्ष्य, विचार, उद्भव और समावेश। वक्ता सत्र से लेकर मानव संसाधन साक्षात्कार की तैयारी और कुशल सीवी विकास के माध्यम से छात्रों को शिक्षित करने से लेकर "जेन जेड की अपेक्षाएँ और काम का भविष्य" पर विचारों की तलाश करने वाली लेख-लेखन प्रतियोगिता तक। इसने लचीलेपन, उद्देश्य और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बदलती कार्यबल की महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डाला, जिससे परिसरों में गंभीर चर्चा हुई। उद्भव, प्रमुख केस प्रतियोगिता, "कार्यबल कार्यनीति को पुनर्जीवित करना" पर केंद्रित थी। 750 से अधिक पंजीकरण के साथ, इस कार्यक्रम ने कार्यनीतिक मानव संसाधन सोच को चुनौती दी, कॉर्पोरेट परिवर्तन में कर्मचारियों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। समावेश, रंग - द प्राइड क्लब के सहयोग से आयोजित, एक आकर्षक प्रारूप में विविधता, समानता और समावेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने, संवाद और सहानुभूति को प्रोत्साहित करने के लिए।

अवसंरचना और लेखा परीक्षा समिति (आईएसी)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में अवसंरचना और लेखा परीक्षा समिति पूरे शैक्षणिक वर्ष में लाभकारी सौदे हासिल करके और परिसर की अवसंरचना की देखरेख करके छात्र सुविधा को बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमारा सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम ब्लूडार्ट के साथ साझेदारी में "कैंपस टू होम" और "होम टू कैंपस" लॉजिस्टिक्स सौदे थे, जिससे सामान शिपिंग पर 50% से अधिक की छूट मिली, जिससे अंततः 800 से अधिक छात्रों को मदद मिली। प्लेसमेंट के लिए पेशेवर पोशाक के महत्व को समझते हुए, हमने व्यावसायिक सूट के लिए विशेष सौदों की सुविधा दी, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र अच्छी तरह से तैयार और आत्मविश्वासी हों। परिसर की गतिशीलता में सुधार करने के लिए, हमने हीरो जैसे ब्रांडों से किफायती साइकिल किराए पर लेने की व्यवस्था की, जिससे आवागमन आसान और अधिक पर्यावरण-अनुकूल हो गया। मौसमी जरूरतों को पूरा करते हुए, हमने गर्म गर्मियों के दौरान कूलर और सर्दियों के लिए कंबल और हीटर के लिए थोक दरों पर सौदे किए, जिससे 400 से अधिक छात्रों को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, हमने सीक्रेट सैंटा जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए। हमने एप्पल, एचपी और लेनोवो जैसे प्रमुख लैपटॉप ब्रांडों के साथ भी साझेदारी की, जिससे 20% रियायती दरों पर आवश्यक तकनीक प्रदान की गई। लेखा परीक्षा के मोर्चे पर, हमने एक सुरक्षित और आरामदायक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए मुद्दों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने के लिए 18 छात्रावासों और 15 से अधिक परिसर ब्लॉकों को कवर करते हुए व्यापक अवसंरचना लेखा परीक्षा आयोजित की। हमने सततता और स्वच्छता को बढ़ावा देते हुए स्क्रैप निपटान का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया। छात्र सुविधा के लिए प्रतिबद्ध, हम लगातार परिसर में मूल्यवान सौदे और पहल लाने का प्रयास करते हैं।

खाद्य और कृषि-व्यवसाय में रुचि समूह (आईजीएफएबी)

आईजीएफएबी भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की कृषि-व्यवसाय, पर्यावरण और ग्रामीण प्रबंधन को समर्पित प्रमुख समिति है। इन डोमेन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र समिति के रूप में, आईजीएफएबी विभिन्न प्रकार के आयोजनों और पहलों के माध्यम से छात्रों के बीच जागरूकता और रुचि पैदा करने का प्रयास करती है। 2024-25 में, आईजीएफएबी ने "इनोवेट टू एलिवेट" विषय पर आधारित अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, फैबफेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस उत्सव में 3400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसमें पाँच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ शामिल थीं: क्विजेरिया (1300 से अधिक प्रतिभागी), मार्कोइड, उद्योग, कैप्चर, और क्रॉपफिन, जिनमें से प्रत्येक ने शीर्ष बी-स्कूलों से महत्वपूर्ण जुड़ाव आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त, किसान दिवस पर कृषि में चुनौतियों के लिए व्यावहारिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए किसान विकास का आयोजन किया गया, जिसमें 450 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। हल्ट प्राइज कैंपस राउंड ने संयुक्त राष्ट्र एसडीजी के अनुरूप नवीन सामाजिक उद्यम विचारों के लिए एक मंच प्रदान किया।

आईजीएफएबी ने इस वर्ष महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए: फैबफेस्ट ने अनस्टॉप पॉपुलर कॉलेज फेस्टिवल्स श्रेणी में 10वां स्थान प्राप्त किया और अपने पिछले संस्करण से पंजीकरण में 125% की वृद्धि देखी, जो इसके बढ़ते प्रभाव और पहुँच को प्रदर्शित करता है। इन पहलों के माध्यम से, आईजीएफएबी खाद्य और कृषि-व्यवसाय के क्षेत्र में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखता है।

उद्योग सहभागिता प्रकोष्ठ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में उद्योग सहभागिता प्रकोष्ठ (आईआईसी) एक गतिशील छात्र-संचालित निकाय है जो व्यापार नेतृत्वकर्ताओं के साथ प्रभावशाली जुड़ाव को सुगम बनाकर शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटता है। टेडएक्सआईआईएमलखनऊ के आधिकारिक आयोजक के रूप में, समिति शक्तिशाली विचारों और प्रेरणादायक कहानियों के लिए एक मंच तैयार करती है जो परंपरा को चुनौती देती है और परिवर्तन को प्रज्वलित करती है। इस वर्ष के संस्करण में आलोक जोशी, संजीता भट्टाचार्य, पूर्णा मालवथ और प्रो. चेतन सोलंकी सहित अन्य द्वारा विचारोत्तेजक वार्ताएँ शामिल थीं। आईआईसी के प्रमुख कार्यक्रम, संवित, ने नेतृत्व विकास, कार्यनीतिक सोच और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें रोहित बंसल, सुब्रमण्यम चिदंबरन और उर्वशी साहनी जैसे वक्ताओं के नेतृत्व में सत्र थे। उद्योग-छात्र जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए, आईआईसी ने प्रो-टॉक्स की मेजबानी की, जिसमें राकेश झा द्वारा बैंकिंग के भविष्य पर एक समृद्ध सत्र था। इस वर्ष में ऑप्टम और सीएनबीसी-टीवी18 के सहयोग से एक उच्च-प्रभाव वाला कार्यक्रम भी शामिल था, जो मानसिक कल्याण में क्रांति लाने पर केंद्रित था, जिसमें कनिका अग्रवाल ने कॉर्पोरेट जगत में भावनात्मक और संज्ञानात्मक कल्याण पर अंतर्दृष्टि साझा की।

लखनऊ लाफ्टर क्लब

लखनऊ लाफ्टर क्लब (एलएलसी), भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का आधिकारिक कॉमेडी समूह, ने मीम्स, स्टैंड-अप कॉमेडी और व्यंग्यात्मक सामग्री के माध्यम से एमबीए यात्रा की विचित्रताओं और अराजकता को उजागर करके परिसर के जीवन में हंसी और हल्कापन लाना जारी रखा है। इस वर्ष, एलएलसी ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जुड़ाव को सफलतापूर्वक संतुलित किया, आईआईएमएल में सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले और सक्रिय छात्र-संचालित पेजों में से एक बन गया। क्लब ने तीन प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए: प्रोनाइट जिसमें पेशेवर कॉमेडियन श्री मधुर विरली और श्री प्रत्युष चौबे थे, जिसमें 700 से अधिक दर्शक थे; लाइट लो, एक इन-हाउस स्टैंड-अप शो; और भड़ास, आउटगोइंग बैच द्वारा एक रोस्ट शो। एलएलसी ने पूर्व छात्र घर वापसी कार्यक्रम, नॉस्टैल्जिया में प्रदर्शन करने के लिए पूर्व छात्र समिति के साथ भी सहयोग किया। क्लब के इंस्टाग्राम हैंडल (@iim_llc) ने 18.8K फॉलोअर्स को पार कर लिया। लगातार वायरल सामग्री के साथ, एलएलसी परिसर में एक रचनात्मक शक्ति बनी हुई है।

मैनफेस्ट-वर्चस्व मैनफेस्ट-वर्चस्व

यह भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का वार्षिक व्यवसाय, खेल और सांस्कृतिक उत्सव है, जो व्यवसाय सम्मेलन, मैनफेस्ट और सांस्कृतिक और खेल महोत्सव, वर्चस्व को एकजुट करता है। तीन एक्शन से भरपूर दिनों तक चलने वाला, यह सबसे बड़े और सबसे प्रतीक्षित भारतीय प्रबन्ध संस्थान कार्यक्रमों में से एक है, जो भारत और विदेशों से शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करता है। इस उत्सव ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, श्री नारायण मूर्ति, श्री अजीम प्रेमजी, और श्री पीयूष गोयल जैसी हस्तियों की मेजबानी की है, जिन्होंने छात्रों को अपनी बुद्धिमत्ता से प्रेरित किया है। बीएसई, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, कॉइनस्विच और एनपीसीआई जैसी प्रमुख कंपनियाँ उच्च-दांव वाली केस प्रतियोगिताओं और सिमुलेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को चुनौती देती हैं। सांस्कृतिक खंड नृत्य लड़ाइयों, फैशन शो, साहित्यिक कार्यक्रमों और संगीत प्रतियोगिताओं के साथ चकाचौंध करता है, जिससे परिसर एक रचनात्मक केंद्र में बदल जाता है। रातें सलीम-सुलेमान, केके, जुबिन नौटियाल, विशाल और शेखर, कोक स्टूडियो, और अधिक जैसे सितारों के प्रदर्शन के साथ जीवंत हो उठती हैं। मैनफेस्ट-वर्चस्व सीएसआर पहलों जैसे लखनऊ सिटी रन के माध्यम से सामाजिक प्रभाव भी डालता है, जो फिटनेस और जागरूकता को बढ़ावा देता है। हर फरवरी में आयोजित होने वाला यह उत्सव बुद्धि, प्रतिभा और जुनून का उत्सव है, जो इसे भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में वास्तव में एक अविस्मरणीय अनुभव बनाता है।

मीडिया और संचार प्रकोष्ठ

मीडिया और संचार प्रकोष्ठ (एमसीसी) भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ और बाहरी दुनिया के बीच आधिकारिक संचार सेतु के रूप में कार्य करता है। सभी आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार, एमसीसी ने समय पर अपडेट, रचनात्मक अभियानों और प्रभावशाली सामग्री के माध्यम से संस्थान की डिजिटल उपस्थिति को सक्रिय रूप से मजबूत किया है। इस वर्ष कई सफल पहलों का शुभारंभ देखा गया, जिसमें आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज का नया स्वरूप शामिल है, इसे संस्थान की ब्रांड पहचान के साथ संरेखित करना ताकि एक सुसंगत और पेशेवर सौंदर्य बनाया जा सके। एमसीसी ने कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा) तैयारी टिप्स श्रृंखला, अंतर-अनुभाग छात्र कार्यक्रम कवरेज, और एक हार्दिक पूर्व छात्र पुन: कनेक्ट श्रृंखला जैसी आकर्षक वीडियो परियोजनाएँ भी शुरू कीं। टीम ने इयरबुक'25 लॉन्च इवेंट और लोकप्रिय आल्स ऑफ आईआईएमएल पहल का भी आयोजन किया, जिसमें 400 से अधिक गुमनाम प्रशंसा पत्र एकत्र और वितरित किए गए। पल्स, वार्षिक छात्र पत्रिका, मुद्रित रूप में प्रकाशित और वितरित की गई, जबकि ह्यूमन्स ऑफ भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ जैसे रचनात्मक अभियानों ने उन लोगों का जश्न मनाया जो परिसर को जीवंत करते हैं।

मेस समिति

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में मेस समिति ने अन्नपूर्णा मेस सोसाइटी के माध्यम से एक हजार से अधिक हितधारकों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित किया, जिससे न केवल पोषण बल्कि सामुदायिक भावना में भी वृद्धि हुई। 570 से अधिक नए छात्रों के सहज ऑनबोर्डिंग के साथ शुरुआत करते हुए, समिति ने सुविधा के लिए 'नाइट मेस पोर्टल' जैसी सेवाओं को एकीकृत किया। परिसर के जीवन को समृद्ध करने के लिए, समिति ने चार थीम डिनर आयोजित किए और पारंपरिक भोजन के साथ प्रमुख त्योहारों को मनाया, जिससे सांस्कृतिक समावेशिता को बढ़ावा मिला। अंतिम प्लेसमेंट जैसी उच्च दबाव वाली अवधियों के दौरान, मेस कॉम ने 5,000 से अधिक भोजन वितरित किए, जिससे छात्र कल्याण सुनिश्चित हुआ। संघर्ष, निहिलान्थ और मैनफेस्ट-वर्चस्व जैसे प्रमुख आयोजनों में समिति ने हजारों प्रतिभागियों और आगंतुकों को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान की, जिससे असाधारण परिचालन क्षमता का प्रदर्शन हुआ। इवेंट कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा)रिंग के अलावा, समिति ने मेनू नवाचारों की शुरुआत की, सख्त वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखी, और व्यक्तिगत भोजन वितरण के साथ बीमार छात्रों की देखभाल सुनिश्चित की। मेस कॉम ने बीमा और शैक्षिक सहायता जैसी पहलों के साथ मेस स्टाफ कल्याण को भी प्राथमिकता दी। विक्रेता ऑनबोर्डिंग में सुधार और नाइट मेस का सफल प्रबंधन, हजारों ऑर्डर को संभालना, ने गुणवत्ता और सामर्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

ओकुलस यात्रा और साहसिक क्लब

ओकुलस भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का यात्रा और साहसिक क्लब है जो छात्रों के बीच मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की भलाई को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। एक शैक्षणिक वातावरण में जो अक्सर तनावपूर्ण हो सकता है, ओकुलस आकर्षक घटनाओं और अनुभवों की एक श्रृंखला के माध्यम से ताज़ा पलायन प्रदान करता है। मनोरंजक यात्राओं के आयोजन से लेकर विंटर कार्निवल जैसे मज़ेदार परिसर कार्यक्रमों की मेजबानी तक, जिसमें ट्रेजर हंट जैसी भीड़-पसंदीदा गतिविधियाँ शामिल हैं, यह क्लब छात्र जीवन में उत्साह और ऊर्जा लाता है। इसके अतिरिक्त, ओकुलस "स्टेक्स ब्लॉग्स" के माध्यम से एक मजबूत आभासी उपस्थिति बनाए रखता है, जहाँ यह उन छात्रों की कहानियों को प्रदर्शित करता है जो हमारे संस्थान के माध्यम से विदेश गए हैं, दूसरों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करते हैं। ओकुलस के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक हेल्स गेट है - एक रोमांचक, चार-राउंड का साहसिक चैलेंज जो छात्रों को उनके सुविधा क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए तैयार किया गया है। प्रतिभागी ज़ोरबिंग, सुपरमैन जिपलाइन, ह्यूमन फ़ॉस्बॉल और एक चुनौतीपूर्ण बाधा कोर्स जैसी शारीरिक रूप से मांग वाली और मानसिक रूप से उत्तेजक गतिविधियों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। ये गतिविधियाँ न केवल सहनशक्ति और शक्ति का परीक्षण करती हैं बल्कि तनाव से राहत, टीम वर्क और लचीलेपन को भी बढ़ावा देती हैं। हेल्स गेट एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम बन गया है, जो छात्रों को अपनी दिनचर्या से मुक्त होने, साथियों के साथ बंधन बनाने और एक मज़ेदार, साहसिक सेटिंग में अपनी मानसिक और शारीरिक सहनशक्ति को बढ़ावा देने का मौका देता है।

संचालन रुचि समूह (ओआईजी)

संचालन रुचि समूह - भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने एक गतिशील वर्ष बिताया, संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के क्षेत्र में रुचि और सीखने को बढ़ावा दिया। ओआईजी ने वर्ष की शुरुआत ऑपरेशंस कम्पेन्डियम 2025 के लॉन्च के साथ की, जो प्लेसमेंट और प्रतियोगिताओं के लिए एक गो-टू गाइड है, जिसे सततता और डिजिटल परिवर्तन जैसे ट्रेंडिंग विषयों के साथ अद्यतन किया गया है। प्लेसमेंट की तैयारी का समर्थन करने के लिए, हमने टीम दिशा के साथ सीवी समीक्षा, मॉक जीडी और साक्षात्कार आयोजित करने और संचालन भूमिकाओं के लिए कंपनी-विशिष्ट टूलकिट प्रदान करने के लिए सहयोग किया। आईएससीईए के साथ मौजूदा साझेदारी के माध्यम से, ओआईजी ने छात्रों को सीएससीए, लीन सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट और सीएफडीपी जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्राप्त करने में मदद की - जिससे उनके रिज्यूमे में अत्यधिक मूल्य जुड़ गया। ओआईजी ने रोमांचक घटनाओं और प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला भी आयोजित की: ऑप्सवर्ड (ऑपरेशंस क्विज), ऑप्सिरस (ऑप्स आर्टिकल राइटिंग), बीयरगेम (सप्लाई चेन सिमुलेशन गेम), ट्रिलॉजी (3-चरणीय ऑप्स प्रतियोगिता), और ऑप्सप्रिंट (ऑपरेशंस स्ट्रैटेजी बोर्डगेम), जिसमें देश भर के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों से 1200 से अधिक की भागीदारी थी। हमने पराक्रम 2025 (आईआईएमसी द्वारा आयोजित), आईआईएम ए, बी, सी और एल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सबसे बड़े राष्ट्रीय ऑप्स फेस्ट में भी गर्व से योगदान दिया, और पराक्रम 2026 को एवाई2026-27 में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित किया जाना है। कुल मिलाकर, यह हम सभी के लिए ओआईजी में सहयोग, नवाचार और व्यावहारिक सीखने का वर्ष रहा है।

प्रिज्म

प्रिज्म, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का मार्केटिंग सेल, लाइव प्रोजेक्ट्स, प्रतियोगिताओं और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान में संलग्न होने के लिए छात्रों को एक गतिशील मंच प्रदान करके विपणन के लिए एक जुनून पैदा करने का प्रयास करता है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में, प्रिज्म ने एम-डे का आयोजन किया, जो एक दो दिवसीय प्रमुख विपणन उत्सव था, जिसमें बी-स्कूलों में 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में दस अनूठी गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें एड-रेनालाइन रश (विज्ञापन-निर्माण प्रतियोगिता), कोशिएंट एक्स (क्विज), द राइट मूव (कॉपी राइटिंग प्रतियोगिता), कोड क्रैकर (ऑनलाइन ट्रेजर हंट), और अभिनव एस्केप रूम चुनौती शामिल है। क्लब ने मार्कस्टॉर्म, एक मार्केटिंग केस प्रतियोगिता, और ब्रांड रिडल रूले, ब्रांड पहचान को डिकोड करने के लिए एक गेम की भी मेजबानी की। प्रिज्म की सीखने की प्रतिबद्धता घटनाओं से परे फैली हुई है - इसने उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं के साथ मास्टरक्लास आयोजित किए, मार्केटिंग तैयारी श्रृंखला ने 300 से अधिक छात्रों को आकर्षित किया। सेल ने मूल्य निर्धारण, ब्रांड संचार, डिजिटल मार्केटिंग में तैयारी दस्तावेजों को क्यूरेट किया, और छात्रों को समर और फाइनल प्लेसमेंट के लिए तैयार करने के लिए मॉक साक्षात्कार आयोजित किए। आकर्षक सामग्री, अंतर्दृष्टिपूर्ण चर्चाओं और रचनात्मक सिमुलेशन के माध्यम से, प्रिज्म ने सिद्धांत को अनुप्रयोग के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा, जिससे परिसर में एक जीवंत विपणन संस्कृति को बढ़ावा मिला।

लोक नीति क्लब

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में लोक नीति क्लब की स्थापना सरकारी नीतियों और छात्र दृष्टिकोणों के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से लोक नीति और शासन के मुद्दों में छात्र रुचि और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। पिछले एक साल में, पीपीसी ने कई प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए। अनस्टॉप के सहयोग से आयोजित बजट क्विज ने 1,000 से अधिक प्रतिभागियों और 25,000 से अधिक इंप्रेशन को आकर्षित किया। आरंभ, क्लब का प्रमुख कार्यक्रम, जिसमें श्री राजीव कपूर (आईएएस) और श्री जयंत कृष्ण जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अंतरिम केंद्रीय बजट 2024 में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की। क्लब ने अपना पहला मॉक संसद भी शुरू किया, जिससे छात्रों को उत्साही बहस और नीति विश्लेषण में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एक और मुख्य आकर्षण लोक नीति हैकथॉन था, जिसका निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार प्रो. के.वी. राजू ने किया था। 10 से अधिक टीमों ने भाग लिया, समय की कमी के तहत नीति समाधान तैयार किए, रचनात्मकता और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान का प्रदर्शन किया। ये पहलें नीति जागरूकता को बढ़ावा देने और छात्रों को सार्वजनिक शासन में सार्थक योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए पीपीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

क्विजिंग कॉमनर्स

क्विजिंग कॉमनर्स भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का आधिकारिक क्विज क्लब है जिसका उद्देश्य विभिन्न विषयों पर क्विज आयोजित करके परिसर में एक क्विजिंग संस्कृति को बढ़ावा देना है। वर्ष की शुरुआत सिकल सेल एनीमिया क्विज के साथ हुई, जो स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एक क्विज था। इसके बाद बार्ड ऑफ नोविसेस, फ्रेशर्स के लिए आयोजित वार्षिक क्विज था। इसके बाद ओलंपि'क्यू' क्विज था, जो खेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एक खेल क्विज था, जो ओलंपिक में भारत के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में था। टर्म 2 में, क्लब ने सांस्कृतिक समिति के कैमरडरी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में विजडम वारफेयर कार्यक्रम का आयोजन किया। नवंबर में, क्लब ने परिसर में ज़ेरोधा वर्सिटी की वित्तीय साक्षरता क्विज की मेजबानी की, जिसमें 110 से अधिक की भागीदारी देखी गई। इसके बाद 2 बैक-टू-बैक क्विज, जन जातीय गौरव दिवस और संविधान और भारत क्विज थे, जो क्रमशः जनजातीय मामलों के मंत्रालय और भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किए गए थे। जनवरी में, क्लब को आरएमएलएनएलयू द्वारा अपने वार्षिक साहित्यिक उत्सव के हिस्से के रूप में एक क्विज आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। क्लब ने फिर मैनफेस्ट-वर्चस्व के हिस्से के रूप में अपना प्रमुख कार्यक्रम क्रियोसो आयोजित किया, जिसमें 2 क्विज थे, भारत क्विज और सामान्य क्विज, जिसमें देश भर के संस्थानों से भागीदारी देखी गई। अंतिम कार्यक्रम निहिलान्थ था, जो वार्षिक अंतर आईआईटी-आईआईएम क्विज उत्सव था, जो आखिरी बार 2017 में आईआईएमएल में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सात क्विज आयोजित किए गए, जिसमें 18 आईआईटी और आईआईएम से 300 से अधिक की भागीदारी देखी गई।

रैंडम वॉक

रैंडम वॉक (आरडब्ल्यू) जीवन के सभी क्षेत्रों से नृत्य के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक मंच है। आपको नृत्य करने के लिए एक नर्तक होने की आवश्यकता नहीं है, आपको बस प्रदर्शन करते समय आनंद लेने की इच्छा और भावना की आवश्यकता है। रैंडम वॉक भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का आधिकारिक नृत्य मंडली कोरियोग्राफी क्लब है। यह शुरू में नर्तकियों को अपनी कला को जारी रखने का अवसर प्रदान करने में मदद करने के लिए एक छोटे नृत्य रुचि समूह के रूप में शुरू किया गया था। आज तक, नृत्य के प्रति उत्साही लोगों के लिए, यह क्लब सबसे बड़ी पाठ्येतर गतिविधि है, जो शैक्षणिक जीवन से बहुत आवश्यक स्फूर्ति प्रदान करता है। हमारी क्लब गतिविधियों के हिस्से के रूप में, आरडब्ल्यू साल्सा नृत्य कार्यशाला और प्रमुख कार्यक्रम प्रोमेनेड'25 का आयोजन करता है, जिसका विषय "क्रिस्टल और शैंडलियर्स - द यूल बॉल" है। इसके अतिरिक्त हम स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के दौरान प्रदर्शन करते हैं।

रंग

रंग - भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का डीईएंडआई (विविधता, समानता और समावेशन) क्लब - लैंगिक और यौन विषयक दृष्टि से व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित, समावेशी स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अन्य सीसीए और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ सार्थक सहयोग के माध्यम से, रंग ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है जो जागरूकता बढ़ाते हैं और समावेशिता और प्रतिनिधित्व के आसपास संवाद को बढ़ावा देते हैं। 2025 में, रंग को आईआईटी दिल्ली के प्राइड क्लब, इंद्रधनुष के प्रमुख कार्यक्रम, विभिन्न और लखनऊ में 8वें अवध क्वीर प्राइड मार्च में भाग लेने का सम्मान मिला, जो एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के साथ एकजुटता में खड़ा था और #लव इज लव का जश्न मना रहा था। इन घटनाओं ने रंग के मिशन और दृश्यता को मजबूत किया। रंग ने गोदरेज डीईआई के सहयोग से एक राष्ट्रीय केस स्टडी प्रतियोगिता, एगलिटे की भी मेजबानी की, जो भारत में एलजीबीटीक्यूआईए+ समावेशन पर केंद्रित थी। 825 से अधिक पंजीकरण और जूरी के रूप में उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं के साथ, इस कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण सोच और नवाचार को बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, हेलिक्स के साथ सह-मेजबानी किए गए समावेश ने खेल के माध्यम से सीखने को बढ़ावा दिया और डीईआई थीम वाले खेलों के माध्यम से सहानुभूति को प्रोत्साहित किया। रंग भावनात्मक रूप से बुद्धिमान, सामाजिक रूप से जागरूक प्रबंधन पेशेवरों को पोषित करना जारी रखता है, जबकि हाशिए पर पड़े समुदायों का समर्थन करने के लिए कॉर्पोरेट भागीदारी का विस्तार करता है।

राइट एंगल्स

राइट एंगल्स, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का फोटोग्राफी क्लब, ने रचनात्मकता को उद्देश्य के साथ मिलाकर एक पूर्ण और प्रभावशाली वर्ष बिताया। क्लब ने एक सफल फोटोग्राफी कार्यशाला और लखनऊ के पुराने शहर के माध्यम से एक यादगार फोटो वॉक का आयोजन किया, जिससे छात्रों को अपनी फोटोग्राफी कौशल को निखारते हुए इसकी समृद्ध विरासत का पता लगाने का मौका मिला। पूरे वर्ष, राइट एंगल्स ने 30 से अधिक परिसर कार्यक्रमों को कवर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, छात्र जीवन के सार को कैप्चर किया - प्रमुख उत्सवों और वक्ता सत्रों से लेकर अनौपचारिक समारोहों तक। इस वर्ष सबसे सार्थक पहलों में से एक "एक कारण के लिए फोटोशूट" था, जहाँ क्लब ने भविष्य के साथ सहयोग किया और थीम वाले फोटोशूट के माध्यम से एक सामाजिक कारण के लिए धन जुटाया। हम उन सभी को ईमानदारी से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने भाग लिया और दान दिया - यह उनका उत्साह और उदारता थी जिसने इस पहल को संभव बनाया। हमेशा की तरह, राइट एंगल्स परिसर के रचनात्मक दिल की धड़कन के रूप में काम करना जारी रखता है, क्षणों को यादों में बदलता है और सूचित करने, प्रेरित करने और प्रभावित करने के लिए फोटोग्राफी की शक्ति का उपयोग करता है।

शेयर आईआईएम लखनऊ चैप्टर

शेयर आईआईएम लखनऊ चैप्टर एवाई 2021-22 में शुरू किया गया था। शेयर शिक्षा और परामर्श के चौराहे पर एक अभिनव स्टार्टअप है। शेयर प्रतिभाशाली विश्वविद्यालय के छात्रों को डू वेल डू गुड नेतृत्वकर्ता में बदलने के लिए एक नेतृत्व कार्यक्रम है। वर्तमान में, 40 से अधिक देशों और 120 से अधिक शीर्ष विश्वविद्यालयों के 2500 से अधिक छात्र इस कार्यक्रम में नामांकित हैं। शेयर का मानना है कि अच्छा करना और अच्छा होना संगत है और यह एक ऐसे समाज को आकार देने के लिए एक प्रमुख लीवर होगा जो सभी लोगों के लिए अवसर प्रदान करता है।

यह न केवल समाज के लिए एक महान अवसर है, बल्कि यह उन कंपनियों के लिए भी एक महान अवसर है जो अपने कर्मचारियों को उद्देश्य की भावना दे सकती हैं और उनकी उत्पादकता को बढ़ावा दे सकती हैं। इस वर्ष, हमने शेयर चैप्टर आईआईएम बैंगलोर के सहयोग से ट्रिपल बॉटम लाइन 3.0 का आयोजन किया: सामाजिक रूप से जागरूक के लिए एक अभिनव समाधान विकसित करने के विषय पर आधारित एक तीन-राउंड की केस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसने पूरे भारत के शीर्ष बी-स्कूलों से 700 से अधिक पंजीकरण एकत्र किए।

वित्त में विशेष रुचि समूह (सिग्फी)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में वित्त में विशेष रुचि समूह (सिग्फी) सीखने, कौशल-निर्माण और उद्योग संपर्क के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करके वित्त पेशेवरों के भविष्य को आकार देने के लिए समर्पित है। समूह का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों और घटनाओं के माध्यम से उनके उद्योग ज्ञान को बढ़ाते हुए छात्रों के बीच वित्त के लिए एक जुनून पैदा करना है। वैलक्वेस्ट और वीसीआईसी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं से लेकर लाइव प्रोजेक्ट्स के रूप में व्यावहारिक अनुभवों तक, सिग्फी सुनिश्चित करता है कि छात्रों को क्षेत्र की समग्र समझ प्राप्त हो।

समूह की प्रतिबद्धता ज्ञान-साझाकरण से परे फैली हुई है, जो प्लेसमेंट के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान करती है। रिज्यूमे समीक्षा, मॉक साक्षात्कार और विशेष तैयारी सत्रों के माध्यम से, सिग्फी सुनिश्चित करता है कि इसके सदस्य भर्ती प्रक्रियाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

कॉर्पोरेट जुड़ाव कार्यक्रम छात्रों को उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं के साथ बातचीत करने, विभिन्न भूमिकाओं और करियर पथों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की अनुमति देते हैं। कौशल-निर्माण पहलों, उद्योग प्रदर्शन और प्लेसमेंट सहायता के माध्यम से प्रतिभा को बढ़ावा देकर, सिग्फी भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के छात्रों को लगातार विकसित हो रहे वित्तीय परिदृश्य में एक सफल करियर के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्पिक मैके आईआईएम लखनऊ अध्याय

स्पिक मैके (सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ) का भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ चैप्टर ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखा। वर्ष का आरंभ "शुभारंभ" के साथ हुआ, जो कबीर पंथी का एक उत्सव था, जहाँ पद्म श्री डॉ. भारती बंधु ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद "धरोहर" का आयोजन मास्टर शिल्पकार श्री पूर्ण चंद्र मोहाराना द्वारा पट्टचित्र कला पर एक आकर्षक मास्टरक्लास के साथ किया गया, जिसमें छात्रों और संकायों सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रमुख कार्यक्रम, "विरासत" में श्री मनोज कुमार द्वारा एक टेराकोटा कार्यशाला, उसके बाद पद्म श्री पुरस्कार विजेता पं. तेजेंद्र नारायण मजूमदार द्वारा एक सरोद वादन, तबला वादक अभिषेक मिश्रा के साथ था। इस कार्यक्रम का समापन विदुषी रागिनी चंद्रशेखर द्वारा एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले भरतनाट्यम प्रदर्शन के साथ हुआ। इन सभी आयोजनों के माध्यम से, स्पिक मैके आईआईएम लखनऊ अध्याय ने युवाओं को भारतीय संस्कृति के कालातीत सार से प्रेरित और जोड़ा है, जिससे हमारी समृद्ध विरासत का संरक्षण और प्रशंसा सुनिश्चित होती है।

छात्र विनिमय समिति

स्टेक्स समिति भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में छात्र विनिमय समिति है और विनिमय छात्रों और संस्थान के बीच संपर्क के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करती है। समिति वेबिनार, कार्यशालाओं और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन करके यूरोप और उत्तरी अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय परिसरों में आईआईएमएल ब्रांड को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करती है। वर्ष के दौरान, स्टेक्सकॉम ने तीन प्रमुख कार्यक्रमों - अनुभव, यूरो डिनर और यूरोनाइट का सफलतापूर्वक संचालन किया। इस वर्ष का अनुभव का संस्करण विशेष रूप से यादगार था क्योंकि यह तीन साल बाद ऑफलाइन आयोजित किया गया था, जिससे छात्रों को अपने विनिमय अनुभवों को साझा करने के लिए एक साथ लाया गया। एक महत्वपूर्ण कदम में, समिति ने पहली बार आधिकारिक छात्र विनिमय मैनुअल "संचार" पेश किया। यह छात्रों को कॉलेजों का चयन और बोली लगाते समय सूचित विकल्प बनाने में मदद करने के लिए एक व्यापक गाइड के रूप में कार्य करता है। यूरो डिनर आउटगोइंग अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक गर्मजोशी से विदाई थी, जहाँ उन्हें अनुकूलित स्वेटशर्ट और स्मृति चिन्ह प्राप्त हुए। अंतिम कार्यक्रम, यूरोनाइट, ने कहानियों, संगीत और साझा अनुभवों से भरी एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव की पेशकश की।

खेल समिति

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में खेल समिति ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में गतिशील और उच्च-ऊर्जा वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला क्यूरेट और निष्पादित की, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क और खेल भावना की भावना को बढ़ावा मिला। वर्ष की शुरुआत स्थापना दिवस के साथ हुई, जो आने वाले बैच का उत्साह और खेल भावना के मिश्रण के साथ गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए तैयार किया गया एक जीवंत कार्यक्रम था, जिससे उन्हें बंधन बनाने और परिसर के जीवन में एकीकृत होने में मदद मिली। इसके बाद, संग्राम, एक पाँच-दिवसीय महोत्सव, ने प्रथम वर्ष के वर्गों को रोमांचक "सेक्शन युद्धों" में आमने-सामने ला दिया। यह कार्यक्रम खेल और अनौपचारिक प्रतियोगिताओं से भरा था, जिससे साथियों के बीच भागीदारी, एकता और मैत्रीपूर्ण प्रतिद्वंद्विता को प्रोत्साहित किया गया। एक और प्रमुख कार्यक्रम संघर्ष था, जिसकी मेजबानी इस वर्ष भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने की थी, जहाँ प्रमुख संस्थानों - भारतीय प्रबन्ध संस्थान अहमदाबाद, भारतीय प्रबन्ध संस्थान बैंगलोर और भारतीय प्रबन्ध संस्थान कलकत्ता - ने एक उच्च-दांव वाली अंतर-आईआईएम खेल टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा की, जिसमें असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया गया। समिति ने हेल्स लीग का भी आयोजन किया, जो एक अंतर-आईआईएम कार्यक्रम था, जिसने छात्रों को आगे बढ़ने, अपने कौशल का प्रदर्शन करने और भयंकर लेकिन मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा में संलग्न होने की अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, एमवी के तहत कार्यक्रमों ने उत्साह और जुड़ाव की एक अतिरिक्त परत लाई। इन पहलों के माध्यम से, खेल समिति ने छात्र अनुभव को समृद्ध करने और फिटनेस, टीम वर्क और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टेल्स एंड टेल्स

टेल्स एंड टेल्स (टीएनटी), भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का पशु कल्याण क्लब, ने 40 से अधिक परिसर के कुत्तों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। पाँच समर्पित सदस्यों की टीम ने दैनिक भोजन के कर्तव्यों को निभाया, जिससे परिसर में उचित पोषण और सद्भाव बना रहा। एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी कुत्तों के लिए एंटी-रेबीज टीके सहित कई टीकाकरण अभियान चलाया गया। नसबंदी के प्रयासों के परिणामस्वरूप जीव बसेरा फाउंडेशन के सहयोग से 4 कुत्तों का सफलतापूर्वक बधियाकरण हुआ। क्लब ने आने वाले पशु चिकित्सकों के समर्थन से लगातार चिकित्सा देखभाल प्रदान की, और सदस्यों ने नियमित उपचार किए और मामूली चोटों का स्वतंत्र रूप से प्रबंधन किया। परिसर में पैदा हुए 8 पिल्लों को बचाया गया और कठोर सर्दियों के दौरान सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया, गोद लेने के प्रयास वर्तमान में चल रहे हैं। टीएनटी ने कल्याण पहलों का समर्थन करने के लिए एक मिलाप फंडरेजर के माध्यम से ₹28,000 भी जुटाए। सर्दियों के दौरान, कुत्तों को ठंड से बचाने के लिए 10 से अधिक गलीचे और जैकेट प्रदान किए गए, और भविष्य में उपयोग के लिए वस्तुओं को इकट्ठा करने के लिए एक वस्त्र अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त, गड़बड़ी को कम करने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए 2 कुत्तों को मेस क्षेत्र से स्थानांतरित कर दिया गया। क्लब आवश्यकता पड़ने पर अन्य घायल जानवरों को भी मदद प्रदान करता है।

टीम दिशा

टीम दिशा भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में प्लेसमेंट की तैयारी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो समर, एचईपीपी और फाइनल प्लेसमेंट में छात्रों की सफलता के पीछे मार्गदर्शक शक्ति के रूप में कार्य करती है। टीम वित्त, परामर्श, विपणन, उत्पाद प्रबंधन, संचालन और सामान्य प्रबंधन में व्यक्तिगत परामर्श, कार्यात्मक मार्गदर्शन और डोमेन-विशिष्ट तैयारी की पेशकश करके पूर्व-ज्वाइनिंग से लेकर अंतिम भर्ती तक छात्रों को सहयोग देती है।

प्रमुख गतिविधियों में संरचित सीवी निर्माण, मॉक साक्षात्कार, समूह चर्चा और टेलीग्राम और नोशन के माध्यम से साझा की गई क्यूरेटेड तैयारी सामग्री शामिल है। टीम दिशा पूर्व छात्रों और पेशेवरों के साथ सत्र आयोजित करती है, प्रत्येक चक्र में मॉक साक्षात्कार और सीवी समीक्षा आयोजित करती है, और प्रत्येक छात्र के लिए केंद्रित मेंटर समूह बनाती है। 200 से अधिक कंपनियों के लिए संसाधन गाइड, भर्ती के दौरान वास्तविक समय का समर्थन, और दैनिक तैयारी सामग्री एंड-टू-एंड सहायता सुनिश्चित करती है।

समर 2024 और फाइनल 2025 के दौरान, टीम ने लक्षित सत्र आयोजित करने, वित्त ज्ञान बैंक जैसे ज्ञान बैंक बनाने और मॉक-टू-मास्टरी सत्रों का प्रबंधन करने के लिए सिग्फी, बिजटेक और टोस्टमास्टर्स के साथ सहयोग किया। विशेष रूप से, प्रत्येक उम्मीदवार को कई व्यक्तिगत समीक्षाएँ और परामर्श प्राप्त हुए, जिसमें पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए विशेष सहायता भी शामिल है।

टीम इग्निशन

टीम इग्निशन में कक्षा प्रतिनिधि होते हैं, जिनकी दोहरी जिम्मेदारी होती है - कक्षा प्रतिनिधि होने और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पूर्व-साक्षात्कार तैयारी प्रक्रिया का हिस्सा होने की। सुचारू छात्र-संकाय समन्वय के लिए जिम्मेदार, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में अधिकतम छात्र भागीदारी सुनिश्चित करना: कैमरडरी और संग्राम। ट्यूटर कार्यक्रम के लिए सूत्रधार के रूप में कार्य करना: उन लोगों की मदद के लिए शुरू की गई छात्र संचालित शिक्षण सहायता की एक नवीन अवधारणा जिन्हें कुछ अतिरिक्त सहकर्मी सीखने की आवश्यकता थी।

1. इग्निशन मेंटरशिप प्रोग्राम का रोल आउट: भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की डब्ल्यूएटी-पीआई प्रक्रिया के लिए कॉल गेटर्स को मेंटर करना: चयन प्रक्रिया की तैयारी में उम्मीदवारों की सहायता के लिए विभिन्न शैक्षणिक रुचि समूहों के साथ सहयोग करके डब्ल्यूएटी-पीआई टूलकिट।

2) भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की साक्षात्कार तैयारी सामग्री की दृश्यता बढ़ाने के लिए इनसाइडआईआईएम के सहयोग से यूट्यूब पर पीआई मार्गदर्शन वीडियो।

टीम सिनाप्स

टीम सिनाप्स सभी सूचना पोर्टलों के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करती है और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में ज्ञान प्रबंधन सर्वरों के लिए संपर्क का एकल बिंदु है। एक छात्र-संचालित निकाय के रूप में, हम सूचना और डिजिटल संसाधनों तक पहुँच को सुव्यवस्थित करके पूरे परिसर में तकनीकी अनुभव को बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। हम अभिनव तकनीक-आधारित समाधानों के माध्यम से हेल(एल) में जीवन को अधिक कुशल और प्रबंधनीय बनाने में गर्व महसूस करते हैं। हमारा मिशन आईआईएमएल समुदाय के भीतर डिजिटल सशक्तिकरण की संस्कृति को बढ़ावा देना है। चाहे वह महत्वपूर्ण प्लेटफार्मों को बनाए रखना हो, शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का समर्थन करना हो, या तकनीकी अपनाने को बढ़ावा देना हो, सिनाप्स संस्थान के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हम छात्रों, संकाय और कर्मचारियों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार नए उपकरणों और प्रणालियों की खोज कर रहे हैं। तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने और उपयोगकर्ता के अनुकूल समाधान पेश करके, सिनाप्स भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में प्रौद्योगिकी जीवन का समर्थन कैसे करता है, इसे बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

थ्री.फोर

थ्री.फोर, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का आधिकारिक बैंड, ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की शुरुआत परिचय में प्रदर्शन के साथ की, साथ ही इसके लिए पीजीपी1 बैच से प्रविष्टियाँ भी आमंत्रित कीं। क्लब ने पहली जैम नाइट की मेजबानी की, जिसमें पीजीपी1 और पीजीपी2 दोनों के छात्रों की भारी भीड़ उमड़ी। छात्र परिषद और छात्र मामलों के कार्यालय के सहयोग से, थ्री.फोर ने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के दौरान भी प्रदर्शन किया। क्लब के सदस्यों ने 3-दिवसीय अंतर-अनुभाग सांस्कृतिक युद्ध कैमरडरी के दौरान गायन और बैंड प्रतियोगिताओं के लिए न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। थ्री.फोर ने रैंडम वॉक और प्रिज्म के साथ क्रमशः उनके प्रमुख कार्यक्रमों प्रोम नाइट और एम-डे के लिए उद्घाटन प्रदर्शन देने के लिए सहयोग किया। अंत में, परिसर में पीजीपी2 बैच के अंतिम दिनों का जश्न मनाने के लिए, क्लब ने मैनफेस्ट-वर्चस्व के दौरान एक रोमांचक जैम नाइट के साथ हस्ताक्षर किए, जो क्लब की समृद्ध विरासत का एक उपयुक्त अंत था।

टोस्टमास्टर्स क्लब

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ टोस्टमास्टर्स क्लब छात्रों को शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण संचार, सार्वजनिक भाषण और नेतृत्व कौशल से लैस करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एवाई 2024-25 में, क्लब संस्थान में व्यक्तिगत विकास का एक आधार बना रहा। वर्ष की शुरुआत "मॉक टू मास्टरी" के साथ हुई, जो टीम दिशा के साथ एक सहयोगी पहल थी, जहाँ विभिन्न उद्योगों के पूर्व छात्रों ने छात्रों के लिए डोमेन-विशिष्ट मॉक साक्षात्कार आयोजित किए, अंतिम प्लेसमेंट से पहले स्पष्टता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की पेशकश की। मैनफेस्ट-वर्चस्व के हिस्से के रूप में, "टोस्टमेनिया 4.0" ने प्रतिभागियों को रचनात्मक एक्सटेम्पोर प्रारूपों के साथ चुनौती दी, संरचित सोच और सहजता को बढ़ावा दिया। अंतर-कॉलेज "सुकरात संगोष्ठी" ने छात्रों को वास्तविक दुनिया के संचार परिदृश्यों का अनुकरण करने और प्रेरक बोलने के कौशल विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रमुख कार्यशाला "ऐस योर इंटरव्यू" ने छात्रों को मॉक साक्षात्कार और समर प्लेसमेंट के लिए तैयार किए गए मुख्य सत्रों के साथ समर्थन दिया। पूरे वर्ष नियमित सामान्य बैठकों ने चल रहे कौशल परिशोधन के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान किया। जिला स्तर की भाषण प्रतियोगिताओं में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों के साथ, क्लब स्पष्ट, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली संचारकों को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

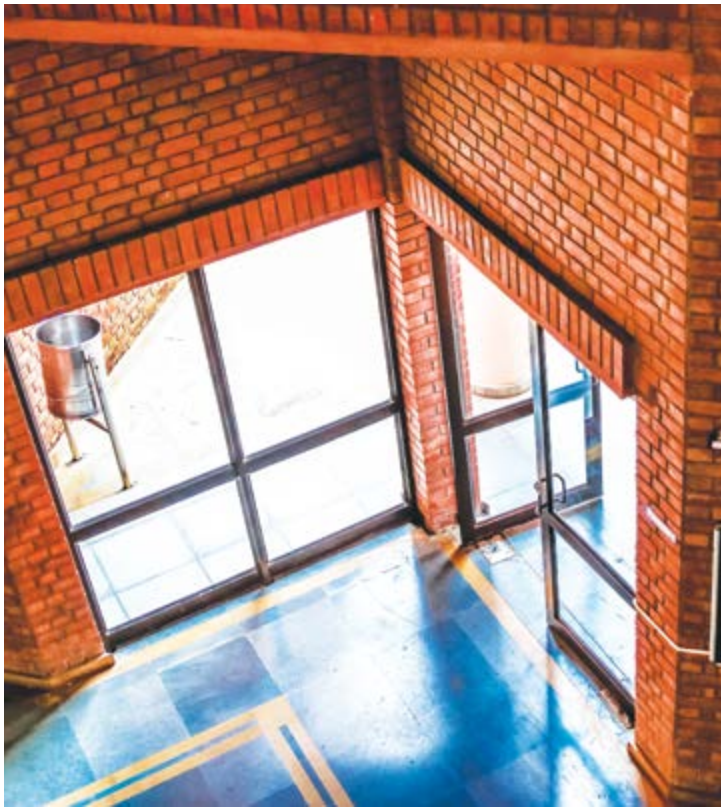

नोएडा परिसर की गतिविधियाँ

शुभारंभ (फ्रेशर्स पार्टी) – 2023-2024

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर ने हाल ही में शुभारंभ 2024 की मेजबानी की, जो अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन कार्यकारी कार्यक्रम (आईपीएमएक्स), संस्थान के प्रतिष्ठित एक वर्षीय कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम के लिए आधिकारिक फ्रेशर्स कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसने नए समूह को ऊर्जा, उत्साह और सौहार्द से भरी एक शाम में एक साथ लाया। शुभारंभ ने आने वाले बैच को जुड़ने, संकोच खत्म और भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ में अपनी परिवर्तनकारी यात्रा शुरू करने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम में आकर्षक टीम-निर्माण गतिविधियाँ, सांस्कृतिक प्रदर्शन और संकाय और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ अंतर्दृष्टिपूर्ण बातचीत शामिल थी, जो सीखने, सहयोग और पेशेवर विकास के एक वर्ष के लिए मंच तैयार करती है। शुभारंभ 2024 की सफलता आईपीएमएक्स की जीवंत भावना को दर्शाती है, जहाँ विविध पेशेवर अपनी नेतृत्व यात्रा को आकार देने के लिए एक साथ आते हैं। जैसे ही नया बैच अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को शुरू करता है, इस कार्यक्रम ने ज्ञान, नेटवर्किंग और नए अवसरों से भरे एक वर्ष के लिए माहौल तैयार कर दिया है।.

उद्यम 2024 – एक शानदार सफलता

यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि हम सात वर्ष के अंतराल के बाद उद्यम के पुनरुद्धार का जश्न मना रहे हैं। उद्यम 2024, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन कार्यकारी कार्यक्रम (आईपीएमएक्स) का प्रमुख व्यवसाय सम्मेलन, एक बड़ी सफलता रही है, जिसमें विचार नेतृत्वकर्ताओं, उद्योग के दिग्गजों और महत्वाकांक्षी व्यावसायिक पेशेवरों को व्यापार और नेतृत्व के भविष्य पर सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक साथ लाया गया है। इस वर्ष, हमने भारी भागीदारी और उत्साह देखा, जो बौद्धिक आदान-प्रदान और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने में ऐसे प्लेटफार्मों के महत्व की पुष्टि करता है। हमें यह साझा करते हुए विशेष रूप से खुशी हो रही है कि इस कार्यक्रम ने प्रायोजकों में ₹3 लाख हासिल किए, जो हमारे कॉर्पोरेट भागीदारों के विश्वास और समर्थन को दर्शाता है। दो-दिवसीय सम्मेलन के दौरान, हमारे प्रतिष्ठित वक्ताओं और पैनलिस्टों ने अनुकूलित प्रबंधन, डिजिटल परिवर्तन, नैतिक एआई और एक वूका (वीयूसीए) दुनिया को नेविगेट करने की चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाया। साझा की गई अंतर्दृष्टि ने न केवल आकर्षक बातचीत को जन्म दिया है, बल्कि सतत विकास को बढ़ावा देने वाले व्यवसायों और नेतृत्वकर्ताओं के लिए कार्रवाई योग्य उपाय भी प्रदान किए हैं। जैसा कि हम आगे देखते हैं, उद्यम 2024 की सफलता भविष्य के संस्करणों के लिए एक मजबूत नींव रखती है। यह सिर्फ एक पुनरुद्धार नहीं है; यह एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो कल के नेतृत्वकर्ताओं को प्रेरित और आकार देना जारी रखेगा।

क्रेस्केंडो 2के25 – सांस्कृतिक उत्सव (फरवरी 2025)

क्रेस्केंडो 2025 भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर में ऊर्जा, रचनात्मकता और सौहार्द से भरा एक अविस्मरणीय अनुभव था। विद्युतीकरण नृत्य प्रदर्शन और आकर्षक प्रतियोगिताओं से लेकर बहुप्रतीक्षित डिस्को दीवाने नाइट तक, हर पल उत्साह और उमंग से गूंजता रहा। इस कार्यक्रम का आरंभ एक गतिशील फ्लैश मॉब के साथ हुआ, जिसने हंगर गेम्स के साथ-साथ सिप एन पेंट के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच तैयार किया, जिसके बाद एक बोनफायर ने सार्थक संबंधों को बढ़ावा दिया।

दूसरे दिन प्रतिभागियों ने फैशन शो, स्टूडेंट ऑफ द ईयर प्रतियोगिता और ट्रेजर हंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसका समापन रोहित स्वेन के साथ हंसी की एक शाम और एक भव्य संगीत समारोह के साथ हुआ। यह कार्यक्रम वास्तव में भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के नोएडा परिसर की जीवंत भावना को दर्शाता है - एक ऐसा स्थान जहाँ प्रतिभा, नवाचार और सहयोग पनपता है।

अनुभाग

09

सामुदायिक मामले

कर्मचारी कल्याण समिति (ईडब्ल्यूसी) ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया:

1. योग दिवस, स्थापना दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, क्रिसमस आदि जैसे उत्सवों के अवसर पर भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ समुदाय के बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
2. हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता।
3. कक्षा दसवी और बारहवी के मेधावी बच्चों को नकद पुरस्कार के साथ योग्यता प्रमाण पत्र।
4. अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह, प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह।
5. होली के अवसर पर होलिका दहन।
6. लखनऊ और नोएडा दोनों परिसरों में सरस्वती पूजा और विश्वकर्मा पूजा।

सामाजिक विकास के अपने प्रयास के अंतर्गत, ईडब्ल्यूसी ने निम्नलिखित गतिविधियां कीं:

1. दिवाली के अवसर पर उपहार और मिठाई कूपन का वितरण
2. संसाधनहीन कर्मचारियों को शिक्षा ऋण, कंप्यूटर ऋण और विवाह ऋण
3. किसी कर्मचारी के आकस्मिक निधन पर वित्तीय सहायता

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की कर्मचारी कल्याण समिति (ईडब्ल्यूसी) ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के छात्र, प्रोफेसर और उनके परिवार 21 जून 2024 को परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के महत्व पर जागरूकता का प्रसार करना था।

स्थापना दिवस

संस्थान ने 21 जुलाई 2024 को अपना 40वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर, निदेशक प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध एक अग्रणी संस्थान के रूप में इसके विकास को रेखांकित करते हुए, संस्थान की चार दशकों की अकादमिक उत्कृष्टता की यात्रा पर प्रकाश डाला। दिन का आरंभ वृक्षारोपण अभियान से हुआ, जिसने सततता और समुदाय निर्माण के प्रति भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया और इसका समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें संपूर्ण समुदाय एक उत्सवी समागम के लिए एकत्रित हुआ। समारोह का समापन एक भव्य संध्याकालीन कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस समारोह ने हमें उस यात्रा पर चिंतन करने का अवसर दिया, जिसने हमें एक साथ लाया है, एक बैच के रूप में हमारी उपलब्धियों पर, और आगे आने वाले उज्ज्वल भविष्य पर। पर्यावरण और सततता के प्रति भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के प्रयासों के अनुरूप, हम पर्यावरण में योगदान देना जारी रखने और अपने वर्तमान तथा आगामी बैचों में पारिस्थितिक चेतना की भावना विकसित करने की आशा करते हैं।

40वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, संस्थान ने इन्सेडो इंक. के सह-संस्थापक और सीईओ, श्री नितिन सेठ को स्थापना दिवस व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ हमारे राष्ट्र की अदम्य भावना और प्रगति की ओर उसकी यात्रा का उत्सव मनाता है। रवीन्द्रनाथ टैगोर के शाश्वत शब्दों के साथ #आजादीकाअमृतमहोत्सव मनाते हुए:

जहाँ मन भयमुक्त हो और सिर ऊंचा हो, जहाँ ज्ञान मुक्त हो...

जहाँ शब्द सत्य की गहराई से निकलते हैं, जहाँ अथक प्रयास पूर्णता की ओर अपनी बांहें फैलाता है।

शिक्षा और नेतृत्व में उत्कृष्टता की अटूट खोज के माध्यम से राष्ट्र के विकास के प्रति प्रतिबद्ध।

स्वच्छता अभियान (स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने स्वच्छता और पर्यावरणीय सततता को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 मनाया। निदेशक, प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने समग्र कल्याण के लिए स्वच्छ कार्यस्थल और एक सतत पर्यावरण के महत्व पर जोर दिया। संकाय, छात्रों और कर्मचारियों सभी ने अपने परिवेश को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता' विषय के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाए गए स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) पखवाड़े में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, साइकिल वितरण और सफाई मित्रों के लिए टीकाकरण शिविर जैसी विभिन्न पहलें शामिल थीं। इन प्रयासों का उद्देश्य उनके स्वास्थ्य का समर्थन करना था ताकि वे स्वच्छ पर्यावरण के लिए अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रख सकें। अभियान के एक भाग के रूप में, बख्शी का तालाब स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक सफाई लक्ष्य इकाई (सीटीयू) की पहचान की गई, जहाँ सफाई मित्रों ने स्थानीय निवासियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ मिलकर, सुनियोजित तरीके से एक चिन्हित गंदगी वाले स्थान को सफलतापूर्वक साफ किया।

फिट इंडिया सप्ताह

फिट इंडिया अभियान की शुरुआत 29 अगस्त, 2019 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत के हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की 114वीं जयंती के अवसर पर की गई थी, जिसका उद्देश्य फिटनेस को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है। इस अभियान का उद्देश्य व्यवहार में बदलाव लाना और अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय जीवनशैली अपनाना है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, "स्वस्थ व्यक्ति का अर्थ है स्वस्थ परिवार, जो अंततः स्वस्थ समाज का निर्माण करता है।" इसी क्रम में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ भी फिट इंडिया आंदोलन के इस नेक मिशन में शामिल हुआ और इस कार्यक्रम को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

"एक पेड़ मां के नाम" अभियान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया है। इस पहल के तहत लोगों को प्रेम, सम्मान और पर्यावरण जागरूकता के प्रतीक के रूप में अपनी माताओं को एक पेड़ समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इस पहल के माध्यम से, संस्थान का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय कदम उठाने हेतु प्रेरित करना है, जिससे एक हरित और स्वस्थ ग्रह के निर्माण में योगदान मिल सके।

सामुदायिक मिलन समारोह

ईडब्ल्यूसी होली, दिवाली, क्रिसमस, नव वर्ष जैसे अवसरों पर लगातार विभिन्न सामुदायिक समारोहों का आयोजन करता रहा है। अयोध्या दर्शन सामुदायिक समारोहों के लिए एक अच्छा स्थान था।

अनुभाग

10

एनईपी के तहत नवीन पहल

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने समकालीन शैक्षिक प्रवृत्तियों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में उल्लिखित दृष्टिकोण के अनुरूप, समग्र और बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कुछ पहलें इस प्रकार हैं-

1. संस्थान ने अपने उद्योग संवर्धन केन्द्रों के माध्यम से उद्यमिता और नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र और केंद्र बनाया है।

2. यह ऐसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो प्रबंधन को कृषि, सततता अध्ययन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ते हैं। संस्थान ने भारतीय ज्ञान प्रणाली, खुशी और मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों से जुड़े नए और अभिनव पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिनमें 'भारतीय दर्शन का ज्ञान', 'खुशी का विकास और उसे बनाए रखना', 'परिवर्तन के दौर में नेतृत्व की यात्रा' और 'ईएसजी प्रबंधन एवं रिपोर्टिंग' जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। 54संस्थान कई तरह के वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो छात्रों को पारंपरिक प्रबंधन से बाहर के विषयों को खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

3. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाना: भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ छात्रों के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ पंजीकृत है, और एपीएएआर आईडी के साथ भी पंजीकृत है और छात्रों के लिए एपीएएआर आईडी तैयार की है।

4. संस्थान ओपन गवर्नमेंट डेटा सिस्टम का अनुपालन करता है और एआईएसएचई तथा एनईपी कार्यान्वयन सर्वेक्षणों में भाग लेता है। हमारे पीएच. डी. शोध-प्रबंध बेहतर शिक्षण पहुंच के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाते हुए, नियमित रूप से शोधगंगा/इन्फ्लिबनेट पर अपलोड किए जाते हैं।

5. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने उद्यमिता, कौशल विकास, खुशी का विज्ञान और सार्वजनिक नीति जैसे अंतःविषय विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है, जो हितधारकों को सहयोगी अनुसंधान और समग्र कल्याण में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

6. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने सार्वजनिक नीति प्रक्रिया और सेवा वितरण को प्रभावित करने के व्यापक उद्देश्य से सार्वजनिक नीति केंद्र (सीपीपी) की स्थापना की। सीपीपी एक थिंक-टैंक के रूप में विकसित हुआ है जो सरकार और उद्योग जगत के संबंधित हितधारकों को विशेषज्ञता और सलाहकार सेवाएं प्रदान करता है।

7. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अपने उद्योग संवर्धन केन्द्रों के साथ उद्यमिता और नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र और केंद्र बनाया है।

8. अपने अंतरराष्ट्रीयकरण का विस्तार करते हुए, संस्थान ने दुनिया भर के विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

9. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने प्रतिष्ठित 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप' (एमजीएनएफ) कार्यक्रम में भाग लिया, जो युवाओं के कौशल निर्माण में एक अनूठी पहल है, जिसका उद्घाटन 25 अक्टूबर 2021 को हुआ और समापन अक्टूबर 2023 में हुआ।

10. संस्थान ने स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में संयुक्त पीजी डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए आईआईटी कानपुर (गंगवाल मेडिकल स्कूल) के साथ एक समझौता ज्ञापन शुरू किया है।

11. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 'डॉ. राधाकृष्णन गोपालन युवा संकाय शोधकर्ता पुरस्कार' शुरू किया।

12. संस्थान ने अपने पूर्व छात्र नेटवर्क को मजबूत किया है, जो भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ समुदाय के बीच ज्ञान साझा करने और सहयोग की सुविधा प्रदान करता है।

13. समावेशी शिक्षा की आवश्यकता को संबोधित करते हुए, संस्थान राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूडी श्रेणी के मेधावी और योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

14. संस्थान समूह गतिविधियों, कार्यशालाओं और नेतृत्व प्रशिक्षण के माध्यम से सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर जोर देता है ताकि छात्रों को दिमागीपन, संचार कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता सहित समग्र विकास प्रदान किया जा सके।

15. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ एएमबीए और एएसीएसबी द्वारा डबल क्राउन-मान्यता प्राप्त संस्थान है।

16. संस्थान डीएचई, एमओई, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम 'निगरानी और आउटरीच - एनईपी, 2020 का कार्यान्वयन' के उद्देश्यों में योगदान करने का इरादा रखता है और सामूहिक क्षमताओं को लाने और एनईपी कार्यान्वयन की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए 05 मैप किए गए राज्य विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की प्रक्रिया में है।

17. संस्थान ने बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अपने बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के उन्नयन में निवेश किया है।

18. भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों के माध्यम से आजीवन सीखने को बढ़ावा देता है जो उद्योग और शिक्षा पेशेवरों के साथ-साथ पूर्व छात्रों को प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल और ज्ञान को अद्यतन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

इस प्रकार, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के प्रयास न केवल छात्रों को जटिल वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करते हैं, बल्कि एनईपी 2020 में परिकल्पित एक अधिक एकीकृत और बहुमुखी शैक्षिक ढांचे को बढ़ावा देने के व्यापक दृष्टिकोण के साथ भी संरेखित होते हैं।

अनुभाग

11

अन्य पहल

निवेशक बैठक 2.0

स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने के निरंतर प्रयास में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ उद्यम उद्योग संवर्धन केन्द्र (आईआईएमएल ईआईसी) ने 12 जुलाई, 2024 को आईआईएमएल नोएडा परिसर में निवेशक बैठक 2.0 की मेजबानी की। प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योगों, कॉरपोरेट्स और एंजेल निवेशकों के अधिकारियों के साथ-साथ भारत भर की विभिन्न वीसी फर्मों के प्रतिनिधि भी इस बैठक में उपस्थित थे, जिसमें भारत भर के स्टार्टअप संस्थापकों और महत्वाकांक्षी उद्यमियों ने भी भाग लिया।

आईआईएमएल ईआईसी के अधिकारियों ने व्यवसायों की सहायता और विकास में संगठन की सफलता पर प्रकाश डाला, जिसके परिणामस्वरूप असाधारण वार्षिक वृद्धि दर प्राप्त हुई है। बताया गया कि पिछले दो वर्षों में, आईआईएमएल ईआईसी ने 100 से अधिक व्यवसायों को उनका कुल मूल्यांकन 2200 करोड़ रुपये से अधिक तक बढ़ाने में मदद की है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इस निवेश सम्मेलन की संकल्पना यहां उभरते निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने और भारत भर के सभी स्टार्टअप्स के लिए एक ऐसा मंच तैयार करने के लिए की गई है जहां वे आगे के नवाचारों, व्यवसाय, वाणिज्य आदि पर चर्चा कर सकें।

इस आयोजन के महत्वपूर्ण आकर्षणों में नए कार्यक्रमों का शुभारंभ, इस वित्तीय वर्ष में 100 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए उद्योग संवर्धन कार्यक्रम 101 का पहला शुभारंभ और ग्राफिसैड्स के सहयोग से मीडिया टेक एक्सेलेरेशन प्रोग्राम का शुभारंभ शामिल है, जो विकास के चरण में स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के लिए रोडमैप प्रदान करेगा।

विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों और उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं के साथ पैनल चर्चाएं और फायरसाइड चैट आयोजित की गईं। इन विशेषज्ञों ने कॉर्पोरेट उद्यमशीलता और खुले नवाचारों पर अपने विचार और अंतर्दृष्टि साझा कीं। इस कार्यक्रम में 280 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पैनल में प्रख्यात पैनलिस्ट श्री सत्यन कुमार (ओएनजीसी), श्री किशोर कुमार दास (ओआईएल), डॉ. पूनम सिन्हा (एनआईईएसबीयूडी), डॉ. विनोद कुमार (नाबार्ड), और श्री सुजीत भाले (एक्जिम बैंक) शामिल थे, जिन्होंने सीवीसी और स्टार्टअप्स पर इसके प्रभाव पर बहुमूल्य सूचना दी।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण ओटीपी वेंचर्स के संस्थापक और प्रबंध भागीदार, श्री सुहैल समीर का विचारोत्तेजक सत्र था। अपने व्यापक अनुभव के साथ, श्री सुहैल ने प्रतिस्पर्धी युग में स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के लिए बहुमूल्य कार्यनीतियां और सीख साझा कीं।

इस कार्यक्रम में भविष्य के परिवहन क्षेत्र में अग्रणी से लेकर अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा प्रदान करने वाले स्टार्टअप्स की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। 15 पोर्टफोलियो स्टार्टअप्स ने बड़े संगठनों के प्रतिनिधियों और निवेशकों के समक्ष अपने अभिनव समाधान प्रस्तुत करने के लिए पिचिंग सत्र में भाग लिया।

डॉ. राधाकृष्णन गोपालन युवा संकाय शोधकर्ता पुरस्कार

यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि संस्थान में मानव संसाधन प्रबंधन की सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर अंजलि बंसल को राधाकृष्णन गोपालन युवा संकाय शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्रोफेसर राधाकृष्णन गोपालन की जयंती पर उनकी विरासत को याद करते हुए प्रदान किया गया। वरिष्ठ शिक्षाविदों और विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा व्यापक मूल्यांकन के बाद, प्रोफेसर अंजलि बंसल को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया। इस पुरस्कार में अनुमोदित शोध परियोजनाओं के लिए तीन वर्षों में 6 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान और 1 लाख रुपये का एकमुश्त नकद पुरस्कार शामिल है। प्रोफेसर बंसल ने अनुसंधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, विशेष रूप से प्रतिभा प्रबंधन, परिवर्तन प्रबंधन, विलय और अधिग्रहण, एकीकरण तंत्र और विविधता और समावेशन में, तथा वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने में प्रभावशाली योगदान दिया है। प्रोफेसर गोपालन सेंट लुइस स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय के ओलिन बिजनेस स्कूल में एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर थे।

"कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न"

(निवारण, प्रतिषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 पर सत्र

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ, नोएडा परिसर ने 12 दिसंबर 2024 को "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न" पर एक सत्र का आयोजन किया। सत्र का आरंभ प्रोफेसर अनीता गोयल, आंतरिक समिति सदस्य, (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न क रोकथाम) के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने पोश (पीओएसएच) अधिनियम के निष्ठापूर्वक कार्यान्वयन पर जोर दिया।

यह सत्र मुख्य वक्ता सुश्री जॉली प्रिया द्वारा लिया गया, जो एक सलाहकार हैं, जिन्हें प्रमाणित व्यवहार निर्धारक के रूप में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है और वे कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पोश) की विशेषज्ञ हैं तथा उन्होंने इसके लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। वह खेतान एंड कंपनी, यूजीसी, सीएसआर आदि सहित कई संगठनों में एक बाहरी आईसीसी प्रतिनिधि हैं। उन्होंने आईसी समितियों की स्थापना की है और कई संगठनों में पोश नीतियां विकसित की हैं (लिंग विविधता और समावेशन से संबंधित कानून)।

सुश्री जॉली ने पोश अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की स्पष्ट व्याख्या की और उन परिस्थितियों पर चर्चा की जिनके कारण यह अधिनियम लागू हुआ। उन्होंने यौन उत्पीड़न के मामलों से निपटने में सुलह की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने एक प्रस्तुति दी और उदाहरणों के माध्यम से यौन उत्पीड़न के कारणों को स्पष्ट रूप से समझाया और इसे रोकने के कुछ उपाय भी सुझाए।

सुश्री जॉली ने प्रतिभागियों को पूछताछ प्रक्रिया के दौरान सूचना एकत्र करने के लिए उपयोग की जा सकने वाली विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया। उन्होंने पूछताछ प्रक्रिया के दौरान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के महत्व पर प्रकाश डाला, जहाँ शिकायतकर्ता और प्रतिवादी, दोनों को मामले की सुनवाई में समान महत्व और अवसर दिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि शिकायतकर्ता और प्रतिवादियों के बीच विश्वास, सहजता और खुलापन पैदा करने के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कैसे किया जाए।

संलग्नक

संस्थान का समग्र प्रोफ़ाइल

वर्ष 2024-2025 के लिए संस्थान की वित्तीय और कार्मिक प्रोफ़ाइल नीचे प्रस्तुत की गई है:

वित्तीय प्रोफ़ाइल

मात्रा

(लाखों रुपये में)

आय		व्यय	
1 शैक्षणिक प्राप्तियां		**1 कर्मचारी भुगतान और लाभ**	**5622.43**
स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**11915.58**	**2 शैक्षणिक व्यय**	
प्रबंधन विकास कार्यक्रम	**6830.33**	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**3024.37**
फेलो कार्यक्रम (ई-एफपीएम सहित)	**107.36**	प्रबंधन विकास कार्यक्रम	**2667.65**
पीजीपी-एसएम	**960.61**	फेलो कार्यक्रम (ई-एफपीएम सहित)	**586.86**
पीजीपीडब्ल्यूई आय	**977.06**	पीजीपी-एसएम व्यय	**208.87**
आईपीएमएक्स आय	**2984.07**	पीजीपीडब्ल्यूई व्यय	**461.33**
प्लेसमेंट आय	**36.28**	आईपीएमएक्स व्यय	**1182.54**
परामर्श आय	**1031.10**	प्लेसमेंट व्यय	**60.63**
अन्य शुल्क - कैट (समान्य प्रवेश परीक्षा)	**606.97**	परामर्श व्यय	**468.57**
2 अनुदान/सब्सिडी		सामान्य प्रवेश परीक्षा	**23.26**
योजना आवर्ती/एफपीएम	**0.00**	समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ	**1.36**
3 निवेश से आय	**3009.90**	अनुसंधान एवं विकास	**1351.88**
4 अर्जित ब्याज	**545.06**	**3 मूल्यह्रास/परिशोधन**	**2097.53**
5 अन्य आय और वसूली	**277.84**	**4 प्रशासनिक एवं सामान्य**	**1040.06**
6 पूर्व अवधि की आय	**0.00**	**5 परिवहन व्यय**	**24.64**
		6 मरम्मत एवं रखरखाव	**895.26**
		7 वित्त लागत	**0.90**
		8 अन्य व्यय	**0.00**
		9 पूर्व अवधि व्यय	**2.99**
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	**9561.03**
कुल	**29282.17**	**कुल**	**29282.17**

वर्ष के दौरान, संस्थान ने पूंजीगत/आवर्ती व्यय (पीएचडी छात्रों के लिए अनुदान सहित) के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से कोई अनुदान स्वीकृत नहीं किया है।

संस्थान के पांच संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों के नाम जिन्हें वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान सबसे अधिक पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्ते और भुगतान सहित) प्राप्त हुआ:

क्र. सं.	संकाय का नाम	राशि (रु. में)
1	प्रो. अर्चना शुक्ला	11,088,283 /-
2	प्रो. पंकज कुमार	10,169,522/-
3	प्रो. पुष्पेंद्र प्रियदर्शी	9,188,358/-
4	प्रो. निशांत उप्पल	8,980,114/-
5	प्रो. अजय कुमार गर्ग	8,847,678/-

कार्मिक विवरण

संस्थान, 333 कार्मिकों (मार्च 2025 के वेतन के अनुसार) के साथ, लखनऊ और नोएडा दोनों परिसरों की शैक्षणिक, प्रशासनिक और परिसर विकास गतिविधियों को सराहनीय ढंग से पूरा करने में सक्षम रहा है।

संकाय		
	नियमित	**97**
	अनुबंध	**00**
अधिकारियों		
	नियमित	**38**
	अनुबंध	**15**
कर्मचारी		
	नियमित	**83**
	अनुबंध	**40**
दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी		**14**
अनुसंधान कार्मिक		**46**
कुल		**333**

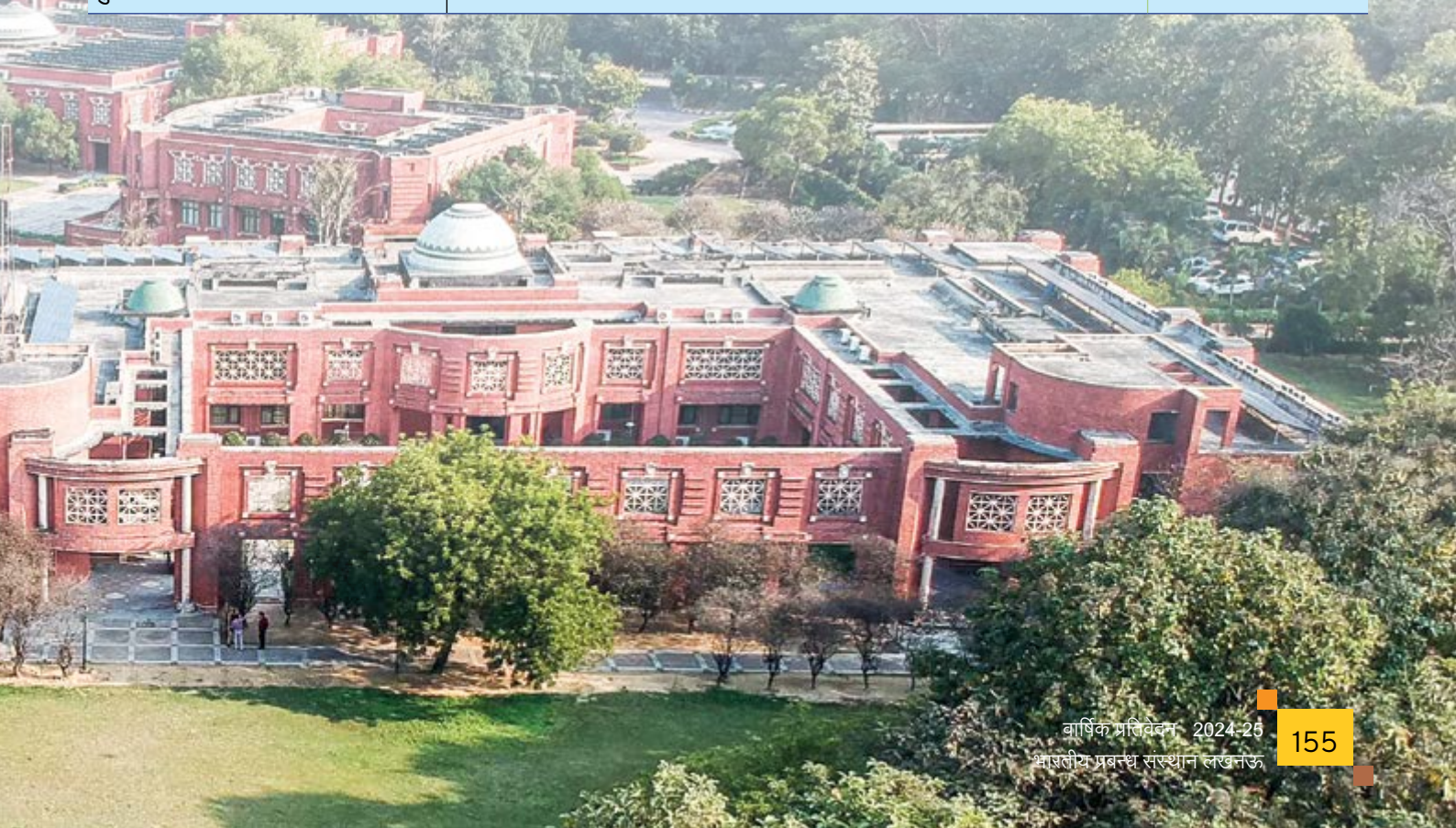

समग्र प्रशासन

निदेशक	प्रो. अर्चना शुक्ला
शैक्षणिक परिषद	
अध्यक्ष (निदेशक)	प्रो. अर्चना शुक्ला
सचिव (डीन संकाय)	प्रो. अजय के. गर्ग

डीन	
डीन (संकाय)	प्रो. अजय के. गर्ग
डीन (कार्यक्रम)	प्रो. विकास श्रीवास्तव
डीन (अनुसंधान)	प्रो. अजय के. गर्ग
डीन (नोएडा परिसर)	प्रो. अजय सिंह

कार्य प्रमुख	
अध्यक्ष (प्रवेश)	प्रो. कृष्ण चंद्र बलोदी
" [प्रवेश (एनसी)]	प्रो. एस. वेंकटरमणैया
अध्यक्ष (पूर्व छात्र मामले)	प्रो. यश दौलतानी
अध्यक्ष (सीसीएमआर)	प्रो. मेधा बख्शी
अध्यक्ष (एफपीएम)	प्रो. पुष्पेंद्र प्रियदर्शी
अध्यक्ष (स्नातकोत्तर कार्यक्रम)	प्रो. सुरेश के. जाखड़
अध्यक्ष (एमडीपी)	प्रो. सब्यसाची सिन्हा
अध्यक्ष (आईपीएमएक्स)	प्रो. गौरव गर्ग
अध्यक्ष (ईएफपीएम)	प्रो. पुष्पेंद्र प्रियदर्शी
अध्यक्ष (सीएसी)	प्रो. वी.एस. प्रकाश अत्तिली
अध्यक्ष (क्रय समिति)	प्रो. राकेश वी.
अध्यक्ष (पुस्तकालय सलाहकार समिति)	प्रो. राकेश वी.
अध्यक्ष (सीएमईई)	प्रो. सत्यभूषण दास
अध्यक्ष (सीएफएएम)	प्रो. संजीव कपूर
अध्यक्ष (व्यवसाय स्थिरता केंद्र)	प्रो. कौशिक रंजन बंद्योपाध्याय
अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय मान्यता एवं रैंकिंग)	प्रो. सौम्या सुब्रमण्यम/प्रो. शलभ सिंह
अध्यक्ष (पीजीपी-एसएम)	प्रो. दीप्ति गुप्ता
अध्यक्ष (एसए और प्लेसमेंट)	प्रो. प्रियंका शर्मा
अध्यक्ष (कैरियर विकास सेवाएँ) (एनसी)	प्रो. अनीता गोयल
अध्यक्ष (पीजीपीडब्ल्यूई)	प्रो. प्रियतम अनुराग
अध्यक्ष (छात्र मामले एनसी)	प्रो. प्रियांशु गुप्ता

विभाग अध्यक्ष (2024-2025)

कृषि-व्यवसाय प्रबंधन	प्रो. संजीव कपूर
व्यावसायिक संपर्क	प्रो. पायल मेहरा
व्यावसायिक वातावरण	प्रो. डी. त्रिपाठी राव
निर्णय विज्ञान	प्रो. कौस्तव बनर्जी
वित्त लेखा	प्रो. सौम्या एस
मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. भूमिका
आईटी और सिस्टम	प्रो. विवेक गुप्ता
विधिक प्रबंधन	प्रो. विजय पाल सिंह
विपणन प्रबंधन	प्रो. देवाशीष दास गुप्ता
संचालन प्रबंधन	प्रो. यश दौलतानी
कूटनीतिक प्रबंधन	प्रो. धीरेंद्र मणि शुक्ला
व्यावसायिक स्थिरता	प्रो. कौशिक रंजन बंद्योपाध्याय

संकाय प्रोफाइल

संकाय प्रोफ़ाइल- आईआईएम लखनऊ						
वर्ग	2022-2023		2023-2024		2024-2025	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
उर	74	17	71	19	69	22
ईडब्ल्यूएस	0	0	0	0	0	0
ओबीसी-एनसी	3	0	3	0	3	0
अनुसूचित जाति	0	2	0	2	1	2
अनुसूचित जनजाति	0	0	0	0	0	0
दिव्यांग	0	0	0	0	0	0
कुल	**77**	**19**	**74**	**21**	**73**	**24**

कृषि व्यवसाय प्रबंधन

कृति वर्धन गुप्त, 1966
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

माया कांत अवस्थी, 1968
पीएच.डी.
जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर, भारत

संजीव कपूर, 1964
पीएच.डी.
जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर, भारत

सुशील कुमार, 1965
एसएसएचआरसी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, पीएच.डी.
टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा

कुशनकुर डे, 1981
फैलो
ग्रामीण प्रबंधन संस्थान (आईआरएमए), आनंद, भारत

व्यावसायिक संचार समूह

नीरजा पांडे, 1963
पीएच.डी.
लखनऊ विश्वविद्यालय, भारत

पायल मेहरा, 1971
पीएच.डी.
लखनऊ विश्वविद्यालय, भारत

शुभदा अरोड़ा, 1987
फैलो
एमआईसीए, अहमदाबाद , भारत

मेधा बख्शी, 1979
पीएचडी
मुंबई विश्वविद्यालय

रंजन कुमार, 1977
पीएच.डी.
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ

डॉ. दीक्षा मित्तल, 1992
पीएच.डी.
साउथ इलिनोइस यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका

व्यावसायिक परिवेश समूह

चंदन शर्मा, 1979
पीएच.डी.
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

डी. त्रिपाठी राव, 1970
पीएच.डी.
मुंबई विश्वविद्यालय, भारत

केजी सहदेवन , 1963
पीएच.डी.
हैदराबाद विश्वविद्यालय, भारत

कौशिक भट्टाचार्य, 1967
पीएचडी
भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता, भारत

संगीता डी. मिश्रा , 1965
पीएच.डी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, भारत

संजय कुमार सिंह, 1973
पीएच.डी.
इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान (आईजीआईडीआर) मुंबई, भारत

देबदत्त पाल, 1979
फेलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

कार्तिक यादव, 1990
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर

हिमाद्री शेखर चक्रवर्ती, 1991
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता

व्यावसायिक स्थिरता

आशीष अग्रवाल, 1975
पीएचडी
मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के, यूके

कौशिक रंजन बंद्योपाध्याय, 1972
पीएचडी
जेएनयू, दिल्ली, भारत

दीप्ति गुप्ता, 1985
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

प्रियांशु गुप्ता, 1983
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता

निर्णय विज्ञान समूह

गौरव गर्ग, 1977
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, भारत

सोनिया सिंह, 1978
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, भारत

गरिमा मित्तल, 1976
पीएचडी.
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

कौस्तव बनर्जी, 1977
पीएचडी
कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता , भारत

संजीत सिंह, 1978
पीएचडी
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

दीपक प्रजापति, 1990
पीएचडी
आईआईटी कानपुर

शलभ सिंह, 1982
एफ पी एम
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ

उत्सव पांडे , 1990
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता

तमालिका कोले, 1990
पीएचडी
भारतीय सांख्यिकी संस्थान कोलकाता

वित्त एवं लेखा समूह

ए.के. मिश्रा, 1967
पीएचडी.
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), भारत
फेलो आईएफसीआई

अजय गर्ग, 1969
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

आलोक दीक्षित, 1982
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, भारत

एम. कर्माकर , 1963
पीएचडी.
उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, भारत

मधुमिता चक्रवर्ती, 1974
पीएचडी.
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

प्रकाश सिंह, 1971
पीएचडी.
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी , राजस्थान, भारत

शेषदेव साहू, 1968
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर, भारत

विकास श्रीवास्तव, 1971
पीएचडी.
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, भारत

मृत्युंजय तिवारी, 1985
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

सौम्या एस, 1984
पीएचडी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, भारत

आशीष पांडे, 1975
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) इंदौर, भारत

जलज पाठक, 1991
पीएचडी
आईआईएम बैंगलोर

मानव संसाधन प्रबंधन समूह

अर्चना शुक्ला, 1960
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, भारत

अजय सिंह, 1962
पीएचडी.
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली, भारत

हिमांशु राय, 1969
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

पंकज कुमार, 1967
पीएचडी.
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

पुष्पेंद्र प्रियदर्शी , 1977
पीएचडी.
दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत

निशांत उप्पल, 1978
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) इंदौर, भारत

गिरीश बालासुब्रमण्यम, 1985
एफ पी एम
एक्सएलआरआई- जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर, भारत

पावनी कौशिवा , 1988
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता, भारत

भूमिका, 1985
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, भारत

अंजलि बंसल, 1989
पीएचडी
दिल्ली विश्वविद्यालय

नबीला खान, 1991
पीएचडी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
पीएचडी
प्रौद्योगिकी संस्थान , दिल्ली

आईटी एवं सिस्टम समूह

अमित अग्रहरि , 1978
फैलो
एक्सएलआरआई- जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर, भारत

अरुणाभ मुखोपाध्याय, 1973
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता, भारत

अश्विनी कुमार, 1971
पीएचडी.
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, भारत

प्रदीप कुमार, 1977
पीएचडी.
हैदराबाद विश्वविद्यालय, भारत

विवेक गुप्ता, 1966
पीएचडी
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, यूपी, भारत

वी.एस. प्रकाश अत्तिली , 1979
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास, भारत

आशुतोष झा, 1986
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता

विपणन समूह

अनिरबन चक्रवर्ती, 1976
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

अनीता गोयल, 1972
पीएचडी.
जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत

आशीष दुबे, 1979
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे, भारत

देवाशीष दास गुप्ता, 1971
पीएचडी.
डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, भारत

प्रेम प्रकाश दीवानी , 1976
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

राजीव कुमरा , 1969
पीएचडी.
जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

राजेश ऐथल , 1975
फैलो
ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद, गुजरात, भारत

सत्य भूषण दाश, 1970
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर, भारत

प्रियंका शर्मा, 1982
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, भारत

कृष्णन जीशा, 1985
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) कोझीकोड

विशाखा चौहान, 1983
पीएचडी
आईआईटी, दिल्ली

सुशांत कुमार, 1986
पीएचडी
आईआईएम शिलांग

सम्पा अनुपूर्बा पाही , 19955
पीएचडी
एफपीएम, एक्सएलआरआई, जमशेदपुर

संचालन प्रबंधन समूह

ओंकारप्रसाद एस. वैद्य, 1972
फैलो
राष्ट्रीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान (NITIE), भारत

एस. वेंकटरमणैया , 1965
पीएचडी.
अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, भारत

समीर के. श्रीवास्तव, 1967
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ, भारत

सुशील कुमार, 1966
पीएचडी.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, भारत

सुरेश कुमार जाखड़ , 1987
पीएचडी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, भारत

राकेश वी, 1986
पीएचडी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे, भारत

यश दौलतानी , 1988
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ, भारत

हिमांशु राठौर, 1987
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) रोहतक, भारत

अरविंद श्रॉफ, 1994
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) इंदौर, भारत

दिव्या चौधरी, 1990
पीएचडी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली

कार्यनीतिक प्रबंधन समूह

अमिता मित्तल, 1963
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ, भारत

आशुतोष के. सिन्हा, 1967
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

नीरज द्विवेदी, 1970
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ, भारत

सब्यसाची सिन्हा, 1978
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारत

कृष्ण चंद्र बलोदी , 1979
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) इंदौर, भारत

क्षितिज अवस्थी, 1983
फैलो
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

प्रियतम अनुराग, 1980
पीएचडी.
भारतीय प्रबन्ध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर, भारत

धीरेंद्र मणि शुक्ला, 1986
एफ पी एम
आईआईएम, लखनऊ

वीथिका स्मृति, 1990
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान बैंगलोर

गौरव जी.बी., 1991
पीएचडी
भारतीय प्रबन्ध संस्थान, बैंगलोर

विधि

विजय पाल सिंह, 1977
पीएचडी
बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, भारत

प्रशासनिक कार्मिक विवरण

स्थायी कैडर (लखनऊ और नोएडा परिसर)

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	ए मुरली	प्रणाली विश्लेषक
2	अमित शंकधर	वित्त एवं लेखा अधिकारी
3	अमितेश कुमार सिंह	सहायक अभियंता (सिविल)
4	आनंद कुमार सेठ	प्रशासनिक अधिकारी
5	अनीता राजमोहन	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
6	अनूप सिंह	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
7	अंशुमान गुप्ता	अधिशाषी अभियंता
8	अनुराग	प्रमुख वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (मानव संसाधन)
9	आशीष कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
10	अशोक फुलझेले	वरिष्ठ संपदा अधिकारी
11	भावना शर्मा	वित्त एवं लेखा अधिकारी
12	कमांडर यतीश सिंह बोनल (सेवानिवृत्त)	प्रशासनिक अधिकारी
13	चंद्रशेकरन एमवी	प्रशासनिक अधिकारी
14	जॉर्ज टीयू	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
15	कपिल तोमर	प्रशासनिक अधिकारी
16	कविता चड्ढा	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
17	महेंद्र कुमार सिंह	पुस्तकालयाध्यक्ष
18	नवनीत टिटोरिया	प्रणाली विश्लेषक
19	राहुल भट	प्रशासनिक अधिकारी
20	राज सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
21	राजीव वर्मा	वित्त एवं लेखा अधिकारी
22	राजेश आर. रामटेके	प्रशासनिक अधिकारी
23	राजीव सक्सेना	प्रणाली विश्लेषक
24	रजनी गुप्ता*	प्रशासनिक अधिकारी
25	रवींद्र कुमार गौड़	प्रशासनिक अधिकारी
26	रवींद्र कुमार*	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
27	संगीता कुमार	प्रणाली विश्लेषक
28	सत्येंद्र त्रिपाठी	वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी
29	सीमा शुक्ला	प्रशासनिक अधिकारी
30	शिव कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
31	शिवाशीष त्रिपाठी	प्रशासनिक अधिकारी
32	सुचित्रा भटनागर	प्रशासनिक अधिकारी
33	सुप्रिया रस्तोगी	वित्त एवं लेखा अधिकारी
34	सुशील कुमार*	प्रशासनिक अधिकारी
35	स्वप्ना वर्मा	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
36	तपस कुमार राउत	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
37	विजय प्रकाश कौशल्यायन	प्रबंधक (सीएस)
38	विजय सिंह	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

* सेवानिवृत्त / त्यागपत्र

लखनऊ परिसर में संविदा अधिकारी

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पद का नाम
1	कर्नल संजीव बख्शी (सेवानिवृत्त)	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
2	अंजू शर्मा	महाप्रबंधक (एमडीपी)
3	डॉ. एसपी सिंह	आवासीय चिकित्सा अधिकारी
4	डॉ. अखिलेश कुमार गौड़	चिकित्सा अधिकारी (पूर्णकालिक)
5	शर्मेश कुमार चतुर्वेदी	विधि-सह-संपर्क-अधिकारी
6	आंचल	प्रबंधक (अंतर-संबंध)
7	सुदीप्ता सिंह	प्रबंधक (आईए एंड आर)
8	निखिल कुमार वर्मा	प्रबंधक-हितधारक संबंध

आईआईएमएल-नोएडा परिसर में अनुबंध पर अधिकारी

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पद का नाम
1	कर्नल (सेवानिवृत्त) ए.एस. चंद	प्रशासन प्रमुख
2	सुश्री शुचि अरोड़ा	वरिष्ठ प्रबंधक (आईपीएमएक्स)
3	श्री ईशान श्रीवास्तव	प्रबंधक (सीएमईई)
4	श्री शादाब अहमद खान	सहायक प्रबंधक (सुविधा प्रबंधन)
5	सुश्री प्रिया कटियार	सहायक प्रबंधक (आईपीएमएक्स)
6	श्री अंकुर अरोड़ा	प्रबंधक - सीडीएस
7	सुश्री जोहरा खातून	प्रबंधक (पीजीपीएसएम)

*सेवानिवृत्त / त्यागपत्र

अतिथि संकाय की सूची 2024-25

1	डॉ. आकाश कृष्णन
2	डॉ. आमोद कुमार
3	डॉ.अंगसुमन घोष
4	डॉ. अंकुर गर्ग
5	डॉ. आशय सक्सेना
6	डॉ. देबी सैनी
7	डॉ. दीपक अग्रवाल
8	डॉ. जीवन नाथ
9	डॉ. के आर लक्ष्मीनारायण
10	डॉ. महेश कुमार
11	मनमोहन भूटानी
12	डॉ. नवीन के मलिक
13	डॉ. नीरज कुमार
14	डॉ. निशि पांडे
15	डॉ. पी बी श्रीकांत
16	डॉ. पल्लब साहा
17	डॉ.प्रद्युमन पांडे
18	डॉ. आर किरण
19	डॉ. राजीव विजय
20	डॉ. एस आर मुसन्ना
21	डॉ. संदीप प्रधान
22	डॉ. शिशम भट्टाचार्य
23	श्री अभिज्ञान मुंद्रा
24	श्री अभिषेक कुमार
25	श्री अभिषेक शर्मा (कर्नल)
26	श्री.अदिता काम्बोज
27	श्री अजय नैयर
28	श्री अजीत चौधरी
29	श्री अखिलेश गुप्ता
30	श्री अमन भटनागर
31	श्री अमरजीत सिंह
32	श्री अमित हरलाल्का
33	श्री अमित अग्रवाल
34	श्री अनंत मित्तल
35	श्री अंबू रथिनावल
36	श्री अंधवारापु श्रीनिवास
37	श्री अनिल नायर
38	श्री अनिल स्वरूप
39	श्री अंकित खंडेलवाल
40	श्री अनुभव अग्रवाल
41	श्री अनुभव जैन
42	श्री अनुभव प्रधान
43	श्री अनुराग
44	श्री अरुण श्रीलानलान अय्यर
45	श्री अरुण टांगरी
46	श्री अरविंद अय्यर
47	श्री असफाक शेख
48	श्री आशीष चतुर्वेदी
49	श्री आशीष जोशी
50	श्री आशुतोष गुप्ता
51	श्री अतुल उदय
52	श्री अतुल कृष्ण चतुर्वेदी
53	श्री चिराग बडाला
54	श्री दीपक शर्मा
55	श्री दीपेंद्र रावत
56	श्री दिव्यप्रीत सिंह
57	श्री ईशान शर्मा
58	श्री गौरव सक्सेना
59	श्री गोविंद सिंह यादव
60	श्री हिमांशु गोयल और जॉर्ज टी
61	श्री हिमांशु वर्मा
62	श्री हितेश शाह
63	श्री जगन श्रीनिवासन
64	श्री जगदीप ग्रेवाल
65	श्री जय अग्रवाल
66	श्री जयदीप देवधर
67	श्री जयदीप घोष
68	श्री जयंत कृष्ण
69	श्री जीवेश चंद्रयान
70	श्री किशोर अजवानी
71	श्री कृष्णन वी
72	श्री कुमार केशव
73	श्री लाबन्या प्रकाश जेना
74	श्री लाल चंद वर्मा
75	श्री ललित श्योराण
76	श्री लक्ष्मीनारायणन जी
77	श्री एम कन्नन
78	श्री मंदार शिरसावाकर
79	श्री मंगेश एन पाटनकर
80	श्री मनीष मोदी
81	श्री मनोमॉय दास
82	श्री मारूफ उमर
83	श्री मयंक शिवम
84	श्री मोहित कुमार
85	श्री मोनोमोय दास
86	श्री श्रीधर श्रीनिवासन
87	श्री नवीन माथुर
88	श्री नीरज सिंघल
89	श्री निमाई स्वैन
90	श्री निमिष भार्गव
91	श्री निपुण जैन
92	श्री नितिन पुरी
93	श्री पाविन बरहाटे
94	श्री पीयूष सेठिया
95	श्री प्रभाकर तिवारी
96	श्री प्रमित मिश्रा
97	श्री प्रणव अग्रवाल
98	श्री प्रशांत आनंद
99	श्री प्रतीक रंजन
100	श्री रवींद्र साहू
101	श्री राज कमल गिलरा
102	श्री राज कृष्ण
103	श्री राज पनीसेट्टी
104	श्री राजा देबनाथ
105	श्री राजीव अग्रवाल

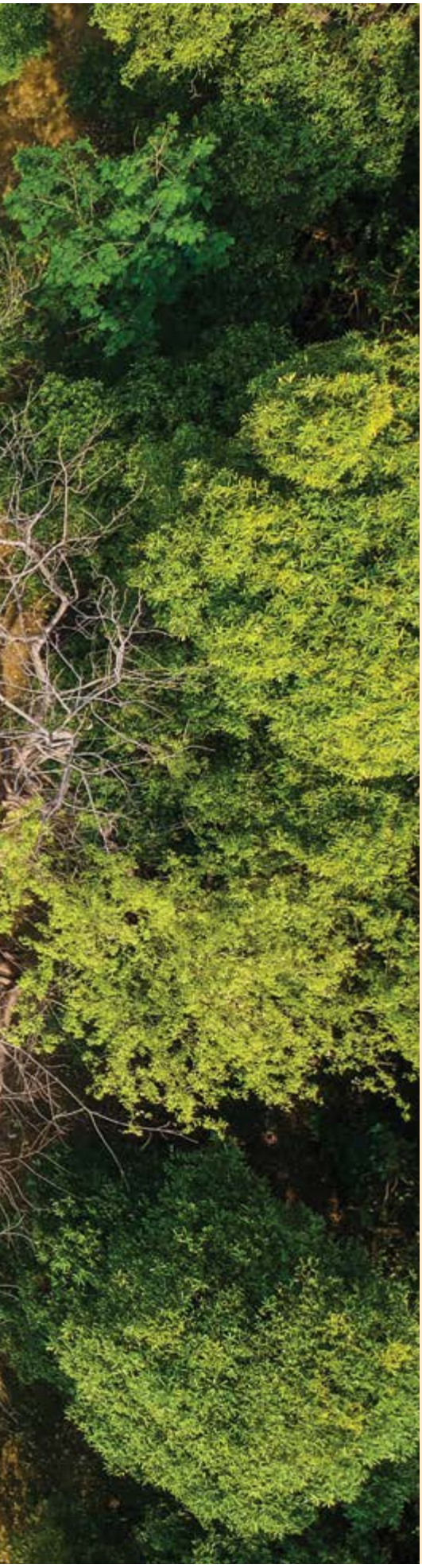

106	श्री राजू नारायण स्वामी
107	श्री रमेश दुरईकन्नन
108	श्री रमेश सुंदरेशन
109	श्री रवि कांत
110	श्री रवि रंजन
111	श्री रोहित अम्बास्ट
112	श्री रोहित कुमार
113	श्री रोहित पांडे
114	श्री सलीम हुसैन
115	श्री समीर रस्तोगी
116	श्री संदीप दास
117	श्री संदीप गुप्ता
118	श्री संदीप के शर्मा
119	श्री संदीप साहनी
120	श्री संजय मित्रा
121	श्री संजीव गोविल
122	श्री शंकरसन बनर्जी
123	श्री संतोष के. सेट्टी
124	श्री सतीश राव
125	श्री सत्य एन गुप्ता
126	श्री सत्यजीत सेनापति
127	श्री सत्यकाम गौतम
128	श्री सौमिल संजय चोगले
129	श्री सौरव कुमार
130	श्री.सयंतन चटर्जी
131	श्री शंख शुभ्रा मिश्रा एवं श्री नवनीत दमानी
132	श्री शांतनु सबनीस /नितिन
133	श्री शशांक उपाध्याय
134	श्री शिखर कोहली
135	श्री शुभम गर्ग
136	श्री सिद्धार्थ जैन
137	श्री सोम नाथ कुंडू
138	श्री श्रीकांत पी.वी.
139	श्री श्रीनिवास एस
140	श्री सुमित के सिंह
141	श्री सूरज प्रसाद

142	श्री सूरज साहा
143	श्री स्वप्नेश कौशल
144	श्री स्वप्निल कुमार
145	श्री टी एस मोहन कृष्णन
146	श्री उदित गोयल
147	श्री उत्तम लाल
148	श्री वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन
149	श्री विनीत श्रीवास्तव
150	श्री विन्नकोटा रामचन्द्र कौण्डिन्य
151	श्री विशाल
152	श्री विशाल सेठ
153	श्री विवेक सिंह
154	श्री यामिनी भूषण पांडे
155	श्री अनुभव जैन
156	श्रीमती टेज रीटा
157	सुश्री आशी जैन
158	सुश्री आस्था वर्मा
159	सुश्री अनीता यादव
160	सुश्री अर्पिता मुखर्जी
161	सुश्री दीपाली सिंह
162	सुश्री गरिमा ममगैन
163	सुश्री इज़्ज़त यागानागी
164	सुश्री जननी कंडास्वामी
165	सुश्री जॉली प्रिया
166	सुश्री किंकिनी रॉयचौधरी
167	सुश्री महिमा बहल
168	सुश्री मंशा टंडन
169	सुश्री प्रियंका सिंह
170	सुश्री शीतल जैन
171	सुश्री श्रेयंका बसु
173	सुश्री सोनाली बख्शी
174	सुश्री तुलिका सोनाथलिया
175	प्रो. हिमांशु राय
176	प्रो.एल गणपति
177	प्रो. राहुल पांडे
178	तेजस चौधरी

अनुबंधित संकाय की सूची 2024-25

1	डॉ. दीप्ति प्रकाश प्रधान
2	डॉ. फैजल एम अहसन
3	डॉ. पद्मा त्रिपाठी
4	डॉ. राजेश जैन
5	श्री हरि प्रकाश
6	श्री अमित श्रीवास्तव
7	श्री जयंत कृष्ण
8	श्री करमन खन्ना
9	श्री श्रीधर श्रीनिवासन
10	श्रीराजेश नटराजन विश्रेमपेट

11	श्री राजेश प्रेमचंद्रन
12	श्री श्रीधर श्रीनिवासन
13	श्री सुजितेश दास
14	सुश्री जॉली प्रिया
15	प्रो. आशीष पांडे
16	प्रो. अनादि पांडे
17	प्रो. गौरव मिश्रा
18	प्रो. गोविंदराजन श्रीनिवास
19	प्रो. हर्षित मौर्य
20	प्रो. जीवन अरकल

21	प्रो.एल गणपति
22	प्रो.मौसुमी पाधी
23	प्रो. नीलम किनरा
24	प्रो.नीरज कुमार
25	प्रो. निविशा सिंह
26	प्रो. राहुल पांडे
27	प्रो. राजीव कुमरा
28	प्रो.शैलेंद्र सिंह
29	प्रो. शांतम शुक्ला

अतिथि व्याख्यान: नोएडा परिसर

क्र.सं.	नाम	कंपनी संबद्धता
1	श्री राहुल प्रभाकर	आईटीसी होटल्स
2	श्री राकेश झा	बीडीओ इंडिया एलएलपी
3	सुश्री शुचि अग्रवाल	एक्सेंचर
4	श्री अमित कालिंदी	हैवेल्स रिसर्च एंड इनोवेशन्स
5	श्री भास्कर जोशी	अमेजन वेब सीरीज़
6	श्री गौरव अग्रवाल	आईएएस, बीकानेर
7	श्री मिताव कुलस्क्रेस्था	यूनिलीवर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
8	श्री मोहन रेड्डी कलासानी	नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड.
9	सुश्री आकृति गुप्ता	बैन
10	सुश्री प्रियंका सूद	सीमेंस
11	सुश्री सोनवी खन्ना	सोशल कॉम्पैक्ट
12	श्री मैथ्यू जॉन	वर्ल्ड फेयर ट्रेड आर्गेनाइजेशन
13	श्री सौरभ दीदी	भारत सरकार; ऊर्जा दक्षता ब्यूरो)
14	श्री राधेश अग्रहरि	गोल्डन फिदर्स
15	श्री बासित अफ़ज़ल	एक्रेस ऑफ आइस
16	श्री आशीष जैन	भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ
17	श्री संजय हरलालका	एचयूएल
18	श्री संजीव कुमार झा	जेके लक्ष्मी सीमेंट
19	सुश्री शीतल सिन्हा	आईसीआरए-ईएसजी
20	सुश्री श्वेता त्रिपाठी	श्रुति
21	सुश्री अर्शिया बोस	ब्लैक बाजा कॉफी कंपनी
22	श्री ए.बी. चक्रवर्ती	उपाय सोशल वेंचर्स
23	श्री वरुण मल्होत्रा	क्वोना कैपिटल
24	सुश्री अनुश्री पारेख	ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट
25	श्री शाश्वत राय	आविष्कार कैपिटल
26	श्री अनिल जैन	एक्सेंचर स्ट्रेटेजी

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के तहत वर्ष 2022 के लिए आंतरिक शिकायत समिति से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट।

वर्ष में प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	**3**
90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या	**0**
वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	**3**
यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आयोजित कार्यशालाओं या जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	**3**
नियोक्ता या जिला अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की संख्या	**1**

वित्तीय विवरण

BRANCH: DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL), LUCKNOW AT PRAYAGRAJ

सत्यमेव जयते

Ltr No: Central Expenditure/2025-2026/DIS-3324230
Date: 13 Jan 2026

To,

Director,
Indian Institute of Management Lucknow

Subject: Issue of Separate Audit Report: PR-201699 on the annual accounts of Indian Institute of Management Lucknow for the year 2024-25

Sir/Madam,

वर्ष 2024-24 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ, लखनऊ-226013 को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए :

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरुप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

Yours faithfully,

RAJ KUMAR
Dy Director

Opinion of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Indian Institute of Management, Lucknow for the year ended 31 March 2025

Opinion

We have audited the financial statements of Indian Institute of Management, Lucknow (Institute) which comprise the statement of financial position as at 31 March 2025 and the Income & Expenditure Account/Receipts & Payment Account for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies under Section 19(2) of the comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 23(3) of the Indian Institute of Management Act 2017.

This Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards, disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions regarding compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety & Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc., if any, are reported through inspection reports/ CAG's audit reports separately.

In our opinion the accompanying financial statements ofIndian Institute of Management, Lucknow read together with the accounting policies and Notes thereon and matters mentioned in the Separate Audit Report, which follows, **give a true and fair view** of the financial position of the autonomous body as at March 31, 2025, and (of) its financial performance and its cash flows for the year then ended in accordance with format of accounts prescribed by Ministry of Education, applicable to the Institute/accounting standards generally accepted in India.

Basis of Opinion

We conducted our audit in accordance with the CAG's auditing regulations/standards/manuals/guidelines/guidance-notes/orders/circulars etc. Our responsibilities are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are independent of the autonomous body in accordance with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for opinion.

Responsibilities of Management for the financial statements

The Governing body of the Institute is responsible for the preparation and fair

presentation of the financial statements in accordance with format applicable to the Institute/accounting standards generally accepted in India, and for internal control as management determines it necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion in accordance with CAG's auditing regulations/standards/manuals/guidelines/guidance-notes/ order/ circulars etc.

For and on behalf of the CAG of India

Place: Lucknow
Date:

Digitally signed by Sanjay Kumar
Date: 12-01-2026 11:10:53

Principal Director of Audit (Central) Lucknow

Separate Audit Report on the Accounts of Indian Institute of Management, Lucknow for the year ended 31 March 2025

A. Management Letter

Deficiencies which have not been included in this Separate Audit Report have been brought to the notice of the Management through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

B. Assessment of Internal Controls

(i) Adequacy of the internal control system:

Inadequacy of the internal control system is characterised b y non filling of 92 vacancies against the sanctioned strength of 198 including Noida campus.

(ii) Adequacy of internal audit system:

The Internal Audit of the Institute has been conducted for the year 2024-25 by a Chartered Accountants firm.

(iii) System of physical verification of fixed assets:

Physical verification of fixed assets was conducted for the year 2024-25 and the physical verification of library was conducted up to December,2024.

(iv) System of physical verification of inventory:

Physical verification of inventory has been conducted for the year 2024-25.

(v) System of regularity in payments of statutory dues:

No, irregularity was noticed in payment of statutory dues.

C. Grants-in-aid

The Institute did not receive any Grants-in-aid from the Government of India during the financial year 2024-25.

Sanjay Kumar

Principal Director of Audit (Central) Lucknow

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) लखनऊ
शाखा कार्यालय – प्रयागराज
Office of the Principal Director of Audit (Central) Lucknow
Branch Office - Prayagraj
15-ए, दयानंद मार्ग, ऑडिट भवन, प्रयागराज - 211001
15-A, Dayanand Marg, Audit Bhawan, Prayagraj - 211001

पत्र सं०: प्र.नि.ले.प. (के)/एस.ए.आर./2025-26/196 दिनांक: 13.01.2026

सेवा में,
निदेशक,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
प्रबन्ध नगरए सीतापुर रोड,
लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226013 |

विषय: Management Letter for corrective measures – reg.

महोदय,

We have audited the Annual Accounts of the Indian Institute of Management Lucknow for the year 2024-25 and have issued the Audit Report. Following deficiencies, observed during the course of audit which has not been included in the Separate Audit Report, are being brought to your kind notice for remedial/corrective action:

Part A: Persistent Irregularities

Nil

Part B: Other minor irregularities

(B.1) Income and Expenditure Account

Prior Period Expenses (Schedule-22) **Rs. 2.99 lakh**

(B.1.1) The Institute paid Rs. 49.39 lakh during the year 2024-25 towards License and Internet expenses. Out of this expense, Rs. 16.37 lakh pertained to the period January 2024 to March 2024. As the expense of Rs. 16.37 lakh pertains to the year 2023-24, this should have been shown as Prior Period Expenses in Schedule-22. This resulted in overstatement of Schedule 16 – Academic Expenses by Rs. 16.37 lakh and understatement Prior Period Expenses (Schedule-22) by the same amount.

(B.1.2) The Institute has shown Medical Expenses of Rs. 1.35 lakh, Printing & Stationery expenses of Rs. 2.35 lakh, Repairs & Maintenance expenses of Rs. 2.58 lakh and PGT Miscellaneous Expenses of Rs. 2.31 lakh in current year annual account whereas these pertain to prior period. This resulted in overstatement of Establishment Expenditure (Schedule-15) by Rs. 1.35 lakh, Academic Expenses (Schedule-16) by Rs. 2.31 lakh, Administrative and General Expenses (Schedule-17) by Rs. 2.35 lakh, Repairs & Maintenance Expenses by Rs. 2.58 lakh and understatement of Prior period expenses (Schedule-22) by Rs. 8.59 lakh.

(B.2) General

(B.2.1) Loans, Advances & Deposits (Schedule 8) **Rs. 82.21 crore**

The Institute made payment of Rs. 5.73 lakh towards renewal of Kaspersky Endpoint Security license for 3 years covering the period 11.06.2024 to 18.06.2027. It has shown Rs. 4.22 lakh pertaining to period 01.04.2025 to 18.06.2027 in Academic Expenses (Schedule-16) in place of Loans, Advances & Deposits (Prepaid Expenses) (Schedule-8). This resulted in overstatement of Academic Expenses (Schedule-16) and understatement of Loans, Advances & Deposits (Prepaid Expenses) (Schedule-8) by Rs. 4.22 lakh each.

(B.2.2) The Electricity Department Security Deposit of Noida Campus stood at Rs. 25.87 lakh as of 31st March 2025 which was recorded as Rs. 18.12 lakh. To reconcile, the balance of Rs. 7.75 lakh was debited to the Security Deposit account and credited to Electricity Expenses. This is in-contravention of the accounting rules. The same needs to be addressed.

(B.3) The Institute is required to give detailed disclosure of Retirement Benefits in notes to accounts" as required by AS 15.

भवदीय,

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

Asija & Associates LLP
Chartered Accountants
LLPIN : AAH-3862
(An Entity Registered with Limited Liability)

Reg. off. 1st Floor, 34/5, Gokhle Marg,
Lucknow - 226001 (U.P.)
Phone : 0522 - 4004652, 3510522
E-mail : asija.associates@icai.org
Website : www.asija.org

To,
Prof. Manmohan Prasad Gupta,
Director Indian Institute of Management Lucknow,
Prabandh Nagar, Off Sitapur Road,
Lucknow, 226013.

Certification of Financial Statements for the year ending 31st March, 2025

Dear Sir,

This certificate is issued in accordance with the terms of our engagement letter IML/PUR/GEN/158/2022-23 vide extended as per letter no. IIML/F&A/7.4, Annual Financial Statements of the Indian Institute of Management Lucknow for the year ended 31st March 2025, comprising Balance Sheet, Income and Expenditure Account, Receipts and Payment Account, all the Schedules forming part of the financial statements and Notes to Accounts along with IIM Lucknow EPF Trust prepared by the management of the Institute.
We hereby certify that the aforesaid Financial Statements are found in agreement with the Books of Accounts maintained by the Institute for the relevant accounting period.

Management's Responsibility for the Financial Statement:
The preparation of the Financial Statements is the responsibility of the Management of IIM Lucknow including the preparation and maintenance of all accounting and other relevant supporting records and documents. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the Statement and applying an appropriate basis of preparation; and making estimates that are reasonable in the circumstances.

Our responsibility is to express a reasonable assurance whether:

(i) The financial statements referred to above are in agreement with the books of account maintained by the Institute for the said period;
(ii) The figures and disclosures forming part of the Financial Statement have been accurately extracted from the Books of account and are arithmetically correct.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing & pronouncements issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

We have also complied with the relevant requirements of the Standard on Quality Control (SQC) 1, *Quality Control for Firms that Perform Audits and Reviews of Historical Financial Information, and Other Assurance and Related Services Engagements.*
Thanking You,

For & On Behalf of
M/s Asija & Associates LLP
Chartered Accountants
FRN: 003155C/C400011

CA. Kamal Kumar Ferwani
(Sr. Partner)
(M. No: 402982)
UDIN: 25402982BMKXEI7251

Date: 13-06-2025
Place: Lucknow

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखऊ

31 मार्च, 2025 को तुलन पत्र

(रु. लाख में)

		अनुसूची	वर्तमान वर्ष समाप्ति 31.3.2025	पिछला वर्ष 31.3.2024 को समाप्त
वित्तीय (निधि) स्रोत				
कोष/पूंजी निधि		1	**62226.62**	**54767.54**
निर्धारित/आरक्षित/निधिकृत निधियाँ		2	**77732.58**	**71510.16**
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान		3	**6741.18**	**7469.17**
कुल			**146700.39**	**133746.87**
वित्त का अनुप्रयोग				
अचल संपत्तियां		4		
	अमूर्त संपत्ति		625.09	699.42
	मूर्त संपत्ति		17301.81	12298.98
	क्रियान्वित कार्य - प्रगति पर		47.10	5422.46
	अचल संपत्ति (शुद्ध खंड)		**17974.00**	**18420.86**
स्थापित/बंदोबस्ती निधि से निवेश		5	**69537.94**	**58250.02**
	दीर्घावधि		48111.52	53522.66
	लघु अवधि		21426.42	4727.35
निवेश - अन्य		6	**40523.50**	**38123.50**
वर्तमान संपत्ति		7	**10443.83**	**10818.59**
ऋण, अग्रिम और जमा		8	**8221.12**	**8133.91**
कुल			**146700.39**	**133746.87**
महत्वपूर्ण अभिलेख नीतियां		23		
आकस्मिक दायित्व और खातों पर टिप्पणियां		24		

अनुसूची 1 से 24 तक वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

स्थान: लखनऊ

दिनांक: 13.06.2025

(अमित शंकधर)	(सत्येन्द्र त्रिपाठी)	(प्रो. मनमोहन प्रसाद गुप्ता)
वित्त एवं लेखाधिकारी	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2025 हेतु आय एवं व्यय लेखा

(रु. लाख में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 31.3.2025 को समाप्त		31.3.2024 को गत वर्ष की समाप्ति	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9				
स्नातकोत्तर कार्यक्रम	9.1	11915.58		11831.98	
प्रबन्धन विकास कार्यक्रम	9.2	6830.33		5822.14	
फेलो कार्यक्रम (ई-एफपीएम सहित)	9.3	107.36		98.74	
पीजीपी-एसएम	9.4	960.61		875.19	
पीजीपीडब्ल्यूई आय	9.5	977.06		871.54	
आईपीएमएक्स आय	9.6	2984.07		2901.46	
प्लेसमेंट आय	9.7	36.28		50.98	
परामर्श आय	9.8	1031.10		270.27	
अन्य शुल्क - सामान्य प्रवेश परीक्षा	9.9	606.97	**25449.37**	278.88	**23001.17**
1.2 अनुदान (आवर्ती योजना /एफपीएम)	10		**0.00**		**0.00**
1.3 निवेश से आय	11		**3009.90**		**2361.26**
1.4 अर्जित ब्याज	12		**545.06**		**810.99**
1.5 अन्य आय एवं वसूली	13		**277.84**		**207.06**
1.6 पूर्व अवधि की आय	14		**0.00**		**0.00**
कुल आय			**29282.17**		**26380.48**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी वेतन और लाभ	15		**5622.42**		**5476.73**
2.2 शैक्षणिक व्यय	16				
स्नातकोत्तर कार्यक्रम	16.1	3024.37		2535.84	
प्रबन्धन विकास कार्यक्रम	16.2	2667.64		2685.00	
अध्येता कार्यक्रम (ई-एफपीएम सहित)	16.3	586.86		575.87	
पीजीपी एसएम व्यय	16.4	208.87		176.63	
पीजीपी डब्ल्यूई व्यय	16.5	461.33		394.14	
आईपीएमएक्स व्यय	16.6	1182.54		1193.81	
प्लेसमेंट व्यय	16.7	60.63		49.60	
परामर्श व्यय	16.8	468.57		198.97	
सामान्य प्रवेश परीक्षा	16.9	23.26		18.34	
समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ	16.10	1.36		1.31	
अनुसंधान एवं विकास	16.11	1351.88	**10037.31**	1246.36	**9075.88**

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

(रु. लाख में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 31.3.2025 को समाप्त		31.3.2024 को गत वर्ष की समाप्ति	
2.3 अवमूल्यन और शोधन	4		**2097.53**		**1953.94**
2.4 प्रशासन एवं सामान्य व्यय	17		**1040.06**		**981.18**
2.5 परिवहन व्यय	18		**24.64**		**24.98**
2.6 मरम्मत व रखरखाव	19		**895.26**		**698.52**
2.7 वित्तीय लागत	20		**0.90**		**1.54**
2.8 अन्य व्यय	21		**0.00**		**3.94**
2.9 पूर्व अवधि का विवरण	22		**2.99**		**1.70**
कुल व्यय			**19721.13**		**18218.42**
3.आय पर व्यय की अधिकता (अधिशेष)					
लखनऊ परिसर		8480.04		7033.92	
नोएडा परिसर		1080.99	**9561.03**	1128.14	**8162.06**
हस्तांतरित : सामान्य परिसम्पत्ति निधि		**2510.94**			**2473.72**
		4519.53			**200.56**
पेंशन निधि		**0.00**			**4300.00**
शुद्ध अतिरिक्त धनराशि को मुख्य सकल पूंजी में ले जाया गया		**2530.57**			**1187.77**
कुल			**29282.17**		**26380.48**

अनुसूची 1 से 24 तक वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

स्थान: लखनऊ
दिनांक: 13.06.2025

(अमित शंकधर)	**(सत्येन्द्र त्रिपाठी)**	**(प्रो. मनमोहन प्रसाद गुप्ता)**
वित्त एवं लेखाधिकारी	**वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी**	**निदेशक**

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(रु. लाख में)

प्राप्तियां		भुगतान	
विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्तमान वर्ष	विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्तमान वर्ष
I. प्रारंभिक शेष	**9606.83**	**I. व्यय**	**15670.08**
क) नकद शेष		क) स्थापना व्यय	7347.86
ख) बैंक शेष		ख) शैक्षणिक व्यय	4713.17
i. वर्तमान खातों में		ग) प्रशासनिक व्यय	2482.65
ii. जमा खातों में		घ) परिवहन व्यय	400.94
ii. बचत खातों में	**9606.83**	च) मरम्मत और रखरखाव	722.51
		छ) पूर्व अवधि व्यय	2.94
II. प्राप्त अनुदान	**0.00**	**II. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध भुगतान**	**4608.3**
क) भारत सरकार से	0.00	एलआईसी	4300
ख) राज्य सरकार से	0.00	ग्रेच्युटी	307.76
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	0.00	पेंशन	0.00
(पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान, यदि उपलब्ध हो तो अलग से दर्शाया जाएगा)		अवकाश नगदीकरण	0.00
III. शैक्षणिक प्राप्तियां	**25350.48**	अन्य	0.54
		III. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान	**0.00**
IV. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर प्राप्तियां	**0.00**		
		IV. प्रायोजित फेलोशीप /छात्रवृत्ति पर भुगतान	**0.00**
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं पर प्राप्तियां	**0.00**		
		V. किये गये निवेश और जमा	**24910.22**
		क) निर्धारित/ बंदोबस्ती निधि में से	9810.22
VI. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति पर प्राप्तियां	**2.62**	ख) स्वयं के धन से (निवेश - अन्य)	15100
		VI. सूचीबद्ध बैंकों के साथ सावधि जमा	**0.00**
VII. निवेश पर आय	**3800.10**		
क) निर्धारित/अनुदानित निधि	1261.10	**VII. अचल संपत्तियों और पूंजीगत कार्यों पर व्यय - प्रगति पर**	**1197.34**
ख) अन्य निवेश	2539.00	ए) अचल संपत्ति	1153.48
		बी) पूंजीगत कार्य - प्रगति पर	43.86

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

(रु. लाख में)

प्राप्तियां		भुगतान	
विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्तमान वर्ष	विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्तमान वर्ष
VIII. प्राप्त ब्याज	**373.88**		
क) बैंक जमा	0.00	**VIII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	**3237.59**
ख) ऋण और अग्रिम	0.00		
ग) बचत बैंक खाते	373.88	क) वित्त लागत	0.13
घ) आईटी	0.00	ख) जीएसटी - टीडीएस देयता	197.46
		ग) जीएसटी - देयता	1161.9
		घ) श्रम उपकर	2.66
		च) ई-समीकरण शुल्क @6%	0.00
IX. बनाए गए निवेश	**17402.35**	छ) आयकर टीडीएस	1875.44
क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से	4702.35	**IX. अनुदान की वापसी**	**0.00**
ख) सामान्य निधि से	12700.00		
X. सूचीबद्ध बैंकों से सावधि जमा को भुनाया गया	**0.00**	**X. जमा और अग्रिम**	**475.19**
XI. अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	**32.79**	**XI. अन्य भुगतान**	**80.52**
XII. जमा व अग्रिम	**232.02**	**XII. समापन शेष**	**9655.4**
		अ) नकद शेष	0.00
		ब) बैंक शेष	
		i. वर्तमान खातों में	0.00
		ii. जमा खातों में	0.00
		iii. बचत खातों में	9655.4
XIII. सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	**2963.93**		
क) आईजीएसटी/सीजीएसटी/एसजीएसटी आदान	2963.93		
XIV. कोई अन्य रसीदें	**69.64**		
कुल	**59834.64**	**कुल**	**59834.64**

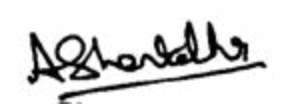

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

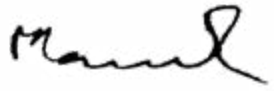

(प्रो. मनमोहन प्रसाद गुप्ता)
निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
अनुसूची 1 - सकल/पूंजी निधि		
1. सकल निधि		
1.1 सकल निधि (लखनऊ)		
प्रारंभिक जमा	31106.79	30079.47
जोड़ें: आय व व्यय खाते से स्थानांतरित किया गया	1449.57	1020.46
जोड़ें: परियोजना से स्थानांतरित	0.00	6.86
जोड़ें: ईडब्ल्यूएस परियोजना के लिए विभागीय निधि से स्थानांतरित	0.00	0.00
उप- योग (1.1)	**32556.36**	**31106.79**
1.2 सकल पूंजी (नोएडा)		
प्रारंभिक जमा	9417.15	9249.84
जोड़ें: आय व व्यय खाते से स्थानांतरित	1080.99	167.31
उप- योग (1.2)	**10498.15**	**9417.15**
योग 1 (1.1 से 1.2)	**43054.51**	**40523.94**
2. पूंजी निधि		
2.1. भवन निधि (लखनऊ)		
प्रारंभिक जमा	7180.83	7324.63
जोड़ें : पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष से आबंटन	4518.38	200.56
घटाएँ : मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	-407.83	-344.36
कम :मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित किया गया बट्टे - खाते में डाला गया	1.26	0.00
उप- योग (2.1)	**11290.12**	**7180.83**
2.2. सामान्य परिसम्पत्ति निधि (लखनऊ)		
प्रारंभिक जमा	2581.45	1566.18
जोड़ें : पूंजी व्यय के लिए अधिशेष से आवंटन	2421.64	2217.89
घटाएँ : मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	-1316.87	-1193.01
घटाएँ: बट्टे खाते में डाली गई राशि के लिए मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरण	-3.16	-9.61
जोड़ें: आय व व्यय खाते से स्थानांतरित	0.00	0.00
उप- योग (2.2)	**3683.06**	**2581.45**
2.3. प्रायोजित परियोजना निधि (लखनऊ)		
प्रारंभिक जमा	0.00	0.00
घटाएँ : मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	0.00	0.00
उप- योग (2.3)	0.00	**0.00**

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
2.4. भवन निधि (नोएडा)		
प्रारंभिक जमा	3812.41	4095.83
जोड़ें : पूंजी व्यय के लिए अधिशेष से आवंटन।	1.16	0.00
घटाएँ : मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित - नोएडा	243.11	-266.70
घटाएँ: बट्टे खाते में डाली गई राशि के लिए मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरण	0.00	-16.73
उप- योग (2.4)	**3570.45**	**3812.41**
2.5. सामान्य परिसम्पत्ति निधि (नोएडा)		
प्रारंभिक जमा	668.90	562.73
जोड़ें : पूंजी व्यय के लिए अधिशेष से आवंटन	89.29	255.83
घटाएँ : मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित		-149.87
जोड़ें : गत वर्ष का समायोजन	0.00	0.22
घटाएँ: बट्टे खाते में डाली गई राशि के लिए मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरण	0.00	0.00
उप- योग (2.5)	**628.48**	**668.90**
कुल 2 (2.1 से 2.5)	**19172.11**	**14243.60**
महायोग (1+2)	**62226.62**	**54767.54**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

(रु. लाख में)

विवरण		2024-25	2023-24
अनुसूची 2 - नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि			
2.1. पेंशन निधि			
प्रारंभिक जमा		20983.92	16392.74
वर्ष के दौरान वृद्धि		0.00	4300.00
निवेश से आय		1500.75	1220.24
बचत बैंक खाते पर ब्याज		0.00	1.35
अन्य अतिरिक्त		0.00	1.59
घटाएँ: निधि के उद्देश्य के लिए व्यय		-991.27	-931.99
	उप- योग (2.1)	**21493.40**	**20983.92**
2.2. उपदान/ ग्रेच्युटी निधि			
प्रारंभिक जमा		1766.73	1596.05
वर्ष के दौरान वृद्धि		331.15	292.66
निवेश से आय		150.34	124.14
बचत बैंक खाते पर ब्याज		0.00	0.00
घटाएं: निधि के उद्देश्य के लिए व्यय		194.41	-246.12
	उप- योग (2.2)	**2053.80**	**1766.73**
2.3. मूल्यह्रास निधि (लखनऊ)			
प्रारंभिक जमा		33410.42	29870.01
वर्ष के दौरान वृद्धि		1729.12	1546.98
निवेश से आय		2353.85	1993.44
घटाएँ: ईडब्ल्यूएस परियोजना के लिए सकल निधि में स्थानांतरण		0.00	0.00
	उप- योग (2.3)	**37493.40**	**33410.42**
2.4. मूल्यह्रास निधि (नोएडा)			
प्रारंभिक जमा		10792.85	9673.51
वर्ष के दौरान वृद्धि		372.83	433.08
निवेश से आय		772.56	686.26
	उप- योग (2.4)	**11938.23**	**10792.85**
2.5. कर्मचारी चिकित्सा निधि			
प्रारंभिक जमा		1244.08	0.00
वर्ष के दौरान वृद्धि		0.00	1230.47
निवेश से आय		85.59	13.61
घटाएं: व्यय		0.00	0.00
	उप- योग (2.5)	**1329.67**	**1244.08**
2.6. अवकाश नकदीकरण निधि			
प्रारंभिक जमा		2687.07	2621.61
वर्ष के दौरान वृद्धि		0.00	0.00
निवेश से आय		201.21	196.60
घटाएं: व्यय		116.92	-131.14
	उप- योग (2.6)	**2771.36**	**2687.07**
2.7. बंदोबस्ती निधि (परिशिष्ट - 'ए')			
प्रारंभिक जमा		625.10	498.98
वर्ष के दौरान वृद्धि		0.00	107.72
निवेश से आय		33.57	26.19
घटाएं: व्यय		-5.94	-7.79
	उप- योग (2.7)	**652.72**	**625.10**
	कुल (2.1 से 2.7)	**77732.58**	**71510.16**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
अनुसूची 3 - वर्तमान दायित्व व प्रावधान		
लखनऊ परिसर :		
3.1. वर्तमान देयताएं		
सुरक्षा जमा पीजीपी/एफपीएम	263.40	256.20
प्रतिधारण जमा	49.75	226.25
सुरक्षा जमा: कार्य	19.28	19.28
व्यय देय लेखा	2057.64	1748.63
बाहरी पक्षों का लेखा-जोखा	23.80	13.53
विविध ऋण	607.78	258.57
परामर्श देय	67.01	124.05
अग्रिम राशि	6.44	7.30
सुरक्षा जमा : पुस्तकालय	1.86	1.86
कर्मचारी कल्याण निधि	0.00	0.00
अग्रिम रसीदें - परामर्श	102.19	36.56
अग्रिम प्राप्तियां - वित्त पोषित अनुसंधान	65.82	54.20
सिडबी इनक्यूबेटर - प्राप्तियां	233.60	233.60
एमडीपी पूर्व छात्र/अग्रिम रसीदें	444.62	267.62
महात्मा गांधी अध्येताशिप - एमजीएनएफ	0.00	904.00
राखी फाउंडेशन की रसीदें	24.00	24.00
सामान्य प्रवेश परीक्षा 2023	0.00	657.91
जीएसटी/आयकर देयता	227.18	140.57
अन्य देयताएं - प्रतिभूति जमा	48.89	39.20
अन्य प्राप्तियां	0.00	10.98
उप- योग (6.1)	**4243.26**	**5024.30**
3.2. प्रावधान :		
वेतन एवं भत्ते	501.19	412.43
चिकित्सा व्यय	126.61	0.00
एफडीए/ओडीए	81.81	68.56
पेंशन	0.00	64.47
ग्रेच्युटी	0.00	302.02
ईपीएफ/ईएसआई - दैनिक मजदूरी	3.53	0.69
पीएफ सदस्यता	260.28	0.00
सीपीएस/एनपीएस - कर्मचारी देय	12.69	3.14
उप- योग (6.2)	**986.11**	**851.30**
कुल (6.1 व 6.2)	**5229.37**	**5875.61**
नोएडा परिसर :		
3.3. वर्तमान देयता		
सुरक्षा जमा पीजीपीडब्लूई/आईपीएमएक्स	53.97	47.67
प्रतिधारण एवं अग्रिम राशि	11.12	25.61
देय व्यय	282.61	257.47
परामर्श देय	3.64	0.00
अग्रिम रसीदें - परामर्श	8.72	18.84
अग्रिम प्राप्तियां - (आईपीएमएक्स/पीजीपीडब्लूई)	903.84	956.36
वेतन का प्रावधान	61.05	82.33
चिकित्सा के लिए प्रावधान	0.00	0.00
विविध लेनदार	11.66	82.29
वाह्य पार्टी का लेखा	94.73	65.88
सीएमईई लेखा	62.96	30.54
अन्य देयताएं	0.00	3.23
जीएसटी/आयकर देयता	17.52	23.35
उप- योग (6.3)	**1511.82**	**1593.56**
महायोग	**6741.18**	**7469.17**

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2024-25

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियां

(रु. लाख में)

विवरण	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
	1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को समाप्त	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
4.1.भूमि एवं भवन:-										
i. भूमि :										
फ्री होल्ड - लखनऊ परिसर	86.53			86.53					86.53	86.53
ii. भवन एवं अन्य पूंजीगत कार्य										
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	13922.34	4507.26	4.00	18425.60	8346.49	394.58	2.74	8738.33	9687.21	5575.85
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	831.41	11.12		842.53	554.76	13.26		568.02	274.51	276.65
उप-योग (4.1)	**14840.28**	**4518.38**	**4.00**	**19354.66**	**8901.25**	**407.84**	**2.74**	**9306.35**	**10048.25**	**5939.03**
4.2. अन्य संपत्ति :							-			
i. कार्यालय उपकरण	896.69	21.28	21.29	896.68	674.07	31.92	18.71	687.28	209.40	222.61
ii. फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग	1,018.65	421.06	3.95	1435.76	679.97	65.19	3.60	741.56	694.20	338.68
iii. स्टाफ वाहन	51.78		12.23	39.55	40.67	1.34	12.02	29.99	9.56	11.11
iv. कार्यालय स्वचालन, कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	2785.37	231.16	1.80	3014.73	1,734.81	347.91	1.80	2080.92	933.81	1050.56
v. उपहार स्वरूप कंप्यूटर सॉफ्टवेयर आदि	18.88			18.88	18.88			18.88		
vi. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं माइक्रोफिल्म, सीडी रोम, वैज्ञानिक पत्रिकाएं आदि	1260.68	2.90	0.02	1263.56	1234.60	5.44	0.02	1240.02	23.54	26.08
vii. दृश्य-श्रव्य उपकरण	63.00	321.33		384.33	20.52	28.82		49.34	334.99	42.48
viii. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	7.37	2.54		9.91	0.61	0.20		0.81	9.10	6.76
ix. विद्युत स्थापना और उपकरण	659.76	696.56		1356.32	443.62	55.17		498.79	857.53	216.14
x. वैज्ञानिक व प्रायोगिक उपकरण		5.87		5.87		0.47		0.47	5.40	

विवरण	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
	1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को समाप्त	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
अमूर्त संपत्ति										
xi. ई-जर्नल्स (एसएलएम)	4677.20	714.98		5392.18	4029.37	761.97		4791.34	600.84	647.83
xii कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (एसएलएम)	42.10	3.97		46.07	16.84	18.43		35.27	10.80	25.26
उप- योग (4.2)	**11481.48**	**2421.65**	**39.29**	**13863.84**	**8893.96**	**1316.86**	**36.15**	**10174.67**	**3689.17**	**2587.51**
4.3. प्रायोजित / वित्तपोषित परियोजनाएं उपकरण	192.93			192.93	192.93			192.93		
उप- योग (4.3)	**192.93**			**192.93**	**192.93**			**192.93**		
उप- योग (4.1 से 4.3)	**26514.69**	**6940.03**	**43.29**	**33411.43**	**17988.14**	**1724.70**	**38.89**	**19673.95**	**13737.42**	**8526.54**
4.4. नोएडा संपत्ति										
i. नोएडा भवन										
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	7212.90			7212.90	4957.77	208.67		5166.44	2046.46	2,255.13
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	581.09			581.09	224.01	17.85		241.86	339.23	357.08
ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	13.44	1.16		14.60	1.61	0.29		1.90	12.70	11.83
ii. नोएडा लीज होल्ड भूमि										
iii. नोएडा की सामान्य संपत्तियां										
कार्यालय उपकरण	433.03	6.04	0.43	438.64	229.57	21.00	0.39	250.18	188.46	203.46
फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	557.72	37.46		595.18	277.39	29.57		306.96	288.22	280.33
स्टाफ वाहन	39.49			39.49	31.01	1.27		32.28	7.21	8.48
कार्यालय स्वचालन, कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	305.86	3.00		308.86	229.45	33.93		263.38	45.48	76.41
पुस्तकालय पुस्तकें एवं माइक्रोफिल्म, सीडी रोम, वैज्ञानिक पत्रिकाएं आदि।	270.15	2.39		272.54	228.88	7.21		236.09	36.45	41.26
दृश्य-श्रव्य उपकरण	7.95	5.96		13.91	2.02	1.04		3.06	10.85	5.93
विद्युत स्थापना और उपकरण		11.82		11.82		0.59		0.59	11.23	
वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण		0.45		0.45		0.04		0.04	0.41	

विवरण	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
	1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को समाप्त	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
अमूर्त संपत्ति										
x. ई-जर्नल्स (एसएलएम)	237.12	22.17		259.29	210.79	35.06		245.85	13.45	26.33
xi. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (एसएलएम)										
उप- योग (4.4)	**9658.75**	**90.45**	**0.43**	**9748.77**	**6392.50**	**356.52**	**0.39**	**6748.63**	**3000.15**	**3266.24**
उप- योग (4.1 to 4.4)	**36173.44**	**7030.48**	**43.72**	**43160.20**	**24380.64**	**2081.22**	**39.28**	**26422.58**	**16737.57**	**11792.78**
4.5. पूंजीगत कार्य प्रगति पर :-										
अ. लखनऊ परिसर	5,422.46	437.96	5,813.32	47.10					47.10	5422.46
ब. नोएडा परिसर										
उप- योग (4.5)	**5422.46**	**437.96**	**5813.32**	**47.10**					**47.10**	**5422.46**
योग (2023-24)	**41595.90**	**7468.44**	**5857.04**	**43207.30**	**24380.64**	**2081.22**	**39.28**	**26422.58**	**16784.67**	**17215.24**

मूर्त संपत्ति	संवर्द्धनों का सकल खंड				जोड़ी गई परिसंपत्तियों के लिए संवितरण खंड*				निवल खंड	निवल खंड
	1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को समाप्त	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	3	4	6	7 (3+4+5-6)	8	9	10	11 (8+9-10)	12 (7-11)	12 (7-11)
4.6. लीजहोल्ड भूमि- नोएडा परिसर	1466.30			1466.30	260.68	16.29		276.97	1189.33	1205.63
उप- योग (4.6)	**1466.30**			**1466.30**	**260.68**	**16.29**		**276.97**	**1189.33**	**1205.63**
महायोग (2024-25)	**43062.20**	**7468.44**	**5857.04**	**44673.60**	**24641.32**	**2097.51**	**39.28**	**26699.55**	**17974.00**	**18420.86**
गत वर्ष (2023-24)	**35337.06**	**3183.60**	**67.55**	**38453.11**	**21707.89**	**1632.62**	**416.25**	**22924.26**	**15528.86**	**13629.17**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ
वित्तीय वर्ष 2024-25

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियां

(रु. लाख में)

विवरण	दर (एसएलएम)	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को बंद	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
4.1.भूमि एवं भवन:-											
i. भूमि :											
फ्री होल्ड - लखनऊ परिसर	**5%**										
ii. भवन एवं अन्य पूंजीगत कार्य											
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	**2%**	3477.95	4507.26		7985.21	252.08	159.70		411.78	7573.37	3225.87
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	**2%**	29.51	11.12		40.63	1.77	0.81		2.58	38.05	27.74
उप-योग (4.1)		**3507.46**	**4518.38**		**8025.84**	**253.85**	**160.51**		**414.36**	**7611.42**	**3253.61**
4.2. अन्य संपत्ति :											
i. कार्यालय उपकरण	**7.5%**	113.25	21.28	0.54	133.99	38.63	10.05	0.14	48.54	85.45	74.62
ii. फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग	**7.5%**	241.81	421.06		662.87	58.25	49.72		107.97	554.90	183.55
iii. स्टाफ वाहन	**10%**	8.52			8.52	0.88	0.85		1.73	6.79	7.64
iv. कार्यालय स्वचालन, कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	**20%**	1509.80	231.16	1.80	1739.16	459.44	347.83	1.80	805.47	933.69	1050.35
v. उपहार स्वरूप कंप्यूटर सॉफ्टवेयर आदि दिया गया	**40%**										
vi. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं माइक्रोफिल्म, सीडी रोम, वैज्ञानिक पत्रिकाएं आदि	**10%**	50.95	2.90		53.85	25.02	5.39		30.41	23.44	25.94
vii. दृश्य-श्रव्य उपकरण	**7.5%**	63.00	321.33		384.33	20.52	28.82		49.34	334.99	42.48
viii. ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	**2%**	7.37	2.54		9.91	0.61	0.20		0.81	9.10	6.76
ix. विद्युत स्थापना और उपकरण	**5%**	142.11	696.56		838.67	14.25	41.93		56.18	782.49	127.87
x. वैज्ञानिक व प्रायोगिक उपकरण	**8%**		5.87		5.87		0.47		0.47	5.40	

विवरण	दर (एसएलएम)	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को बंद	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
अमूर्त संपत्ति											
xi. ई-जर्नल्स (एसएलएम)	**40%**	4334.32	714.98		5049.30	3692.25	759.66		4451.91	597.39	642.07
xii कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (एसएलएम)	**40%**	42.10	3.97		46.07	16.84	18.43		35.27	10.80	25.26
उप- योग (4.2)		**6513.23**	**2421.65**	**2.34**	**8932.54**	**4326.69**	**1263.35**	**1.94**	**5588.10**	**3344.44**	**2186.54**
4.3.प्रायोजित / वित्तपोषित परियोजनाएं उपकरण	**5%**										
उप- योग (4.3)											
उप- योग (4.1 से 4.3)		**10020.69**	**6940.03**	**2.34**	**16958.38**	**4580.54**	**1423.86**	**1.94**	**6002.46**	**10955.86**	**5440.15**
4.4. नोएडा संपत्ति											
i. नोएडा भवन											
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	**2%**	232.88			232.88	17.91	4.66		22.57	210.31	214.96
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (चरण-I एवं II)	**2%**										
ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	**2%**	13.44	1.16		14.60	1.61	0.29		1.90	12.70	11.83
ii. नोएडा लीज होल्ड भूमि											
iii. नोएडा की सामान्य संपत्तियां											
कार्यालय उपकरण	**7.5%**	207.74	6.04	0.43	213.35	37.59	16.00	0.39	53.20	160.15	170.16
फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	**7.5%**	315.13	37.46		352.59	66.08	26.44		92.52	260.07	249.05
स्टाफ वाहन	**10%**										
कार्यालय स्वचालन, कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	**20%**	166.64	3.00		169.64	90.25	33.93		124.18	45.46	76.39
पुस्तकालय पुस्तकें एवं माइक्रोफिल्म, सीडी रोम, वैज्ञानिक पत्रिकाएं आदि।	**10%**	69.44	2.39		71.83	28.24	7.18		35.42	36.41	41.20
दृश्य-श्रव्य उपकरण	**7.5%**	7.95	5.96		13.91	2.02	1.04		3.06	10.85	5.93
विद्युत स्थापना और उपकरण	**5%**		11.82		11.82		0.59		0.59	11.23	
वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	**8%**		0.45		0.45		0.04		0.04	0.41	

विवरण	दर (एसएलएम)	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को बंद	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
अमूर्त संपत्ति											
x. ई-जर्नल्स (एसएलएम)	**40%**	223.33	22.17		245.50	197.23	36.60		233.83	11.68	26.10
xi. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (एसएलएम)	**40%**										
उप- योग (4.4)		**1236.55**	**90.45**	**0.43**	**1326.57**	**440.93**	**126.77**	**0.39**	**567.31**	**759.27**	**795.62**
उप- योग (4.1 to 4.4)		**11257.24**	**7030.48**	**2.77**	**18284.95**	**5021.47**	**1550.63**	**2.33**	**6569.77**	**11715.13**	**6235.77**
4.5. पूंजीगत कार्य प्रगति पर :-											
अ. लखनऊ परिसर		5422.46	437.96	5813.32	47.10					47.10	5422.46
ब. नोएडा परिसर											
उप- योग (4.5)		**5422.46**	**437.96**	**5813.32**	**47.10**					**47.10**	**5422.46**
योग (2023-24)		**16679.70**	**7468.44**	**5816.09**	**18332.05**	**5021.47**	**1550.63**	**2.33**	**6569.77**	**11762.23**	**11658.23**

मूर्त संपत्ति	दर (एसएलएम)	संवर्द्धनों का सकल खंड				अतिरिक्त के लिए मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	शुद्ध खंड
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को समाप्त	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1	2	3	4	6	7 (3+4+5-6)	8	9	10	11 (8+9-10)	12 (7-11)	12 (7-11)
4.6. लीजहोल्ड भूमि- नोएडा परिसर	**1.11%**	1466.30			1466.30	260.68	16.29		276.97	1189.33	1205.63
उप- योग (4.6)		**1466.30**			**1466.30**	**260.68**	**16.29**		**276.97**	**1189.33**	**1205.63**
महायोग (2024-25)		**18146.00**	**7468.44**	**5816.09**	**19798.35**	**5282.15**	**1566.92**	**2.33**	**6846.74**	**12951.56**	**12863.86**
गत वर्ष (2023-24)		**13276.51**	**6050.48**	**1181.00**	**18145.99**	**3924.63**	**1359.58**	**2.07**	**5282.14**	**12863.85**	**9351.88**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2024-25

अनुसूची 4 - अचल परिसंपत्तियां

(रु. लाख में)

विवरण	दर (डब्ल्यू डी वी)	सकल खंड				मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को बंद	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	तक 31.03.2024
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
4.1. भूमि एवं भवन :-											
i. भूमि :											
स्वामित्व भूमि - लखनऊ परिसर		86.53			86.53					86.53	86.53
ii. भवन एवं अन्य पूंजीगत कार्य											
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)	**10%**	10444.39		4.00	10440.39	8094.41	234.87	2.74	8326.54	2113.85	2349.98
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)	**5%**	801.90			801.90	552.99	12.45		565.44	236.46	248.91
उप- योग (4.1)		**11332.82**		**4.00**	**11328.82**	**8647.40**	**247.32**	**2.74**	**8891.98**	**2436.84**	**2685.42**
4.2. अन्य परिसंपत्तियाँ :											
i. कार्यालय उपकरण	**15%**	783.44		20.75	762.69	635.44	21.87	18.57	638.74	123.95	148.00
ii. फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	**10%**	776.85		3.95	772.90	621.72	15.48	3.60	633.60	139.30	155.13
iii. कर्मचारी वाहन	**15%**	43.27		12.23	31.04	39.79	0.49	12.02	28.26	2.78	3.47
iv. कार्यालय स्वचालन, कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	**40%**	1275.58			1275.58	1275.37	0.08		1275.45	0.13	0.21
v. उपहार स्वरूप प्राप्त कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर आदि	**100%**	18.88			18.88	18.88			18.88		
vi. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं माइक्रोफ़िल्म, सीडी रॉम, वैज्ञानिक पत्रिकाएँ आदि	**40%**	1209.72		0.02	1209.70	1209.58	0.06	0.02	1209.62	0.08	0.14
viii. श्रव्य-दृश्य उपकरण											
ix. नलकूप एवं जल आपूर्ति											
x. विद्युत संयोजन एवं उपकरण	**15%**	517.64			517.64	429.37	13.24		442.61	75.03	88.27
अमूर्त परिसंपत्तियाँ											
x. ई-जर्नल्स (एस.एल.एम.)	**40%**	342.88			342.88	337.12	2.30		339.42	3.46	5.76
उप- योग (4.2)		**4968.26**		**36.95**	**4931.31**	**4567.27**	**53.52**	**34.21**	**4586.58**	**344.73**	**400.98**
4.3. प्रायोजित / वित्तपोषित परियोजनाओं के उपकरण	**60%**	192.93			192.93	192.93			192.93		
उप- योग (4.3)		**192.93**			**192.93**	**192.93**			**192.93**		
उप- योग (4.1 to 4.3)		**16494.01**		**40.95**	**16453.06**	**13407.60**	**300.84**	**36.95**	**13671.49**	**2781.57**	**3086.40**

विवरण	दर (डब्ल्यू डी वी)	सकल खंड				मूल्यह्रास खंड				शुद्ध खंड	
		1.04.2024 को प्रारंभ	संवर्धन	समायोजित/ लिखित में बंद	31.03.2025 को बंद	31.03.2024 तक	वर्ष के दौरान प्रभारित	वर्ष के दौरान समायोजित	31.03.2025 तक	31.03.2025 तक	तक 31.03.2024
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10 (7+8-9)	11 (6-10)	12 (3-7)
4.4. नोएडा परिसंपत्तियाँ											
i. नोएडा भवन											
कार्यालय भवन एवं अन्य कार्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)	**10%**	6980.02			6980.02	4939.86	204.02		5143.88	1836.14	2040.16
आवासीय भवन एवं अन्य कार्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)	**5%**	581.09			581.09	224.01	17.85		241.86	339.23	357.08
ii. नोएडा सामान्य परिसंपत्तियाँ											
कार्यालय उपकरण	**15%**	225.29			225.29	191.98	5.00		196.98	28.31	33.31
फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	**10%**	242.59			242.59	211.31	3.13		214.44	28.15	31.28
स्टाफ वाहन	**15%**	39.49			39.49	31.01	1.27		32.28	7.21	8.48
कार्यालय स्वचालन, कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	**40%**	139.22			139.22	139.20	0.01		139.21	0.01	0.02
पुस्तकालय की पुस्तकें एवं माइक्रोफ़िल्म, सीडी रॉम, वैज्ञानिक पत्रिकाएँ आदि	**40%**	200.71			200.71	200.65	0.02		200.67	0.04	0.06
अमूर्त परिसंपत्तियाँ											
ई-जर्नल [एसएलएम]	**40%**	13.79			13.79	13.56	0.09		13.65	0.14	0.23
उप- योग (4.4)		**8422.20**			**8422.20**	**5951.58**	**231.39**		**6182.97**	**2239.23**	**2470.62**
उप- योग (4.1 to 4.4)		**24916.21**		**40.95**	**24875.26**	**19359.18**	**532.23**	**36.95**	**19854.46**	**5020.80**	**5557.02**
4.5. प्रगति पर पूंजीगत कार्य :-											
अ. लखनऊ परिसर											
ब. नोएडा परिसर											
उप- योग (4.5)											
योग (2024-25)		**24916.21**		**40.95**	**24875.26**	**19359.18**	**532.23**	**36.95**	**19854.46**	**5020.80**	**5557.02**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची - 5 निवेश निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से

(रु. लाख में)

निधियां	2024-25	2023-24
निर्धारित/एंडोमेंट निधि से निवेश (निधि वार)		
1. पेंशन निधि निवेश	22392.73	16591.98
2. उपदान (ग्रेच्युटी) निधि निवेश	2053.80	1766.73
3. मूल्यह्रास निधि निवेश: लखनऊ परिसर	31678.57	26946.00
4. मूल्यह्रास निधि निवेश: नोएडा परिसर	9031.80	8731.80
5. अवकाश नकदीकरण निधि निवेश	2771.36	2687.07
6. बंदोबस्ती निधि निवेश	409.62	411.97
7. कर्मचारी चिकित्सा लाभ निधि निवेश	1200.06	1114.47
कुल	**69537.94**	**58250.02**

अनुसूची - 6 निवेश - अन्य

निधियां	2024-25	2023-24
अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है):		
1. सावधि जमा : लखनऊ परिसर	25100.00	22700.00
i) बांड और अन्य	7423.50	7423.50
2. सावधि जमा : नोएडा परिसर	8000.00	8000.00
ii) बांड और अन्य	0.00	0.00
कुल	**40523.50**	**38123.50**

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ

विवरण		2024-25	2023-24
1. वर्तमान में स्टॉक (स्टेशनरी और इलेक्ट्रिकल): लखनऊ परिसर		37.83	14.80
: नोएडा परिसर		51.48	27.31
2. विविध देनदार: लखनऊ परिसर		412.87	757.74
- 180 दिनों से कम	358.87		
- अन्य	54.00		
: नोएडा परिसर		286.14	411.78
- 180 दिनों से कम	227.70		
- अन्य	58.44		
3. नकदी और बैंक शेष:			
क) अनुसूचित बैंकों के साथ:			
- बचत बैंक खाते-लखनऊ परिसर		7463.52	7944.86
- बचत बैंक खाते-नोएडा परिसर		2191.88	1611.08
- बचत बैंक खाते - पेंशन निधि		0.00	50.90
ख) वर्तमान में नकदी:			
- अग्रदाय: लखनऊ परिसर		0.00	0.00
- अग्रदाय : नोएडा परिसर		0.00	0.00
4. डाक, फ्रैंकिंग मशीन से टिकट		0.12	0.12
कुल		**10443.83**	**10818.59**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम और जमा

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
8.1 लखनऊ परिसर		
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) टीए/एलटीए/स्टाफ फैकल्टी	2.64	2.31
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याज सहित)		
क) वाहन ऋण	0.00	0.00
ख) गृह ऋण	39.57	23.92
ग) अन्य (पीसी/लैपटॉप)	0.00	0.00
घ) त्यौहार अग्रिम	0.00	0.00
ड.) पीजीपी छात्र को ऋण	0.00	0.00
च) आईआईएमएल - ईपीएफ ट्रस्ट	0.00	0.00
3. अग्रिम एवं वसूली योग्य अन्य राशियाँ:		
क) मेसर्स आश्रे	7.46	7.46
ख) आपूर्तिकर्ताओं (सुरक्षित अग्रिम ठेकेदारों) को सीपीडब्ल्यूडी	130.42	483.09
ग) अन्य	44.14	36.09
4. अग्रिद देय में व्यय:		
क) बीमा	33.42	4.28
ख) अन्य (स्थगित सहित)	323.09	32.15
5. जमा:		
क) टेलीफोन	3.98	3.98
ख) सुरक्षा जमा	193.75	178.00
6. अर्जित आय:		
क) निवेश पर	5494.54	3716.94
7. अन्य - वर्तमान प्राप्य परिसंपत्तियाँ:		
क) परामर्श/कार्यक्रम, अग्रिम भुगतान	15.73	4.48
ख) अनुसंधान परियोजना अग्रिम भुगतान	97.06	70.08
ग) सिडबी इनक्यूबेटर अग्रिम भुगतान	205.96	205.96
घ) एमजीएनएफ अग्रिम भुगतान	0.00	378.83
च) रेखी फाउंडेशन अग्रिम भुगतान	0.56	0.00
8. प्राप्य दावा:		
क) टीडीएस	979.39	2478.51
ख) आईजीएसटी/सीजीएसटी/एसजीएसटी इनपुट/नकद खाता बही	245.82	198.89
ग) रिनिधिसमाशोधन	0.18	0.21
घ) सीपीडब्ल्यूडी - वसूली योग्य (ईडब्ल्यूएस परियोजना)	0.00	0.00
कुल (8.1)	**7817.70**	**7825.19**

विवरण	2024-25	2023-24
8.2 परिसर:-		
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) एलटीए/टीए	2.19	0.00
2. अग्रिम एवं वसूली योग्य अन्य राशियाँ:		
क) अन्य (बाहरी पक्ष को)	85.57	4.80
ख) सहायता अनुदान-आईआईएमएलईआईसी	63.22	63.22
ग) सीएमईई	66.93	39.90
3. अग्रिम देय व्यय:	73.33	72.90
4. जमा:		
क) सुरक्षा जमा	34.07	26.32
5. अर्जित आय:		
क) निवेश पर-अन्य	0.43	0.00
6. अन्य - वर्तमान प्राप्य परिसंपत्तियाँ:		
क) परामर्श/कार्यक्रम, अग्रिम भुगतान	16.10	18.49
7. प्राप्य दावा:		
क) टीडीएस/टीसीएस	61.58	82.44
ख) रिनिधिसमाशोधन	0.00	0.00
ग) आईजीएसटी/सीजीएसटी/एसजीएसटी इनपुट	0.00	0.65
कुल 8.2	**403.42**	**308.72**
महायोग (8.1 to 8.2)	**8221.12**	**8133.91**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची - 9 शैक्षणिक प्राप्तियां

(रु. लाख में)

विवरण		आय	
		2024-25	2023-24
अनुसूची 9.1 - स्नातकोत्तर कार्यक्रम			
लखनऊ परिसर - पीजीपी			
प्रवेश		570.00	583.00
बुनियादी ढांचा शुल्क		3926.25	3922.65
शिक्षण शुल्क		7170.00	7163.70
विदेशी छात्रों से शुल्क		23.93	24.03
जुर्माना और अन्य शुल्क		15.56	13.69
पीजीपी पूर्व छात्र शुल्क		28.50	28.15
	कुल ए	11734.23	11735.23
पीजीपी छात्रवृत्तियाँ			
छात्रवृत्तियाँ- अन्य		181.35	96.75
	कुल बी	181.35	96.75
	कुल 9.1	11915.58	11831.98
अनुसूची 9.2 - प्रबन्धन विकास कार्यक्रम			
लखनऊ परिसर			
मुक्त कार्यक्रमों का शुल्क		256.50	447.96
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क		5687.19	4661.97
	कुल ए	5943.69	5109.93
नोएडा परिसर			
मुक्त कार्यक्रमों का शुल्क		0.00	0.00
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क		886.65	712.20
	कुल बी	886.65	712.20
	कुल 9.2	6830.33	5822.14
अनुसूची 9.3 - फेलो कार्यक्रम			
लखनऊ परिसर			
एफपीएम फॉर्म, शुल्क		2.62	3.19
	कुल ए	2.62	3.19
नोएडा परिसर			
एफपीएम शुल्क आय		104.75	95.55
	कुल बी	104.75	95.55
	कुल 9.3	107.36	98.74

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

(रु. लाख में)

विवरण	आय	
	2024-25	2023-24
अनुसूची 9.4 - पीजीपी-एसएम		
पीजीपी-एसएम पाठ्यक्रम शुल्क (नोएडा परिसर)	960.61	875.19
कुल 9.4	**960.61**	**875.19**
अनुसूची 9.5 - पीजीपीडब्ल्यूई शुल्क		
पीजीपीडब्ल्यूई पाठ्यक्रम शुल्क (नोएडा परिसर)	977.06	871.54
कुल 9.5	**977.06**	**871.54**
अनुसूची 9.6 - आईपीएमएक्स शुल्क		
आईपीएमएक्स कोर्स शुल्क (नोएडा परिसर)	2984.07	2901.46
कुल 9.6	**2984.07**	**2901.46**
अनुसूची 9.7 - प्लेसमेंट शुल्क		
प्लेसमेंट शुल्क	36.28	50.98
कुल 9.7	**36.28**	**50.98**
अनुसूची 9.8 - परामर्श शुल्क		
लखनऊ परिसर		
परामर्श-आय	1018.98	270.27
कुल ए	**1018.98**	**270.27**
नोएडा परिसर		
परामर्श-आय	12.12	0.00
कुल बी	12.12	0.00
कुल 9.8	**1031.10**	**270.27**
अनुसूची 9.9 - अन्य शुल्क		
सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट)	606.97	278.88
कुल 9.9	**606.97**	**278.88**
महायोग (9.1 से 9.9)	**25449.37**	**23001.17**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची - 10 अनुदान/सब्सिडी (अपरिवर्तनीय अनुदान प्राप्त)

(रु. लाख में)

विवरण	वर्तमान वर्ष योग	गत वर्ष योग
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुसूची - 11 निवेश से आय

(रु. लाख में)

विवरण	निर्धारित/बंदोबस्ती निधि		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. (क) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	5097.86	4260.46	0.00	0.00
(ख) सावधि जमा पर ब्याज - लखनऊ	0.00	0.00	2416.43	1893.15
(ग) सावधि जमा पर ब्याज - नोएडा	0.00	0.00	593.48	468.11
2. बंदोबस्ती/निर्धारित निधि (पेंशन एसबी खाता ब्याज)	0.07	1.35	0.00	0.00
कुल	**5097.93**	**4261.82**	**3009.90**	**2361.26**
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित				
शेष	**5097.93**	**4261.82**		

अनुसूची - 12 अर्जित ब्याज

(रु. लाख में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर - लखनऊ	317.51	650.26
अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर - नोएडा	56.37	51.57
2. ऋण पर (कर्मचारी/स्टाफ)	5.35	0.88
3. अन्य प्राप्य पर	165.83	108.28
कुल	**545.06**	**810.99**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

वर्ष 2024-2025 के लिए आईआईएम लखनऊ के
वार्षिक वित्तीय विवरण का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 13 अन्य आय और वसूलियाँ

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
A. भूमि और भवन से आय		
नगर निगम :		
1. किराया	33.29	14.50
2. लाइसेंस शुल्क	17.44	17.58
3. अतिथि गृह शुल्क	11.36	11.78
4. वसूला गया विद्युत शुल्क	65.48	69.78
उप- योग	**127.57**	**113.63**
परिसर :		
1. लाइसेंस शुल्क	2.95	2.57
2. अतिथि गृह शुल्क	14.40	9.90
3. वसूले गए विद्युत शुल्क	8.32	7.90
उप- योग	**25.67**	**20.37**
कुल (ए)	**153.25**	**134.01**
बी. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री कुल (बी)	4.92	4.57
सी. अन्य		
1. पुस्तकालय सदस्यता	1.23	0.51
2. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ: स्वयं की परिसंपत्तियां	0.32	3.29
3. एआईआरसी आय	7.56	5.38
4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती)	2.32	1.67
5. सार्वजनिक नीति केंद्र- सीपीपी आय	9.13	0.00
6. विविध रसीदें (स्क्रैप की बिक्री)	5.43	21.54
7. अन्य वसूलियां और रसीदें		
(ए) लखनऊ परिसर	58.95	31.72
(बी) नोएडा परिसर	34.74	4.37
कुल (सी)	**119.67**	**68.48**
कुल (ए से सी)	**277.84**	**207.06**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि की आय

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
शैक्षणिक आय - लखनऊ	0.00	0.00
शैक्षणिक आय - नोएडा	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 15 - स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर		
वेतन और भत्ते		
मूल वेतन	2119.04	2161.55
डीए	1021.08	919.17
एचआरए	108.96	106.41
विशेष वेतन	0.12	0.11
परिवहन भत्ता	168.97	166.14
दैनिक पारिश्रमिक	75.67	63.29
	3493.84	**3416.68**
अन्य लाभ		
चिकित्सा	329.79	304.08
एलटीसी	36.01	17.64
शिक्षण शुल्क की प्रतिपूर्ति	33.53	23.85
समूह मेडिक्लेम बीमा	55.20	29.66
समूह सावधि बीमा	5.95	32.51
एलटीसी पर अवकाश नकदीकरण	27.35	11.19
	487.84	**418.92**
कर्मचारी कल्याण		
स्टाफ प्रशिक्षण/एसआईसी	3.08	3.04
आईआईएमएल कर्मचारी कल्याण समिति	17.04	16.46
	20.12	**19.50**
आवधिक लाभ		
सीपीएफ नियोक्ता का योगदान	8.14	8.33
सीपीएस/एनपीएस नियोक्ता का अंशदान	393.24	350.66
ईपीएफ अंशदान	3.32	3.51
ईएसआई योगदान	1.16	1.23
अवकाश नकदीकरण/अवकाश वेतन अंशदान	269.17	33.96
ग्रेच्युटी	30.02	330.21
	705.04	**727.89**
कुल ए	**4706.84**	**4582.99**
नोएडा परिसर		
वेतन भत्ते	862.89	835.77
अन्य लाभ	52.69	57.97
कुल बी	**915.58**	**893.75**
कुल ए+बी	**5622.42**	**5476.73**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	व्यय	
	2024-25	2023-24
अनुसूची 16.1 - स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
प्रवेश	168.90	106.26
पुस्तकें और पाठ्यक्रम सामग्री	579.87	493.41
दीक्षांत समारोह	65.06	48.80
छात्र कल्याण गतिविधियाँ	191.31	171.68
छात्र गतिविधि केंद्र (उमंग)	38.69	37.47
पीजीपी पूर्व छात्र अनुभव	44.51	34.62
अभ्यागत संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) व्यय	276.90	237.59
पीजीपी विद्युत व्यय	272.46	278.62
पीजीपी विविध व्यय	212.58	144.82
पीजीपी शिक्षण मानदेय	164.64	144.75
सफाई और सुरक्षा व्यय	424.61	366.99
एबीएम व्यय (विशिष्ट)	12.11	5.42
पीजीपी ई और आई व्यय	7.37	11.66
कुल ए	**2459.02**	**2082.09**
पीजीपी छात्रवृत्तियां		
छात्रवृत्तियाँ - योग्यता व संसाधन आधारित	387.00	359.00
छात्रवृत्तियाँ- अन्य	178.35	94.75
कुल बी	**565.35**	**453.75**
कुल ए+बी	**3024.37**	**2535.84**
अनुसूची 16.2 - प्रबन्धन विकास कार्यक्रम		
लखनऊ परिसर		
कार्यक्रम व्यय	2191.89	2287.36
कुल ए	**2191.89**	**2287.36**
नोएडा परिसर		
नोएडा परिसर	475.74	397.65
कुल बी	**475.74**	**397.65**
कुल ए+बी	**2667.64**	**2685.00**
अनुसूची 16.3 - फेलो कार्यक्रम		
लखनऊ परिसर		
प्रशासनिक व्यय	22.25	19.84
फैलोशिप मानदेय	436.95	442.97
छात्र की आकस्मिकता	74.72	70.79
विद्युत व्यय	9.08	8.25
सुरक्षा, रखरखाव और सफाई	26.00	22.84
कुल ए	**569.01**	**564.70**
नोएडा परिसर		
अभ्यागत संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) और प्रशासनिक व्यय	17.86	11.17
कुल बी	17.86	11.17
कुल ए+बी	**586.86**	**575.87**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

(रु. लाख में)

विवरण	व्यय	
	2024-25	2023-24
अनुसूची 16.4 - पीजीपी-एसएम		
प्रवेश व्यय	4.03	0.69
पुस्तकें और पाठ्यक्रम सामग्री	40.56	36.92
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	17.46	23.84
विद्युत का व्यय	24.54	27.93
सफाई और सुरक्षा व्यय	56.88	54.09
विविध व्यय	63.16	32.12
प्लेसमेंट व्यय	2.23	1.04
छात्रवृत्तियाँ - योग्यता व संसाधन आधारित	0.00	0.00
कुल	**208.87**	**176.63**
अनुसूची 16.5 - पीजीपीडब्ल्यूई		
प्रवेश व्यय	17.33	0.30
पाठ्यक्रम सामग्री	30.45	29.28
अंतर्राष्ट्रीय कम्प. व्यय	220.33	187.77
आतिथ्य/विविध व्यय	52.22	42.02
अभ्यागत संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) व्यय	32.44	25.42
विद्युत	32.73	37.24
सफाई और सुरक्षा व्यय	75.84	72.12
कुल	**461.33**	**394.14**
अनुसूची 16.6 - आईपीएमएक्स		
प्रवेश व्यय	32.91	70.44
पुस्तकें और पाठ्यक्रम सामग्री	55.52	69.32
आतिथ्य व्यय	110.03	90.78
अंतरराष्ट्रीय व्यय	702.51	662.33
विविध व्यय	64.51	52.89
अभ्यागत संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) व्यय	36.51	53.24
विद्युत	54.00	61.44
सफाई और सुरक्षा व्यय	125.14	119.00
प्लेसमेंट व्यय	1.41	14.38
कुल	**1182.54**	**1193.81**
अनुसूची 16.7 - प्लेसमेंट		
प्लेसमेंट व्यय	60.63	49.60
कुल	**60.63**	**49.60**
अनुसूची 16.8 - परामर्श		
लखनऊ परिसर		
परामर्श व्यय	459.75	198.97
कुल ए	**459.75**	**198.97**
नोएडा परिसर	0.00	0.00
परामर्श व्यय	8.83	0.00
कुल बी	8.83	0.00
कुल ए+बी	**468.57**	**198.97**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

(रु. लाख में)

विवरण	व्यय	
	2024-25	2023-24
अनुसूची 16.9 - सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट)		
सामान्य प्रवेश परीक्षा व्यय	23.26	18.34
कुल	**23.26**	**18.34**
अनुसूची 16.10 - समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ		
नगर निगम -	0.98	0.92
परिसर -	0.38	0.39
कुल	**1.36**	**1.31**
अनुसूची 16.11 - अनुसंधान एवं विकास		
लखनऊ परिसर		
सॉफ्टवेयर और इंटरनेट	100.21	90.30
सदस्यता शुल्क	16.59	16.64
एलपीएस-आईआईएमएल राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार	0.17	25.94
सेमिनार/सम्मेलन	118.64	138.85
संकाय विकास और प्रोत्साहन	368.21	421.75
अधिकारी विकास	12.48	11.26
मान्यता और अनुसंधान विकास	80.54	63.04
संस्थान की पत्रिका - मेटामोर्फेसिस	0.00	3.20
बीज धन/ अनुसंधान परियोजनाएं/ एआईआरसी अनुभव/ सीपीपी अनुभव	25.25	25.40
कुल	**722.11**	**796.38**
नोएडा परिसर		
संकाय विकास और प्रोत्साहन	78.55	85.77
सेमिनार/सम्मेलन और सॉफ्टवेयर/इंटरनेट/अन्य गतिविधियाँ	47.15	34.18
आईआईएमएल ईआईसी / बीज धन एवं अनुसंधान परियोजनाएं	504.07	330.03
कुल	**629.77**	**449.98**
कुल	**1351.88**	**1246.36**
महायोग (16.1 से 16.11)	**10037.31**	**9075.88**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर		
ए) आधारभूत अवसंरचना		
विद्युत	108.48	111.28
बीमा	3.31	3.48
बी) संचार		
डाक एवं स्टेशनरी	21.86	20.61
दूरसंचार व्यय	39.16	36.99
सी) अन्य		
सुरक्षा, सफाई और रखरखाव सेवाएँ	297.23	232.62
बागवानी (मजदूरी एवं वृक्षारोपण)	115.64	108.86
आतिथ्य और अतिथि गृह व्यय	29.63	28.35
संकाय/कर्मचारी भर्ती	13.34	23.54
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	2.36	2.36
एजी ऑडिट शुल्क	1.08	4.07
कार्यालय आकस्मिकताएँ	2.74	2.75
आधिकारिक कार्य	12.64	10.87
विज्ञापन और प्रचार	23.61	19.67
कानूनी व्यय	2.13	2.30
बीओजी व्यय	6.19	25.51
सामुदायिक विकास	11.73	13.53
यात्रा व्यय	8.15	11.04
पेशेवर और परामर्श अनुभव	22.18	10.23
अचल संपत्तियों की बिक्री पर हानि	4.38	9.58
जटिल ऋणों के लिए प्रावधान - प्लेसमेंट	0.39	92.04
कुल ए	**726.21**	**769.69**
नोएडा परिसर		
ए) बुनियादी ढांचा		
विद्युत	15.48	18.62
किराया, दरें और कर (संपत्ति कर/ पट्टा किराया सहित)	72.84	72.84
बी) संचार		
डाक एवं स्टेशनरी	5.90	11.47
दूरसंचार व्यय	6.42	6.52
सी) अन्य		
सुरक्षा, सफाई और रखरखाव	37.92	36.06
आतिथ्य और अतिथि गृह व्यय	14.95	18.61
बागवानी व्यय	5.85	4.97
संयुक्त छात्र गतिविधि व्यय	31.49	12.46
यात्रा व्यय	5.41	6.75
कार्यालय आकस्मिकताएँ	2.79	3.32
आधिकारिक समारोह/कानूनी व्यय/अन्य व्यय	18.77	3.13
निपटाई गई परिसंपत्तियों पर हानि	0.00	16.73
जटिल ऋणों के लिए प्रावधान -एमडीपी/सीएमईई/अन्य	96.03	0.00
कुल बी	**313.85**	**211.49**
कुल ए+बी	**1040.06**	**981.18**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर		
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)		
क) वाहनों के लिए ईंधन	1.10	1.01
ख) मरम्मत और रखरखाव वाहन	0.96	0.64
'ग) वाहन बीमा व्यय	0.18	0.82
2. वाहन (टैक्सी) किराये का खर्च	21.37	20.75
कुल ए	**23.60**	**23.22**
नोएडा परिसर		
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)	0.33	0.47
2. वाहन (टैक्सी) किराये का खर्च	0.71	1.29
कुल B	**1.04**	**1.76**
कुल ए+बी	**24.64**	**24.98**

अनुसूची 19 - मरम्मत और रखरखाव

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर		
पीजीपी मरम्मत व रखरखाव	115.46	24.24
कार्यालय / भवन मरम्मत व रखरखाव	163.65	127.51
फर्नीचर मरम्मत व रखरखाव	5.31	12.89
उपकरण मरम्मत व रखरखाव	136.17	110.61
कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मरम्मत व रखरखाव	192.71	166.50
कुल ए	**613.29**	**441.74**
नोएडा परिसर		
कार्यालय / भवन मरम्मत व रखरखाव	134.99	127.77
फर्नीचर मरम्मत व रखरखाव	1.91	1.67
उपकरण मरम्मत व रखरखाव	108.31	119.64
कंप्यूटर मरम्मत व रखरखाव	36.76	7.70
कुल बी	**281.97**	**256.78**
कुल ए+बी	**895.26**	**698.52**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ के वर्ष 2024-25 के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
बैंक शुल्क(लखनऊ क्षेत्र)	0.90	1.54
बैंक शुल्क(नोएडा परिसर)	0.00	0.00
कुल	**0.90**	**1.54**

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर- अपरिवर्तनीय शेष बट्टे खाते में डाल दिया गया	0.00	3.94
- अन्य	0.00	0.00
नोएडा परिसर	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**3.94**

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	2024-25	2023-24
लखनऊ परिसर- सेमिनार एवं सम्मेलन	0.00	1.70
- अन्य	2.99	0.00
नोएडा परिसर	0.00	0.00
कुल	**2.99**	**1.70**

(अमित शंकधर)
वित्त एवं लेखाधिकारी

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 23 - महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. खातों की तैयारी का आधार:

1.1 वित्तीय विवरण, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो, उपार्जन के आधार पर ऐतिहासिक लागत अवधारणा के तहत तैयार किए जाते हैं।

1.2 संस्थान ने अपने वित्तीय विवरणों को केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए संशोधित वित्तीय रिपोर्टिंग प्रारूप के अनुसार प्रस्तुत किया है।

2. राजस्व की मान्यता:

2.1 विविध प्राप्तियां, कैट आय, प्रवेश फार्मों की बिक्री और बचत बैंक खातों पर ब्याज का लेखांकन नकद आधार पर किया जाता है। एमडीपी और परामर्श शुल्क सहित विभिन्न कार्यक्रमों के छात्रों से शुल्क आवधिक आधार पर एकत्र किया जाता है और इसका लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

2.2 भूमि, भवनों और अन्य संपत्ति से होने वाली आय तथा निवेश पर ब्याज का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

2.3 गृह निर्माण और कंप्यूटर के लिए कर्मचारियों को दिए गए ब्याज वाले अग्रिमों पर ब्याज का लेखांकन प्रत्येक वर्ष उपार्जन आधार पर किया जाता है, यद्यपि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण पुनर्भुगतान के बाद ही प्रारंभ होती है।

3. स्थायी परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास:

3.1 स्थायी परिसंपत्तियों को अधिग्रहण, स्थापना और चालू करने से संबंधित आवक भाड़ा, शुल्क और करों तथा आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्ययों सहित अधिग्रहण की लागत पर अंकित किया जाता है।

3.2 कैग की सलाह के अनुसार, अनुसूची-4 में स्थायी परिसंपत्तियों को मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों में वर्गीकृत किया गया है।

3.3 2017-18 से क्रय की गई सभी परिसंपत्तियों पर सीधी रेखा विधि (एसएलएम) से और 2017-18 से पहले क्रय की गई परिसंपत्तियों पर लिखित मूल्य विधि (डब्ल्यूडीवी) से मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है।

3.4 परिसंपत्तियों के पुनर्वर्गीकरण के साथ, संचित मूल्यह्रास की राशि को भी संबंधित परिसंपत्ति खंड में स्थानांतरित कर दिया गया है।

क्र. सं.	विवरण	एसएलएम (01.04.2017 से वृद्धि)	डब्ल्यूडीवी (31.03.2017 तक वृद्धि के लिए)
1	कार्यालय भवन	2%	10%
2	आवासीय भवन	2%	5%
3	कार्यालय उपकरण	7.5%	15%
4	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%	10%
5	कर्मचारी वाहन	10%	15%
6	कार्यालय स्वचालन, कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	20%	40%
7	उपहार में प्राप्त कंप्यूटर साफ्टवेयर आदि	40%	100%
8	पुस्तकालय की पुस्तकें और माइक्रोफिल्म, सीडी रोम, वैज्ञानिक जर्नल आदि	10%	40%
9	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%	60%
10	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	10%
11	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%	15%
12	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	15%
13	ई-जर्नल	40%	40%
14	कंप्यूटर साफ्टवेयर	40%	60%
15	प्रायोजित / वित्त पोषित परियोजना उपकरण	5%	60%

3.5 वर्ष के दौरान हुई वृद्धियों पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है।

3.6 जब कोई परिसंपत्ति पूर्ण रूप से मूल्याह्रासित हो जाती है, तो उसे तुलन पत्र में 1 रुपये के अवशिष्ट मूल्य पर दर्शाया जाएगा और उस पर आगे मूल्यह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष हुई वृद्धियों पर उस परिसंपत्ति शीर्ष के लिए लागू मूल्यह्रास की दर से अलग से मूल्यह्रास की गणना की जाती है।

3.7 ऐसी परिसंपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य 2000 रुपये या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर), उन्हें कम मूल्य की संपत्ति माना जाता है, और ऐसी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के समय उन पर 100% मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रखा जाता है।

3.8 उपहार/दान में दी गई परिसंपत्तियों का मूल्यांकन घोषित मूल्य पर किया जाता है, जहां यह उपलब्ध हो। यदि यह उपलब्ध नहीं है, तो परिसंपत्ति की भौतिक स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मूल्य का अनुमान लगाया जाता है। इन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा स्थापित किया जाता है और संस्थान की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।

3.9 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन उन पर मुद्रित बिक्री मूल्यों पर किया जाता है। जहां मूल्य मुद्रित नहीं होता है, वहां मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

4. अमूर्त परिसंपत्तियां:

4.1 ई-पत्रिकाओं और कंप्यूटर साफ्टवेयर को संस्थान की अमूर्त संपत्ति माना जा रहा है और अलग से दर्शाया गया है।

5. स्टाक::

स्टेशनरी/मुद्रण सामग्री और बिजली की वस्तुओं की खरीद पर हुए व्यय को 31 मार्च, 2025 को रखे गए अंतिम स्टाक के मूल्य के समायोजन के बाद राजस्व व्यय के रूप में लेखांकित किया जाता है। अंतिम स्टाक का मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

6. सेवानिवृत्ति:

6.1 कर्मचारियों की ग्रेच्युटी के लिए, एलआईसी (निधि प्रबंधक के रूप में) के माध्यम से एक स्वतंत्र निधि का गठन करके एक समूह ग्रेच्युटी योजना स्थापित की गई है, जो ग्रेच्युटी देयता का प्रबंधन करती है और यह 2001-02 से प्रचालन में है।

6.2 कर्मचारियों के अर्जित अवकाश नकदीकरण के लिए, एलआईसी (निधि प्रबंधक के रूप में) के माध्यम से एक स्वतंत्र निधि का गठन करके एक समूह अवकाश नकदीकरण योजना स्थापित की गई है, जो संस्थान की अर्जित अवकाश नकदीकरण देयता का प्रबंधन करती है।

6.3 कर्मचारियों की पेंशन देयता के लिए, एलआईसी (निधि प्रबंधक के रूप में) के माध्यम से एक स्वतंत्र निधि का गठन करके एक समूह अधिवर्षिता योजना परिभाषित लाभ (जीएसएसडीबी) नीति स्थापित की गई है, जो संस्थान की पेंशन देयता का प्रबंधन करती है और यह 01.02.2024 से प्रचालन में है।

6.4 शासी मंडल (बीओजी) के अनुमोदित कार्यवृत्त के अनुसार, 01.01.2004 को या उसके बाद संस्थान में शामिल हुए कर्मचारियों के संबंध में एनपीएस लागू है।

7. निवेश:

7.1 सभी निवेश लंबी अवधि के लिए रखे गए हैं, इसलिए उनका मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

7.2 आवश्यकतानुसार निवेश का नवीनीकरण किया गया है। अल्पकालिक निवेशों को उनकी लागत या बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर अंकित किया जाता है।

8 चिह्नित/बंदोबस्ती निधियां:

8.1 सभी दीर्घकालिक निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए चिह्नित किया गया है। बड़ी शेष राशि वाली निधियों का बैंकों/एलआईसी/सरकारी प्रतिभूतियों में सावधि जमा के रूप में भी निवेश है। निवेश से प्राप्त उपार्जन ब्याज आय और बचत बैंक पर ब्याज को संबंधित निधियों में जमा किया जाता है। व्यय को निधियों में नामे (डेबिट) डाला जाता है। चिह्नित निधियों से बनाई गई परिसंपत्तियां, जिनका स्वामित्व संस्थान में निहित होता है, उन्हें पूंजी निधि में एक समान राशि जमा करके संस्थान की परिसंपत्तियों में विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे ले जाया जाता है और इसे परिसंपत्ति पक्ष में बैंक शेष, निवेश और उपार्जित ब्याज द्वारा दर्शाया जाता है।

8.2 8.2 सभी बंदोबस्तियों को अलग-अलग पूरे विवरण के साथ सूचीबद्ध करने वाली एक उप-अनुसूची **अनुलग्नक 'ए'** के रूप में संलग्न है।

9. चिह्नित निधियों का निवेश और ऐसे निवेशों पर उपार्जित ब्याज आय:

जिस सीमा तक व्यय के लिए तत्काल आवश्यकता नहीं है या वित्तीय वर्ष के अंत में राशि जोड़ी गई है, ऐसी निधियों के लिए उपलब्ध राशि को अनुमोदित सरकारी बांडों में निवेश किया जाता है या बैंकों में सावधि जमा के रूप में जमा किया जाता है, और शेष राशि को बचत बैंक खातों में (जहां भी लागू हो) छोड़ दिया जाता है।

ऐसे निवेशों पर प्राप्त ब्याज, उपार्जित और देय ब्याज तथा उपार्जित लेकिन अप्राप्य ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और इसे संस्थान की आय नहीं माना जाता है।

10. प्रायोजित और परामर्श परियोजनाएं:

10.1 चल रही परामर्श परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशियों को 'चालू देयताएं और प्रावधान' समूह में जमा किया जाता है और ऐसी परियोजनाओं पर किए गए व्यय/चुकाए गए अग्रिमों को 'ऋण, अग्रिम और जमा' समूह में दर्शाया जाता है।

10.2 व्यक्तिगत परामर्श और वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के विरुद्ध प्राप्त अग्रिम और भुगतानों को सूचीबद्ध करने वाली एक उप-अनुसूची **अनुलग्नक-बी** के रूप में संलग्न है।

10.3 प्रायोजित छात्रवृत्तियों के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को 'छात्रवृत्ति अन्य प्राप्त' में जमा किया जाता है और छात्रों को इसके भुगतान पर, इसे 'पीजीपी व्यय' के तहत 'छात्रवृत्ति अन्य प्रदत्त' खाते में नामे (डेबिट) डाला जाता है।

11. पट्टाधृत भूमि:

नोएडा स्थित पट्टाधृत भूमि को 90 वर्षों की पट्टा अवधि में परिशोधित किया जा रहा है।

12. आयकर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10(23ग) (iv) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

(प्रो. मनमोहन प्रसाद गुप्ता)
निदेशक

वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ के
वार्षिक वित्तीय विवरणों से सम्बद्ध अनुसूचियां

अनुसूची 24 आकस्मिक देयताएं और खातों पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देयताएं:

1.1 दिनांक 31.03.2025 को, संस्थान के विरुद्ध पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों, किरायेदारों और ठेकेदारों द्वारा दायर किए गए न्यायालय के मामले तथा ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता के मामले निर्णयों के लिए लंबित थे। दावों की राशि निर्धारित नहीं की जा सकती है।

विवाद में सेवा कर की मांग 85.67 लाख रुपये

2. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं:

दिनांक 31.3.2025 को 71.62 लाख रुपये की पूंजीगत प्रतिबद्धताएं हैं।

3. पेटेंट:

संस्थान से संबंधित कोई पेटेंट नहीं है।

4. जमा देयताएं:

वित्तीय वर्ष 2021–22 से पूर्व की पच्चीस लाख इकसठ हजार रुपये की वह राशि, जो अर्जित धनराशि जमा तथा सुरक्षा जमा के रूप में अप्राप्त जमा के रूप में लंबित थी, उसे राजस्व खाते में स्थानांतरित कर वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए विविध आय के रूप में लेखांकित किया गया।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय:

(i)	यात्रा	₹ 20.90 लाख
(ii)	रसायन आदि के आयात के लिए विदेशी ड्राफ्ट	₹ 00.00 लाख
(iii)	अन्य	₹ 672.64 लाख
		कुल ₹ 693.54 लाख

6. स्थायी परिसंपत्तियां:

6.1 अनुसूची-4 में स्थायी परिसंपत्तियों में वर्ष के दौरान हुई वृद्धियों में योजना निधियों (7030.48 लाख रुपये), गैर-योजना निधियों (शून्य रुपये), ए.डी. निधि (शून्य रुपये), प्रायोजित परियोजनाओं (शून्य रुपये) से क्रय की गई परिसंपत्तियां और संस्थान को उपहार में दी गई पुस्तकालय की पुस्तकें तथा (शून्य रुपये) मूल्य की अन्य परिसंपत्तियां शामिल हैं। परिसंपत्तियों को पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा स्थापित किया गया है।

6.2 अनुसूची 4 में निर्धारित स्थायी परिसंपत्तियों में प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से क्रय की गई, संस्थान द्वारा धारित और उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं, क्योंकि परियोजना अनुबंधों में यह शर्त शामिल है कि परियोजना निधियों से क्रय की गई ऐसी सभी परिसंपत्तियां प्रायोजकों की संपत्ति बनी रहेंगी।

ऐसी परिसंपत्तियों का विवरण इस प्रकार है:

परिसंपत्तियां	01.04.2024 को मूल लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि (रु.)	कुल (रु.)	काल्पनिक मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए काल्पनिक मूल्यह्रास (रु.)	कुल काल्पनिक मूल्यह्रास	31.03.2025 को कुल बही मूल्य (रु.)
शून्य							

7. वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा:

प्रबंधन की राय में, सामान्य कारोबार के दौरान वसूली पर वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिमों और जमाओं का मूल्य, तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि से कम नहीं है।

8. पिछले वर्षों के आंकड़ों को जहां भी आवश्यक हो, पुनः समूहीकृत किया गया है।

9. अंतिम खातों में आंकड़ों को निकटतम लाख रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10. अनुसूचियां 1 से 24 संलग्न हैं और 31 मार्च, 2025 को तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का एक अभिन्न अंग हैं।

11. चूंकि सामान्य भविष्य निधि खाते और अंशदायी भविष्य निधि खाते पेंशन योजना खाते उन निधियों के सदस्यों के स्वामित्व में हैं और आई.आई.एम.ई.पी.एफ. ट्रस्ट, लखनऊ द्वारा प्रबंधित किए जा रहे हैं, इसलिए इन खातों को संस्थान के खातों से अलग कर दिया गया था और ट्रस्ट का एक प्राप्ति और भुगतान खाता, एक आय और व्यय खाता (उपार्जन आधार पर) और एक तुलन पत्र, संस्थान के खातों के साथ वर्ष 2024-25 के लिए परिशिष्ट-1 में संलग्न किया जा रहा है।

12. लेखांकन मानक (एएस) 18, संबंधित पक्ष प्रकटीकरण:

(i) शैक्षणिक संस्थान और शैक्षणिक संस्थान का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट या सोसायटी के बीच लेनदेन: शून्य

(ii) शैक्षणिक संस्थान और शैक्षणिक संस्थान के शासी निकाय के न्यासियों या सदस्यों के बीच लेनदेन: शून्य

(iii) शैक्षणिक संस्थान और ट्रस्ट के लेखक या संस्थान के संस्थापक के बीच लेनदेन: शून्य

(iv) शैक्षणिक संस्थान और उसी ट्रस्ट या सोसायटी द्वारा प्रबंधित किसी अन्य शैक्षणिक संस्थान या किसी अन्य शैक्षणिक इकाई के बीच लेनदेन, यदि संबंधित कानून/उप-नियम आदि द्वारा अनुमति हो: शून्य

(v) शैक्षणिक संस्थान और न्यासियों के रिश्तेदारों, या शैक्षणिक संस्थान का प्रबंधन करने वाले शासी निकाय के सदस्यों या ट्रस्ट के लेखक या संस्थान के संस्थापक के बीच लेनदेन। इस प्रयोजन के लिए, एक व्यक्ति के संदर्भ में, एक रिश्तेदार का अर्थ है पति, पत्नी, बेटा, बेटी, भाई, बहन, पिता और मां, जिनसे यह उम्मीद की जा सकती है कि वे शैक्षणिक संस्थान के साथ अपने व्यवहार में उस व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं, या उससे प्रभावित हो सकते हैं। शून्य

(vi) शैक्षणिक संस्थान और उसके प्रमुख प्रबंधन कर्मियों या प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के रिश्तेदारों के बीच लेनदेन। प्रमुख प्रबंधन कर्मी उन व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करेंगे जिनके पास शैक्षणिक संस्थान की गतिविधियों की योजना बनाने, निर्देशन और नियंत्रण करने का अधिकार और दायित्व है। एक शैक्षणिक संस्थान के मामले में, प्रमुख प्रबंधन कर्मियों का एक उदाहरण प्रधानाचार्य/कुलपति है। शून्य

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

(प्रो. मनमोहन प्रसाद गुप्ता)
निदेशक

अनुलग्नक - 'ए'

वर्ष 2024-25 के लिए एंडोमेंट निधि का विवरण

परिचालन खाता:-

(रु. लाख में)

	प्रारंभिक जमा	व्यय	ब्याज आय	जमा शेष	निधि का समापन शेष
ए/सी एपीजे ट्रस्टएफपीएम	1.05	0.00	0.09	1.14	1.00
एपीजे ट्रस्ट स्कूल का ए/सी संचालन	2.10	0.08	0.09	2.11	1.00
ए/सी बीपीसीएल चेयर्स	44.75	0.00	3.21	47.96	40.00
ए/सी बीएसईएस अध्यक्ष	19.41	0.00	0.87	20.28	10.00
ए/सी बुद्धिराजा मेडल	0.60	0.00	0.05	0.65	0.60
ए/सी सीबीआई छात्रवृत्ति	3.23	1.25	1.08	3.06	15.00
ए/सी कॉस्मोड मेडल	0.61	0.00	0.05	0.66	0.60
ए/सी एस्कॉटल चेयर	6.64	0.00	0.35	6.99	4.00
ए/सी आईडीबीआई अध्यक्ष	34.78	0.00	1.71	36.49	25.00
ए/सी आईआईएमएल कक्षा-वर्ष 93	4.08	0.25	0.30	4.13	3.70
ए/सीआई दयाल चेयर	51.54	2.06	10.41	59.89	120.00
ओएनजीसी संचालन लेखा अध्यक्ष	25.33	0.36	4.01	28.98	50.00
ए/सीआई दयाल शॉ	19.47	0.75	2.60	21.32	30.00
ए/सी सरीन मेडल	1.41	0.00	0.09	1.50	1.00
ए/सी राधाकृष्णन गोपालन	0.24	1.20	6.27	5.31	77.72
रेखी फाउंडेशन	0.25	0.00	2.40	2.65	30.00
निधियां/बी	**409.62**	0.00	0.00	409.62	**409.62**
जमा शेष	**625.11**	**5.95**	**33.58**	**652.74**	

31/03/2025 तक अग्रिम प्राप्तियां और अग्रिम भुगतान

लखनऊ परिसर

परामर्श अग्रिम आय	
सी331	38.00
सी339	7.51
सी341	10.92
सी342	11.96
सी343	3.18
सी344	2.10
सी345	28.53
कुल:	**102.20**
एफआर158	5.72
एफआर164	53.76
एफआर166	6.34
कुल:	**65.82**

लखनऊ परिसर

परामर्श अग्रिम व्यय	
सी331	4.55
सी339	3.35
सी341	5.83
सी342	0.71
सी344	1.29
कुल:	**15.73**

लखनऊ परिसर

एसएम परियोजना व्यय	
आर259	5.00
आर261	0.13
आर267	1.60
आर269	1.62
आर270	3.28
आर275	2.14
आर276	2.83
आर277	3.75
आर279	7.68
आर280	3.96
आर281	2.69
आर285	3.84
आर287	0.55
आर288	1.29
एफआर164	50.45
एफआर166	6.24
कुल	**97.05**

नोएडा परिसर

वित्त पोषित अनुसंधान अग्रिम आय	
एफआर161	3.00
एफआर-158	5.72
कुल	**8.72**

नोएडा परिसर

एसएम और एफआर परियोजना व्यय	
एफआर-158	11.97
एफआर-161	1.89
आर274	1.72
आर278	0.52
कुल	**16.10**

भारतीय प्रबन्ध संस्थान कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट, लखनऊ
31.03.2025 तक तुलन पत्र

(रु. लाख में)

विवरण		वर्तमान वर्ष 2024-25	गत वर्ष 2023-24
1. धन के स्रोत			
1.1 सामान्य भविष्य निधि			
प्रारंभिक जमा	2317.42		2738.87
जोड़ें: सदस्यता	197.67		186.65
जमा किया गया ब्याज	145.88		178.09
	2660.97		3103.61
घटाएँ: अंतिम निकासी/स्थानांतरण/समायोजन	762.18		786.19
		1898.79	**2317.42**
1.2 अंशदायी भविष्य निधि			
प्रारंभिक जमा	311.66		426.94
जोड़ें: सदस्यता	0.00		12.83
नियोक्ता का योगदान	22.48		8.33
जमा किया गया ब्याज	22.95		24.68
	357.10		472.78
घटाएँ: अंतिम निकासी/समायोजन	0.00		161.12
		357.10	**311.66**
1.3 अंशदायी पेंशन योजना निधि			
प्रारंभिक जमा	37.75		38.00
जोड़ें: सदस्यता	0.00		0.00
नियोक्ता का योगदान	0.00		0.00
जमा किया गया ब्याज	0.00		0.00
	37.75		38.00
घटाएँ: अंतिम निकासी / एनपीएस में स्थानांतरण	0.00		0.25
		37.75	**37.75**
1.4 आय और व्यय खाता			
प्रारंभिक जमा	269.37		216.82
जोड़ें: आय व व्यय का खाते में स्थानांतरण	-9.33		52.55
	260.05		269.37
घटाएँ: बोनस/निपटान के लिए स्थानांतरित	-47.25		0.00
		212.80	**269.37**
1.5 अन्य देयताएं		**0.19**	**0.24**
	कुल	**2506.62**	**2936.44**

विवरण		वर्तमान वर्ष 2024-25	गत वर्ष 2023-24
2- निधियों का उपयोग			
2.1 निवेश			
(ए) सरकारी और एसबीआई विशेष जमा	82.92		82.92
(बी) बैंकों और अन्य के पास जमा	300.00		500.00
(सी) सरकारी प्रतिभूतियाँ (सीपी पर)	1422.00		1422.00
कम:	1804.92		0.00
अशोध्य ऋणों के लिए प्रावधान (उपार्जित)	9.50		0.00
		1795.42	**2004.92**
2.2 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम			
(क) सदस्यों को अग्रिम			
प्रारंभिक जमा	6.75		9.32
जोड़ें: वर्ष के दौरान भुगतान किया गया	16.50		2.50
घटाए/जोड़ें: वर्ष के दौरान वापसी/समायोजन	1.98		-5.08
		25.23	**6.75**
(ख) अर्जित ब्याज		**50.25**	**69.10**
(ग) प्राप्य टीडीएस		**6.29**	**4.45**
(घ) बैंक में अधिशेष			
यस बैंक एसबी खाता	10.30		9.85
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	561.71		686.52
एक्सिस बैंक एसबी खाता	57.44		154.85
		629.44	**851.22**
	कुल	**2506.62**	**2936.44**

स्थान : लखनऊ
तिथि: 20.05.2025

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
सचिव

(प्रो. मधुसूदन करमाकर)
अध्यक्ष

भारतीय प्रबन्ध संस्थान कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट, लखनऊ

31.03.2025 तक आय और व्यय खाता

(रु. लाख में)

विवरण		वर्तमान वर्ष 2024-25	गत वर्ष 2023-24
1 आय			
1.1 ब्याज:			
बचत बैंक खाते		17.61	40.41
सरकारी प्रतिभूतियाँ, जमाएँ और बांड आदि		151.65	170.85
आयकर रिनिधिपर ब्याज		0.03	0.12
ऑटोस्वीप एफडीआर पर ब्याज (पूर्व अवधि)		0.00	47.47
	कुल (1)	**169.29**	**258.85**
2 व्यय			
2.1 भुगतान किया गया ब्याज			
जीपीएफ सदस्य खाते में भुगतान/जमा किया गया		145.88	178.09
सीपीएफ सदस्यों के खाते में भुगतान/जमा किया गया		22.95	24.68
व्यावसायिक एवं यात्रा अनुभव.		0.27	0.00
प्रीमियम का परिशोधन		0.00	3.27
बैंक शुल्क/विविध		0.02	0.26
2.2 अन्य व्यय			
अशोध्य ऋणों के लिए प्रावधान-निवेश		9.50	0.00
	कुल (2)	**178.62**	**206.30**
3 व्यय की तुलना में आय की अधिकता			
तुलन पत्र में स्थानांतरित	**(3)**	-9.33	52.55
	कुल (2+3)	**169.29**	**258.85**

स्थान : लखनऊ
तिथि: 20.05.2025

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
सचिव

(प्रो. मधुसूदन करमाकर)
अध्यक्ष

भारतीय प्रबन्ध संस्थान कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट, लखनऊ

31.03.2025 तक आय और व्यय खाता

(रु. लाख में)

	विवरण		वर्तमान वर्ष 2024-2025	गत वर्ष 2023-2024
1	**प्राप्तियां**			
	1.1 प्रारंभिक शेष			
	यस बैंक एसबी खाता	9.85		9.40
	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एसबी खाता	686.52		796.00
	एक्सिस बैंक, एसबी खाता	154.85		88.71
			851.22	**894.11**
	1.2 निवेश की परिपक्वता			
	एफडीआर, बांड और अन्य		**500.00**	**450.00**
	1.3 प्राप्त ब्याज			
	बचत बैंक खाता	17.61		40.41
	एफडीआर, एसडीएस और अन्य जमा	164.16		196.59
			181.77	**237.00**
	1.4 सदस्य खाते			
	सदस्य खाता जीपीएफ (अग्रिम की वसूली सहित)	144.22		178.90
	सदस्य खाता सीपीएफ	20.57		21.16
	सदस्य खाता सीपीएस	0.00		0.00
			164.80	**200.06**
	1.5 आयकर से प्राप्त (आईटीआर रिनिधि)		**4.49**	**0.00**
	1.6 आईआईएमएल से प्राप्त			**8.81**
		कुल (1)	**1702.28**	**1789.98**
2	**भुगतान**			
	2.1 निवेश			
	एफडीआर, बांड और अन्य		**300.00**	**0.00**
	2.2 सदस्यों को भुगतान			
	अग्रिम	16.50		2.50
	अंतिम निकासी जीपीएफ	729.60		775.12
	अंतिम निकासी सीपीएफ	0.00		0.00
	सीपीएस को दिया गया बोनस	26.38		0.00
	सीपीएस बैलेंस को एनपीएस ट्रस्ट में स्थानांतरित करना	0.00		161.12
	ब्याज भुगतान/बैंक शुल्क आदि	0.26		0.02
			772.74	**938.76**
	2.3 समापन शेष			
	यस बैंक एसबी खाता	10.30		9.85
	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एसबी खाता	561.71		686.52
	एक्सिस बैंक एसबी खाता	57.44		154.85
			629.44	**851.22**
	2.4 पेशेवर शुल्क का भुगतान		**0.10**	**0.00**
		कुल (2)	**1702.28**	**1789.98**

स्थान : लखनऊ
तिथि: 20.05.2025

(सत्येन्द्र त्रिपाठी)
सचिव

(प्रो. मधुसूदन करमाकर)
अध्यक्ष

टिप्पणी

टिप्पणी

भारतीय प्रबन्ध संस्थान लखनऊ

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT LUCKNOW